

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report

सत्र 2019-20



पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
North Eastern Regional Institute of Science and Technology

(मानक विश्वविद्यालय)

(Deemed-to-be-University)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत
Under Ministry of Human Resource Development, Govt, of India

निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 791 109
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुक्रमणिका

अनुभाग	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक महोदय की कलम से	1
2	संस्थान का परिचय	2-3
3	शैक्षिक कार्यक्रम	4-16
4	विभाग	17-172
5	केन्द्रीय सुविधायें, सेवायें तथा गतिविधियाँ	173-185
6	मानव संसाधन	186-187
7	परिसर जीवन तथा अन्य पाठ्यतर गतिविधियाँ	188-204
8	वित्त एवं लेखा	205

परिशिष्ट	विवरण	पृष्ठ संख्या
i	नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची	206-207
ii	प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची	208-209
iii	वित्त समिति के सदस्यों की सूची	210
iv	शैक्षिक समिति के सदस्यों की सूची	211-213
v	भवन व कार्य समिति के सदस्यों की सूची	214
vi	संस्थान प्रशासन	215-216
vii	पुस्तकालय समिति के सदस्यों की सूची	217
viii	प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्यों की सूची	218
ix	छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्यों की सूची	219
x	नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2019	220-223
xi	संकाय सदस्यों की सूची	224-228
xii	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, 2019-20	229

अनुभाग - 1

निदेशक महोदय की कलम से.....

मुझे संस्थान के 33 वें वार्षिक प्रतिवेदन, 2019-20 को आपको समर्पित करने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिसमें संस्थान के पिछले वर्ष की विविध गतिविधियों का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। इस अवधि में, हमने संस्थान के संसाधनों के विकास तथा सुधार के लिए एक साथ काम किया है और एक उत्तरदायी एवं पारदर्शी प्रशासन देने के लिए गहन प्रयास किया है।

यह संस्थान नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष ब्रिगेडियर (सं.नि.) डॉ. बी. डी. मिश्रा, अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल व नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष के प्रति वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता है। प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष आचार्य उमेश चन्द्र राय दिनांक 18 मई, 2017 से संस्थान के लिए निरन्तर प्रेरणा एवं मार्गदर्शन के स्रोत रहे हैं, संस्थान उनका भी आभारी है। इस संदर्भ में, यह संस्थान तकनीकी ब्यूरो, आई.एफ.डी. तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों को भी उनसे समय समय पर मिलने वाले समर्थन एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करता है।

वर्ष 2019-20 की अवधि के दौरान, सभी सभी से प्राप्त व्यापक सहयोग के साथ कई शैक्षणिक पहल एवं आधारभूत विकास गतिविधियां की गई हैं। हालाँकि, पूर्णता के लिए कोई स्थान नहीं है और संस्थान अभी भी उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए अधिक मेहनत करेगा तथा जो अभी तक अपेक्षित है, उससे अधिक के लिए लक्ष्यों को पूरा करने का प्रयास करेगा।

संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त, अभिप्रेरित एवं अपेक्षित रूप से युवा संकाय सदस्य तथा गैर शिक्षण वर्ग के लगनशील कर्मचारी निष्ठा पूर्वक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के छात्र अनुशासित, अभिप्रेरित तथा निष्ठावान हैं, तथा देश के प्रसिद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने क्षेत्र में सफलता पाने में सक्षम हुए हैं। संस्थान के छात्रों ने अपने तथा संस्थान के लिए देश तथा विदेश में ख्याति अर्जित की है। संस्थान में कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं सफलता पूर्वक पूरी हुई हैं, जिनका वित्त पोषण बाह्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा किया गया है।

संस्थान में नियोजन आंकड़ों की स्थिति संतोषजनक है, परन्तु इसमें और सुधार लाए जाने की आवश्यकता है। संस्थान के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का वर्तमान दल हमारे विद्यार्थियों के नियोजन हेतु साक्षात्कार आयोजन करने के लिए देश के विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी/सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों को आमंत्रित करने के लिए यथा संभव प्रयास कर रहा है।

निदेशक

अनुभाग - 2 संस्थान का परिचय

2.1 संस्थान

अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण, सूर्योदय की भूमि अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की प्रायोगिक परियोजना के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य इस क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु तकनीकी मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करना था। संस्थान का परिसर अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र ईटानगर में निर्जुली में स्थित है, तथा यह गुवाहाटी से सड़क, हवाई तथा रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है।

यह संस्थान दिनांक 1 अप्रैल, 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत, एम.एच.आर.डी. द्वारा संस्थान को 31 मई, 2005 को "मानक विश्वविद्यालय" का स्तर प्रदान किया गया था।

यह संस्थान प्रवेश और निकास की बहुविध प्रणालियों के साथ शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का अनुकरण करता है, और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के विभिन्न स्तरों पर कुशल श्रम शक्ति तैयार कर रहा रहा है। नेरिस्ट में अपनाई जा रही विशिष्ट शिक्षा पद्धति का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम तथा त्रिपुरा को तकनीकी स्तर पर अन्य राज्यों के समकक्ष सबल बनाते हुए प्रौद्योगिकी अन्तर को समाप्त करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना है। सिक्किम राज्य को इसका लाभ प्राप्त करने वाले राज्य के रूप में वर्ष 2006 में शामिल किया गया।

यह संस्थान शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का सफलता पूर्वक संचालन कर रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान विभिन्न विभागों कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, वानिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, मानव विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान तथा अन्य सहायक विभागों के सहयोग से नौ प्रमाण पत्र कार्यक्रमों, छह डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा सात डिग्री कार्यक्रमों का अध्यापन कार्य कर रहा है। हांलाकि यह संस्थान छात्रों को कम उम्र (कक्षा 10 के पश्चात) में प्रवेश प्रदान करता है, तथापि इसके प्रभावशाली शैक्षिक तथा प्रशासनिक ढांचे ने शिक्षा का उच्च स्तर एवं व्यक्तित्व विकास के उच्च मूल्यों को बनाये रखने में सफलता प्राप्त की है।

संस्थान में वर्ष 1996-97 से दो स्नातकोत्तर कार्यक्रमों यथा: सूचना प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से किया गया था। संस्थान को 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त होने के पश्चात सभी अभियांत्रिकी विभागों में अंशकालिक और नियमित आधार पर पीजी और पीएचडी कार्यक्रम, वर्ष 2007-08 से वानिकी में एमएससी, वर्ष 2009-10 से भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एमएससी आरंभ किए गए। एमबीए सहित संस्थान के सभी ग्यारह विभागों में वर्ष 2006 से पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किए गए। अरुणाचल प्रदेश राज्य में एम.टेक. तथा एम.बी.ए. कार्यक्रमों की शिक्षा सर्वप्रथम आरम्भ करने का गौरव संस्थान को प्राप्त है।

संस्थान का दृष्टिकोण

वैश्विक आवश्यकताओं और बहु-सांस्कृतिक परिवेशगत मानकों को पूरा करते हुए समाज को विशेष सेवा प्रदान करने हेतु नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वबोध के साथ विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा, शोध और उद्यमिता में श्रेष्ठता प्राप्त करने की योग्यता युक्त श्रमशक्ति का निष्पादन करना ।

संस्थान का उद्देश्य

1. मौलिक माँड्यूलर प्रणाली के माध्यम से विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में एक मानक निर्मित करना।
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में उच्च नैतिक मूल्यों के साथ विभिन्न विषयों में वैश्विक स्तर पर सक्षम तकनीकी तथा वैज्ञानिक श्रमशक्ति तैयार करना।
3. अभियंताओं/प्रौद्योगिकीविदों/प्रशिक्षुओं को श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए हितधारकों, जवाबदेही, पर्यावरण और समाज को ध्यान में रखते हुए सृजनात्मकता के लिए प्रेरित करना।
4. शिक्षण, शोध एवं परामर्शी कार्यों में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए भारत तथा विदेशों के विश्व स्तर के शोध एवं विकास संस्थान, उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोगिता विकसित करना।

2.2 प्रशासनिक ढांचा

यह संस्थान समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत समिति है। वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल नेरिस्ट समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। श्री प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प संस्थान के प्रबन्धन मण्डल के अध्यक्ष हैं।

2.3 प्रमुख विशेषताएँ

- माँड्यूलर प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रणाली
- विविध स्तरीय प्रवेश एवं निकास प्रणाली
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए तकनीकी श्रमशक्ति के सृजन के लिए गैर-परम्परागत एवं विशिष्ट कार्यक्रमों का संचालन
- ज्ञान, कौशल एवं उच्च गुणवत्ता विकास के लिए मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली
- उच्च शिक्षित संकाय सदस्य तथा समर्पित कर्मचारी
- स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम
- उपकरणों से सज्जित प्रयोगशालाएं एवं कार्यशालाएं
- पूर्ण आवासीय संस्थान
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित संस्थान

अनुभाग - 3

शैक्षिक कार्यक्रम

3.1 परिचय

किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान का शैक्षिक विभाग उसका सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। सुचारु और सफल संचालन के लिए वर्तमान शैक्षिक विभाग को तीन अनुभागों, क्रमशः स्नातक शिक्षा अनुभाग, स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग तथा अनुसंधान शिक्षा (पीएच.डी.) अनुभाग में विभाजित किया गया है। स्नातक शिक्षा अनुभाग प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति/ अन्य शैक्षणिक व प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और उपाधि मॉड्यूल के मामलों को देखता है; स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग एम.टेक., एम.बी.ए., एवं एम.एससी. कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया एवं सम्बद्ध गतिविधियों का संचालन करता है। अनुसंधान शिक्षा अनुभाग विभागीय अनुसंधान समिति बैठकों के आयोजन, पीएच.डी. छात्रों को प्रवेश सम्बन्धी पत्राचार, परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनको डिग्री एवं छात्रवृत्ति आदि के आबंटन के कार्य का निष्पादन करता है। विभाग का वरिष्ठ आशुलिपिक दीक्षांत समारोह, शैक्षिक समिति बैठक, सूचना के अधिकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार तथा अन्य विविध शैक्षिक संबन्धित मामलों को भी देखता है। इस शाखा के प्रभारी सहायक कुल सचिव (शैक्षणिक) हैं। जुलाई-दिसंबर, 2019-20 को संस्थान में 1361 स्नातक विद्यार्थी, 388 स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा 274 पंजीकृत पीएच.डी. छात्र थे। संस्थान में वर्तमान विद्यार्थी संख्या 2023 है।

संस्थान के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के बी.टेक. कार्यक्रम को जुलाई, 2023 तक राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (एन.बी.ए.) की मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की भी मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों व एम.बी.ए. कार्यक्रम को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता प्राप्त है।

3.2 गतिविधियों का विवरण

संस्थान के पाठ्यक्रम के मॉड्यूलर संरचना में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शाखा में तीन स्वतंत्र मॉड्यूल और वानिकी में एक स्वतंत्र मॉड्यूल है, जो निम्नवत हैं :

क) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा

1. प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. डिप्लोमा कार्यक्रम
3. उपाधि कार्यक्रम

ख) वानिकी शाखा

उपाधि कार्यक्रम

यह संस्थान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा में तीन कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र (कक्षा 10 के पश्चात प्रवेश), डिप्लोमा (कक्षा 10+2 / या नेरिस्ट प्रमाण पत्र के पश्चात प्रवेश) तथा डिग्री कार्यक्रम (आवश्यक सी.जी.पी.ए. के साथ डिप्लोमा/ प्रथम श्रेणी में पोलेटेक्नीक डिप्लोमा के पश्चात प्रवेश) का संचालन कर रहा है। नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III के माध्यम से प्रवेश वाले डिग्री कार्यक्रम के सेतु पाठ्यक्रमों, जिसकी अवधि तीन वर्ष है के अलावा अन्य सभी कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है।

छात्र वृत्ति

संस्थान के छात्रों को विविध प्रकार की छात्रवृत्तियां जैसे ईशान उदय छात्रवृत्ति, राज्य सरकारो द्वारा प्रदत्त वजिफे तथा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से विविध छात्रवृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। गेट में सफल विद्यार्थियों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सौजन्य से वित्त उपलब्ध होने से छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त पीएच.डी. के शोध छात्रों को भारत सरकार के नियमानुसार छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद अनुमोदित पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश प्राप्त गेट योग्य उम्मीदवार एआईसीटीई - पीजी छात्रवृत्ति (गेट) के लिए पात्र हैं। पीएच.डी. अनुसंधान छात्रों को सरकार के मानदंडों के अनुसार फेलोशिप प्रदान की जाती है। संस्थान के बहुत सारे पीएच.डी. छात्रों को एनएफएसटी, सीएसआईआर-जेआरएफ, एनईटी-जेआरएफ, विश्वेश्वरैया फेलोशिप योजना के तहत सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की छात्रवृत्ति, अल्पसंख्यक छात्रों को एमएनएफ, ओबीएस राष्ट्रीय फेलोशिप, डीएसटी, भारत सरकार इंस्पायर फेलोशिप का लाभ दिया जा रहा है।

किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए छात्र की उपस्थिति 75 प्रतिशत होना आवश्यक है, अन्यथा छात्रवृत्ति बन्द की जा सकती है।

3.3 पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के तहत चलाए जा रहे पाठ्यक्रम

वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया -

प्रमाण पत्र कार्यक्रम

क्र. सं.	प्रमाणपत्र कार्यक्रम	व्ययवसाय
1.	कृषि अभियांत्रिकी	ट्रेक्टर मिस्त्री खाद्य प्रसंस्करण तकनीशियन
2.	निर्माण प्रौद्योगिकी	नक्सानविस सर्वेक्षक
3.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (विद्युत)	विद्युतकार
4.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिकी)	इलेक्ट्रॉनिक तकनीशियन
5.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (यांत्रिक)	यांत्रिक शिल्पकार शीतलन एवं वातानुकूलन तकनीशियन

डिप्लोमा कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ङ. इलेक्ट्रॉनिकी एवं विद्युत संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ङ. इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (वानिकी)

वानिकी में चार वर्षीय उपाधि कार्यक्रम

3.4 संस्थान द्वारा संचालित स्नातकोत्तर कार्यक्रम

संस्थान ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ कर दिया है और वर्ष 2019-20 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है -

एम.टेक. (पूर्णकालिक)

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक.
- (ख) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ग) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (घ) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत भू-तकनीक अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ङ) विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (च) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन में एम.टेक.
- (छ) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उष्मा-द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ज) इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत वीएलएसआई/ संचार अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (झ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कृषि यंत्र एवं ऊर्जा में एम.टेक.
- (ञ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी में एम.टेक.

एम.एससी.

- (क) वानिकी विभाग के अंतर्गत वानिकी में एम.एससी.
- (ख) भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत भौतिकी में एम.एससी.
- (ग) रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत रसायन विज्ञान में एम.एससी.
- (घ) गणित विभाग के अंतर्गत गणित में एम.एससी.

एम बी ए

प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अंतर्गत वाणिज्य प्रशासन में स्नातकोत्तर

पीएच.डी. (अंशकालिक) एवं पीएच.डी. (पूर्णकालिक)

अभियांत्रिकी शाखाएं

- कृषि अभियांत्रिकी
- भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी

विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन शाखाएं

- वानिकी
- भौतिकी
- रसायन विज्ञान
- गणित
- मानविकी एवं समाज विज्ञान

3.5 अन्य कोई संगत सूचना/आंकड़ा

जुलाई-दिसम्बर, 2019-20 सत्र के दौरान पंजीकृत छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

(क) पूर्व स्नातक कार्यक्रम

तालिका - 1 प्रथम वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	37	21	29
सिविल अभियांत्रिकी	44	42	47
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	38	21
विद्युत अभियांत्रिकी	44	43	44
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	44	25	19
यांत्रिक अभियांत्रिकी	43	34	39
कुल संख्या	212	203	199

तालिका - 2 द्वितीय वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	37	23	23
सिविल अभियांत्रिकी	42	37	47
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	22	22
विद्युत अभियांत्रिकी	38	51	44
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	37	27	32
यांत्रिक अभियांत्रिकी	37	36	44
कुल संख्या	191	196	212

तालिका - 3 उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

वर्ष	छात्रों की संख्या
प्रथम वर्ष	28
द्वितीय वर्ष	16
तृतीय वर्ष	13
चतुर्थ वर्ष	17
कुल संख्या	74

तालिका - 4 उपाधि सेतु वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	9
सिविल अभियांत्रिकी	16
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	8
विद्युत अभियांत्रिकी	14
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	13
यांत्रिक अभियांत्रिकी	14
कुल संख्या	74

तालिका - 5 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	22	15	27	10	49	25	74
सिविल अभियांत्रिकी	31	13	31	11	62	24	86
विद्युत अभियांत्रिकी	33	11	23	15	56	26	82
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	27	17	26	11	53	28	81
यांत्रिक अभियांत्रिकी	37	6	33	4	70	10	80
कुल	150	62	140	51	290	113	403

तालिका - 6 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (डिप्लोमा कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	13	8	12	11	25	19	44
सिविल अभियांत्रिकी	31	11	27	10	58	21	79
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	25	13	19	3	44	16	60
विद्युत अभियांत्रिकी	33	10	40	11	73	21	94
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	19	6	20	7	39	13	52
यांत्रिक अभियांत्रिकी	28	6	32	4	60	10	70
कुल	149	54	150	46	299	100	399

तालिका - 7 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		सेतु वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	5	4	23	6	16	7	44	17	61
सिविल अभियांत्रिकी	14	2	32	15	32	15	78	32	110
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	3	5	15	6	18	4	36	15	51
विद्युत अभियांत्रिकी	9	5	27	17	30	14	66	36	102
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	9	4	13	6	24	8	46	18	64
यांत्रिक अभियांत्रिकी	13	1	34	5	39	5	86	11	97
कुल	53	21	144	55	159	53	356	129	485

तालिका - 8 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि)

शाखा	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष एवं पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
वानिकी	15	13	6	10	8	5	7	10	74

तालिका - 9 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	6	13	6	49	74
सिविल अभियांत्रिकी	9	16	3	58	86
विद्युत अभियांत्रिकी	19	17	6	40	82
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	27	29	6	19	81
यांत्रिक अभियांत्रिकी	28	21	8	23	80
कुल	89	96	29	189	403

तालिका - 10 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	7	2	0	35	44
सिविल अभियांत्रिकी	16	14	4	45	79
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	26	8	5	21	60
विद्युत अभियांत्रिकी	29	9	6	50	94
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	20	10	1	21	52
यांत्रिक अभियांत्रिकी	36	12	4	18	70
कुल	134	55	20	190	399

तालिका - 11 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	9	7	1	44	61
सिविल अभियांत्रिकी	29	18	5	58	110
कम्प्युटर अभियांत्रिकी	13	10	4	24	51
विद्युत अभियांत्रिकी	32	15	5	50	102
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	19	14	3	28	64
यांत्रिक अभियांत्रिकी	36	17	9	35	97
वानिकी	17	11	7	39	74
कुल	155	92	34	278	559

तालिका - 12 छात्रों का राज्य-वार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	9	24	7	6	8	1	17	0	2	74
सिविल अभि.	8	27	9	9	8	8	8	1	8	86
विद्युत अभि.	13	16	14	8	9	5	8	0	9	82
इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	17	10	24	6	13	0	6	0	5	81
यांत्रिक अभि.	9	14	22	8	9	3	7	1	7	80
कुल	56	91	76	37	47	17	46	2	31	403

तालिका - 13 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजोरम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	2	17	0	7	9	2	5	1	1	44
सिविल अभि.	5	23	9	7	12	4	7	3	9	79
कम्प्यूटर अभि.	9	6	18	5	6	2	9	1	4	60
विद्युत अभि.	8	29	13	11	13	1	7	3	9	94
इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	9	4	12	8	11	0	3	0	5	52
यांत्रिक अभि.	8	9	20	3	10	1	5	2	12	70
कुल	41	88	72	41	61	10	36	10	40	399

तालिका - 14 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजोरम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	3	22	13	4	4	0	12	2	1	61
सिविल अभि.	11	29	21	8	8	2	11	11	9	110
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	4	8	8	9	6	3	5	5	3	51
विद्युत अभि.	11	22	18	9	7	4	12	7	12	102
इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	5	4	18	8	8	2	4	6	9	64
यांत्रिक अभि.	11	20	29	10	7	2	8	2	8	97
वानिकी	5	2	17	8	10	7	8	8	9	74
कुल	50	107	124	56	50	20	60	41	51	559

(ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तालिका - 16 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		कुल	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	7	8	4	6	11	14
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	0	1	2	2	2	3
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11	9	12	4	23	13
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	12	9	7	6	19	15
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	5	8	4	2	9	10
		सूचना प्रौद्योगिकी	0	0	1	3	1	3
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	18	3	8	7	26	10

5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	8	2	2	5	10	7
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	3	0	8	0	11	0
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	3	0	6	0	9	0
कुल पंजीकृत छात्र			67	40	54	35	121	755

तालिका - 16 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	0	0	5	10	15
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	0	0	0	1	1
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	2	1	3	14	20
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	1	0	6	14	21
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	1	0	6	6	13
		सूचना प्रौद्योगिकी	0	0	0	0	0
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	4	0	3	14	21
5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	1	0	6	3	10
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	2	0	0	1	3
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	0	0	0	3	3
कुल पंजीकृत छात्र			11	1	29	66	107

तालिका - 17 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	1	0	1	8	10
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	1	0	0	3	4
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	3	0	2	11	16
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	2	3	4	4	13
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	0	1	2	3	6
		सूचना प्रौद्योगिकी	3	1	0	0	4
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	1	1	4	9	15
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	4	0	3	0	7
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	2	0	3	3	8
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	0	0	4	2	6
कुल पंजीकृत छात्र			17	6	23	43	89

तालिका - 18 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या					
			प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		कुल संख्या	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	14	8	7	6	21	14
2	रसायन	एम. एससी. (रसायन विज्ञान)	9	13	5	1	14	14
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	10	11	10	5	20	16
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	15	5	7	9	22	14
कुल			48	37	29	21	77	58

तालिका - 19 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	6	2	8	6	22
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	4	0	12	6	22
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	7	0	6	8	21
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	3	2	4	11	20
कुल			20	4	30	31	35

तालिका - 20 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	0	2	7	4	13
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	1	1	3	1	6
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	3	0	4	8	15
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	1	1	3	11	16
कुल			5	4	17	21	50

तालिका - 21 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	केंद्र	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या				कुल	
			प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुरुष	महिला
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला		
			21	13	13	10		

तालिका - 22 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	4	0	3	27	34

तालिका - 23 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (द्वितीय वर्ष)

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	5	0	4	14	23

तालिका - 24 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

अभियांत्रिकी शाखा (क)							
क्र.सं	विभाग का नाम	सामायिक		पूर्ण कालिक		कुल संख्या	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	कृषि अभियांत्रिकी	3	1	13	5	16	6
2	सिविल अभियांत्रिकी	6	3	11	5	17	8
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	3	0	3	0	6	0
4	विद्युत अभियांत्रिकी	10	2	15	4	25	6
5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	15	3	10	5	25	8
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	10	0	16	3	26	3
कुल (क)		47	9	68	22	115	31
विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)							
क्र.सं	विभाग का नाम	सामायिक		पूर्ण कालिक		कुल संख्या	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
7	भौतिक विज्ञान	3	0	9	4	12	4
8	रसायन विज्ञान	3	1	4	5	7	6
9	गणित	7	0	6	6	13	6
10	वानिकी	2	4	23	23	25	27
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	6	3	0	3	6	6
12	प्रबंधन अध्ययन	6	3	4	3	10	6
कुल (ख)		47	9	68	22	115	31
कुल (क) + (ख)		पुरुष		महिला		कुल संख्या	
		188		86		274	

तालिका - 25 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत का श्रेणी अनुसार विवरण

अभियांत्रिकी शाखा (क)						
क्र.सं	विभाग का नाम	सामान्य	अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जन जाति	कुल संख्या
1	कृषि अभियांत्रिकी	7	0	6	9	22
2	सिविल अभियांत्रिकी	5	2	4	14	25
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	2	0	3	1	6
4	विद्युत अभियांत्रिकी	12	3	11	5	31
5	इलेक्ट्रानिकी अभियांत्रिकी	16	1	14	2	33
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	15	3	6	5	29
कुल (क)		57	9	44	36	146

विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)						
7	भौतिक विज्ञान	4	1	7	4	16
8	रसायन विज्ञान	5	1	3	4	13
9	गणित	7	0	7	5	19
10	वानिकी	9	1	12	30	52
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	4	2	0	6	12
12	प्रबंधन अध्ययन	8	0	4	4	16
कुल (ख)		34	37	5	33	53

3.6 विविध सूचना

शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष का स्वचालन अर्ध सत्र जुलाई-दिसम्बर, 2016 से आरम्भ कर दिया गया था। शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष के सभी शुल्कों का भुगतान ऑन लाईन किया जा रहा है।

संस्थान के सभी स्नातक, स्नातकोत्तर (अभियंत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी) व एम.बी.ए. कार्यक्रम संस्थान ने राष्ट्रीय संस्थागत गुणवत्ता मानदंड क्रमबद्धता फ्रेमवर्क (एन आई आर एफ) 2020 में भाग लिया था, जिसमें संस्थान का स्थान 145 था।

संस्थान के सभी अभियंत्रिकी/प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की भी मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी अभियंत्रिकी/प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों व एम.बी.ए. कार्यक्रम को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता प्राप्त है।

संस्थान के वर्ष 2019-20 के आंकड़ों को अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण में सफलता पूर्वक अपलोड कर दिया गया था।

संस्थान में जुलाई, 2016 से ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध का प्रवधान किया गया था। संस्थान के सभी छात्रों के लिए प्रति वर्ष जुलाई में पंजीकरण के साथ ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध भरना अनिवार्य है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के 11 (ग्यारह) पीएच.डी. छात्रों का चयन अनुसूचित जन जाति उच्च शिक्षा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति के लिए किया है।

31 वीं शैक्षणिक परिषद ने अभियंत्रिकी/ प्रौद्योगिकी तथा वानिकी विभाग में डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण के लिए सभी विभागों के अध्ययन मंडल की सिफारिश को मंजूरी दे दी। 31 वीं अकादमिक परिषद ने मसौदा पीएच.डी. विनियमन को भी मंजूरी दी थी।

अनुभाग - 4

विभाग

4.1 वानिकी विभाग

संस्थान के उद्गम के साथ ही वानिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1986 में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के विद्यार्थियों को वानिकी की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह विभाग इस समय चार वर्ष के वानिकी में उपाधि, दो वर्ष की एम.एससी. तथा पी.एच. डी कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। वानिकी विभाग द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा तीन वर्षों की अवधि जून, 2020 से जून, 2023 तक के लिए ए ग्रेड से मान्यता प्रदान की गई है। विभाग को इस तरह सुविधायुक्त बनाया गया है कि वानिकी के क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों की सामना करने के लिए योग्य पेशेवर यहाँ से निकल सकें जो प्रबंधन में भी दक्षता रखते हों। वानिकी के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्रीय वन नीति, 1986 के अनुरूप की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में वनों का संरक्षण करना है। हमारे देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र सघन वनों से अच्छादित है, जिनके संरक्षण एवं समुचित प्रबंधन के लिए बौद्धिक मानव संसाधन की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है जो न केवल जैव विविधता का धनी है बल्कि यहाँ कई दुर्लभ, लूप्तप्राय प्रजाति के मूल्यवान प्रजाति के पेड़ पौधे पाए जाते हैं। अगर मानव का उचित साथ और संरक्षण नहीं मिला तो इनमें से कुछ प्रजातियों के निकट भविष्य में लुप्त होने का भी खतरा है। यहां के छात्र अपने उच्च कोटि के अध्ययन के बल पर वनों के संरक्षण, उनके उपयोग में तालमेल एवं उनके निरन्तर विकास के कार्य को निष्पादन करने में सफल होंगे। विभाग के छात्रों को ग्रीष्मकालिन परियोजनाओं एवं प्रायोगिक अध्ययन द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से वानिकी की विभिन्न विधाओं से अवगत कराया जा रहा है।

विभाग के शैक्षिक कार्यों के सफल निष्पादन का पूर्ण श्रेय संकाय सदस्यों को जाता है, जिन्हें वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे वन वातावरण, काष्ठ विज्ञान, वन भू-सूचना, काष्ठ विज्ञान व प्रौद्योगिकी, उद्यान कला, पौध संरक्षण, नैतिक पौध विकास, वन वर्धन, जैव विविधता संरक्षण, वन्य जीव प्रबन्धन, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, वन संरचना, वन्य अर्थनीति एवं प्रबन्धन में विशेषज्ञता प्राप्त है। अध्यापन कार्य के अलावा, संकाय सदस्य अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, तथा अपने क्षेत्र विशेष में पीएच. डी. छात्रों का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। इस विभाग ने पीएच. डी. उपाधि के 41 से अधिक शोध ग्रन्थों को पूरा कर लिया है।

सकाय सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. बी सिंह	आचार्य	उद्यान कला एवं कृषि वानिकी
2.	डॉ. सी.एल. शर्मा	आचार्य	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
3.	डॉ. (श्रीमती) एम शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	काष्ठ विज्ञान एवं वन्य उत्पाद
4.	डॉ.(श्रीमती) के श्रीवास्तव	आचार्य	सूक्ष्म जीव आणविक जीव विज्ञान
5.	डॉ. पी.आर. गुजराल	सह आचार्य	परम्परागत उद्यान पौध विज्ञान एवं औषधी पौधे
6.	डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव वातावरण एवं जैव सूचना प्रणाली

7.	डॉ. ए. कुमार	सह आचार्य	वन्य प्राणी प्रबन्धन
8.	डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव विविधता संरक्षण एवं दूर संवेदी
9.	डॉ. एल.बी. सिंघा	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव रसायन एवं तनाव प्रबन्धन
10	श्री जी. पांगिग	सहायक आचार्य	वन अर्थ शास्त्र एवं प्रबन्ध
11	डॉ. आसिष पाल	सहायक आचार्य	वातावरण व जैव-विविधता संरक्षण
12	डॉ. प्रदीप कुमार	सहायक आचार्य	जैव-प्रौद्योगिकी, पौध चिकित्सा व जैव नियंत्रण
13	डॉ. मधु कामले	सहायक आचार्य	पौध जैव-प्रौद्योगिकी, फंगस व पौध संचार

4.1.2 शैक्षणिक गतिविधियां

यह संस्थान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित है, जो कि जैव विविधता का एक प्रमुख स्थान है। प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता को तथा उसपर मंडराते विविध खतरों को देखते हुए संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा इस विश्व जैव विविधता क्षेत्र के संरक्षण में बहुमूल्य है। इस तरह हमारे द्वारा चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों से निष्पादित जनशक्ति वन्य उपयोग, प्रबन्ध, नीति निर्धारण, उत्पादन-सह-उपयोग करने में तथा राष्ट्र का सामाजिक आर्थिक विकास करने में सक्षम है। विभाग का मुख्य उद्देश्य वानिकी एवं इससे संबन्धित विषयों में शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान करना है। विभाग द्वारा वानिकी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि
1	बी.एस सी. (वानिकी)	04 वर्ष
2	एम. एससी.	02 वर्ष
3	पी एच. डी.	न्युनतम 03 वर्ष सह 01 वर्ष पठन कार्य

वानिकी की समस्त प्रमुख विधाओं जैसे वन प्रबन्धन, संरक्षण, रक्षा एवं उपयोगिता, वन नीति एवं योजना, वन्य जीवविज्ञान, वन्य जीव प्रबंधन, वन वर्धन, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दूर संवेदी उपयोग से भू-सर्वेक्षण, मृदा जीव विज्ञान एवं प्रबन्धन, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबन्धित विषयों जैसे जैव रसायन, जैव सांख्यिकी, सर्वेक्षण, वाणिज्य आदि की शिक्षा बी.एससी के छात्रों को प्रदान की जा रही है। विभाग में वानिकी की उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने का सामर्थ्य है। बी.एससी. के पाठ्यक्रम में छात्रों को गहन ग्रीष्मकालिन प्रशिक्षण का प्रावधान है, जिनके लिए इनको विविध उद्यानों, अनुसंधान संस्थाओं, गैरशासकीय संगठनों जैसे एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, डब्लू.डब्लू.एफ., विमको, प्रदान आदि में भेजा जाता है। प्रशिक्षण में विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, वन्य जीव प्रबन्धन, चाय उत्पादन सह प्रबन्धन, ग्रामीण प्रबन्धन, दूर संवेदी एवं वन्य वातावरण विषयों पर कार्य किया जाता है।

विभाग ने अब तक 90 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य पूरा कर लिया है, तथा 16 पर कार्य प्रगति पर है। परियोजनाओं में कार्य करने वाले छात्रों को पीएच.डी. उपाधि के लिए पंजीकरण करवाया जाता है, जिससे अब

तक विभाग ने 75 छात्रों को पीएच. डी. उपाधियाँ प्रदान की है। संकाय सदस्यों का इन कार्यों में विशेष योगदान रहा है, तथा विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध लेखों का प्रकाशन कर रहे हैं। यह विभाग राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विविध संगठनों के साथ आपसी सहयोग से कार्य कर रहा है।

4.1.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं, अनुसंधान एवं विकास के लिए सात प्रयोगशालायें तथा तीन क्षेत्र प्रयोगशालायें कार्य कर रही हैं। विभाग की प्रयोगशालायें उपकरणों से सुसज्जित है जो शोध कार्यों के लिए आवश्यक मांगों को पूरा करती है। विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला शोध कार्य करने के लिए उपयुक्त है। अब तक विभाग ने प्रायोजित संगठनों मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, युनिस्को, जी. बी. पन्त संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आइसीफेरे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इसरो, एफ एन डी पी के 65 से अधिक परियोजनाओं पर कार्य निष्पादन किया है, जिनमें कुछ पूरे हो गए हैं, तथा कुछ पर कार्य प्रगति पर है। विभाग की प्रयोगशालाओं में परम्परागत उपकरणों के अलावा, विशिष्ट उपकरण जैसे बीज अंकुरण यंत्र, आक्सीकरण यंत्र, पत्ती क्षेत्रफल मापी यंत्र, परत-सह-परत हवा वहन मापी यंत्र, रोटरी मिश्रक, शितलक एकाग्र यंत्र फ्रिज, गर्म हवा भट्टी, स्पेक्ट्रम मापी, चिंगारी प्रकाश मापी, इलेक्ट्रॉनिक तुला, गोलाकार छिलन यंत्र, शूक्ष्मदर्शी, काष्ठ गुणवत्ता यंत्र, स्वचालित मौसम यंत्र, पी सी आर प्रणाली, गैस यंत्र एवं कैल्पलस यंत्र आदि विभिन्न प्रायोगिक अध्ययन के लिए उपलब्ध है। विभाग में एक उन्नत कम्प्यूटर केन्द्र तथा पुस्तकालय है। विभाग में अनेक कम्प्यूटरों पर स्थानीय नेटवर्क सहित इन्टरनेट और प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

मौजूदा प्रयोगशालाएं:

प्रयोगशाला संख्या	प्रयोगशाला का नाम और सुविधाएं	प्रभारी
1	काष्ठ विज्ञान एवं वन उत्पाद	डॉ. एम. शर्मा
2	पौध सुक्ष्म जैव विचरण एवं सुक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. के. श्रीवास्तव
3	वन्य प्रणाली पौध विज्ञान एवं उधान कला	डॉ. पी. आर. गुजरेल
4	पर्यावरण एवं वातावरण एवं विविधता	श्री जी. पेंगिंग
5	पौधशाला वन्य वातावरण एवं जैव विविधता	डॉ. ए. पॉल
6	वन्य प्राणी संरक्षण	डॉ. ए. कुमार
7	दूर संवेदी तथा भू-सूचना प्रणाली	डॉ. ए. पॉल
8	जैव सूचना प्रणाली केन्द्र	डॉ. एस एस सिंह
सुविधाएं 1	कम्प्यूटर सूविधा	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 2	विभागीय पुस्तकालय	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 3	वन संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल
सुविधाएं 4	वानिकी वनस्पति संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल

नए उपकरणों की खरीद:

प्रयोगशाला / सुविधाओं का नाम	नए उपकरण खरीदे गए	
	संस्थान के वित्त से	परियोजना अनुदान से
पौध सुक्ष्म जैव विचरण एवं सुक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी	<ol style="list-style-type: none"> 1. यौगिक दूरबीन सूक्ष्मदर्शी (2) (ओलंपस) 2. आटोक्लेव 	<ol style="list-style-type: none"> 1. स्टीरोजुम सूक्ष्मदर्शी 2. दो स्नातक पीसीआर 3. जेल प्रलेखन प्रणाली 4. प्रशीतित अपकेंद्रित्र 5. गहन शितलक (-20°) 6. मैक्सी और मिडी सबमरीन जेल वैद्युतकण संचलन 7. अनुसंधान शुक्ष्मग्राही (6) 8. यूपीएस (5 किवोए) 9. कक्षीय इनक्यूबेटर शेकर (रेमी) 10. लामिनार वायु प्रवाह (चिह्न) 11. एयर कर्टन क्षैतिज 12. ऊतक संस्कृति चालित कार्य केंद्र (जैव युग) 13. डीएसएलआर कैमरा (निकोन) 14. टीकाकरण कक्ष के लिए विभाजन
वन्य प्रणाली पौध विज्ञान एवं उधान कला	<ol style="list-style-type: none"> 1. स्टीरियो माइक्रोस्कोप कैमरा सह (कार्ल जीस) 2. इलेक्ट्रॉनिक संतुलन (धुना) 	<ol style="list-style-type: none"> 1. रोटरी बाष्पीकरण (लीका) 2. त्रिकोणीय स्टीरियो सूक्ष्मदर्शी (डेविनेट) 3. बीओडी इनक्यूबेटर 4. डीएसएलआर कैमरा (निकोन) 5. जीपीएस (1) 6. एचपीएलसी प्रणाली (स्थापित किया जाना है) 7. गर्म हवा भट्टी
पर्यावरण, वातावरण एवं विविधता	<ol style="list-style-type: none"> 1. जीपीएस (1) 	<ol style="list-style-type: none"> 1. सोनी प्रोजेक्टर (पीपीएल ईएक्स 450) 2. प्रोजेक्टर पर्दा (4 फीट x 6 फीट) 3. जनरेटर (होंडा ईपी 1000 पेट्रोल) 4. सोनी हैंडीकैम एफडीआर एएक्स40
पौधशाला वन्य वातावरण एवं जैव विविधता	<ol style="list-style-type: none"> 1. गर्म हवा भट्टी 	<ol style="list-style-type: none"> 1. डीएसएलआर कैमरा (कैनन) 2. जीपीएस (गर्मी करण)

कम्प्यूटिंग सुविधा	1. कंप्यूटर एवं यूपीएस - 7 2. मुद्रक - 1	NA
वन्य पौधशाला	-	1. धुंध कक्ष (सेवियर बायोटेक लिमिटेड) का निर्माण किया गया था।
डॉ. एम. कामले एवं डॉ. पी. कुमार की अनुसंधान प्रयोगशाला	-	1. -86 डिग्री विकेन्द्री उपकरण, 2. लामिनार वायु प्रवाह, 3. आटोक्लेव, 4. जेल वैद्युतकण संचलन इकाई, 5. जीवाणु इन्क्यूबेटर, 6. इनक्यूबेटर शेकर, 7. शितलक (फ्रिज) 8. पी एच मीटर 9. वजनी शेष 10. फ्रिज

4.1.4 स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत परियोजनायें/शोध ग्रन्थ

(i) पीएच.डी. शोध ग्रन्थ (निर्णयित / प्रस्तुत):

अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 के दौरान, कुल 5 पीएच.डी. उपाधियाँ निर्णयित की गईं तथा दो शोध ग्रन्थ प्रक्रिया में हैं। जिनका विवरण निम्नलिखित है:

नाम और रोल नंबर	पर्यवेक्षक	स्थिति	पीएच.डी. शोध ग्रन्थ का शीर्षक
गोविंदा पैंगिंग, पीएचडी(पीटी)/14/ एफओ/01	आचार्य सी एल शर्मा, (पर्यवेक्षक) आचार्य एम बी शर्मा, (सह पर्यवेक्षक)	निर्णयित	असम की चुनिंदा जनजातियों द्वारा मैंगिको धार्मिक प्रथाओं में प्रयुक्त पौधों का नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन
डायना एटहेल अमेंज पीएच.डी. (पीटी)/11/ एफओ/02	डॉ ए. कुमार, (पर्यवेक्षक) डॉ. एम बी शर्मा, (सह पर्यवेक्षक)	निर्णयित	ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत में संरक्षण प्रजनन केंद्र में पूर्वी हिलेब गिबबन के प्रजनन एवं व्यवहार पारिस्थितिकी पर अध्ययन
बिस्वजीत प्रमाणिक पीएचडी(एफटी)/13/ एफओ/01	आचार्य करुणा श्रीवास्तव, (पर्यवेक्षक)	निर्णयित	आर्सेनिक सहिष्णु कवक की विशेषता और पानी से आर्सेनिक को हटाने में उनका अनुप्रयोग
बिद्युत सरानिया (ईएसपी-14007)	तेजपुर विश्वविद्यालय, असम डॉ. ए. कुमार (सह-पर्यवेक्षक)	निर्णयित	मकाका मुंजला, अरुणाचल प्रदेश, भारत की जनसंख्या वितरण, व्यवहार एवं पारिस्थितिकी
श्री रॉबर्ट पैन्मी पीएचडी(एफटी)/13/ एफओ/05	आचार्य बी. सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. पी. आर. गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)	निर्णयित	मणिपुर के जेलियानगोंग जनजाति का अन्तर-सांस्कृतिक वन्यविज्ञान

खैडेम कैनेडी सिंह, पीएचडी(एफटी)/13/ एफओ/04	डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा प्रो (सह पर्यवेक्षक)	प्रस्तुत	उत्तर-भारत के चयनित महत्वपूर्ण औषधि पौधों के विषाणुरोधी और आक्सीजन रोधी गुणों की पहचान
श्री के. रोनाल्ड पीएचडी(एफटी)/13/ एफओ/02	आचार्य बी. सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. पी. आर. गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)	प्रस्तुत	अरुणाचल प्रदेश में जनसंख्या की स्थिति, होमोलोमेना एरोमैटिक स्काॅट का मानचित्रण तथा पर्यावास उपयुक्तता विश्लेषण

(ii) स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा पूरा किया गया परियोजना कार्य:

निम्नलिखित 13 एम. एससी. (वानिकी) और 2 एम. टेक. (सिविल अभियांत्रिकी) शोध ग्रन्थ प्रस्तुत की गई तथा अनुमोदित की गई:

विद्यार्थी का नाम / रोल क्रमांक	शोध शीर्षक	पर्यवेक्षक
एम.एससी. (वानिकी) शोध ग्रन्थ		
मनीषा के दास (एमएस/17/एफओ/ 01)	मिमोसोप इलंगी में पत्ती रोग रोगजनक का अलगाव एवं पहचान तथा आवश्यक तेलों का उपयोग कर इसका जैव नियंत्रण,	डॉ. पी. कुमार
मोमांग ताली (एमएस/17/एफओ/ 02)	अरुणाचल प्रदेश की कैलामस प्रजाति की शारीरिक विशेषताएं	आचार्य सी एल शर्मा
लकी तमुक (एमएस/17/एफओ/ 04)	अरुणाचल प्रदेश के दो पौधों की प्रजातियों के विषाणुरोधी, तनाव रोधी, आक्सीजन रोधी गुणों पर एक अध्ययन	डॉ. एस सुरेश कुमार सिंह
सिमेनम (एमएस/17/एफओ/ 05)	एलोवेरा के एन्थ्रेकनोज पैथोजन का केंचुआ तथा फंगस रोधी गतिविधियों से बेसिलस एसपीपी का अलगाव, लक्षण वर्णन एवं मूल्यांकन।	डॉ. पी. कुमार
मंगखासुँ समते (एमएस/17/एफओ/ 06)	पक्के बाघ आरक्षी, अरुणाचल प्रदेश के फ्रिज गांवों में पाए जाने वाले एवियन प्रजाति के संरक्षण में वृक्ष प्रजातियों का योगदान।	डॉ. ए. कुमार
एलिजा हैंकर (एमएस/17/एफओ/ 007)	अरुणाचल प्रदेश, भारत में निशी टोपीर की सजावट में कृत्रिम हॉर्नबिल चोंच को अपनाने की प्रथा का आकलन।	डॉ. ए. कुमार
होटर पादु (एमएस/17/एफओ/ 10)	पश्चिम कामेंग जिले, अरुणाचल प्रदेश में इलिकम ग्रिफिट हुक एफ थॉमसन समुदाय का निवास स्थान उपयुक्तता विशेषताओं का प्रतिमान	डॉ. आशीष पॉल

महेश वांगखेम (एमएस/17/एफओ/ 11)	मणिपुर से कुछ <i>सियाजियम</i> प्रजातियों का शारीरिक लक्षण वर्णन	आचार्य एम बी शर्मा
दहुनिरिकिट्टे एम. लमारे, (एमएस/17/एफओ/ 12)	फाइबर आकारिकी और <i>न्युक्लिओक्लाज़म मानी</i> (गेंबल) मजुमदार के भौतिक गुण	आचार्य एम बी शर्मा आचार्य सी एल शर्मा
हिनतोली असुमी (एमएस/17/एफओ/ 13)	नागालैंड के जुन्हेबोटो जिले से चयनित जंगली औषधीय पौधे की जैविक गतिविधियों का मूल्यांकन	डॉ. एस सुरेश कुमार सिंह
सुश्री ओशिन टैबिंग एमएस/17/एफओ/ 14	अरुणाचल प्रदेश के पासिघाट क्षेत्र में होने वाली चढ़ाई प्रजातियों द्वारा नृवंशजन्य उपयोग की विविधता	डॉ. पी आर गजुरेल
सुश्री शिसीबियांग नोप एमएस/17/एफओ/ 15	अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले को यिनकिनग क्षेत्र में वृक्ष वनस्पतियों के विशेष संदर्भ में पौधे विविधता और उपयोग	डॉ. पी आर गजुरेल
बेमिन ताबिन एमएस/17/एफओ/ 17)	ज़ीरो घाटी, पूर्वी हिमालय से <i>अपाटनी</i> जनजाति के <i>फीलोस्टैचिस बम्बूसोइडिस</i> वृक्षारोपण में पारंपरिक प्रबंधन प्रथाओं, उपयोग और बढ़ते स्टॉक पर अध्ययन	डॉ. जी. पैंगिंग
एम. टेक. (सिविल अभियंत्रिकी) शोध ग्रन्थ		
श्री उददीपन दास (एमटी/17/ईएसई/ 0)	अरुणाचल प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्रों से एपीटीआई, जैव-संकेतक तथै परिवेशी वायु गुणवत्ता का आकलन	डॉ. एस. सुरेशकुमार सिंह डॉ. अजय भारती
अनुप्रीति दास (एमटी/17/ईएसई/ 01)	हरित संश्लेषण व सिल्वर लघुकणों की विशेषता का उपयोग मानव स्वास्थ्य सह पर्यावरणीय उपचार में <i>डायोस्कोरिया एस्कुलेटा</i> का अनुप्रयोग	डॉ. पी. कुमार डॉ. अजय भारती

4.1.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नाम	शीर्षक	अनुदान	स्थान	अवधि
डॉ. एल. बी. सिघा द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला सह जागरूकता कार्यक्रम	हिमालय में आक्रामक बाह्य पौधेस्थिति ;, पारिस्थितिक प्रभाव तथा प्रबंधन - अरुणाचल अध्याय	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय तथा सीसी परियोजना	नेरिस्ट	10.02.2020
आचार्य करुणा श्रीवास्तव द्वारा प्रधान अनुसंधान कर्ताओं की पहली समीक्षा बैठक तथा समूह चर्चा का आयोजन	मैक्रोफुंगी परियोजना जारी	जैव प्रौद्योगिकी परियोजना	टीईआरआई, नई दिल्ली	20.01.2020

डॉ. जी. पेंगिंग, आचार्य सी एल शर्मा और आचार्य एम. शर्मा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम	स्वदेशी ज्ञान प्रणाली के संरक्षण में बौद्धिक संपदा की भूमिका	जीबी पंत हिमालय पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा, यूके की एनएमएचएस परियोजना	जीरो, लोअर सुबनसिरी, अरुणाचल प्रदेश	24.11.2019
डॉ. आशीष पॉल, डॉ. ओ पी त्रिपाठी तथा डॉ. एल बी सिंहा द्वारा आयोजित कार्यशाला सह जागरूकता कार्यक्रम	जैव संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा स्थानीय नागरिकों की आजीविका	डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली	सेरू गाँव, तवांग, अरुणाचल प्रदेश	13.11.2019
आचार्य बी. सिंह और डॉ. पी आर गजुरेल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	किसान को बांस के सतत प्रबंधन पर प्रशिक्षण	राज्य बांस मिशन, अरुणाचल प्रदेश सरकार	सोपो गांव पापुम पारे	11-12 मार्च, 2020

4.1.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

संकाय सदस्य का नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम
आचार्य सी एल शर्मा	606 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और जैविक विज्ञान, 18 से 19 जून, 2019 को लॉस एंजिल्स, अमेरिका।
आचार्य एम बी शर्मा	606 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और जैविक विज्ञान, 18 से 19 जून, 2019 को लॉस एंजिल्स, अमेरिका।
आचार्य करुणा श्रीवास्तव	टीईआरआई उच्च अध्ययन महाविद्यालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "आणविक मार्कर (जीबीएस) विकास", 20 से 24 जनवरी, 2020, नई दिल्ली।
	7वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में जैव परीक्षण का योगदान" 16-20 जनवरी, 2020 तक नई दिल्ली, भारत।
	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सतत विकास के लिए वैश्विक पहल : मुद्दे और रणनीति" 23 - 27 जून, 2019, बैंकॉक, थाईलैंड।
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग-एनईआर द्वारा आयोजित प्रथम केला परियोजना मूल्यांकन सह निगरानी सभा, 17-18 अक्टूबर, 2019, नई दिल्ली ।
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग-एनईआर द्वारा आयोजित प्रथम केला परियोजना मूल्यांकन सह निगरानी सभा, 18-19 जून, 2019, गुवहाटी।

डॉ. पी आर गजुरेल	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत कृषि उत्पादन, भोजन, पोषण और आजीविका सुरक्षा 25-27 सितम्बर, 2019, पटायु थाईलैंड में भाग लिया।
एस सुरेश कुमार सिंह	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केले-2020, आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची, तमिलनाडु 23-26 फरवरी, 2019।
	गौहाटी विश्वविद्यालय, गौहाटी में केले पर डीबीटी-प्रायोजित परियोजना की समीक्षा बैठक, 16.06.2019 में भाग लिया।
	गौहाटी विश्वविद्यालय, गौहाटी में केले पर डीबीटी-प्रायोजित परियोजना की समीक्षा बैठक, 20 जून, 2019 में भाग लिया।
	राष्ट्रीय संगोष्ठी रेडीमैप-2019, 29 -30 अगस्त 2019, एडीपी कॉलेज, नोगांव, आसाम में भाग लिया। ।
डॉ. ए. कुमार	भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 17-28 जून, 2019 को नई दिल्ली, भारत में "जलवायु स्मार्ट प्रशासन" पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
	कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 14-25 अक्टूबर, 2019 को निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत में आयोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।
	राष्ट्रीय संगोष्ठी वनस्पति विज्ञान के वर्तमान आयाम, वनस्पति विज्ञान विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय, भारत 28-29 फरवरी, 2020 में भाग लिया।
	7 वी एशियाई अंतरंग संगोष्ठी और 1वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मानव-प्रधान अन्तर बंधता, 8-10 फरवरी, 2020, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में भाग लिया।
डॉ. जी. पैंगिंग	दो सप्ताह संकाय विकास कार्यक्रम एआईसीटीई-एनपीटीईएल पाठ्यक्रम "वन्य जैव सांख्यिकी-2019, आईआईटी कानपुर में भाग लिया।
	बाह्य परिसर ऑनलाईन प्रमाण पत्र कार्यक्रम: "आईआईआरएस-एनईएसएसी दूर संवेदी भू-स्थानिक तकनीकी के वर्तमान आयाम सह उपयोग"। यह कोर्स भारतीय दूर संवेदी संस्थान, देहरादून द्वारा 29 अप्रैल, 2019 से 10 मई, 2019 (एक सप्ताह) तक आयोजित किया गया था।
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के वन विभाग द्वारा प्रायोजित 3 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम केले के विशेष संदर्भ में आवृत्तबीजी वर्गीकरण। 28 से 30 मार्च 2019 में भाग लिया।
	जी बी पन्त हिमालय पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा, उत्तराखंड द्वारा 4 से 7 फरवरी 2019 तक आयोजित एनएमएचएस की वर्तमान परियोजनाओं पर "राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-निगरानी व मूल्यांकन कार्यशाला" में भाग लिया।
डॉ. ए. पॉल	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 27 - 28 फरवरी, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम 'आपदा प्रबंधन' में भाग लिया।

	वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 10 फरवरी, 2020 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम हिमालय में आक्रामक बाह्य षोथ: पारिस्थितिक प्रभाव तथा प्रबंधन - अरुणाचल अध्याय में भाग लिया था।
डॉ. एम. कामले	पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 1-5 अप्रैल 2019 को ई आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "व्यवहार पुनर्स्थापन एन अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।
	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 20-24 मई 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 27-31 मई 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन सह अनुप्रयोग में भाग लिया।
	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 3-7 जून 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास "संकेत प्रशसरण एवं सरलीकरण तकनीकों में प्रगति" पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
	टीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित अभिविन्यास कार्यक्रम (13 जुलाई - 2 अगस्त 2019)
	कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट (14-25 अक्टूबर 2019) में अभातशिप द्वारा प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।
	आणविक एवं सेलुलर अभियांत्रिकी विभाग, जैकब जैव तकनीकी एवं जैव अभियांत्रिकी संस्थान, एसयूएटीएस, प्रयागराज (5-8 नवंबर, 2019) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि, खाद्य तकनीक और मानव स्वास्थ्य में अग्रिम (बायोमीलाप -2019) में भाग लिया।
	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी शिक्षाविदों द्वारा नेरिस्ट में ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया एवं संस्थान" में भाग लिया (13-17 जनवरी 2020)
	वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 10 फरवरी, 2020 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम हिमालय में

	<p>आक्रामक बाह्य <i>पौधे</i>: पारिस्थितिक प्रभाव तथा प्रबंधन - अरुणाचल अध्याय में भाग लिया था।</p> <p>राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 27 - 28 फरवरी, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम 'आपदा प्रबंधन' में भाग लिया।</p>
डॉ. पी. कुमार	<p>पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 1-5 अप्रैल 2019 को ई आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "व्यवहार पुनर्स्थापन एन अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।</p> <p>इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 20-24 मई 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।</p> <p>इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 27-31 मई 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन सह अनुप्रयोग में भाग लिया।</p> <p>इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 3-7 जून 2019 को आयोजित ऑन लाईन संकाय विकास "संकेत प्रशसरण एवं सरलीकरण तकनीकों में प्रगति" पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।</p> <p>दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित अभिविन्यास कार्यक्रम (13 जुलाई - 2 अगस्त 2019)</p> <p>कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट (14-25 अक्टूबर 2019) में अभातशिप द्वारा प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।</p> <p>आणविक एवं सेलुलर अभियांत्रिकी विभाग, जैकब जैव तकनीकी एवं जैव अभियांत्रिकी संस्थान, एसयूएटीएस, प्रयागराज (5-8 नवंबर, 2019) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि, खाद्य तकनीक और मानव स्वास्थ्य में अग्रिम (बायोमीलाप-2019) में भाग लिया।</p> <p>इलेक्ट्रॉनिकी और आईसीटी शिक्षाविदों द्वारा नेरिस्ट में ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया एवं संस्थान" में भाग लिया (13-17 जनवरी 2020)</p> <p>वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 10 फरवरी, 2020 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम हिमालय में</p>

	आक्रामक बाह्य पौधे: पारिस्थितिक प्रभाव तथा प्रबंधन - अरुणाचल अध्याय में भाग लिया था।
	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 27 - 28 फरवरी, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम 'आपदा प्रबंधन' में भाग लिया।

4.1.7 संकाय द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता:

आचार्य एम बी शर्मा	इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ वुड एनाटॉमिस्ट्स (आईएडब्ल्यूए, नेदरलैंड) की सदस्यता
करुणा श्रीवास्तव प्रो	जीवन पर्यन्त सदस्य, भारत शुक्ष्म जैव वैज्ञानिक एसोसिएशन
डॉ. एस एस सिंह	जीवन पर्यन्त सदस्य, भारत शुक्ष्म जैव वैज्ञानिक एसोसिएशन
डॉ. गोविंदा पांगिग	पीएच.डी. (वानिकी) की डिग्री 2019 में प्रदान की गई (थीसिस शीर्षक: असम की चुनिंदा जनजातियों द्वारा मैंगिको धार्मिक प्रथाओं में प्रयुक्त पौधों का नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन)
डॉ. गोविंदा पांगिग	पूर्व हिमालयी स्पर्मेटोफाइट वर्गीकरण सोसाइटी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पीओ उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी 734013, भारत के जीवन पर्यन्त सदस्य
डॉ. गोविंदा पांगिग	2019 में एआईसीटीई-एनपीटीईएल (आईआईटी कानपुर) द्वारा आयोजित एनपीटीईएल-एफडीपी पाठ्यक्रम "वन बायोमेट्री" में गोल्ड (टॉपर) से सम्मानित किया गया

4.1.8 संकाय द्वारा प्राप्त उपलब्धि, पुरस्कार :

डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची में 23-26 / 02/2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केला-2020 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
आचार्य करुणा श्रीवास्तव	सदस्य, विश्वविद्यालय नैतिकता समिति, राजीव गांधी विश्व विद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश
डॉ. ए. पॉल	समीक्षक: औद्योगिक फसलें और उत्पाद (समीक्षा; एवेलियर), 2020 से
डॉ. एम. कामले	संपादकीय की गतिविधियाँ <ul style="list-style-type: none"> सह सम्पादक: फाइटोपैथोलॉजी संग्रह तथा पौध संरक्षण सम्पादक: जर्नल जैव विविधता एवं संरक्षण (आईएसएसएन: 2457-0761) समीक्षक: नौ जर्नलों पत्रिकाओं की समीक्षा की
डॉ. पी. कुमार	अमेटी विश्वविद्यालय, रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बायोसिकोन 2019 में मौखिक आलेख तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।

	<p>संपादकीय की गतिविधियाँ</p> <ul style="list-style-type: none"> • सह संपादक: पूरक बीएमसी औषधि एवं चिकित्सा (प्रभाव कारक = 2.479) • शैक्षिक सम्पादक : प्लस वन (प्रभाव कारक = 2.776) • शैक्षिक सम्पादक : पौध कौशिका जैव तकनीकी एवं आणविक जीवविज्ञान (प्रभाव कारक = 0.24) • अतिथि सम्पादक (विशेष अंक): साक्ष्य-आधारित समग्र सह वैकल्पिक चिकित्सा (प्रभाव कारक = 1.813) • संपादकीय बोर्ड: एग्रीका • संपादक: जर्नल जैव विविधता एवं संरक्षण (आईएसएसएन: 2457-0761) • समीक्षक: पच्चास जर्नलों पत्रिकाओं की समीक्षा की
--	--

4.1.9 बाह्य निकायो. द्वारा प्रदान अनुसन्धान परियोजनायें

अनुसंधान कर्ता/ सह अनुसंधान कर्ता	परियोजना	वित्त निकाय	अवधी	धनराशि (लाख)
नयी परियोजना				
डॉ करुणा श्रीवास्तव डॉ एस एस सिंह	अरुणाचल प्रदेश के ऊंचाई पर स्थित उच्च मूल्य वाले जंगली खाद्य शुक्ष्म फंन्गी (डब्ल्यूईएम) की खोज तथा संरक्षण और उनके आदर्श पौषक तत्वों का जैव-तकनीकी मूल्यांकन	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। स्वीकृति आदेश संख्या बीटी / पीआर25041 / एनईआर / 95/976/2017 दिनांक 01.10। 2019	2019-22	45.57
पहले से निरन्तर परियोजनायें				
डॉ बी सिंह डॉ पीआर गजुरेल	अरुणाचल प्रदेश में जंगली खाद्य पौधों के प्रबंधन और विपणन में ग्रामीण जनजातीय महिलाओं की क्षमता निर्माण	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2018- 2020	30.90
डॉ बी सिंह डॉ पी आर गजुरेल	वंचित पारिस्थितिक तंत्र में बागवानी फसलों को बढ़ावा देने और अरुणाचल प्रदेश में आजीविका सुधार के लिए झुम कृषि छोड़ने का प्रचार।	जीबीपीएनआईएचईएसडी, भारत सरकार	2018- 2020	11.65
डॉ करुणा श्रीवास्तव डॉ एस एस सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र से केले के आनुवंशिक संसाधनों का संग्रह, मूल्यांकन, प्रलेखन और संरक्षण (समुह-1, परियोजना-5)	डीबीटी "डीबीटी-एनईआर/एग्री / 33/2016 दिनांक 22.03.2018	2018- 2020	38.49 द्वितीय वर्ष 7.80

डॉ पी आर गजूरेल डॉ बी सिंह	पूर्वोत्तर भारत में जैव संसाधन और स्थायी आजीविका	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2018- 2020	76.00
डॉ पी आर गजूरेल डॉ बी सिंह डॉ एस एस सिंह	नलिका प्रजातियों का व्यापक औषधीय अध्ययन: औषधियों में एक प्राकृतिक संवर्धक	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2019-21	46.00
डॉ पी आर गजूरेल डॉ बी सिंह	भारत में अपनी जैव विशेषताओं सहित जीनोम पाइपर एल का टैक्सोनोमिक आकलन	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2019-21	23.00
डॉ करुणा श्रीवास्तव डॉ एस एस सिंह	उत्तर पूर्वी क्षेत्र से केले के आनुवंशिक संसाधनों का संग्रह, मूल्यांकन, प्रलेखन और संरक्षण (द्वितीय वर्ष राशि)	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2018- 2021	15.91
डॉ. ओ पी त्रिपाठी डॉ. मधुसूदन मिश्रा और डॉ. आशीष पॉल	अरुणाचल प्रदेश के लिए विशेष संदर्भ में भारतीय हिमालय में अल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र के पैटर्न और प्रक्रिया की विशेषता	एसएसी-ईसरो अहमदाबाद	2018-21	24.01
डॉ आशीष पॉल, डॉ ओ पी त्रिपाठी, डॉ एल बी सिंघा,	अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोगों की जीवनी और जीविका पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव	डीएसटी-एचआईसीएबी, नयी दिल्ली	2018-21	56.91
डॉ मधु कमले डॉ प्रदीप कुमार	लिस्टीया कुबेबा(लुर) पर्स का सूक्ष्म विस्तार - उत्तर पूर्व भारत के एक स्वदेशी पौधे का अनुवांशिक संरक्षण	जीबीपीएनआईएचईएसडी, स्वीकृति संख्याजीबीपीआई / आईईआरपी / 17-18 / 58 / दिनांक 28.03.2018	2018- 2021	8.0
डॉ प्रदीप कुमार	उत्तर-पूर्व (अरुणाचल प्रदेश) भारत से कृषि की महत्वपूर्ण कीटों का मुकाबला करने के लिए एंटी- कोलोप्टेरान, एंटी-लेपिडोप्टेरॉन विशिष्ट क्राय जीन के साथ <i>बैसिलस थुरिंगिएन्सिस</i> जेनेटिक विविधता की खोज करना।	डीएसटी-सर्ब/ईसीआर / 2017 / 001,143	2017- 2020	42.93
डॉ प्रदीप कुमार डॉ मधु कमले	अरुणाचल प्रदेश, भारत के कुछ चयनित स्वदेशी औषधीय पौधों से मानव रोगजनक बैक्टीरिया के खिलाफ फाइटोकेमिकल और बायोएक्टिव यौगिकों की खोज करना।	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (ट्विनिंग)	2017-18	54.0

पूरी की गई परियोजनायें				
डॉ एस एस सिंह डॉ करुणा श्रीवास्तव	भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक संस्कृति संग्रह केंद्र की स्थापना, द्वितीय व तृतीय चरण राशि	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	2017- 2020	11.15
डॉ ओ पी त्रिपाठी	भारत में जैव पदार्थ तथा कार्बन का आकलन- द्वितीय चरण	एनआरएससी-ईसरो	2015-19	14.00
डॉ ओ पी त्रिपाठी	अरुणाचल प्रदेश में प्रमुख भूजल क्षेत्रों के कार्बन भण्डार और कार्बन अनुक्रमीकरण क्षमता का आकलन	विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग	2015-19	84.624

4.1.10 आलेखों का प्रकाशन

संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

संदर्भ पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख	
1.	सिंह, एम के, शर्मा, एम एवं शर्मा, सी एल 2019, असम, भारत के मेलियासी के कुछ पौधों के सदस्यों की शारीरिक विशेषताएं। <i>जर्नल ऑफ बायोरसोर्स</i> , 6 (2): 33-43
2.	सिंह, एम के, शर्मा, एम एवं शर्मा, सी एल 2019, असम, भारत के यूफोरबिएसी तथा फ्युलान्थैसिया के कुछ सदस्यों की काष्ठ शरीर रचना। <i>प्लेयोन</i> 13 (1): 01-11
3.	करुणा श्रीवास्तव, बी. प्रमाणिक, एस एस सिंह एवं एम एल खान (2020) आर्सेनिक सहिष्णु भूजल कवक द्वारा जलीय माध्यम से आर्सेनिक हटाना, <i>जर्नल ऑफ इन्वायरमेंटल बायोलोजी</i> , 41 (2): 186-194, प्रभाव कारक: 0.640) (ऑनलाइन (DOI: http://doi.org/10.22438/jeb/41/2/MRN-1244
4.	बिस्वजीत प्रमाणिक, करुणा श्रीवास्तव , एस. सुरेशकुमार सिंह एवं मोहम्मद लतीफ खान, यैसेनबाम प्रियबाला देवी)2019) भूजल से आर्सेनिक सहिष्णु कवक की पहचान और लक्षण वर्णन, <i>इण्डियन जर्नल ऑफ माइक्रोलाॅजी एंड प्लांट पैथोलॉजी</i> (स्वीकृत(
5.	काशंग, एस, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी 2020. अरुणाचल प्रदेश, भारत में पौध प्रजातियों के जातीय उपयोग और सामाजिकआर्थिक महत्व-। <i>प्लांट साइंस टुडे</i> , 7 (3): 371-377 https://doi.org/10.14719/pst.2020.7.2.771 प्रभाव कारक: 0.30
6.	पणमी, आर, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी. 2019. पूर्वोत्तर भारत मणिपुर के ज़ेलियानगॉन्ग जातीय समूह द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले औषधीय पौधों का सांस्कृतिक महत्व।, <i>जर्नल ऑफ एथेनोफार्माकोलॉजी</i> , 235: 164-182 डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.jep.2019.02.009 प्रभाव कारक 3.49
7.	काशंग, एस, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी. 2019. पूर्वी हिमालय अरुणाचल प्रदेश की <i>इपोमिया</i> एल प्रजाति की रूपात्मक विविधता।, <i>इंट. जे ऑफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी</i> , 11 (1): 91-97 डीओआई: https://doi.org/10.14787/ijprb.2019.11.1
8.	रोनाल्ड, के, गजुरेल, पी आर एवं सिंह, बी 2019 भारतीय पूर्वी हिमालय के उष्णकटिबंधीय वन में स्कोट <i>होमलोमेना एरोमैटिक</i> (स्प्रेग) की पर्यावरण विविधता का आकलन। <i>प्लांट साइंस टुडे</i> : 6 (2): 71- 83। डीओआई: https://doi.org/10.14719/pst.2019.6.2.435 प्रभाव कारक 0.30

9.	आर्य, एच, यादव, सी एस, श्यू लिनक-, सैयदा, एस बी, चार्ल्स, एम आर सी, कन्नदासनब, एस, हसिंगपंग- हस्सिह, सिंह, एस एस, गजुरेल पी आर एवं कूमर, एम एस 2019 पारंपरिक भारतीय चिकित्सा से प्राकृतिक उत्पादों से प्रेरित कैंसर रोधी बायोमोलेक्युलर स्ट्रक्चर एवं डायनेमिक्स का शक्तिशाली प्ररूप। (ऑनलाइन प्रकाशित (सितम्बर 2019. आईएसएसएन: 0739-1102 (मुद्रण (1538-0254 (ऑनलाइन(https://doi.org/10.105/07391102.2019.1664326 प्रभाव कारक 3.21
10.	सिंह एस एस, सिंह डब्लू आर, सागोलेशेचा आर एवं श्रीवास्तव, के) 2019) आईआरएपीआरएपीडी - का उपयोग करके भारतके मणिपुर में केले की खेती के जीनोम का वर्गीकरण। इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च)54): 388-393, https://arccjournals.com/journal/indian-journal-of-agricultural-research/A-5347
11.	देबनाथ पी, दास ए, सिंह के, यम टी, सिंह एस एस, बुचर आर, साइरोन एल, मनिउक्विक्ज़ डब्ल्यू)2019) ऑर्थो अमीनो बैजोइक एसिड और-पैरा / β -नेफथोल से व्युत्पन्न त्रिनोटोटिन)IV) एजो-कार्बोएक्सलेट का संश्लेषण, संरचनात्मक लक्षण वर्णन तथा रोगाणुरोधी गतिविधियाँ। 492: इनरोनिका चीमिका एक्टा 119172 https://doi.org/10.1016/j.ica.2019.119172
12.	देबनाथ पी, सिंह के एस, देवी टी एस, सिंह एस एस, बुचर आर जे, सियोरो एल, मनिउक्विक्ज़ डब्ल्यू)2020) संश्लेषण, लक्षण वर्णन, क्रिस्टल संरचनाएं और 2-(4-हाईड्रोओक्सनापेथेलाजो) - बेनज़ोइक एसिड के साथ आरगेनोटिन (IV) परिसरों की मधुमेहविरोधी- गतिविधि। अंक 510, अकार्बनिक चिमिका एक्टा, 119736. https://doi.org/10.1016/j.jica.2020.119736
13.	देबनाथ पी, सिंह के. एस., सिंह के के, सिंह एस. एस., बुचर आर जे, सियोरो एल, मनिउक्विक्ज़ डब्ल्यू)2020) डाई-बुटेलिन (iv) एजो-कार्बोएक्सलेट के साथ कॉम्प्लेक्ससंश्लेषण :, लक्षण वर्णन, क्रिस्टल संरचनाएं तथा उनकी मधुमेह विरोधी परख।, न्यू जर्नल ऑफ केमेस्ट्री/ 44, 5862-5872 https://doi.org/10.1039/D0NJ00536C
14.	मुरली चतुरकोंडा कृष्णा, अवधेश कुमार एवं ओम प्रकाश त्रिपाठी (2019) भारत के नामदापा राष्ट्रीय उद्यान के एक उष्णकटिबंधीय जंगल में रेड जाइंट ग्लाइडिंग स्क्विरर पिलौरिस्टा पेटौरिस्टा (ममालिया : रोडेन्टिया : साइसुरिडे) के पेड़ पर घोंसले । जर्नल ऑफ थ्रेटन्ड टेक्सा, 11 (6): 13720-13726
15.	डेका, एस, त्रिपाठी, ओ पी एवं पॉल, ए (2019) असम, पूर्वोत्तर भारत के घाघरा पर्वत की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के धारणाआधारित मूल्यांकन।- भूविज्ञान, पारिस्थितिकी और परिदृश्य 3(3): 197-209, आईएसएसएन मुद्रण(2474-9508) ऑनलाइन, अंतर्राष्ट्रीय जल, वायु और मृदा संरक्षण सोसाइटी, टेलर और फ्रांसिस समूह।
16.	संगीता डेका, एल बी सिंघा एवं ओ पी त्रिपाठी (2019) पारिस्थितिक तंत्र सेवा मूल्य पर भूमि उपयोग गतिशीलता- पूर्वोत्तर भारत के असम के गोलपारा जिले पर एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लांट एंड एनवायरनमेंट , 5 (4): 270-277 डीओआई: 10.18811/ijpen.v5i04.7
17	अमित कुमार, बीएसपीसी किशोर, पी सैकिया, जे डेका, एस भराली, एल बी सिंघा, ओ पी त्रिपाठी, एम एल खान (2019) एसएआर दूर संवेदी का उपयोग करके पेड़ों की विविधता का आकलन और भूमि के ऊपरी वनों के जैव पदार्थ का आकलन :भारत के उत्तरी हिमालय उच्च ऊंचाई वाली वनस्पतियों पर एक अध्ययन। फिजिक्स एण्ड केमेस्ट्री ऑफ अर्थ, 111: 53-64

18	पेंगिंग, जी, शर्मा, सी एल एवं शर्मा, एम)2019) असम, भारत में देवरी जनजाति के मैंगिकोथार्मिक - प्रथाओं में प्रयुक्त पौधों पर नृवंशविज्ञान संबंधी अध्ययन। प्लांट आर्चिवस, 19 (1): 387-399
19.	पेंगिंग, जी, राय, एन, शर्मा, सी एल एवं शर्मा, एम (2019) अरुणाचल प्रदेश में मोनपा जनजाति के महत्वपूर्ण पेड़ों का उपयोग और मूल्यांकन। <i>इंडियन जर्नल ऑफ हिल फार्मिंग</i> , 32 (2): 191-202
20.	पेंगिंग, जी, शर्मा, एम, शर्मा, सी एल, राय, एन, गोगोई, जे (2019) निशुी जनजाति ब्योपा : निशुी जनजाति (भारत) अरुणाचल प्रदेश का एक पारंपरिक प्रमुख और भौगोलिक परम्परा एवं इसकी प्रासंगिकता। <i>प्लेनीयन</i> । 13 (1): 12-18
21.	पेंगिंग, जी, शर्मा, सी एल, शर्मा, एम, राय, एन एवं गोगोई, जे)2020) पूर्वी हिमालय के अरुणाचल प्रदेश के निशुी जनजाति की पारंपरिक हथकरघा प्रथा। <i>इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज</i> । 9 (2): 442-449 (स्वीकृत)
22.	पॉल, ए, दत्ता, पी के, खान, एम एल एवं दास, ए के)2019) रोडोडेंड्रोन अरुणाचल हिमालय , भारत के ऊंचाई वाले क्षेत्र में ईंधन का एक प्रमुख संसाधन। <i>बायो डाइवरसिटीज</i> 20 (9): 2628-2635 आईएसएसएन: 1412-033X (मुद्रण, ई-आईएसएसएन: 2085-4722 (इलेक्ट्रॉनिक(पीर समीक्षा)। जैव विविधता तथा जीव विज्ञान विभाग, गणित व प्राकृतिक विज्ञान संकाय, सेबलस मेरेट विश्वविद्यालय, सुरकार्ता, इंडोनेशिया।
23.	पॉल, ए, खान, एम एल एवं दास, ए के (2019) पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश, भारत के समशीतोष्ण मिश्रित व्यापक वनों में रोडोडेंड्रोन की पुनर्जनन स्थिति और जनसंख्या संरचना । <i>भूविज्ञान, पारिस्थितिकी तथा परिदृश्य</i> 3 (3): 168-186, आईएसएसएन: (मुद्रण(2474-9508 (ऑनलाइन(पीर की समीक्षा) अंतर्राष्ट्रीय जल, वायु एवं मृदा संरक्षण समिति, टेलर और फ्रांसिस समूह।
24.	दास, बी, बोरदोलोई, आर, थुंगोन, एल टी, पॉल, ए, पांडे, पी के, मिश्रा, एम एवं त्रिपाठी, ओ पी (2020) पश्चिम कामेंग अरुणाचल प्रदेश में जलगाही कटाव के लिए भू-स्थानिक, रूसे और एएचपी का एक एकीकृत दृष्टिकोण।, <i>जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइन्स</i> 129: 94; https://doi.org/10.1007/s12040-020-1356-6 आईएसएसएन: 2347-4327 (मुद्रण(0973-774X (ऑनलाइन)(पीर ने समीक्षा) प्रभाव कारक : 1.104, भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा प्रकाशित। स्प्रिंगर प्रकृति स्विट्जरलैंड, स्प्रिंगर प्रकृति का अनुभाग।
25	मित्तल पी, शर्मा एस, कामले एम , भारती ए, त्रिपाठी वी)2019) पिघले हुए शराब प्रतिपादन अपशिष्टों से मेलेनाइडिन डिग्रेडिंग अल्कलोहेलोफाइल विशाणु की पहचान और लक्षण वर्णन। <i>बायोटेक टुडे : एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज</i> , 8: 51-56
26	कामले एम, महतो डी के, ली केई, बाजपेयी वी के, गजुरेल पी आर, कांग एस जी एवं कुमार पी, (2019) लिटिस क्यूबेबा के एथनोफार्माकोलॉजिकल गुण और औषधीय उपयोग। <i>प्लान्टस</i> , 8(6) पृष्ठ 150, डीओआई: 10.3390/plants8060150 (प्रभाव कारक :2.762)
27	कामले एम , महतो डी के, देवी एस, ली केई, कांग एस जी एवं कुमार पी (2019) फमोनिसिन्स: <i>विषाक्त पदार्थों का कृषि, खाद्य और मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव तथा उनकी प्रबंधन रणनीतियाँ</i> ।, 11 (6), p.328 डीओआई: 10.3390 / टॉक्सिंस11060328 (प्रभाव कारक :3.531)
28	दास ए, कामले एम, भारती ए, एवं कुमार पी, (2019) नैनो तकनीकी और पर्यावरणीय उपचार में इसके अनुप्रयोग-एक अवलोकन। : <i>वेजीटोस</i> , 32: 1-11 डीओआई:10.1007/s42535-019-00040-5

29.	महतो डी के , ली केई, कामले एम, देवी एस, देवांगन के एन, कुमार पी एवं कांग एस जी (2019) भोजन में एफ्लैटॉक्सिन: व्यापकता, पहचान और नियंत्रण रणनीतियों पर एक अवलोकन। <i>फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी</i> , डीओआई 10.3389/fmicb.2019.02266(प्रभाव कारक-4.235)
30.	सालेही बी, शरीफराड आर-, शोपोव एफ, नामीसनिक जे, रूओटान ए, एम कामले , पी कुमार, एन मार्टिन, जे एस रेड (2019) मानव स्वास्थ्य के लिए टमाटर के सेवन के लाभकारी प्रभाव और संभावित जोखिम - एक अवलोकन। : न्यूट्रीशन 62: 201-208। <i>10.1016 / j.nut.2019.01.012</i> (प्रभाव कारक -3.591)
31.	कामले एम, महतो डी के, देवी एस, सोनी आर, त्रिपाठी वी, मिश्रा ए के, पी कुमार)2020) पादप स्वास्थ्य सुधार और स्थायी कृषि के लिए नैनो तकनीकी हस्तक्षेप। 3 <i>बायोटेक</i> 10, 168. (प्रभाव कारक-1.798)
32.	बोरा एच, कामले एम , महतो डी के, तिवारी पी, कुमार, पी)2020) साइट्रस आवश्यक तेल और उनके (सीईओ) भोजन मे अनुप्रयोग : एक अवलोकन। <i>प्लॉन्ट्स</i> 2020, 9, 357 (प्रभाव कारक-2.762)
33.	प्रभा आर, सिंह डी पी, अहमद के, कुमार एस पी जे, कुमार पी (2019) जान्थोमोनस ओरीजे पीवी ओरीजे के एसीसी10331 में <i>पृथ्वी</i> रोगाणुरोधी लक्ष्यों की पहचान के लिए जीनोमिकी दृष्टिकोण। <i>आर्चिव्स ऑफ फाइटोपथोलॉजी एंड प्लांट प्रोटेक्शन</i> , 52: 863-872
34.	एच बराक, पी कुमार , ए ज़ारिट्स्की, जेड मेंडल, डी मेंट, ए कुशमारो, ई बेन-डोव)2019) <i>कैपेनोडिस टेनेब्रियोनिस</i> (<i>कोपोप्टेरा</i> : <i>बुप्रिसेडी</i>) लार्वा में विषाणु बायोटा की विविधता । <i>पेथोजन्स</i> 8 (1), 4. (प्रभाव कारक-3.018)
35.	बाजपेयी वी के, खान आई, शुकला एस, कुमार पी, राथर आई ए, पार्क वाई एच, हूआ वाई एस, हान वाई के)2019) इनवेसिव फंगस संक्रमण और महामारी विज्ञान: नैदानिक परिदृश्य में उपाय। <i>बायोटेक्नोलोजी एण्ड बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग</i> , पृष्ठ 1-9, डीओआई: 0.1007/s12257-018-0477-0 प्रभाव कारक- 2.213)
36.	सालेही बी, सेलामोग्लू जेड, मिलेस्की के एस, पीज़ानी आर, रेडाएली एम, चो डब्ल्यू सी, कोबरफर्ड एफ, राजाबी एस, मार्टरेल एम, कुमार पी, मार्टिस एन, संतरा टी एस, सरीफी रेड जे. 2019 कैंसर चिकित्सा के रूप में लिपोसोमल साइटाराबिन: रसायन विज्ञान से दवा। <i>बायोमोलेकुलस- एमडीपीआई</i> , प्रभाव कारक- 4.082
37.	पी कुमार, एम कामले, डी के महतो, एच बोरा, बी शर्मा, पी रेशाने, वी के बाजपेयी (2020) गिलोय:(रसायन, परम्परागत विज्ञान, नैदानिक उपयोग और संरक्षण रणनीतियाँ। <i>वर्तमान रोगनिदान जैव प्रौद्योगिकी</i> , https://doi.org/10.2174/1389201021666200430114547 (प्रभाव कारक 2.097)
38.	बाजपेई वी के, खान आई, शुकला एस, कुमार पी, चैन एल, आनंद एस आर, त्रिपाठी के के, भाटी ए, कांग एस एम, ली एच, किवैक, मिंगान हूआंग सी एच, सोनकर एस के, हूह वाई एस, हान एच के (2020) एन, पी, प्रबलित खाद्य सारणी संभावित कैंसर रोधी अनुप्रयोग और सेलुलर जैव प्रतिबिम्बन। <i>जे. बायोमेड. नैनोटेकॉल</i> , 16, 283-303 (प्रभाव कारक 4.483)

सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित

39. करुणा श्रीवास्तव (2019) गाइलीना आर्बोरिया रोकस्ब के फेलोप्लेन और फिलास्फियर मायकोबीटा अवयव। दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत विकास के लिए वैश्विक पहल, मुद्दे और रणनीतियाँ की कार्यवाही: 23-27 जून को बैंकॉक, थाईलैंड। प्रकाशक: अनु बुक्स, मेरठ, पृष्ठ 205-225
आईएसबीएन: 978-93-87922-79-2

सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख	
आचार्य सी एल शर्मा	शर्मा, सी एल, शर्मा, एम बी एवं लेमा, डी डी डी 2019 अरुणाचल प्रदेश, भारत के कुछ खरपतवारों की क्षमता से लुगदी और कागज बनाने का मूल्यांकन। 606 ^{वाँ} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि एवं जैव विज्ञान, 18-19 जून, 2019 लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में आलेख प्रस्तुति ।
आचार्य एम बी शर्मा	शर्मा, एम बी, शर्मा, सी एल, टाडो, एन. एवं लाईशराम, डी. (2019) अपातनी बांस (<i>फ्यलोस्टैचिस बम्बूसोइडिस सीबॉल्ड</i> एंड जुके) के उम्र और ऊंचाई के संबंध में भौतिक गुण। 606 ^{वाँ} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि एवं जैव विज्ञान, 18-19 जून, 2019 लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में आलेख प्रस्तुति ।
आचार्य करुणा श्रीवास्तव	भास्कर ज्योति शर्मा, करुणा श्रीवास्तव एवं एस सुरेश कुमार सिंह (2020)। "पूर्वोत्तर भारत के असम राज्य के लखीमपुर जिले में भारत मोनी (प्लांटैन प्रकार) केले की खेती का संवर्धन करने वाली राइज़ोस्फेरिक मिट्टी का विश्लेषण"। 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में फाइटो रोगनिदान" में मौखिक रूप से प्रस्तुत आलेख। 16-20 जनवरी, 2020, नई दिल्ली, भारत। संक्षिप्त संख्या (एस 07) 17, पृष्ठ 194, भारतीय फाइटोपथोलॉजिकल सोसायटी, आईएआरआई, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित। करुणा श्रीवास्तव (2019)। "गाइलीना <i>आर्बोरिया</i> रोकस्ब के फेलोप्लेन और फिलास्फियर मायकोबीटा गुण। दिनांक 23-27 जून, 2019 को बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "वैश्विक विकास के लिए सतत लेखन: मुद्दे तथा सिद्धांतों" में मौखिक रूप से प्रस्तुत आलेख।
एस सुरेश कुमार सिंह	एस. सुरेश कुमार सिंह, पी आर गजुरेल, करुणा श्रीवास्तव (2020) अरुणाचल प्रदेश, भारत में वन्य केला प्रजाति (<i>मूसा</i> प्रजाति) की विविधता । अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केला-2020 में एक प्रस्तुत आलेख। आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची, तमिलनाडु तथा जैव विविधता इंटरनेशनल, फ्रांस (04 दिन 24-26/02/19)
एस. सुरेश कुमार सिंह	एस सुरेश कुमार सिंह , डब्ल्यू. रोबिन्द्रो सिंह एवं करुणा श्रीवास्तव (2020) आईटीएस सूचकांक विश्लेषण का उपयोग करके मणिपुर, भारत से <i>मूसा युन्नानेंसिस</i> की विविध पहचान । अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केला-2020 में एक प्रस्तुत आलेख। आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची, तमिलनाडु तथा जैव विविधता इंटरनेशनल, फ्रांस (04 दिन 24-26/02/19)

	<p>एस सुरेशकुमार सिंह , पी आर गजुरेल, करुणा श्रीवास्तव (2020) अरुणाचल प्रदेश, भारत में वन्य केला (मूसा प्रजाति) की विविधता। प्रतिबंध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICB) -2020 में एक पत्र प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केला-2020 में एक प्रस्तुत आलेख। आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची, तमिलनाडु तथा जैव विविधता इंटरनेशनल, फ्रांस (04 दिन 24-26/02/19)</p>
	<p>गुरुम्युमणिबाला, एस सुरेशकुमारसिंह एवं मोहम्मद लतीफ़ खान (2020) अरुणाचल प्रदेश तथा मणिपुर में होने वाले वन्य केले की कृषि तथा जीनोम लक्षण वर्णन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केला-2020 में एक प्रस्तुत आलेख। आईसीएआर-एनआरसीबी, त्रिची, तमिलनाडु तथा जैव विविधता इंटरनेशनल, फ्रांस (04 दिन 24-26/02/19)</p>
अवधेश कुमार	<p>अवधेश कुमार , जीएस सोलंकी, आशालता देवी, कुलदीप सरमा, परिमल चंद्र, रे, सी मुरली कृष्ण, बारिन कुमार बोरो (2020) पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी हिमालयी में कैण्ड लंगूर (<i>ट्रे शब्दकोशिकेस पाइलटस</i>) का वितरण सह संरक्षण । 7^{वें} एशियन प्राइमेट सिम्पोजियम तथा प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वनस्पती विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित, गुवाहाट, असम, भारत, 8-10 फरवरी, 2020 में प्रस्तुत आलेख।</p>

राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

एस सुरेश कुमार सिंह	<p>खैडेम कैनेडी सिंह, एस. सुरेशकुमार सिंह एवं चमन लाल शर्मा (2019) उत्तर पूर्व, भारत से चौदह नृवंशीय पौधों के हाइपोग्लाइसेमिक तथा ऑक्सीरोधी गुण। राष्ट्रीय संगोष्ठी रेडीमेप-2019 में प्रस्तुत आलेख। 2 दिन 29-30 अगस्त 2019. एडीपी कॉलेज, नोगांवा।</p>
अवधेश कुमार	<p>डायना ई अमेज, कुआदीप सरमा, अवधेश कुमार एवं मधुबाला शर्मा (2020) तीन अलग-अलग वातावरणों में पूर्वी लंगूर (होलक ल्युकोनेडीस) की एक पहचान : संरक्षित तथा गैर-संरक्षित आवास आबादी वाले प्राकृतिक आवासों की नस्ल की आबादी की उपयुक्तता की तुलना करने के लिए एक दृष्टिकोण। राष्ट्रीय संगोष्ठी प्राणि विज्ञान के वर्तमान आयाम, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय, भारत, 28-29 फरवरी, 2020 में प्रस्तुत आलेख।</p> <p>डायना ई. अमेज, अवधेश कुमार एवं मधुबाला शर्मा (2020)। खतरे की हरकत के संरक्षण प्रजनन की दिशा में पूर्व सीटू मॉडल पर पूर्वोत्तर भारत के ईटानगर के जैव उद्यान में पूर्वी गिबबन होमन ल्युकोनीडिस पर एक अध्ययन। राष्ट्रीय संगोष्ठी प्राणि विज्ञान के वर्तमान आयाम, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय, भारत, 28-29 फरवरी, 2020 में प्रस्तुत आलेख।</p>
एम. कामले	<p>कामले एम, रेगिस्तानी ट्रफल की पहचान एवं विशेषता। राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि, खाद्य तकनीक तथा मानव स्वास्थ्य (बायोमीप-2019), आणविक अभियांत्रिकी विभाग, जैकब जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव विज्ञान संस्थान, एसयूएटीटीएस, प्रयागराज, (5-6 नवंबर 2019) को मौखिक प्रस्तुत आलेख।</p>

पी. कुमार	पी कुमार (2019) खाद्यजनित रोगजनकों के खिलाफ प्राकृतिक स्रोतों से जैव सक्रिय रसायन विषाणुरोधी। आणविक अभियांत्रिकी विभाग, जैकब जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव विज्ञान संस्थान, एसयूएटीटीएस, प्रयागराज, (5-6 नवंबर 2019) को प्रस्तुत आलेख। बोरा एच, बुई एस, कामले एम, कुमार पी (2019) औषधीय महत्वपूर्ण पौधे लिटेसिया क्यूबेबा का फाइटो रसायन। राष्ट्रीय संगोष्ठी रेडीमेप-2019 में प्रस्तुत आलेख। 2 दिन 29-30 अगस्त 2019. एडीपी कॉलेज, नोगांव।
आमंत्रित वार्ताये	
एस सुरेशकुमार सिंह	उद्यमिता विकास कार्यक्रम और तकनीकी संचार पर 5 दिनों की कार्यशाला में बौद्धिक संपदा अधिकार तथा जैव विविधता पर एक 'संयुक्त वार्ता' प्रस्तुत की। 4-8 नवंबर 2019. एनआईटी अरुणाचल प्रदेश (टिक्नुप-III के तहत)
पी. कुमार	जेआईआईबीएटीएस, इलाहाबाद में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "कृषि, खाद्य तकनीक तथा मानव स्वास्थ्य के वर्तमान रुझान" में खाद्य जनित रोगजनकों के खिलाफ प्राकृतिक स्रोतों से जैव सक्रिय रसायन रोगाणुरोधकों के अलगाव पर एक ' आमंत्रित ' व्याख्यान दिया गया। नवंबर 05-06, 2019

पुस्तकें / पुस्तक अध्याय:

पुस्तकें	
1.	शुक्ष्मजीवजैव-तकनीकी में प्रगति: वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं (सम्पादक- पी कुमार, जेके पात्रा, और पी चंद्रा) प्रकाशक: एपलअकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस समूह) आईएसबीएन: 9781771886673[2018] - अन्तराष्ट्रीय पुस्तक
2.	वहनिय फसल उत्पादन के लिए पौध फिजियोलॉजी के उभरते रुझान (सम्पादक-जेड अब्बास, ए तिवारी और पी कुमार) प्रकाशक: एपलअकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस समूह) आईएसबीएन: 9781771886369[2018] - अन्तराष्ट्रीय पुस्तक
पुस्तक अध्याय	
1.	करुणा श्रीवास्तव , बिस्वजीत प्रमाणिक, भास्कर ज्योति शर्मा एवं ग्रीष्मा ए जी)2020) जातीय किण्वित खाद्य पदार्थ तथा अरुणाचल प्रदेश के पेय पदार्थ। मंजातीय किण्वित खाद्य पदार्थ और : विज्ञान :भारत के पेय पदार्थ, इतिहास तथा संस्कृति, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड जे पी तमाग(सम्पादक) , 41-84 आईएसबीएन 978-981-15-1485-2 आईएसबीएन 978-981-15-1486-9 (ईडीओ (पुस्तक-आई:https://doi.org/10. 1007/978- 981-15-1486-9
2	बोरा एच, बुई एस, कोन्याक जेड, कामले एम, त्रिपाठी पी, किशोर ए, त्रिपाठी वी, कुमार पी (2019) वर्तमान स्थिति तथा जलवायु परिवर्तन अनुसंधान में ओमीक्स उपकरण की भविष्य की संभावनाएं। में: त्रिपाठी वी, कुमार पी, त्रिपाठी पी, किशोर ए, कमल एम (सम्पादक) माइक्रोबियल जीनोमिक्स इन सस्टेनेबल एगोकोसिस्टम। स्प्रिंगर, सिंगापुर https://doi.org/10.1007/978-981-32-9860-6_12
3	कमले एम, बोराह आर, बोरा एच, जायसवाल ए. के., सिंह आर. के., कुमार पी (2020) प्रणालीगत अधिग्रहण प्रतिरोध तथा प्रेरित प्रणालीगत गतिरोध: फाइटोपैथोगेंस के खिलाफ कार्रवाई की भूमिका सह तंत्र। में: हेशम ए एल, उपाध्याय आर, शर्मा जी, मनोहरचार्य सी, गुप्ता वी (सम्पादक) फंगल

	बायोटेक्नोलॉजी और बायोइंजीनियरिंग, फंगल बायोलॉजी, स्प्रिंगर, चाम. 457-470 https://doi.org/10.1007/978-3-030-41870-0_20
4	ए के पाल, जे सिंह, आर सोनी, पी त्रिपाठी, एम कामले, वी त्रिपाठी, पी कुमार (2020) स्थायी पर्यावरण प्रबंधन के लिए जैवसूधार में सूक्ष्मजीव की भूमिका। में: पांडे वी सी एवं सिंह वी (सम्पादक) प्रदूषण जैवसूधार : जेनेटिक से जीनोम अभियांत्रिकी तक, पृष्ठ 227-249, 227-249 एल्सेवियर, नीदरलैंड्स https://doi.org/10.1016/B920-0-12-819025-8.00010-7
5	पी कुमार, एम कामले, पी के मौर्य एवं रविकांत सिंह (2019) स्थायी कृषि में रहजो जिवाणु (पीजीपीआर) को बढ़ावा देने वाले पादप विकास के लाभकारी उपयोग और अनुप्रयोग। अध्याय-2 पुस्तक: माइक्रोबायोलॉजी फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, सॉयल हेल्थ एंड इनवायरलमेंटल प्रोटक्सन। सम्पादक डीके वर्मा। एपलअकादमिक प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस जीआरपी), यूएसए, पृष्ठ 81-104
6	जे के पात्रा, डी के महतो, पी कुमार* (2019) जैव संवेदी तकनीकी-उन्नत वैज्ञानिक औजार, शुष्म जैव संवेदी और पौध-सह-खाद्य आधारित संवेदन के विशेष संदर्भ में। पुस्तक: पौधों, शैवाल और सूक्ष्मजीवों में शुष्म पदार्थ। संपादक: दुर्गेश कुमार त्रिपाठी, परवेज अहमद, शिवेश शर्मा, देवेन्द्र चौहान, नवल किशोर दुबे। एल्सेवियर: अकादमिक प्रेस डीओआई: 10.1016 / B978-0-12-811488-9.00014-7
7	कुमार पी*, महतो डी के, कमले एम, महमूद एमएमसी, रावल डी, मौर्य एम, इस्लाम डी, कुमार पी, त्रिपाठी वी (2020) स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन- फार्म लिग्नोसेल्यूलोज आधारित कृषि फसलों का पर्यावरणीय महत्व तथा संभावनाएँ। में-जैव उर्जा अनुसंधान के वर्तमान आयाम। गुप्ता वी के, ट्रेचेल एच, कुहाड़ आर सी, रोज़िगज-कॉट एस, पृष्ठ 181-193, एल्सेवियर, नीदरलैंड डीओआई: https://doi.org/10.1016/B978-0-12-819597-0.00.009-X

4.1.11 विभाग के संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

वानिकी विभाग के संकाय सदस्यों का निम्नलिखित बाह्य निकायों से शैक्षिक व विकास कार्यों के लिए के लिए सम्पर्क रहता है।

- भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकता, शिलांग एवं ईटानगर
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- रसायन विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला के साथ जीव विज्ञान गतिविधियों व मिश्रणों के विश्लेषण हेतु।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
- भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून
- स्थानिय स्वास्थ्य परम्परायें संगठन, बैंगलूर
- भारतीय दूर संवेदी संस्थान, देहरादून
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद
- उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग
- बहु-कौशल अनुसंधान ईकाई, भारतीय औषधि अनुसंधान परिषद, नाहारलागुन अरुणाचल प्रदेश शासन।

- उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय।परियोजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं व प्रायोगिक परीक्षाओं मे विशेषज्ञ सेंवार्यें
- एटीआरईई (बेंगलोर)
- जेएनटीबीजीआरआई (त्रिवेंद्रम)
- सिंगापुर हर्बेरियम
- सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ
- गुवाहाटी विश्वविद्यालय।
- मिजोरम विश्वविद्यालय
- नागालैंड विश्वविद्यालय
- एनबीपीजीआर-आईसीएआर, नई दिल्ली
- टीईआरआईविश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- एनआरसीबी, तिरुचिनापल्ली, तमिलनाडु
- आई.आई.टी.खड़गपुर

4.1.12 परामर्श परियोजना शुरू की गई: शुन्य

4.1.13 छात्रों की उपलब्धियां

विभाग के कुछ पूर्व / वर्तमान छात्रों (7) को पिछले एक वर्ष के दौरान विभिन्न शासकीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है। जबकि कुछ छात्रों ने वर्ष 2019-2020 के दौरान नेट-जेआरएफ, नेट(सहायक आचार्य) या गेट परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है तथा राष्ट्रीय फेलोशिप एवं अनुसूचित जनजाति छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की है। विवरण निम्नलिखित है-

क्र.सं.	छात्रों का नाम	छात्र का विवरण	नियुक्ति निकाय	वर्ष
सहायक आचार्य में चयनित:				
1.	डॉ. सुभाषीश दास	वर्ष 2011 का वानिकी छात्र	सहायक आचार्य, मिजोरम विश्वविद्यालय	2019
2.	सुश्री दीपिका ओबो (पीएचडी/एफटी/17/एफओ//05)	वर्तमान पीएच.डी. छात्रा	सहायक आचार्य, मोरन कॉलेज, शिवसागर, असम	2019
वैज्ञानिक के रूप में चयनित:				
3.	डॉ अमल बावरी	पीएच.डी. (2016)	वनस्पति विज्ञान, उत्तर पूर्वी लोक चिकित्सा संस्थान, भारत सरकार, पासीघाट	2019

राज्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए चयनित:				
4.	सुश्री मेड बागे	पूर्व एम.एससी. 2019 वानिकी छात्र	अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा	2020
वन रेंज अधिकारी के रूप में चयनित:				
5.	श्री बारिन बोरो (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/02)	वर्तमान पीएचडी छात्र	असम सरकार	2020
6.	सुश्री रोजी बर्मन (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/11)	वर्तमान पीएच.डी. छात्रा	असम सरकार	2020
7.	सुश्री पापोरी खतोनियर	पूर्व एम.एससी. 2015 वानिकी छात्र	असम सरकार	2020
नेट-जेआरएफ/नेट(सहायक आचार्य)/गेट परीक्षा में सफलता:				
8.	श्री नारंग डौली (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/16)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	आईसीएआर, नेट	जनवरी, 2020
9.	श्री चेलाम मल्लो (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/02)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	एनसीआईआर नेट जेआरएफ	जुलाई, 2019
10.	माइकल रिमी बर्मन (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/05)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	एनसीआईआर नेट जेआरएफ	जुलाई, 2019
11.	श्री जेवांग कोन्याक (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/04)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र और पूर्व एम.एस.सी. छात्र	पर्यावरण विज्ञान में यूजीसी नेट	जून 2019
12.	सुश्री रीताश्री बोरदोलोई (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/01)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	यूजीसी नेट (सहायक आचार्य)	जून 2019।
13.	माइकल तागे आभूषण, (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/10)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	यूजीसी नेट (सहायक आचार्य)	जून 2019।
14.	सुश्री दीपिका ओबो (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/05)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	यूजीसी नेट (सहायक आचार्य)	जून 2019।
15.	श्री वुंगशप हासियो	पूर्व एम.एस.सी. वानिकी का छात्र	यूजीसी नेट (सहायक आचार्य)	जून 2019।
16.	माइकल होटर पादु (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/03)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	यूजीसी नेट (अस्सिस्टेंट आचार्य)	जून, 2019
17.	सुश्री सुक्नी बुई (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/04)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	जीव विज्ञान में गेट परीक्षा	मार्च, 2020

अनुसूचित जाति छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप तथा छात्रवृत्ति के लिए चयनित:				
18.	सुश्री मोमांग ताली (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/01)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली	2019-20
19.	माइकल होटर पादु (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/03)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
20.	सुश्री पप्पी निरीक्षण (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/07)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
21.	सुश्री जोयसी देबबर्मा (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/12)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
22.	सुश्री नबाम तुमि (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/13)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
23.	सुश्री जम्पी नाचो (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/14)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
24.	श्री सीमंत ने कहा (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/15)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
25.	श्री नारंग डोलले (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/16)	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
26.	माइकल तागे की परिक्रमा (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20
27.	सुश्री बिनु नगुसो (पीएचडी/एफटी/19/एफओ/	वर्तमान पीएच.डी. छात्र	-भी-	2019-20

4.1.12 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

- भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, देहरादून से विभाग द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों (बी.एससी., एम.एससी. तथा पीएच.डी.) के लिए मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया दिसंबर, 2019 में प्रारंभ की गई थी। जिसके लिए स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- आईसीएफआरई के मूल्यांकन टीम के भ्रमण के दौरान वानिकी विभाग का एक संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया गया। 3-4 मार्च, 2020
- आईसीएआर की पाँचवीं डीन समिति की रिपोर्ट के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रम (बी. एससी. वानिकी) का मुख्य संशोधन फरवरी, 2020 में किया गया था।
- प्रयोगशाला की सुविधाओं में वृद्धि - संस्थान से प्राप्त धन और 16 बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजना अनुदानों के माध्यम से विभिन्न प्रयोगशालाओं में सुविधाओं का सृजन किया गया था।
- वृक्षारोपण और वन पौधशाला प्रबंधन कार्य के माध्यम से पौधशाला विकास किया गया।
- कृषि और वृक्षारोपण प्रबंधन में रुचि रखने वाले विभिन्न किसानों को 'तकनीकी ज्ञान' बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के वित्त के माध्यम से साझा किया गया था।
- अध्ययन भ्रमण, विभिन्न वन क्षेत्रों में छात्रों के क्षेत्र भ्रमण, संस्थान आदि को पाठ्यक्रम के भाग के रूप में नियमित रूप से संचालित किया गया है।

- संकाय सदस्य सभी अलग-बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान एवं अलग विकास परियोजनाओं के तहत पीएच.डी. में अनुसंधान कार्य का मार्गदर्शन करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। वर्तमान में पंजीकृत 51 पीएच.डी. छात्रों की सूची नीचे दी गई है:

पीएच.डी. छात्रों की सूची 2019-2020

क्र.सं.	छात्र का नाम तथा रोल क्रमांक	पीएच.डी. शीर्षक	पर्यवेक्षक
नियमित छात्र			
1.	सुश्री सोयला केशंग (पीएचडी/एफटी/14 /एफओ/02)	अरुणाचल प्रदेश, भारत के पापुम पारे जिले में होने वाली चढ़ने वाली वनस्पतियों का वर्गीकरण विविधता, वितरण और संसाधन मूल्य	डॉ. पी आर गजुरेल (पर्यवेक्षक) आचार्य बिनय सिंह (सह पर्यवेक्षक)
2.	श्री ताजम दोनी (पीएचडी/एफटी/15 /एफओ/ 01)	अरुणाचल प्रदेश के गालो जनजाति द्वारा उपयोग किए जाने वाले गैर-लकड़ी वन उत्पादों का वर्गीकरण और नृवंशविज्ञान	डॉ. पी आर गजुरेल (पर्यवेक्षक)
3.	श्री राकेश बसनत (पीएचडी/एफटी/15 /एफओ/02)	पारिस्थितिकी और मानव - एशियाई काले भालू (<i>उर्सस थिबेटनस</i>) खंगचेंडजोंगा नेशनल पार्क, सिक्किम, भारत के चारों ओर स्थित है।	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक)
4.	श्री बरिन कुमार बेरो (पीएचडी/एफटी/15 /एफओ/02)	मानस राष्ट्रीय उद्यान, असम , भारत में लुप्तप्राय जंगली पानी भैंस (<i>बुबलस एमि</i> , केर) का <i>जनसंख्या नियंत्रण</i> , आवास का लक्षण वर्णन और संरक्षण के मुद्दे।	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक)
5.	श्रीमती सवेराते डेका (पीएचडी/एफटी/15 /एफओ/03)	गोलपारा जिला, असम के उष्णकटिबंधीय वनों में चयनित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का आकलन	डॉ. ओ पी त्रिपाठी (पर्यवेक्षक) डॉ. एल बी सिघा (सह पर्यवेक्षक)
6.	सुश्री धनश्री लेसराम (पीएचडी/एफटी/16 /एफओ/05)	मणिपुर, भारत की बांस की वस्तुओं के शारीरिक और भौतिक गुणों का मूल्यांकन	डॉ. सी एल शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ. एम बी शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
7.	सुश्री रीताश्री बोरदोलई (पीएचडी/एफटी/17 /एफओ/01)	पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश, भारत के स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र कार्बन गतिशीलता पर भूमि उपयोग परिवर्तन का निहितार्थ	डॉ. ओ पी त्रिपाठी (पर्यवेक्षक) डॉ. एल बी सिघा (सह पर्यवेक्षक)

8.	सुश्री याकहरी कसुंग (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/02)	अरुणाचल प्रदेश में उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्ण बांस की प्राकृतिक नस्लो में कार्बन पूल क्रम	डॉ. एल बी सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. ओ पी त्रिपाठी (सह पर्यवेक्षक)
9.	श्री ताजुम योमचा (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/03)	नामदाफा राष्ट्रीय उद्ययन, अरुणाचल प्रदेश, भारत में स्थलीय स्तनधारी जीवों की विविधता एवं निवास संरचना का अनुमान	डॉ. ए कुमार (पर्यवेक्षक) डॉ. पी आर गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)
10.	श्री नीलम गैप (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/04)	अरुणाचल प्रदेश के करा दाड़ी जिले के उपोष्ण क्षेत्र वनों की वृक्ष विविधता, सामुदायिक विशेषताएं और जैव पदार्थ	डॉ. आशीष पॉल (पर्यवेक्षक) डॉ. ओ पी त्रिपाठी (सह पर्यवेक्षक)
11.	सुश्री दीपिका प्रबो (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/05)	पक्के वन्यजीव अभयारण्य, अरुणाचल प्रदेश, भारत में फ्रुजीवोर्स के संरक्षण में अंजीर व कैंसर की भूमिका।	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक)
12.	श्री दिपांकर बर्मन (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/07)	पूर्वी अरुणाचल प्रदेश, भारत में मिशमी <i>तकिन</i> (<i>बुडकोस टैक्सी टैक्सोरल</i> , हॉजसन) पर अध्ययन	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक)
13.	श्री. डेनियल डेबरमा (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/01)	असम के ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर स्थित घरों में बांस के संसाधनों का मापण, मूल्यांकन और आजीविका में उनकी भूमिका।	डॉ एल बी सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. ओ पी त्रिपाठी (सह पर्यवेक्षक)
14.	श्री पिनकी अधिकारी (पीएचडी/एफटी/17/एफओ/02)	अरुणाचल प्रदेश, भारत के रोसेसी पौधों के करोनाॅमिक विविधता और वनस्पति विज्ञान पर अध्ययन	डॉ. पी आर गजुरेल (पर्यवेक्षक)
15.	श्री दिपांकर गौगोई (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/03)	अरुणाचल प्रदेश, भारत के दो जिलों में गैर-टिम्बर वन उत्पादों की विविधता तथा बाजार की संभावनाएं	डॉ. बी. सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. पी आर गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)
16.	श्री जिवांग कोनयक (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/04)	यानिक विशेषता और टर्माइटियम मृदा में रहने वाले जीवाणुओं के जैवसंवायोजन और महत्वपूर्ण फाइटोपैथोगेंस के खिलाफ उनकी जैव-रासायनिक प्रभावकारिता।	डॉ. पी कुमार (पर्यवेक्षक) डॉ. एम कामले (सह पर्यवेक्षक)

17.	सुश्री हिमश्रेणी बोरा (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/05)	अरुणाचल प्रदेश, भारत के चुनिंदा स्वदेशी औषधीय पौधों से मानव रोगजनक बैक्टीरिया के खिलाफ फाइटोकेमिक की खोज।	डॉ. पी कुमार (पर्यवेक्षक) डॉ. एम. कामले (सह पर्यवेक्षक)
18.	श्री एनखोम रोएमर जिस्ट (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/06)	मणिपुर, पूर्वोत्तर में गंभीर रूप से लुप्तप्राय चीनी पेंगोलिन (मनीस पेंटाक्टेक्टिला, एल) की जनसंख्या की स्थिति सह संरक्षण	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक) डॉ ओ पी त्रिपाठी (सह पर्यवेक्षक)
19.	श्री एरीबम राँकी शर्मा (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/ 07)	तवांग जिले, अरुणाचल प्रदेश के बीजभूमि के जल-रासायनिक गुणों पर जलवायु परिवर्तन का संभावित प्रभाव।	डॉ. नेत्रपाल (पर्यवेक्षक) डॉ. ए. पॉल (सह पर्यवेक्षक)
20.	श्री रितुराज बोराह (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/ 08)	अरुणाचल प्रदेश, भारत <i>बेसिलस थुरिंगिएंसिस</i> से एंटी-कोलॉप्टेरान री जीन का अलगाव सह लक्षण वर्णन।	डॉ. एम कामले (पर्यवेक्षक) डॉ. पी. कुमार (सह पर्यवेक्षक)
21.	सुश्री स्वास्तिक एस शर्मा (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/ 09)	फिलामेंटस कर्ट से चयनित औद्योगिक हार्मोनों की जाच सह लक्षण वर्णन	डॉ. एस एस सिंह (पर्यवेक्षक) डा. करुणा श्रीवास्तव (सह पर्यवेक्षक)
22.	श्री भास्कर जोति शर्मा (पीएचडी/एफटी/18/एफओ/ 10)	शुष्मजीव इनोक्युलेंट (एस) के उपयोग द्वारा प्रतिबंध और उसके क्षेत्र की स्थापना से भारत मोनी द्वारा फसल प्रशसरण	डॉ. करुणा श्रीवास्तव (पर्यवेक्षक), डॉ. एस एस सिंह (सह पर्यवेक्षक)
23.	श्री अनुराग विश्वकर्मा (पीएच.डी/पीआर/18/एफओ/ 01)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ ए कुमार (पर्यवेक्षक),
24.	श्री। गइंतो गोगोई (पीएच.डी/पीआर/18/एफओ/ 02)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ. एमबी शर्मा (पर्यवेक्षक)
25.	श्री निरज राय (पीएच.डी/पीआर/18/एफओ/ 03)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ. एमबी शर्मा (पर्यवेक्षक)

26.	सुश्री सकुनी बुई (पीएच.डी/पीआर/ 18/एफओ/ 04)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ. मधु वर्कले (पर्यवेक्षक) डॉ. पी. कुमार (सह पर्यवेक्षक)
27.	सुश्री टेग यामा (पीएच.डी/पीआर/ 18/एफओ/ 05)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ. एस एस सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. अरुणा श्रीवास्तव (सह पर्यवेक्षक)
28.	श्री एम संजय सिंह (पीएच.डी/पीआर/ 18/एफओ/ 06)	कोर्स कार्य पूरा	डॉ. एल बी सिंहा (सह पर्यवेक्षक)
29.	सुश्री मम्मन तली (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 01)	नव प्रवेश	डॉ सी एल शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ एम बी शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
30.	श्री चेबम मालो (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 02)	नव प्रवेश	प्रो। के। अरुणा श्रीवास्तव (पर्यवेक्षक)
31.	सुश्री होटर पट्टु (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 03)	नव प्रवेश	डॉ ए पॉल (पर्यवेक्षक) डॉ एम बी शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
32.	श्री महेश वनखोम (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 04)	नव प्रवेश	डॉ. एम बी शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
33.	सुश्री रिम बर्मन (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 05)	नव प्रवेश	डॉ पी आर गजुरेल (पर्यवेक्षक) डॉ बी सिंह (सह पर्यवेक्षक)
34.	सुश्री रोना सिंह (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 06)	नव प्रवेश	डॉ ओ पी त्रिपाठी (पर्यवेक्षक) डॉ एल बी सिधा (सह पर्यवेक्षक)

35.	सुश्री पापकी निरी (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 07)	नव प्रवेश	डॉ एल बी सिधा (सह पर्यवेक्षक) डॉ. ए. पॉल (सह पर्यवेक्षक)
36.	सुश्री दुजूम पाक कला (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 08)	नव प्रवेश	डॉ. एम बी शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
37.	सुश्री राधे बी मोन्या (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 09)	नव प्रवेश	प्रो। के। अरुणा श्रीवास्तव (पर्यवेक्षक)
38.	सुश्री तैसैं यारें (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 10)	नव प्रवेश	डॉ. पी आर गजुरेल (पर्यवेक्षक) डॉ. बी. सिंह (सह संरक्षक)
39.	सुश्री रोजी बर्मन (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 11)	नव प्रवेश	डॉ। पीआर गजुरेल (पर्यवेक्षक) डॉ एस एस सिंह (सह पर्यवेक्षक)
40.	सुश्री जेश्री देबर्मा (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 12)	नव प्रवेश	डॉ सी एल शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ एम बी शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
41.	सुश्री नबाम एपी (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 13)	नव प्रवेश	डॉ. जी प्रपंजिंग (पर्यवेक्षक) डॉ. एम बी शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
42.	सुश्री जॉपी नाचो (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 14)	नव प्रवेश	डॉ एम बी शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
43.	श्री समता टेड (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 15)	नव प्रवेश	डॉ एस एस सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ पी आर गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)

44.	श्री नारंग दोली (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 16)	नव प्रवेश	डॉ. के अरुणा श्रीवास्तव (पर्यवेक्षक)
45.	श्री जिनस टेरॉन (पीएच.डी/पीआर/ 19/एफओ/ 18)	नव प्रवेश	डॉ ए पॉल (पर्यवेक्षक) डॉ एल बी सिघा (सह पर्यवेक्षक)
अंशकालिक छात्र			
46.	सुश्री सोनिया देवी (पीएचडी/पीटी/17/ एफओ/ 01)	मणिपुर, भारत से प्रतिबंध के विविधता, पोषक तत्वों और ऑक्सी रोधी मूल्यों पर अध्ययन	डॉ एस एस सिंह (पर्यवेक्षक)
47.	श्री लायगी ताजो (पीएचडी/पीटी/17/ एफओ/ 01)	पापुम पारे जिले, अरुणाचल प्रदेश के उष्णकटिबंधीय कृषि प्रणालियों की चयनित फसलों की उत्पादकता पर पारिस्थितिक प्रभाव	डॉ. ओ पी त्रिपाठी (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
48.	श्री अब्दुस समद (पीएचडी/पीटी/17/ एफओ/02)	पूर्वोत्तर भारत के तीन चयनित अल्पविकसित वनस्पति क्षेत्रों की प्रसार तकनीक	डॉ. बी सिंह (पर्यवेक्षक) डॉ. पी आर गजुरेल (सह पर्यवेक्षक)
49.	सुश्री सोनिया पनिहारि (पीएचडी/पीटी/19/ एफओ/01.)	नव प्रवेश	डॉ. एम बी शर्मा (पर्यवेक्षक) डॉ. सी एल शर्मा (सह पर्यवेक्षक)
50.	एमएस। LOD यम (पीएचडी/पीटी/19/ एफओ/02)	नव प्रवेश	डॉ आशीष पॉल (पर्यवेक्षक) डॉ के श्रीवास्तव, (सह पर्यवेक्षक)
51.	सुश्री नेमजो रोनेंग (पीएचडी/पीटी/19/ एफओ/03)	नव प्रवेश	डॉ. ओ पी त्रिपाठी (पर्यवेक्षक) डॉ. एल बी सिघा (सह पर्यवेक्षक)

4.2 कृषि अभियांत्रिकी विभाग

4.2.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कृषि अभियांत्रिकी मूलतः कृषि में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। कृषि अभियांत्रिकी कृषि उपभोक्ता शृंखला के साथ साथ फसल उत्पादन, फसल के रखरखाव और प्रसंस्करण समस्याओं के लिए उचित समाधान प्रस्तुत करता है। यह विभाग राष्ट्र निर्माण एवं किसानों के कल्याण के लिए सुरक्षित वातावरण में बहु-आयामी गतिविधियों का भी संचालन करता है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने बी. टेक. कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 1986 में किया था। यह विभाग डिग्री स्तर की शिक्षा मॉड्यूलर पद्धति द्वारा प्रदान कर रहा है। जिसमें तीन मोड्यूलस हैं : प्रमाण पत्र (i) खाद्य प्रसंस्करण और ii) ट्रेक्टर मेकानिक के दो पृथक व्यवसाय), डिप्लोमा और उपाधि। तदनुसार प्रत्येक कार्यक्रम प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा एवं उपाधि में शिक्षा समाप्ति एवं उच्च मॉड्यूल में प्रौन्नति का प्रावधान है। बी.टेक. डिग्री के पश्चात छात्र एम. टेक. कार्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं तथा पीएच.डी. भी कर सकते हैं।

विभाग में इस समय 14 संकाय सदस्य अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। जिनमें से 02 ग्रहणाधिकार तथा एक अध्ययन अवकाश पर हैं। यह विभाग कृषि अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्रों में 5 प्रायोजित शोध परियोजनाओं (एस.ए.सी., आई.एस.आर.ओ, एम.ओ.ई.एफ., सी.एस.आई.आर.) का संचालन कर रहा है। वर्तमान विभाग में मानव अभियांत्रिकी में ए.आई.सी.आर.पी. और कृषि में सुरक्षा पर समन्वयक शोध परियोजना पर काम चल रहा है जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

4.2.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) वर्तमान पाठ्यक्रमों में संशोधन	: हॉ
(ख) नये वैकल्पिक विषयों का समावेश	: हॉ
(ग) प्रयोगशाला वर्क शीट डिजाइन	: हॉ
(घ) पाठ्यक्रम में ढाचागत परिवर्तन	: हॉ

4.2.3 विभाग की प्रयोगशालायें तथा प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं के लिए निम्नलिखित उपकरण खरीदे गए:-

क्र.सं.	उपकरण / उपकरण का नाम
1.	आस्टसीलस्कप वेवफॉर्म जेनरेटर, प्रतिपादक: साइंटिफिक टेक प्रा. लि., इंदौर, मॉडल 2 चैनल, 120 मेगाहर्ट्ज
2.	ओसिलोस्कोप माडल एसएम02204एक्स एसएम02200X-एलए के साथ, प्रतिपादक: साइंटिफिक टेक प्रा. लिमिटेड, इंदौर, मिश्रित सिंगल टाइप 4 एनालॉग तथा 16 डिजिटल चैनल 200 मेगाहर्ट्ज के साथ एमएसओ फंक्शन सॉफ्टवेयर एसएम02000एक्स ओसिलोस्कोप 16 चैनल, 500 एमएसए / एस, 14 एमआईपीएस और एसएम02000 एक्स शृंखला
3.	मिट्टी / पानी मॉडल टैंक (आर्म फील्ड) टैंक का आकार 1000 मिमी x 450 मिमी x 25 मिमी
4.	चूट स्पिलवे और ड्रॉप स्पिलवे का कट-मॉडल
5.	एच-फ्लूम के साथ कोशोक्टोन व्हील सैम्पलर
6.	मिश्रित प्रवाह पंप का प्रारूप

7.	रेसिप्रोकेटिंग पंप का का प्रारूप
8.	प्रोपेलर पंप का का प्रारूप
9.	टरबाइन पंप का का प्रारूप
10.	सेल्फ-रिकॉर्डिंग राईजिंग का वजन
11.	प्राकृतिक साइफन टाइप सेल्फ रिकॉर्डिंग रेनगेज
12.	स्नो गेज, टर्बिडिटी मीटर, चालकता मीटर
13.	लचीले और कठोर पैकेज के हेड स्पेस में ऑक्सिजन और कार्बन डाइऑक्साइड के विश्लेषण के लिए हेडस्पेस एनालाइज़र (मॉडल 6600)
14.	पी एच मीटर

3.2.4 पीएच.डी, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनायें

पीएच.डी.

क्र.सं.	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	छात्र का नाम
1	पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में एक प्रतिनिधि जलक्षेत्र पर स्थानिक रूप से वितरित जल-पारिस्थितिक प्रतिमान	अदिति भद्रा अर्नब बंद्योपाध्याय	पूजा मिश्रा

एम. टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	छात्र का नाम
1.	सीट पैन और पिछले रेस्ट समर्थित पर शरीर रचना वजन, सीट ज्योमिती तथा लिंग का प्रभाव ।	केएन देवांगन और अनुभा पाल	सरजू थाँकचोम
2	अरुणाचल प्रदेश के जिलों की वर्षा में आवधिकता की जाँच	एस के श्रीवास्तव	दोयाराम सेंगडो
3	अरुणाचल प्रदेश के दिबांग नदी सतह के लिए एसडीएसआरएम का उपयोग करते हुए स्नो कवर और स्नो पैरामीटर्स में स्थानिक और अस्थायी परिवर्तन	अदिति भद्रा अर्नब बंद्योपाध्याय	पी सी वनलालनचानी
4	मानव संचालित जुताई उपकरण का विकास और प्रदर्शन मूल्यांकन	टी पटेल	तपो नगु गमसर
5	दूर नियंत्रित एरेका नट हार्वेस्टर का विकास	अनुभा पाल	राहुल सरकार
6	सिक्किम के गंगटोक में संदर्भ वाष्पीकरण के कोपूला आधारित संभाव्य प्रतिमान	वनिता पांडे (पर्यवेक्षक) डा. पंकज कुमार पाण्डेय (सह पर्यवेक्षक)	लालहरीपट्टई खियांगते
7	नारियल रेशा समतल सौर संग्राही की उष्मा दक्षता का विकास सह मूल्यांकन	तगे तपंग	ख्रीजाझोउ सेई

उपाधि (बी.टेक) परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	छात्र का नाम
1	ट्रैक्टर पैडल पर पैर, पैर के द्रव्यमान, शरीर के द्रव्यमान, लिंग और सीट ज्यामिति का प्रभाव	के एन देवांगन	लेकजूम युदिक अनामिका थसेन
2	भारत के पूर्वी हिमालय के अरुणाचल प्रदेश में नदी के प्रवाह की अस्थायी विविधता	एस के श्रीवास्तव	समई देबबर्मा संजीत जमातिया
3	अरुणाचल प्रदेश में वर्षा की कमी दर का अनुमान	अदिति भद्रा	नगिलयांग सुम्पी ताके मुन्नी
4	पूर्वोत्तर भारत डिब्रूगढ़ के तापमान डेटा का उपयोग करके संदर्भ वाष्पीकरण सुधार का अनुमान।	पीके पांडे	पंकज कुमार लाहिनेतिंग तोतांग
5	श्रम दक्ष जुताई के लिए मानव संचालित टिलेज टूल का विकास और मूल्यांकन	टी। पटेल	जयंतीफुल हूजन रिकुथकणी फवा
6	भारत के कृषि श्रमिकों के लिए मानवविज्ञान ऑकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन	टी. पटेल	थ. मैसेडोनिया देवी मृगांका सरमा
7	उपयोग समय बढ़ाने के लिए शिमला मिर्च का भरण।	ए के चौधरी	यापुक पर्डुंग टोलिटो शोहे
8	हाइड्रॉलिक रूप से संचालित शंकु हल का विकास	अनुभा पाल	एल याइपाबा मीतेई तारम निलिंग
9	दोमट-बालू मिट्टी में घुसपैठ की दर पर सिंचाई जल की गुणवत्ता का प्रभाव।	विनिता पांडे	बिश्वनाथ सिंह न्यागम बोले कायंटो लेगो
10	तनाव गेज का उपयोग कर 2डब्लूडी ट्रैक्टर के सामने धुरा के गतिशील भार का मापन	तगे तपंग	रोशना खवास लालनकवली
11	नारियल रेशा के उष्मा अचालकता गुणों का अध्ययन	तगे तपंग	एमिली पीसी लालनुन्हाली श्रीजना गुरुंग

डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	छात्र का नाम
1	पारंपरिक हाथ से चलने वाली विधि द्वारा और यांत्रिक सहायता का उपयोग करके चाय की प्लकिंग दरों का मापन	के एन देवांगन	एलआई मीतेई, एसएस सिंह पी एस शेरपा

2	अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड जिलों पर जलवायु वर्गीकरण और इसकी विविधता	एस के श्रीवास्तव	ततुनक जमीर होजाम तमिन निट्टो एन चिशी
3	अरुणाचल प्रदेश की मागो नदी के लिए वार्षिक और मासिक घटन दर	अदिति भद्रा	ओय पर्टिन पेटिनिनुओ योमे
4	मृदा नमी और इसकी मान्यता का सीटू मापन	अर्नब बंद्योपाध्याय	कमल का कमल दानी रिनयो सलोनी संगमा
5	डिब्रूगढ़, असम के लिए जलवायु स्थिति के तहत अनुमानित पीएमटी और एचएस मूल्यों के साथ एफएओ-56 की तुलना	पी के पांडे	केनीसेललोचो टेथोल्ड्सॉर हेलुइपंगंगडांग
6	कृषि श्रमिकों की मैक्सिमल आइसोमेट्रिक हैंडग्रेप ताकत का मापन	टी. पटेल	हिबू मोडा माग मनु डोगिन ओमो
7	अरुणाचल प्रदेश में बाँस के खाद्य उत्पाद	ए के चौधरी	नोलुम लिंगरी तैयर तमुत
8	एक 3-बिंदु अड़चन घुड़सवार शंकु हल का विकास	अनुभा पाल	शयान अहमद सौविक कुमार घोष सॉघट लुंगौली हाओकिप
9	डिब्रूगढ़, असम की जलवायु स्थिति के तहत हरग्रेव्स समीकरण का विकिरण आधारित अंशांकन	वनिता पांडे	श्री निकम तावे श्री डोंगशौकिप
10	ट्रैक्टर ट्रेलर संयोजन की अड़चन ऊंचाई को अलग-अलग करने के लिए उपकरण प्रणाली का विकास	तगे तपंग	तदार ममांग, ऋचा राँय तहर तारियनग

1.2.5. नेरिस्ट में आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम / कार्यशालाएं / सम्मेलन:

1.	आचार्य के एन देवांगन तथा डॉ. टी. पटेल ने 13 मार्च, 2020 को एक दिन के कृषि मेले का आयोजन किया, जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था।
2.	आचार्य के एन देवांगन तथा डॉ. टी. पटेल ने 14 फरवरी 2020 को एक दिवसीय जागरूकता-सह-प्रदर्शन मेला आयोजित किया था। इस मेले को कृषि श्रमदक्षता एवं सुरक्षा निकाए तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया था।
3.	डॉ. ए. भद्र तथा डॉ. ए. बंद्योपाध्याय ने 14-25 अक्टूबर 2019 के दौरान "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से किया था।

1.2.6. संकाय सदस्यों की अल्पकालिक पाठ्यक्रमो / कार्यशालाओं / सम्मेलनों में सहभागिता

1.	आचार्य के एन देवांगन ने 13 जनवरी - 17 जनवरी, 2020 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी शिक्षाविदों द्वारा नेरिस्ट में आयोजित कार्यक्रम "अध्यापन एवं शिक्षा के आईसीटी माध्यम तथा संस्थान, पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया था।
2.	आचार्य के एन देवांगन ने 27 दिसंबर, 2019 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित सामाजिक मध्यस्थ चैंपियंस कार्यशाला में भाग लिया।
3.	आचार्य के एन देवांगन ने 7 जनवरी से 9 जनवरी, 2020 तक हयात रीजेंसी, पुणे में आयोजित "कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकी" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा 54 वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
4.	डॉ. अदिति भद्रा ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी शिक्षाविद अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा नेरिस्ट में 01-05 अप्रैल, 2019 के दौरान आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "व्यवहार पुन संरचना तथा अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।
5.	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय ने 22 जून 2019 को आईआईटी बॉम्बे में अध्यापन शिक्षण केन्द्र द्वारा पायथन पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
6.	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय ने 15-16 नवंबर 2019 के दौरान आईआईटी गुवाहाटी में पर्यावरण संवर्धी -रेजिलिएंट तकनीकी निकाय द्वारा नदी-अनुसंधान पर दो दिवसीय मंथन कार्यशाला में भाग लिया।
7.	डॉ. टी. पटेल ने सिंगापुर में दिसम्बर 10-12, 2019 आयोजित 21वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और औद्योगिक श्रमदक्षता-19 में भाग लिया।
8.	डॉ. टी. पटेल ने 14 से 25 अक्टूबर, 2019 को नेरिस्ट में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में भाग लिया।
9.	डॉ. टी पटेल ने 20 मई से 24 मई, 2019 तक नेरिस्ट में इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
10.	डॉ. टी पटेल ने आईसीएआर, एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा 1-30 नवंबर, 2019 के दौरान संचालित एक महीने के एमओओसी कार्यक्रम शिक्षण उत्कृष्टता में भाग लिया।
11.	डॉ. टी. पटेल ने 27-29 फरवरी, 2020 को नेरिस्ट में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम प्रस्तुतिकरण प्रबन्ध में भाग लिया।
12.	श्री एके चौधरी ने नेरिस्ट के वानिकी विभाग द्वारा फरवरी 10 वीं 2020 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला "हिमालय में आक्रामक बाह्य पौधे: स्थिति, पारिस्थितिक प्रभाव एवं प्रबंधन" में भाग लिया।
13.	श्री ए के चौधरी ने 14 से 25 अक्टूबर, 2019 को नेरिस्ट में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में भाग लिया।
14.	श्री एके चौधरी ने आईसीएआर, एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा 1-30 नवंबर, 2019 के दौरान संचालित एक महीने के एमओओसी कार्यक्रम शिक्षण उत्कृष्टता में भाग लिया।

15.	श्री ए पाल ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा 1-5 अप्रैल, 2019 को आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही प्रचलन में भाग लिया।
16.	श्री ए पाल ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा नेरिस्ट में 13 से 17 जनवरी, 2020 को आयोजित "अध्यापन एवं शिक्षा के आईसीटी माध्यम तथा संस्थान, पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया था।
17.	श्री ए पाल ने सिंगापुर में दिसम्बर 10-12, 2019 आयोजित 21वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और औद्योगिक श्रमदक्षता-19 में अपना आलेख "बैटरी संचालित अरका-नट कृषि कटाई यंत्र का विकास" प्रस्तुत किया था।
18.	श्री ए पाल ने 14 से 25 अक्टूबर, 2019 को नेरिस्ट में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में भाग लिया।
19.	श्री ए पाल ने 20 मई से 24 मई, 2019 तक नेरिस्ट में इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
20.	श्री ए पाल ने आईसीएआर, एनएएआरएम, हैदराबाद द्वारा 1-30 नवंबर, 2019 के दौरान संचालित एक महीने के एमओओसी कार्यक्रम शिक्षण उत्कृष्टता में भाग लिया।
21.	श्रीमती वनिता पांडे ने 14 से 25 अक्टूबर, 2019 को नेरिस्ट में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में भाग लिया।
22.	श्री टी तपांग ने 14 से 25 अक्टूबर, 2019 को नेरिस्ट में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में भाग लिया।
23.	श्री टी तपांग 15 से 16 दिसंबर, 2019 तक 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर तथा प्रबंधन कौशल में शामिल हुए।
24.	श्री टी तपांग ने सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 27 से 29 फरवरी, 2020 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम आपदा प्रबंधन में भाग लिया।

1.2.7. संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ / व्यावसायिक सदस्यता।

1	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय ने मृदा संरक्षण सोसायटी की सदस्यता प्राप्त की।
---	--

1.2.8. संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ / पुरस्कार / मान्यता

1.	आचार्य के एन देवांगन ने 15-16 दिसंबर, 2019 को नेरिस्ट द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर तथा प्रबंधन कौशल-2019 के एक सत्र की अध्यक्षता की और प्रमुख भाषण दिया।
2.	आचार्य के एन देवांगन ने 9 से 10 अगस्त, 2019 को डॉन बॉस्को कॉलेज, जोलंग, ईटानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "उत्तर-पूर्व भारत में सतत विकास में सामाजिक-सांस्कृतिक तथा आर्थिक संबंध" में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

3.	श्रेष्ठ आलेख पुरस्कार वी, गेलोम, टी, निरिन, एल, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए 2019 जीआईएस तकनीक का उपयोग करके मॉरोमैट्रिक विश्लेषण के माध्यम से योग्यता के आधार पर मैगो बेसिन का प्राथमिकता: एक पीसीए-आधारित दृष्टिकोण। संक्षिप्त-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वातावरण वहनिय कृषि व विश्व खाद्य सुरक्षा हेतु मृदा और जल संसाधन प्रबंधन, भारतीय सामाजिक संरक्षण समिति, नई दिल्ली, 5-9 नवंबर, 2019, पृष्ठ 364
4.	पोस्टर सेशन में प्रथम स्थान - निनगोजुम, जी., बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए 2019, भारत में पूर्वाग्रह-सही स्थानिक रूप से डाउनस्कूलर डेटासेट का उपयोग करके एनआईआर का पूर्वानुमान। द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत जल प्रबंधन, पुणे, महाराष्ट्र में पोस्टर प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, 6-8 नवंबर, 2019
5.	पोस्टर सेशन में तीसरा स्थान- किबा, एल जी, नंचनी, वी, चिपांग, एन, बंद्योपाध्याय, ए, भद्र, ए 2019, स्थानिक रूप से वितरित बर्फ पिघलाव तथ्यों का उपयोग करते हुए भारतीय हिमालयी क्षेत्र के पूर्वी और पश्चिमी भाग के बीच बर्फ पिघलाव का तुलना अपवाह मांडल। द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत जल प्रबंधन, पुणे, महाराष्ट्र में पोस्टर प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, 6-8 नवंबर, 2019
6.	डॉ. अदिति भद्रा को मई 2019 में जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन: सोसाइटी एंड एनवायरनमेंट से समीक्षा के लिए एल्सेवियर समीक्षक के रूप में मान्यता मिली।
7.	डॉ. अदिति भद्रा को एल्सेवियर जर्नल ऑफ हाइड्रोलॉजी से लिए किए गए योगदान की मान्यता में जर्नल समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
8.	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय को एल्सेवियर जर्नल एग्रीकल्चर वाटर मनेजमेंट से लिए किए गए योगदान की मान्यता में जर्नल समीक्षा में उत्कृष्ट योगदान का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
9.	डॉ. टी पटेल ने 2019 में भारतीय राष्ट्रीय नवाचार परिसंघ द्वारा आयोजित "इंस्पायर पुरस्कार समीक्षक के रूप में अर्जित किया।
10.	डॉ. टी पटेल ने 21-12 दिसंबर, 2019 को सिंगापुर में 21वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कृषि और औद्योगिक श्रमदक्षता में अग्रिम -19 में मुख्य भाषण दिया।
11.	डॉ. टी पटेल ने जर्नल ऑफ एगोनॉमिक्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में काम किया।

1.2.9. बाहरी एजेंसियों द्वारा विभाग के संकाय को स्वीकृत परियोजनाएं

क्र.सं.	मुख्य अनुसंधान कर्ता का नाम	सह अनुसंधान कर्ता	परियोजना का शीर्षक	निधीयन एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्राप्त कुल राशि
1	के एन देवांगन	टी पटेल	एआईसीआरपी ईएसए, नेरिस्ट केन्द्र	आईसीए आर, नई दिल्ली	2004	36,47,822.00
2	अदिति भद्रा	अर्नब बंद्योपाध्याय	ग्लेशियर पिघल और हिमपात पिघल अपवाह में दुर्लभ	डीएसटी	19/06/2019	44,57,061.00

			हिमालयी नदी घाटियों के लिए अनुमानित जलवायु परिदृश्य के तहत परिवर्तनशीलता का आकलन आँकड़ा			
3	अदिति भद्रा	अर्नब बंद्योपाध्याय	अरुणाचल के हिमाच्छादित और अधूरे नदी बेसिन पर स्थानिक रूप से कटाव का अनुमान और जलिय प्रतिमान	एसईआर बी	25/06/2019	6,50,000.00
4	टी पटेल	पी के प्रणव	अरुणाचल प्रदेश के कृषि कार्यकर्ता के लिए कार्य क्षमता और आजीविका स्थिरता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	डीएसटी	अप्रैल 2019	33,27,103.00
5	टी पटेल	-	पूर्वोत्तर पहाड़ी कृषि के लिए उपयुक्त बहुउद्देशीय वीडर कृषि डिज़ाइन सह प्रदर्शन मूल्यांकन	एआईसी टीई	अप्रैल 2019	2,23,000.00

4.2.10 प्रकाशन

(क) संदर्भ जर्नलों में प्रकाशित आलेख

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	जर्नल का नाम	अंक	वर्ष	महीना	पृष्ठ
1.	राखेजा, एस, देवांगन, के एन, डोंग, आर जी एवं मार्कोटे, पी	पूरे शरीर में कंपन जैव गतिकी - एक महत्वपूर्ण समीक्षा-I: प्रायोगिक जैव गतिकी	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विकल प्रफोर्मेंस	6	2020	-	1-51
2.	राखेजा, एस, देवांगन, के एन, डोंग, आर जी, मार्कोटे, पी. एवं प्राणेश, पी	पूरे शरीर में कंपन जैव गतिकी - एक महत्वपूर्ण समीक्षा-II: प्रायोगिक जैव गतिकी	इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विकल प्रफोर्मेंस	6	2020	-	52-84

3.	लालरेमुराता, देवांगन, के एन एवं पटेल, टी.	कृषि कार्य में ट्रैक्टर चालकों के लिए शोर का जोखिम।	<i>इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ विकल प्रफोमेंस</i>	5	2019		430-442
4.	महतो, डी के, ली, केई, कामले, एम, देवी, एस, देवांगन, के एन, कुमार, पी एवं कांग, एस जी	भोजन में एफ्लैटॉक्सिन: व्यापकता, पहचान और नियंत्रण नीतियों पर एक अवलोकन	<i>फ्रंटियर्स इन माइक्रो बायोलॉजी</i>	10	2019		1-10
5.	खैरे, एस एम, पटेल, टी एवं देवांगन, के. एन.	प्रतिक्रिया सतह कार्य प्रणाली का उपयोग करके पैडल संचालित धान थ्रेसर के लिए संरचनात्मक डिजाइन अनुकूलन	<i>एग्रिकल्चर इंजीनियरिंग इंटरनेशनल: सीआईजीआर जर्नल</i>	21	2019		67-73
6.	राजकुमारी, एस, चिपांग, एन, किबा, एल जी, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	न्यूनतम आँकड़ों से स्थानिक रूप से वितरित स्नोमेल्ट अपवाह मॉडल का विकास और अनुप्रयोग।	अरेबियन जर्नल ऑफ जियो साइंस	12 (15)	2019	अग- स्त	488
7.	नेंगजूजम, जी, होडाम, एस, बंद्योपाध्याय ए, भद्रा, ए	उच्च स्थानिक और लौकिक रुझानों में भारत के तापमान आँकड़ों पर निर्भरता	एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ एटमोसफियर साइंन्स	55 (4)	2019	नवंबर	761-772
8.	घोंचनी, वी, गोलोम, टी, नरीन, एल, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	जीआईएस तकनीक का उपयोग करते हुए रूपमितीय विश्लेषण के माध्यम से योग्यता के आधार पर मैंगोबेसिन का प्राथमिकताकरण: एकपीसीए-आधारित दृष्टिकोण।	जर्नल ऑफ सोयल एण्ड वाटर कंजरवेशन	19 (1)	2020	जन- वरी मार्च	10-16
9.	दास, बी, बोरदोलेई, आर, थुंगोन, एल टी, आशीष पॉल,	पश्चिम कामेंग वाटर शेड, अरुणाचल प्रदेश में मिट्टी के कटाव के मॉडल के लिए जीआईएस, रूसल	जे अर्थ सिस्ट साइंन्स	129 94	2020	13, मार्च	डीओआई: 10.1007 / s12040-

	पंकज के पांडे और अन्य।	और एएचपी का एक एकीकृत दृष्टिकोण					020-1356-6
10.	जेसंजोग, टी पटेल, एस कर्मकार	व्यावसायिक श्रमदक्षता अनुसंधान और एक औद्योगिक कार्य स्थल के लिए प्रासंगिक डिजाइन कार्यान्वयन	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एर्गोनॉमिक्स	72	2019	जुलाई	188-198
11.	सोनू कुमार, प्रभंजन के प्रणव, अनुभव पाल	2 डब्लूडी ट्रेक्टर के लिए दुलाई के प्रदर्शन पर अड़चन की दूरी का प्रभाव: एक सैद्धांतिक विश्लेषण	स्पैनिश जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च	18/2	2020	अप्रैल	

(ख) सम्मेलनो में प्रकाशित आलेख

क्र.सं .	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक	सम्मेलन का नाम	अंक	वर्ष	महीना	पृष्ठ
1.	देवांगन, के. एन. एवं ओवेरी, सी	चावल की खेती में उत्तर पूर्व भारत के पुरुष कृषि श्रमिकों का शारीरिक श्रम	भारतीय कृषि अभियंताओं का 54वाँ वार्षिक सम्मेलन	-	2020	जनवरी	171
2.	छेत्री, बी एस के, देवांगन, के एन एवं पटेल, टी	शक्ति टिलर के पीछे चलने में रिमोट कंट्रोल टर्निंग तंत्र का प्रदर्शन मूल्यांकन	भारतीय कृषि अभियंताओं का 54वाँ वार्षिक सम्मेलन	-	2020	जनवरी	94
3.	घोंचनी, वी, गोलोम, टी, नरीन, एल, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	जीआईएस तकनीक का उपयोग कर माॅर्फोमेट्रिक विश्लेषण के माध्यम से योग्यता पर आधारित मैगोबेसिन का प्राथमिकता: एकपीसीए-आधारित दृष्टिकोण	जलवायु संवर्धी कृषि सह वैश्विक खाद्य सुरक्षा, मृदा और जल संसाधन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। भारतीय मृदा संरक्षण समिति, नई दिल्ली, 5-9 नवंबर, 2019	संक्षिप्ति	2019	नवम्बर	364
4.	नेंगजूजम, जी, बंद्योपाध्याय,	भारत में एनआईआर का पूर्वानुमान पूर्वाग्रह-	सतत जल प्रबंधन, पुणे, महाराष्ट्र, दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-	पोस्टर	2019	नवम्बर	

	ए, भद्रा, ए	सुधारित स्थानिक रूप से अपग्रेड किए गए डेटा सेट का उपयोग।	जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तत्वावधान में, 6-8 नवंबर, 2019				
5.	किबा, एल जी, नंचनी, वी, चिपांग, एन, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	भारतीय हिमालय क्षेत्र के पूर्वी और पश्चिमी भाग के बीच स्नोमेल्ट की तुलना स्थानिक रूप से वितरित स्नोमैल्टराउटरमॉडल का उपयोग	सतत जल प्रबंधन, पुणे, महाराष्ट्र, दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन- जलशक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तत्वावधान में, 6-8 नवंबर, 2019	पोस्टर	2019	नवम्बर	
6.	वनलंचुचानी, पी सी, पर्टिन, ओ, योहोम, पी, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	अरुणाचल प्रदेश की मैगो नदी के लिए वार्षिक और मासिक दर का विकास	बिम्सटेक देशों के सतत विकास के लिए जल, ऊर्जा और रजैवविविधता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अगरतला, त्रिपुरा, ओआरजी, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), त्रिपुरा स्टेट सेंटर और अन्य एनई और डब्ल्यू बी राज्य केंद्रों के साथ एनआईटी अगरतला, एनआईटी मिजोरम, एनआईटी अरुणाचलप्रदेश, एनआईटी सिलचर, एनआईटी नागालैंड, एनआईटी मणिपुर, एनआईटी गोवा फेडरेशन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशंस ऑफ	संक्षिप्ति	2019	दिसम्बर	

			साउथ एंड सेंट्रल एशिया इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, बांग्लादेश, ढाका सेंटर, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कार्बन-न्यूट्रल एनर्जी रिसर्च, क्यूशू यूनिवर्सिटी, जापान, 12-14 दिसंबर, 2019				
7.	मिश्रा, पी, सुम्पी, एन, मुन्नी, टी, बंद्योपाध्याय, ए, भदोही, ए	अरुणाचल प्रदेश में वर्षा की कमीदर का अनुमान	बिम्स्टेक देशों के सतत विकास के लिए जल, ऊर्जा और रजैवविविधता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अगरतला, त्रिपुरा, ओआरजी, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), त्रिपुरा स्टेट सेंटर और अन्य एनई और डब्ल्यू बी राज्य केंद्रों के साथ एनआईटी अगरतला, एनआईटी मिजोरम, एनआईटी अरुणाचलप्रदेश, एनआईटी सिलचर, एनआईटी नागालैंड, एनआईटी मणिपुर, एनआईटी गोवा फेडरेशन इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूशंस ऑफ साउथ एंड सेंट्रल एशिया इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, बांग्लादेश, ढाका सेंटर, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर	संक्षिप्ति	2019	दिसम्बर	

			कार्बन-न्यूट्रल एनर्जी रिसर्च, क्यूशू यूनिवर्सिटी, जापान, 12-14 दिसंबर, 2019				
8.	राजकुमारी, एस, चिपंग, एन, बंद्योपाध्याय, ए, भद्रा, ए	अरुणाचल प्रदेश के नूरनांग जलग्राही पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का आकलन	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी, रुड़की द्वारा, 26-28 फरवरी, 2020	ऑन लाइन कार्यवाही	2020	फरवरी	
9.	अनुभव पाल तथा राहुल सरकार	बैटरी संचालित अरका-नट हार्वेस्टर का विकास	कृषि और औद्योगिक श्रमदक्षता में अग्रिम -19 21 वॉ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिंगापुर	21	2019	दिसम्बर	79
10.	बीएसके छेत्री, टी तपंग और पी के प्रणव	2डब्लूडी ट्रैक्टर के पहिया फिसलन पर उच्च अड़चन का प्रभाव और स्थिरता	5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल 2019	--	2020	जनवरी	54 से 58

(ग) पुस्तकों में अध्याय:

क्र.सं.	लेखक का नाम	आलेख का शीर्षक
1	एस एम खैयर, टीपटेल, बीनिंग थौजम	श्रमदक्षता और जैव यॉत्रिक विश्लेषण में डिजिटल मानव का इस्तेमाल करते हुए कृषि यंत्र संचालन

1.2.10. बाह्य निकायों के साथ संकाय / विभाग की सहभागिता:

1.	सुश्री तानिया फ्रीडरिच, प्रथम काउंसलर तथा अनुसंधान एवं नवाचार प्रमुख के नेतृत्व में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने 4 अप्रैल 2019 को सूबह 11:30 से सांय 1:30 बजे के दौरान नेरिस्ट का दौरा किया। इस बैठक का समन्वय कृषि अभियांत्रिकी विभाग की सह आचार्य डॉ. अदिति भद्र द्वारा किया गया था, जिसमें प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न यूरोपीय देशों के वैज्ञानिकों / विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान के विभिन्न अवसरों के बारे में अवगत कराने के लिए संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य - डॉ. विवेक धाम, सलाहकार
----	---

	- अनुसंधान और नवाचार; डॉ. श्रीनिवास कावेरी, निदेशक सीएनआरएस कार्यालय भारत; सुश्री इंगर मिडटैंडल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी परामर्शदाता, रॉयल नॉर्वेजियन दूतावास; श्री एलेन घिसलेन बैटेन्स, प्रथम सचिव, बेल्जियम दूतावास; डॉ. मास्सिमो स्पैडोनी, वैज्ञानिक, इटली दूतावास; और डॉ. जैकब विलियम्स ओबर्ग, अनुसंधान, उच्च शिक्षा एवं नवाचार काउंसलर, रॉयल डेनिश दूतावास थे। संस्थान के निदेशक द्वारा स्वागत भाषण के बाद, जिसमें उन्होंने संस्थान के बारे में प्रतिनिधिमंडल को जानकारी दी, संकायाध्यक्ष (प्रशासन) आचार्य के एन देवांगन ने विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों द्वारा किए गए/ चल रहे अनुसंधान गतिविधियों को प्रस्तुत किया। अनुसंधान एवं विकास के कई क्षेत्रों में आपसी हित की पहचान की गई जिसमें भविष्य में सहयोग हो सकता है।
2.	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय एनआईएच-बाढ़ नियंत्रण केन्द्र, गुवाहाटी की क्षेत्रीय समन्वय समिति की 14 वीं बैठक में 15 नवंबर, 2019 को गुवाहाटी में नेरिष्ट के नामित के रूप में उपस्थित हुए।
3.	डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय ने 23 जनवरी 2020 को रुइकी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी में आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में सैटेलाइट हाइड्रोलॉजी मॉडल 2.0 विकास की समीक्षा हेतु एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

1.2.11. परामर्शी परियोजनाएँ:

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	तकनीकी सदस्य का नाम	निकाय	परामर्श का शीर्षक	राशि
1	अनुभव पाल		एम एंड एम लिमिटेड	सॉफ्टवेयर सत्यापन	2,08,000 / -

1.2.12. छात्रों की उपलब्धियां: निम्नलिखित छात्रों ने गेट, 2019 में सफलता प्राप्त की है-

1.	निलयांग सुम्फी	(डी / 15 / एई/ 003)
2.	नियोगम बोले	(डीई / 16 / एई / 005)
3.	जायंटफुल होजॉन	(डी / 15 / एई/ 09)

4.3 भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग

4.3.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग का उदगम वर्ष 1985 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। समय के साथ-साथ यह विभाग विकास करता रहा तथा इसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अभियांत्रिकी विभाग होने का गौरव प्राप्त हुआ। विभाग का मुख्य उद्देश्य उच्च कौशल तकनीकी श्रमशक्ति का निष्पादन अपने प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, उपाधितथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से करना है। इस तकनीकी श्रमशक्ति का मुख्य

उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र व सामान्यतया राष्ट्र की आवश्यकताओं को पूरा करना है। विभाग में छात्रों को योग्य शिक्षकों और कर्मचारियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है।

वर्तमान में, सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले 14 योग्य संकाय सदस्य कार्यरत हैं। विभाग में एक तकनीकी अधिकारी, तीन वरिष्ठ अनुदेशक, एक वरिष्ठ तकनीशियन, एक तकनीशियन, पांच प्रयोगशाला परिचर सेवारत हैं। सभी प्राधिकारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं तथा एक वरिष्ठ अनुदेशक, डॉ. पी. शिवकुमार को नेरिस्ट से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

विभाग की प्रयोगशालायें स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। यह विभाग ढाचा अभियांत्रिकी, भू-प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी, ढाचा गतिकी, भू-कंप अभियांत्रिकी, भवन निर्माण में कम्प्यूटर प्रविधियाँ, उच्च ठोस यांत्रिकी, जल शक्ति तथा जल संसाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण विज्ञान, यातायात अभियांत्रिकी, सर्वेक्षण अभियांत्रिकी, भवन विज्ञान, नगर योजना, मूल्य गणना आदि विषयों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग में डिप्लोमा तथा डिग्री छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता तथा उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार परियोजना कार्य करवाया जा रहा है। विभाग में उच्च कोटि की सलाहकार सेवाओं तथा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने की क्षमता है। यह विभाग तकनीकी ज्ञान के विस्तार के लिए कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश शासन के अधिकारियों, अध्यापकों, गैर सरकारी संगठनों एवं ग्रामीण लोगों के लिए आयोजित करता है।

इस समय सिविल अभियांत्रिकी विभाग के प्रमाण पत्र कार्यक्रम में 82, डिप्लोमा कार्यक्रम में 79, उपाधि कार्यक्रम में 110, तदनुसार स्नातक कार्यक्रमों में कुल 271 छात्र पंजीकृत हैं। एम.टेक. कार्यक्रम में 66 व पीएच.डी. में 22 छात्र पंजीकृत हैं।

4.3.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

सिविल अभियांत्रिकी विभाग संस्थान की स्थापना से प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के बाद, दो एमटेक कार्यक्रमों, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (ईएसई) और भू-तकनीकी अभियांत्रिकी (जीटीई) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ किये गये थे। विभाग में पीएच डी कार्यक्रम भी प्रमुख और उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध हैं।

विभाग द्वारा कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम ढाचा अभियांत्रिकी, भू-तकनिक अभियांत्रिकी, ढाचा गतिकी, भूकंप अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी में कम्प्यूटरीकरण तरीके, ठोस व उच्च यांत्रिकी, जल शक्ति एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी, भूगर्भीय सर्वेक्षण, अभियांत्रिकी ग्राफिक्स, भवन विज्ञान, नगरयोजना अनुमान और मूल्यांकन आदि को डिप्लोमा, और डिग्री छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रस्तुत किये जा रहे हैं। स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्रों को परियोजनाएं अकादमिक प्रगति, उद्योग की आवश्यकताओं के साथ-साथ स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की जा रही हैं।

समीक्षाधीन वर्ष में संकाय द्वारा प्रकाशनों की कुल संख्या 4 है, जिनमें 02 संदर्भ पत्रिकाओं में और 02 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित हैं।

विभाग के अकादमिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दृष्टि, मिशन, कार्यक्रम शिक्षा उद्देश्यों (पीईओ) और कार्यक्रम के परिणाम (पीओ) तैयार किए गए हैं, जो निम्नानुसार हैं:

4.3.3 प्रयोगशाला विकास

विभाग की प्रयोगशालायें

1. कम्प्यूटर प्रयोगशाला
2. चित्रण अनुभाग सह कम्प्यूटर आद्यारित डिजाइन सुविद्या
3. भू- अभियांत्रिक प्रयोगशाला
4. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -I
5. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -II
6. क्षेत्र अभियांत्रिक प्रयोगशाला
7. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -I
8. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -II
9. राजमार्ग अभियांत्रिक प्रयोगशाला
10. सामाग्री परीक्षण प्रयोगशाला
11. ढाचा प्रयोगशाला
12. सर्वेक्षण प्रयोगशाला
13. जल संसादन अभियांत्रिक प्रयोगशाला

इसके अतिरिक्त विभाग में सभी सुविद्याओं से सम्पन्न एक सभागार है। विभाग की सभी प्रयोगशालायें आद्युनिक उपकरणों से सुसज्जित तथा सलाहकार सेवाओं व प्रयोगों के लिए उपयुक्त है। वर्ष के दौरान रु. 6,58,750.00 के नये उपकरण खरीदे गये थे, जिनका विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	उपकरण	निर्माता	मात्रा	मुल्य	
1	इंटीग्रल प्रूविंग रिंग 5 केएन	लाबाई	1	11,000.00	तकनीकी सत्यापन और स्वीकृति
2	इंटीग्रल प्रूविंग रिंग 2.5 केएन	लाबाई	1	11,000.00	
3	इंटीग्रल प्रूविंग रिंग 10 केएन	लाबाई	1	11,000.00	
4	डायरेक्ट शियर टेस्ट उपकरण, 60x60x25 (पूरा सेट)	लाबाई	1	75,000.00	
5	इलेक्ट्रिक तुला 100 किलो x 10 ग्राम	लाबाई	1	10,000.00	
6	गर्म हवा भट्टी 150मीमीx450मीमीx450मीमी	लाबाई	1	16,000.00	
7	तीर (खूटी) मानक	लाबाई	100	6,250.00	
8	सर्वेक्षण धातुई श्रृंखला 30 मीटर मानक	लाबाई	10	22,500.00	
9	प्रिज्मीयिक कम्पास स्टैंड के साथ 125 मिमी आकार मानक है	लाबाई	06	18,750.00	
10	सर्वेक्षण छाता (बड़ा आकार) मानक	लाबाई	05	15,625.00	
11	लेवलिंग स्टाफ (मानक)	लाबाई	10	18,750.00	
12	स्टैंड (मानक) के साथ क्रॉस स्टाफ	लाबाई	10	15,000.00	
13	नलसाजी कांटा (यू प्रकार)	लाबाई	10	5,000.00	
14	सादा एलिल्ड (मानक)	लाबाई	10	10,000.00	
15	गर्त कम्पास (मानक)	लाबाई	10	22,500.00	

16	रेंजिंग रॉड 2 मीटर मानक (तह प्रकार नहीं)	लाबाई	13	24,375.00
17	स्टैंड के साथ डम्पी लेवल (ऑटो लेवल)	लाबाई	01	18,125.00
18	सामान के साथ प्रभाव परीक्षक	लाबाई	01	11,250.00
19	उबलते पानी विधि और अस्थायी सीमा 100 + 2 सी के साथ 150 मिमी / 70.6 मिमी के 12/24 क्यूब्स के लिए इलाज टैंक	लाबाई	01	1,43,750.00
20	मफल फर्नेस कैबिनेट आकार 60सेमीx60सेमी	लाबाई	01	73,000.00
21	तनाव परीक्षण उपकरण	लाबाई	01	35,000.00
22	यूपीएस 1.1 केवीए	एपीसी	14	84,000.00

4.3.4स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं (मई 2019)

(ए) डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्रों का नाम	मार्ग दर्शक
1	स्थल पर एक उथली निंव के स्वीकार्य असर दबाव का निर्धारण	दीदंग ताड़ी	आचार्य एस बैश्य
		अनीश डुरल	
		पुनीत बासुमतारी	
2	सीमेंट कंक्रीट और मोर्टार के चयनित मानको पर अध्ययन	सौरव प्रसाद ठाकुर	आचार्य एस मिश्रा
		इरशाद अंसारी	
		दीपा दास	
		अदीना राय	
3	बेलनाकार दबाव वाहिकाओं का विश्लेषण	अनामिका सिंह	श्री एस के साहू
		पुरा यकंग	
		प्रीतमजीत त्रिपुरा	
		शिवानी कुमारी	
		नाको उमपो	
4	एक द्विदिश यातायात स्ट्रीम पर कारों के विरोध दिशाओं के परिचालन प्रभाव पर अध्ययन	मिस्टर उज्वल बेसनेट	डॉ. डी. पाल
		रुस्मिन लैरीक टामिन	
		पेबाम सुननदीप सिंह	
		अरुणा शर्मा	
5	डिकरांग नदी के पानी की गुणवत्ता और प्रदूषण की स्थिति तथा किफायती पानी छानक के सुझाव पर एक अध्ययन	रूपम खरगड़िया	सुश्री मुडू पुमिंग
		चंद प्रकाश शर्मा	
		श्री अर्चित शर्मा	
		श्री सुभ्रजीत धर	

6	बंदरदेवा से ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश एनएच-53ए का नक्सा व शहरी फैलाव का मानचित्रण	श्री टी. नेमनीलहिंग हाओकिप	श्री के जे सिंह
		श्री मुसकान खानिकर	
		श्री लमनीहोई हाओकिप	
		श्री रॉडेमो पी किठान	
7	राजधानी परिसर के सड़क यातायात पर दुर्घटना विश्लेषण - ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	संगे ईते	श्री एन जी सोरम
		रोज एंबुलेस लिंगदोह	
		लिखा ताजम	
		सेडी कीलिंग मिटकॉंग	
8	रसोई अपशिष्ट जल उपचार पर मोरिंगा ओलीफेरा और फिटकिरी द्वारा जमावट पर प्रभाव	माइकल ई कुरकलंग	सुश्री वाई बी देवी
		यिंगुप्पु निडंग	
		शेखोम रोहित सिंह	
		दीप्तज्योति दत्त	
9	फुट ओवर ब्रिज का विश्लेषण - एनएच-415 नाहरलागुन में फुट ब्रिज पर एक अध्ययन	तोमर गारा	सुश्री वाई तामुत
		तगे ओया	
		खोड़ा रिपा	
		एंजेला के डेंग्लुतांगपुई	

(बी) बी.टेक. परियोजनाएं, मई 2019

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्रों का नाम	मार्ग दर्शक
1	पप्पुनाला से होलोंगी, अरुणाचल प्रदेश के भूस्खलन खतरों का मानचित्र	श्री राजीव रंजन रे	आचार्य एस के सिंह
		विवि किसो	
		जयलक्ष्मी नगसेपम	
		बनिएंस्क्रेम डी नोनग्रम	
2	लोकतक झील के ट्रोपिक राज्य का विश्लेषण और यूट्रोफिकेशन मानको के बीच संबंध स्थापना	म्हाबनी त्सोपो	आचार्य आर के प्रसाद
		पेट्सो यू	
		चेरफ्री केटी	
		श्रेयसी दत्ता	
3	परिमित तत्व विधि का उपयोग करते हुए गैर-रेखीय ढलान स्थिरता विश्लेषण का अध्ययन	माशी लोंगडो	आचार्य एस बैश्य
		केविल्होखो लहौसा	
		विकास पांडे	
		मधुरिमा दास	
4	एम 50 ग्रेड कंक्रीट के लिए न्यूनतम सीमेंट सामग्री का अनुमान	तासो तरुण	आचार्य एस मिश्रा
		प्रणब ज्योति बोरा	
		सी ज़ोनूनसीमा	
		समदुप लाचुंगपा	
5	स्लिपिंग फ्लोर पर एक आयताकार चैनल में हाइड्रोलिक उछाल के विभिन्न	अजासीतुओ यशु	श्री एस के साहू
		सत्यब्रत नाग	

	मापदंडों का सत्यापन	सोनजुराज पेगू हेमंत लकड़ा	
6	विभिन्न छलन माध्यमों का उपयोग करके भूजल से लोहे को हटाने की क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन	लीजुम सुब्बा गगन प्रधान ख्वायकृपम बिद्या देवी अलोनिका चौपि	डॉ. अजय भारती
7	मक्खी ऐश को मिश्रण के रूप में उपयोग करके क्लेय मृदा के समेकन की विशेषताओं का अध्ययन	दीक्षिता बैश्य बोइशली बुरगोहिन परष्मिता दास कवसर अहमद बरबहिया	डॉ डी देवी
8	छवि प्रसंस्करण तकनीकों का उपयोग करके वाहन प्रक्षेपवक्र निष्कर्षण	परमाणु उत्तमकुमार सिंह प्रकास चौधरी श्री शाहजहाँ कलाई अनिमेष देब	डॉ. डी पाल
9	एससीएस-सीएन वक्र नंबर का उपयोग करके वर्षा अपवाह प्रतिमान	श्री संदीपन गर्ग श्री रमेश कुमार सुश्री लिंडा लालमुआनपुई भाग्यश्री देउरी	श्री के जे सिंह
10	रसोई और मूर्गी ग्रह अपशिष्ट के अवायवीय पाचन से जैव-गैस की उत्पत्ति पर अध्ययन	इज्जोम निनु ओइंटो मेंगू राजा ग्यादी ऑनमिनल गुइटे	सुश्री मुड पुमिंग
11	राजधानी परिसर में इंटरसेक्शन स्थल में सही मोड़ों पर एक अध्ययन	अभिजीत बसेरा देबजीत बर्मन लालकृष्णिया खेलहोउखेरिटो	श्री एन जी सोरम
12	मृदा पैरामीटर पर घरेलू अपशिष्ट जल का प्रभाव	सुश्री ट्रिपल ग्रेस मावलिन डेविड सी लालवाम्पुइया सकीमी शायला आर। लालबिक्काजुली	सुश्री वाई देवी
13	अपशिष्ट ग्लास सामग्री का उपयोग कर उप-ग्रेड मिट्टी के सुधार का अध्ययन	कोजीन ग्यति लिशी तालिन तेनोद राजी तमिन देवीद ककाती	सुश्री वाई तामुत

(सी) एम. टेक. परियोजनाएं (वर्ष-2019)

क्र. स.	विद्यार्थी का नाम	शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
1	सुश्री अनुदीप दास	संयंत्र उत्पाद (लेटेक्स) का उपयोग करके सिल्वर नैनो कणों का हरित संश्लेषण तथा पेट्रोलियम रीमेडिएशन में उनका अनुप्रयोग	डॉ ए भारती डॉ पी कुमार
2	श्री हर्बीग बिदा	अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले में पानी की गुणवत्ता के मापदंडों का स्थानिक वितरण	डॉ ए भारती
3	श्री जेसु वेनिया	अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले में पानी की गुणवत्ता के मापदंडों का स्थानिक वितरण	डॉ ए भारती
4	श्री तेदो ग्यादि	रसोई अपशिष्ट और गाय खाद के सह-पाचन से बायोगैस उत्पादन	श्रीमती मुडो प्यूमिंग
5	सुश्री इपी बागरा	स्वाभाविक रूप से उपलब्ध सक्रिय सामग्री का उपयोग करते हुए सब्जियों के कचरे की खाद।	श्रीमती मुडो प्यूमिंग
6	सुश्री सोनिया दाऊ	एंजाइम का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी
7	श्री रिबा ग्यादी	सिंचाई उद्देश्यों के लिए वर्मीफिल्टरेशन द्वारा डेयरी अपशिष्ट जल उपचार	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी
8	श्री गेटो कामदा	दबाव-कमी वाले जल वितरण नेटवर्क का अनुकरण	डॉ आर के प्रसाद
9	श्री मिडो न्योदु	सीमेंट के स्थिर मानकों और पिघलने का प्रभाव में स्थिर लकड़ी की राख और पॉलीप्रोपाइलीन फाइबर का उपयोग	श्रीमती यम तमुत
10	सुश्री प्रिसिला जामो	सीमेंट और चिर पाइन सुइयों का उपयोग करते हुए मिट्टी स्थिरीकरण	श्रीमती यम तमुत
11	श्री प्रशांत कुमार	जियोसेल का उपयोग करते हुए कंध सुधार	डॉ दिव्येंदु पाल
12	निकिता गुरुंग	एबसकस का उपयोग करते हुए काउंटरफोर्ट धारण दिवार के व्यवहार की संख्यात्मक जांच	डॉ डी देवी
13	अमर कुमार सिंह	एबसकस का उपयोग करके कैंटिलीवर धारण दिवार के व्यवहार की संख्यात्मक जांच	डॉ डी देवी
14	बिस्वजोती पॉल	अनुपचारित मिट्टी के लिए संपीडन सूचकांक के लिए उपलब्ध सहसंबंध समीकरणों का सत्यापन और संबंधित मिट्टी के लिए उनकी प्रयोज्यता का अध्ययन	आचार्य एस के सिंह
15	बिरसुरंग डैमरी	मोटे अनाज की भू-तकनीकी गुणों पर पिघले हुए अपशिष्ट प्लास्टिक के प्रभाव पर एक अध्ययन	आचार्य एस के सिंह

(डी) पीएच. डी. उपाधि

क्र.स.	विद्यार्थी का नाम	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
1	श्री ताकम नालो	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के अवायवीय पाचन के लिए प्रदर्शन अध्ययन (सम्मानित किया गया)	डॉ ए भारती डॉ सुनील कुमार
2	श्री तोमी ईटे	अरुणाचल प्रदेश के चयनित स्वदेशी जनजातियों के पारंपरिक शौचालयों और स्वच्छता प्रथाओं का अध्ययन (सम्मानित किया गया)	डॉ ए भारती डॉ आर के प्रसाद
3।	सुश्री मुड पुमिंग	अरुणाचल प्रदेश के चयनित लैंडफिल साइटों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के साथ लैंडफिल लाइनर का प्रदर्शन मूल्यांकन और चयन। (शोध प्रस्तुत)	डॉ एम हुसैन डॉ ए भारती
4	सुश्री ओमम पारोन	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट की खाद और एसोसिएटेड ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का आकलन (शोध प्रस्तुत)	डॉ ए भारती डॉ सुनील कुमार
5	श्री याचांग ओमो	ग्लास और प्राकृतिक फाइबर के साथ प्रबलित मृदा उपचारित सीमेंट-फ्लाइ ऐश के मॉडल की मजबूती और अनुप्रयोग (शोध प्रस्तुत)	डॉ ए कलिता

4.3.5 संकाय की संगोष्ठीयो वका र्यशालाओं में सहभागिता

1	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
2	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी ने अप्रैल 01-05, 2019 के दौरान नेरिस्ट, निरजुली के साथ मिलकर ईलेक्ट्रानिकी एवं आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित "व्यवहार पुनहस्थापन तथा अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।
3	श्री के जेम्स सिंह ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
4	श्री के जेम्स सिंह ने 03 दिनों (14-16 जनवरी, 2020) को एमआईटी, इम्फाल में एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम विद्यार्थी प्रेरणा (एफडीपी-एसआई) में भाग लिया।
5	श्री के. जेम्स सिंह ने 05 दिनों (03-07 फरवरी, 2020) को भौतिकी विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल द्वारा आयोजित लेटेक्स लेखन पर कार्यशाला में भाग लिया।
6	श्रीमती मुडो प्यूमिंग ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
7	डॉ अजंता कलिता ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।

8	डॉ अजंता कलिता ने 13-17 जन '2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आईसीटी शिक्षण माध्यम, सिखने की प्रक्रिया और संस्थान" नामक एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
9	डॉ दिब्येंदु पाल ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
10	डॉ आर के प्रसाद ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
11	डॉ एस बैश्य ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
12	श्रीमती यामम तमुत ने आईएएचई, नोएडा में 3 - 8 जून, 2019 को "व्यवहार्यता अध्ययन और राजमार्ग परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
13	श्रीमती यम तमुत ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
14	श्री एसके साहू ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
15	श्री एनजी सोरम ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
16	आचार्य आर. के. प्रसाद ने 3 मई, 2019 को नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कार्यशाला "भारत में आपदा रोधी डिजाइन तथा निर्माण परम्परायें" में भाग लिया।
17	आचार्य एस मिश्रा ने 3 मई, 2019 को नई दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की कार्यशाला "भारत में आपदा रोधी डिजाइन तथा निर्माण परम्परायें" में भाग लिया।

4.3.6 विभाग में आयोजित लघु अवधि के पाठ्यक्रम / सेमिनार / कार्यशालाएं

1	आचार्य एस मिश्रा ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया।
2	आचार्य एस मिश्रा ने क्रमशः 29-30 अप्रैल, 2019, जुलाई 06-07, 2019 और 13-14 जुलाई, 2019 केके दौरान "कंक्रीट मिश्रण डिजाइन" पर प्रत्येक के लिए दो दिनों की अवधि के लिए एपीपीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।
3	आचार्य आर के प्रसाद ने 12-14 दिसंबर, 2019 के दौरान अगरतला में पूर्वोत्तर भारत के सभी आईआई केंद्रों और एनआईटी के सहयोग से बिमस्टेक देशों (के सतत विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "जल ऊर्जा और जैव विविधता" का आयोजन किया।
4	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कम्प्यूटरीकरण एवं प्रबन्ध- 2019", 15 -16 दिसंबर 2019 के आयोजक के रूप में थीं।

4.3.7 संकाय के सदस्यों द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता

- श्रीमती यम तमुत नें एएससीई की सदस्यता प्राप्त की थी।
- आचार्य आर. के. प्रसाद भारतीय जल संसाधन सोसाइटी (IWRS) के फैलो नियुक्त हुए, (सदस्यता संख्या एफ-2019-14-14)

4.3.8 प्रकाशन

संदर्भित पत्रिकाएँ:

1. पाल, डी, एवं चुंचु, एम 2019 विषम ट्रैफिक स्ट्रीम व्यवहार पर वाहनों के पार्श्व गैप मॉडल का प्रभाव। परिवहन पत्र।(आईएसएसएन:1942-7875).डीओआई:10.1080/19427867.2019. 1611709
2. ओमो, वाई एवं कालिता ए. 2019 "उर्जा अवशोषण, सिंकट मॉडुल और फाइबर आच्छादित उच्च फ्लाइ एश सामग्री मृदा का कंप्रेसिव बल।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग, आईएसएसएन: 2278-3075 (ऑनलाइन), संख्या-08, अंक-11, सितम्बर'2019, पृष्ठ 1902-1909

सम्मेलन आलेख:

1. पाल, डी, सुविन, पी वी, एवं चुंचु, एम (2019) गैर-लेन-अनुशासित यातायात वाहनों का पार्श्व परिवर्तन। 5वाँ विश्व सम्मेलन यातायात अनुसंधान, आईआईटी बॉम्बे, मुंबई, भारत, 26-31 मई, 2019
2. डॉली, एन एवं प्रसाद, आर के (2019), अरुणाचल प्रदेश, भारत में डिकरांग नदी की जल गुणवत्ता।“ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मृदा जल संसाधनों का सतत प्रबंधन, 21-24 अप्रैल, 2019, आईआईटी, रुड़की।

4.3.9 बाह्य निकायों से विभाग का सम्पर्क

1	श्रीमती युन्नम बिद्यालक्ष्मी देवी को प्रदूषण नियंत्रको के लिए हरिक कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) में 25 से 31 अक्टूबर,2019 को 260 घंटे के प्रमाण पत्र कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था। वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित कार्यक्रम "वायु एवं जल" का आयोजन 22 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2019 तक इटानगर, जिला पापुम्पारे, अरुणाचल प्रदेश में किया गया था।
2	डॉ. अजय भारती को प्रदूषण नियंत्रको के लिए हरिक कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) में 25 से 31 अक्टूबर,2019 को 260 घंटे के प्रमाण पत्र कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था। वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित कार्यक्रम "वायु एवं जल" का आयोजन 22 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2019 तक इटानगर, जिला पापुम्पारे, अरुणाचल प्रदेश में किया गया था।
3	डॉ. अजय भारती, नोडल अधिकारी, एसटीए (राज्य तकनीकी एजेंसी), सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियंत्रिकी एवं जल आपूर्ति विभाग, अरुणाचल प्रदेश है।
4	डॉ. अजय भारती राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण, अरुणाचल प्रदेश के सदस्य हैं।
5	डॉ. अजय भारती, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अरुणाचल प्रदेश के एक सदस्य हैं
6	डॉ. अजय भारती संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पॉल्यूशन एंड नॉइज़ कंट्रोल में हैं। www.journalspub.com
7	डॉ अजंता कलिता को "इंडियन सॉइल" नामक पुस्तक में शामिल किए जाने के लिए "अरुणाचल सोयल चैप्टर" सौंपा गया है, जिसका समन्वयन आचार्य संजय कुमार शुक्ला, एडिथ कोवन विश्वविद्यालय, जॉन्डालूप, ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया जा रहा है।
8	आचार्य एस बैश्य को "इंडियन सॉइल" नामक पुस्तक में शामिल किए जाने के लिए "अरुणाचल सोयल चैप्टर" सौंपा गया है, जिसका समन्वयन आचार्य संजय कुमार शुक्ला,

	एडिथ कोवन विश्वविद्यालय, जॉन्डालूप, ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया जा रहा है।
9	आचार्य एस के सिंह ने एआईसीटीई, नई दिल्ली के एआईबी-यूजीईटी पर सदस्य के रूप में काम किया।
10	आचार्य एसके सिंह ने मिजोरम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बोर्ड ऑफ स्टडीज में सदस्य के रूप में काम किया।
11	आचार्य एस के सिंह ने राज्य उच्च शिक्षा परिषद, अरुणाचल प्रदेश सरकार में सदस्य के रूप में कार्य किया।
12	आचार्य एस मिश्रा ने नेसिड्स, अरुणाचल प्रदेश सरकार के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तकनीकी जांच के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया।
13	आचार्य एस मिश्रा (प्रमुख, सिविल अभियंत्रिकी विभाग) ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में भवन निर्माण समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

4.3.10 विभाग द्वारा परामर्शी सेवाओं का निष्पादन

विभाग द्वारा निष्पादित परामर्शी सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	निकाय	परामर्शी सेवाओं का शीर्षक	राशि (₹)
1	त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड, त्रिपुरा सरकार। (विद्युत उपस्करों के लिए खट्टों पर विशेषज्ञता सहित)	डीपीआर की जांच	16,28,900.00
2	मुख्य अभियंता, अ.प्र. सा.नि.वि., ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश सरकार	कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	7,57,971.00
3	सचिव योजना विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार	डीपीआर की जांच	1,50,000.00 (अभी तक प्राप्त किया जाना है)
4	सहायक अभियंता, अ.प्र. सा.नि.वि., नाहरलागुन अरुणाचल प्रदेश	निर्माण सामग्री (ईट, कोर्स एग्रीगेट, रेत, सीमेंट, 8 मिमी और 10 मिमी व्यास, टोर स्टील बार्स) परीक्षण	1,42,308.00
5	मुख्य प्रबंधक, कोम्प योजना, गोहपुर, तिनाली- अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	5,900.00
6	श्री हीराक चौधरी, इंजीनियर शिविर, टीएंडडी, सागली -791112	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	11,800.00
7	श्री एच. के. सैकिया, एफई (इलेक्ट्रिकल)	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	11,800.00
8	कार्यकारी अभियन्ता, अ.प्र. सा.नि.वि., , नाचो डिवीजन, नाचो, ऊपरी सुबनसिरी,	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	5,900.00
9	सहायक अभियन्ता, अ.प्र. सा.नि.वि., नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	23,600.00

10	मै. हेबिन इन्टरप्राइज, अरुणाचल प्रदेश	शुष्म एग्रीगेट, मोटे एग्रीगेट और सीमेंट कंक्रीट क्यूब परीक्षण	29,264.00
11	मै. एनटी एजेंसी, बी-सेक्टर, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश	फाइन एग्रीगेट और मोटे एग्रीगेट परीक्षण	41,949.00
12	सहायक अभियंता, पीडब्ल्यूडी, नाहरलागुन सब डिवीजन -IV, अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	5,900.00
13	कार्यकारी अभियंता, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, डोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	फाइन एग्रीगेट और मोटे एग्रीगेट परीक्षण	13,098.00
14	सहायक अभियंता, पीडब्ल्यूडी, नाहरलागुन सब डिवीजन-IV, अरुणाचल प्रदेश	मोटे सकल परीक्षण	5,900.00
15	सहायक अभियंता, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	11,800.00
16	सीनियर मैनेजर (सी), पीएचईपी, डैम डिवीजन, जाम्पा अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	5,900.00
17	कार्यकारी अभियंता (नागरिक) अधिकारी, 756 जीआरईएफ	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	17,700.00
18	सहायक अभियंता, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	सीमेंट कंक्रीट घन परीक्षण	11,800.00
19	मै. टीटी एंटरप्राइज, अरुणाचल प्रदेश	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
20	मै. टीटी एंटरप्राइज, अरुणाचल प्रदेश	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
21	मेसर्स सनविन एनर्जी एंड इंफ्रा प्रा. लिमिटेड गुवाहाटी	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
22	मेसर्स एटीडब्ल्यू इंडिया प्रा. लिमिटेड अरुणाचल प्रदेश	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
23।	मेसर्स ओजी एंटरप्राइज, अरुणाचल प्रदेश	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
24	मेसर्स बीके कंस्ट्रक्शन प्रा. लिमिटेड डिब्रूगढ़	सीबीआर परीक्षण	22,833.00
25	कार्यकारी अभियंता, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स डोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	निर्माण सामग्री परीक्षण	13098.00
संपूर्ण			30,31,586.00

विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन, (अरुणाचल प्रदेश के सरकारी विभाग)

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम
1	सड़क डारी - चंबांग का निर्माण, नेसिड्स के तहत, क्रो-दादी जिला, अरुणाचल प्रदेश।
2	नेसिड्स, पूर्वी कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश के तहत लंबडिंग राष्ट्रीय राजमार्ग-229 से 9 किलोमीटर तक प्रधानमंत्री ग्रामिण सड़क योजना के तहत नेरे की सड़क का निर्माण।
3	विद्युत ढाचे के विस्तार के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देना - पश्चिम त्रिपुरा के सुरजमनगर में 400 केवी उप-स्टेशन का निर्माण

4.3.11 छात्रों की उपलब्धि

औद्योगिक प्रशिक्षण, जून 2018, के छात्रों का नाम

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	प्रशिक्षण केंद्र का नाम	टिप्पणियाँ
1	श्री डाबा नालो	डी / 16 / सीई / 001	एमईसीएल, शिलांग	
2	श्री कबीट केतन	डी / 16 / सीई / 002	आईआईटी गुवाहाटी	
3	श्री सुमन सरकार	डी / 16 / सीई / 003	आईआईटी गुवाहाटी	
4	श्री दीपक राज	डी / 16 / सीई / 004	आईआईटी गुवाहाटी	
5	श्री रोहन कुमार शरण	डी / 16 / सीई / 005	आईआईटी गुवाहाटी	
6	श्री सैकत दास	डी / 16 / सीई / 006	नीपको, दोड़मुख	
7	श्री चैतीओ एन चाह	डी / 16 / सीई / 007	एमईसीएल, शिलांग	
8	श्री देबो तुस मुखर्जी	डी / 16 / सीई / 008	एमईसीएल, शिलांग	
9	सुश्री बिजेटा बोराह	डी / 16 / सीई / 010	एमईसीएल, शिलांग	
10	श्री पार्था प्रीतिम बोरुहा	डी / 16 / सीई / 011	आईआईटी गुवाहाटी	
11	सुश्री रिया राय	डी / 16 / सीई / 012	आईआईटी गुवाहाटी	
12	सुश्री अनुलखा चकोर	डी / 16 / सीई / 013	आईआईटी गुवाहाटी	
13	सुश्री वेरोनिका आर पेघा	डी / 16 / सीई / 014	एमईसीएल, शिलांग	
15	श्री आसिक सुब्बा	डी / 16 / सीई / 015	पीएचई, ईटानगर	
16	श्री जेसीटो वेस्वा	डी / 16 / सीई / 016	आईआईटी गुवाहाटी	
17	सुश्री टिंकल लमथिंग	डी / 16 / सीई / 017	आईआईटी गुवाहाटी	
18	श्री रोकाचो ल्होसा	डी / 16 / सीई / 018	एमईसीएल, शिलांग	
19	सुश्री स्वेता शर्मा	डी / 16 / सीई / 019	आईआईटी गुवाहाटी	
20	श्री मेबालिकी लालसिंग	डी / 16 / सीई / 021	एमईसीएल, शिलांग	
21	श्री प्रजांतन पार्थसारथी	डी / 16 / सीई / 022	एमईसीएल, शिलांग	
22	सुश्री समय ममंग	डी / 16 / सीई / 023	आईआईटी गुवाहाटी	
23	श्री रिम्समंड नोंगरम	डी / 16 / सीई / 024	एमईसीएल, शिलांग	

24	श्री देबिया टैमिन	डी / 16 / सीई / 025	नीपको, दोड़मुख	
25	श्री जमलर कोजम तुंगी	डी / 16 / सीई / 027	नीपको, दोड़मुख	
26	श्री यामलोचांग ईजुंग	डी / 16 / सीई / 028	नीपको, दोड़मुख	
27	श्री हेज टैक	डी / 16 / सीई / 029	आईआईटी गुवाहाटी	
28	श्री प्रधान सिंह	डी / 16 / सीई / 030	आईआईटी गुवाहाटी	
29	श्री बकी कमगो लोबम	डी / 16 / सीई / 031	नीपको, दोड़मुख	
30	श्री सुबरजीत दास	डी / 16 / सीई / 032	आईआईटी गुवाहाटी	
31	श्री लोगो तागू	डी / 16 / सीई / 101	एमईसीएल, शिलांग	
32	श्री सनासन बिद्यालाल सिंह	डी / 16 / सीई / 102	आईआईटी गुवाहाटी	
33	सुश्री यंगाल्यहुमला शांतम	डी / 16 / सीई / 104	आईआईटी गुवाहाटी	
34	श्री अभिलाष चंदा	डी / 16 / सीई / 106	आईआईटी गुवाहाटी	
35	श्री अंकीत कुमार	डी / 16 / सीई / 107	आईआईटी गुवाहाटी	
36	श्री चनिया राय	डी / 16 / सीई / 108	नीपको, दोड़मुख	
37	श्री कलिंग टैंग	डी / 16 / सीई / 109	नीपको, दोड़मुख	
38	सुश्री अनुसिया प्रधान	डी / 16 / सीई / 205	पीएचई, ईटानगर	
39	सुश्री सुदर्शना गोस्वामी	डी / 17 / सीई / 201	आईआईटी गुवाहाटी	
40	सुश्री बासीली रेत	डी / 17 / सीई / 203	आईआईटी गुवाहाटी	
41	श्री देबबर्ता दास	डी / 17 / सीई / 204	आईआईटी गुवाहाटी	
42	सुश्री जेनिटोली अचुम	डी / 17 / सीई / 205	नीपको, दोड़मुख	
43	सुश्री देबजनी पॉल	डी / 17 / सीई / 206	आईआईटी गुवाहाटी	
44	सुश्री जियांथेलू खेल	डी / 17 / सीई / 207	नीपको, दोड़मुख	
45	श्री पंचन लेप्चा	डी / 16 / सीई / 209	पीएचई, ईटानगर	
46	श्री निलज्योति नाथ	डी / 17 / सीई / 210	आईआईटी गुवाहाटी	
47	सुश्री ईची च. मार्क	डी / 17 / सीई / 211	एमईसीएल, शिलांग	
48	श्री केजोल लोलेन	डी / 16 / सीई / 212	पीएचई, ईटानगर	
49	श्री नोजम बामे	डी / 17 / सीई / 213	आईआईटी गुवाहाटी	

परिसर नियोजन अप्रैल 01, 2019- 31 मार्च, 2020

क्र.सं.	छात्र का नाम	रोल क्रमांक	संगठन
1	प्रणबज्योति बोरा	डी / 15 / सीई / 09	साइट इंजीनियर ऋषीश्वर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
2	संदीपन गर्ग	डी / 15 / सीई / 10	साइट इंजीनियर ऋषीश्वर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड

3	देवीद काकाती	डी / 15 / सीई / 12	साइट इंजीनियर ऋषीश्वर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
4	रमेश कुमार	डी / 15 / सीई / 13	साइट इंजीनियर ऋषीश्वर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
5	मधुरिमा दास	डी / 15 / सीई / 16	प्रशिक्षु ग्रेजुएट इंजीनियर टाटा प्रोजेक्ट्स लि.
6	भाग्यश्री देउरी	डी / 15 / सीई / 20	प्रशिक्षु ग्रेजुएट इंजीनियर टाटा प्रोजेक्ट्स लि।

उच्च शिक्षा के लिए सीधे प्रवेश 01 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020 के दौरान

- श्री प्रशांत कुमार का चयन अग्रिम प्रवेश एम. टेक. कार्यक्रम, 2020-21, में आईआईटी गांधी नगर के लिए किया गया है।
- सुश्री अनुलेखा चक्रवर्ती को प्रत्यक्ष पीएच.डी. कार्यक्रम, आईआईटी गुवाहाटी के लिए किया गया है।

छात्रों द्वारा गेट-2020 में सफलता

क्र.सं.	छात्र का नाम	रोल क्रमांक	गेट स्कोर
1	अनुलखा चकोर	डी / 16 / सीई / 013	43.86
2	देबबर्ता दास	डी / 17 / सीई / 204	42.84
3	प्रधान कुमार सिंह	डी / 16 / सीई / 30	42.02
4	परिजन पार्थ सारथी	डी / 16 / सीई / 022	36.68
5	निलां ज्योति नाथ	डी / 17 / सीई / 210	32.77
6	जेचहिटो वेस्वा	डी / 16 / सीई / 016	27.08
7	हेज टैक	डी / 16 / सीई / 29	25.50
8	यंगाल्यहुमला शांतम	डी / 16 / सीई / 104	24.62
9	न्युजम नाम	डी / 17 / सीई / 213	24.30
10	लोगो तागू	डी / 16 / सीई / 101	23.50
11	सुमन सरकार	डी / 16 / सीई / 003	23.32
12	मेबालमिकी लानस्ट्रग	डी / 16 / सीई / 021	23.32

4.3.12 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

- आचार्य एस बैश्य ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- आचार्य आर.के. प्रसाद ने 27 से 29 फरवरी, 2020 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित "आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम" में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- आचार्य एस मिश्रा ने अप्र सानिवि अभियन्ताओं के लिए दो दिनों की अवधि के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नौ व्याख्यान "कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन" पर क्रमशः 29-30 जून, 2019, जुलाई 06-07, 2019 और जुलाई 13-14, 2019 में दिए।

4. आचार्य आर. के. प्रसाद ने अप्र सानिवि अभियन्ताओ के लिए दो दिनों की अवधि के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नौ व्याख्यान "कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन" पर क्रमशः 29-30 जून, 2019, जुलाई 06-07, 2019 और जुलाई 13-14, 2019 में दिए।
5. डॉ. डी. पाल ने अप्र सानिवि अभियन्ताओ के लिए दो दिनों की अवधि के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में चार व्याख्यान "कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन" पर क्रमशः 29-30 जून, 2019, जुलाई 06-07, 2019 और जुलाई 13-14, 2019 में दिए।
6. डॉ. डी देवी ने अप्र सानिवि अभियन्ताओ के लिए दो दिनों की अवधि के तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दो व्याख्यान "कंक्रीट मिक्स डिज़ाइन" पर क्रमशः 29-30 जून, 2019, जुलाई 06-07, 2019 और जुलाई 13-14, 2019 में दिए।
7. आचार्य आर. के. प्रसाद ने 15-16 जनवरी, 2019 के दौरान नेरिस्ट में आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर एव प्रबन्ध कौशल-2019 के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
8. आचार्य आर के प्रसाद को एमवीजीआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश में 15-16 नवंबर, 2019 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय प्रणालियों के एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता और मुख्य वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया गया (लेकिन उपस्थित नहीं)
9. आचार्य आर. के. प्रसाद ने एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की और 21-24 अप्रैल, 2019 के दौरान आईआईटी रुड़की में मृदा जल संसाधन के सतत प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2019 में मुख्य भाषण दिया।
10. आचार्य आर. के. प्रसाद ने अभियन्ता दिवस, इटानगर, 15 सितंबर, 2019 को अभियन्त्रण पर एक कार्यशाला में "जलवायु परिवर्तन का जल संसाधनो पर प्रभाव: आवश्यकता के लिए परिवर्तन" विषय पर व्याख्यान दिया।

4.4 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

4.4.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम संस्थान के अस्तित्व में आने के साथ ही वर्ष 1986 में हुआ था। यह विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं के माध्यम से कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह विभाग मॉड्यूलर पद्धति से कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में डिप्लोमा व बी. टेक.कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक कार्यक्रम 2008-09 में आरम्भ किया गया था,

सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक. कार्यक्रम 2011-12 में आरम्भ किया गया था,

और 2017-18 में पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ किया गया था।

यह विभाग कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर संगठन, अनुपयोग सॉफ्टवेयर, प्रचालन प्रणाली, गणित, अंकीय इलेक्ट्रानिकी, माइक्रोप्रोसेसर, डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली, कंपाइलर डिजाइन, आंकडा

संचार, कम्प्यूटर नेटवर्क, एल्गोरिदम का डिजाइन एवं विश्लेषण आदि पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इन नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीएलएसआई डिजाइन, इमेज प्रोसेसिंग, ऋटि वहनिय कम्प्युटरीकरण, सूचना सिद्धान्त, आदि की भी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

विभाग के संकाय सदस्य औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उत्तर पूर्वी परिषद, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग जैसे एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न अन्तर विषय-युक्त अनुसंधान परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं।

विभाग में अत्याधुनिक मशीनों के साथ लेन के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई प्रणाली है, जिनमें सिस्टम प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, शूक्ष्म अन्वेषी प्रयोगशाला, हार्डवेयर प्रयोगशाला, नेटवर्क आदि शामिल हैं। विभाग में लिज्ड लाइन इन्टरनेट कनेक्टिविटी है।

हमारे यहाँ से उत्तीर्ण स्नातक इसफोसिस, एस-डॉट, सीमेन्स, टाटा टेलिकॉम, ब्रिटिश महिंद्रा टेलिकॉम, डीआरडीओ, एनआईसीएनईटी, इसरो, ऑयल, सीएसआईआर, टेलिकॉम, सीएमसी, पीसीएल, एचसीएल, आईओसी, सेल, टेलको, टिस्को, एस्कोर्ट्स जैसे संस्थानों में नियोजन पा रहे हैं।

4.4.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

यह विभाग डिप्लोमा, उपाधि तथा एम.टेक.कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग के छात्र नियमित अध्ययन के अलावा द्वितीय वर्ष में परियोजनाओं पर भी कार्य करते हैं। डिग्री कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र 50 दिनों का औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण के पश्चात छात्रों को संगोष्ठी में प्रशिक्षण सम्बन्धी विवरण भी प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

4.4.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

कम्प्यूटर प्रयोगशाला - I

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार माँड्यूल और डिप्लोमा माँड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला 1-3 कम्प्यूटरों, लेजरजेट प्रिन्टर, डेस्कजेट प्रिन्टर, डॉट लाईन प्रिन्टर से सुसज्जित है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला- II

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार माँड्यूल और डिप्लोमा माँड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला 1-5 कम्प्यूटरों से सुसज्जित है।

प्रणाली प्रयोगशाला - I

प्रणाली प्रयोगशाला - I में सर्वरों तथा लिनक्स, युनिक्स एवं विण्डोज वातावरण में कार्य करने की क्षमता सम्पन्न कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में डिप्लोमा एवं डिग्री छात्रों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे सी, सी++, फोर्टन आदि तथा आरडीबीएमएस

सॉ फ्टवेयर जैसे ओरेकल व एसक्यूएल सर्वर, विजुएल स्टूडियो.नेट, मैटलैब आर-2016 आदि की सुविधा इस प्रयोगशाला में उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में एच सी एल इन्फ्रानिटि ग्लोबल लाइन सर्वर को आई-5 तथा आई-मेंक कम्प्यूटरो से जोड़ा गया है। इस प्रयोगशाला में लेजर प्रिन्टर, लाइन प्रिन्टर, डॉट मेट्रिक्स प्रिन्टर, स्केनर आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। इन सभी कम्प्यूटरों को नेरिस्ट स्थानीय नेटवर्क द्वारा जोड़ा गया है, तथा सभी में इन्टरनेट की सुविधा है। विद्यार्थियों को यहाँ नेटवर्क संबंधी परियोजनाओं को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रणाली प्रयोगशाला - II

प्रणाली प्रयोगशाला - II में एच सी एल सर्वर की स्थापना की गई है, जो कि रेड हट लिनेक्स 4.0 स्वचालन प्रणाली के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त खासकर यूनिकस/लिनक्स वातावरण में काम करने के लिए एक एक सन् एल्ट्रा स्पार्क - 10 एस तथा कई एचपी थिन क्लाइंट्स उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में आई-7 तथा मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

माइक्रोप्रोसेसर तथा डिजिटल प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर के अध्ययन के लिए की गई है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर, अंकीय इलेक्ट्रानिकी उपकरणों की स्थापना की गई है, जो कि कम्प्यूटर यंत्र कार्य प्रणाली उपकरणों के अध्ययन के लिए आवश्यक है। इस प्रयोगशाला में विभाग के डिप्लोमा तथा डिग्री कार्यक्रमों के विद्यार्थी प्रायोगिक कार्य करते हैं। इस प्रयोगशाला में आवर्ती गणना यंत्र, मल्टी मीटर, शक्ति उपकरणों, डिजिटल परिपथ परीक्षण उपकरणों, बहु आवर्ती यंत्रों, ध्वनि उत्सर्जन यंत्रों, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट स्टार-85, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -68 के, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -6802, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट- डीवाईएनए86, माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर डीवाईएनए51, कम्प्यूटरों के लिए एसटीडी आधारित कार्ड, सर्वो नियंत्रित वोल्टेज स्टेबिलाइजर, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर, ब्रेड बोर्ड, 85 किट के लिए बुश मॉनिटर रंगीन टेलीविज़न आदि की स्थापना छात्रों के अध्ययन के लिए की गई है।

हार्डवेयर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग के हार्डवेयर प्रयोगशाला की स्थापना कम्प्यूटर उपकरणों, कम्प्यूटरों को जोड़ने, त्रुटि निवारण आदि तथा संबन्धित अन्य विषयों के अध्ययन के लिए की गई है। इन कक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए इस प्रयोगशाला में पेन्टीयम कम्प्यूटर (100 मेगाहर्ज, 16 एम बी रेम, 2.1 जीबी हार्डडिस्क), पीसी ओआरजी सिस्टम एक्सटी पीसी जैसे विभिन्न 386 मशीन, पीसी ओरबिट एक्सटी, पीसीएल पीसी एटी 386, विप्रो जीनियस 386, ईएसपीएल सुपरहित एक्सटी, ईएसपीएल सुपरहित एटी, पीसीएल हॉल मार्क-II, तथा जेब्स कलर मॉनिटर, डीओएसएल/50, मोनो मॉनिटर, एचसीएल जीआर-86 वीडियो, वेबेल मॉनिटर जैसे विभिन्न प्रकार के मोनीटर, एक रंगीन टेलीविज़न, टीवीएसई, एल एंड टी और इंकजेट प्रिन्टर, 1 केवी यूपीएस तथा आईएसए पोस्टकार्ड जैसे टूलकित (हार्डवेयर परिचायक कार्ड) एड्वान्सड हार्डवेयर डिबगर कार्ड पीसी प्रशिक्षक सह प्रदर्शनकारी आदि उपलब्ध हैं।

नेटवर्क प्रयोगशाला

विभाग ने नेटवर्क प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसमें एलएएनटी-एनआईयू, एलएएनटी सॉफ्टवेयर सहित लैन टी, लैन टी पीएस जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। यहाँ इसेक्यूरिट - एक नेटवर्क तथा डाटा सुरक्षा

प्रशिक्षण प्रणाली भी स्थापित है। इस प्रयोगशाला में आई-5 तथा आई मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की परियोजनायें/प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

4.4.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

एम. टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम	अनुक्रमांक	पर्यवेक्षक	परियोजना
1	चिगमुवानकिम	एमटी/17/सीएस/001	श्री के. लेगो	छिपे हुई मार्कोव मॉडल का उपयोग करते हुए ध्वनी पहचान
2	कजरी अनन्या दास	एमटी/17/सीएस/002	श्री एम. सैकिया	कुशल सुरक्षा के लिए तार रहित संवेदी नेटवर्क में मोबाइल सिंक ट्रेक्टोरी योजना
3	स्पंदन कुमार बारठाकुर	एमटी/17/सीएस/003	डॉ. एम मारजीत सिंह	तार रहित संवेदी नेटवर्क में मिसकॉलिज़न आक्रमण पता लगाना
4	पौलामी बानिक	एमटी/17/सीएस/004	श्री अजीत कुमार सिंह यादव	बंगाली भाषा के एल्गोरिथम के साथ सार्थक शब्दों का पाठ्य खनन
5	अनन्या पात्र	एमटी/17/सीएस/005	श्रीमती एम। कैथिंग	बहु परत परसेप्ट्रॉन का उपयोग करके मानव चेहरे के भावों का वर्गीकरण
6	रूपम सरमाह	एमटी/17/सीएस/006	डॉ के एन मारचाग	मशीन स्तर तकनीकों का उपयोग कर संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में बीजान्टिन हमले का पता लगाना
7	मनमी नाथ	एमटी/17/सीएस/007	श्री ए. तागू	हिडन मार्कोव मॉडल का उपयोग कर सुरक्षित संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क
8	तोकचोम आनंदकुमार सिंह	एमटी/17/सीएस/008	श्री वाई. मोहन	क्लाउड कंप्यूटरीकरण के आधार पर ब्लोफिश और ब्लेक 2 बी एल्गोरिथम का उपयोग करके एक कुशल और सुरक्षित उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण और संचार योजना
9	सैमुअल वांग्नो	एमटी/16/सीएस/006	श्री ए. तागू	भरोसेमंद तकनीक का उपयोग कर सीआरएन में एसएसडीएफ हमले की शमन

बी.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	रोल क्रमांक	पर्यवेक्षक	विषय
1	अनिर्बान सरकार अरूप राँय	डी/15/सीएस/ 05 डी/16/सीएस/ 213	श्री अजीत कु सिंह यादव	टेक्स्ट माइनिंग: सेंटस के रूप में ट्विटर का उपयोग करके विश्लेषण
2	रचना राज विप्रहेनुओ किसो	डी/15/सीएस/ 106 डी/15/सीएस/ 01	डॉ. निंग्रीनला मार्चांग	मोबाइल क्राउड संवेदी: एक आपदा प्रबंधन मोबाइल एप्लीकेशन।
3	ज्योस्मिता दास मंजीत कुमार	डी/16/सीएस/ 210 डी/16/सीएस/ 206	श्री अमर टागू	स्मार्ट पहनने योग्य सुरक्षा उपकरण
4	थंगखूप झू सी ब्रैंडन के गंगटे	डी/15/सीएस/ 102 डी/15/सीएस/ 107	श्री प्रदीप कंबोज	एनएलपी के साथ विश्लेषण की समीक्षा
5	इरोम पूर्णिमा मल्मान्गनबा सुबम	डी/15/सीएस/ 03 डी/15/सीएस/ 101	श्रीमती मार्गरेट काथिंग	मानव पहचान के लिए जीएआईटी विश्लेषण
6	किप ताचक दीपंकर मित्रा	डी/15/सीएस/ 109 डी/15/सीएस/ 207	श्री योगेन्द्र मोहन	एक सुरक्षित पी 2 पी इवेंट नोटिफायर
7	मंजू कुमारी रोतिंग साईमा	डी/15/सीएस/ 208 डी/15/सीएस/ 209	डॉ. मोइरंगथेम मरजीत सिंह	डब्लू एसएन में चयनात्मक अग्रेशन हमलों का अध्ययन
8	भास्कर रंजन बोरा मनोज तमांग	डी/15/सीएस/ 202 डी/15/सीएस/ 05	डॉ. सत्य ज्योति बोरहा	नेटवर्क में उर्जा दक्ष एनकाउंटर एंव प्रोबेबिलिटी आधारित रूट प्रोटोकॉल

डिप्लोमा परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम	अनुक्रमांक	पर्यवेक्षक	परियोजना
1	मयंक कुमार मिश्रा मंगतबम किशनंदा	डी/17/सीएस /110 डी/17/सीएस /002	मार्गरेट कैथिंग	सम्पर्क एकल वेब पेज डिजाइन (एचसीआई दृष्टिकोण)
2	गोपाल नारायण सिंहा संदीपन अधिकारी	डी/17/सीएस /109 डी/17/सीएस /003	अजीत कु. सिंह यादव	के- साधन क्लस्टरिंग का उपयोग करके छवि संपीड़न
3	प्रशांत नवानी गामबो जमोह	डी/17/सीएस /108 डी/17/सीएस /001	योगेन्द्र मोहन	फिटनेस गुरु
4	आर जोन्स खरशानदी हिबू तालियांग	डी/17/सीएस /107 डी/17/सीएस /113	प्रदीप कंबोज	एन्ड्रॉइड में आपातकालीन संपर्क अनुप्रयोग

5	अभिषेक पॉल अमिलिया मारबानियांग	डी/17/सीएस /106 डी/17/सीएस /102	एन। मर्चग	मौसम विश्लेषण (निर्जुली) - इंटरनेट ऑफ थिंग्स का उपयोग
6	अडेला रिसा सिनगस्कर संजीत एकोजीम	डी/17/सीएस /101 डी/17/सीएस /104	अमर टैगगू	आरएफआईडी आधारित उपस्थिति निगरानी प्रणाली
7	केखेलो लसुहे प्रेसर पॉल Thiemneichong	डी/17/सीएस /103 डी/17/सीएस /111 डी/17/सीएस /112	योगेन्द्र मोहन	वीबीनेट में लॉन संदेश वाहक

4.4.5 लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन

क्र.सं.	शीर्षक	समन्वयक	समयांतराल	प्रायोजक	प्रतिभागियों की संख्या
1	एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए कंप्यूटर कौशल पर अभिगमन पाठ्यक्रम	डॉ एम मरजीत सिंह	17 से 24 अगस्त 2019	थ्रिम्स, अरुणाचल प्रदेश सरकार	50

4.4.6 लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

डॉ. एम मरजीत सिंह

- नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
- नेरिस्ट में 27-31 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन सह उपयोग" में भाग लिया।
- नेरिस्ट में 3-7 जून, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "संकेत प्रशसकरण और सरलीकरण तकनीकों में प्रगति" में भाग लिया।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय में 7 सितंबर 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन एवं मानविकी में वर्तमान प्रवृत्ति सह व्यवहार में भाग लिया।

डॉ. (श्रीमती) एन मार्खंग

डॉ. फिलिप ईरिस, एडिटर-इन-चीफ, जूल, सेल प्रेस द्वारा गुरुवार 05 मार्च, 2020 को कैम्पस ऑन कैम्पस शोधकर्ता अकादमी कार्यक्रम "प्रीमियम पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए समाधान" में भाग लिया।

श्री मंजुल सैकिया

- नेरिस्ट में इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी द्वारा संयुक्त रूप से एक आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "व्यवहार पुनस्थापन एवं अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।

2. नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
3. नेरिस्ट में 27-31 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन सह उपयोग" में भाग लिया।
4. नेरिस्ट में 3-7 जून, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "संकेत प्रशसकरण और सरलीकरण तकनीकों में प्रगति" में भाग लिया।
5. नेरिस्ट में 8-12 जुलाई, 2019 इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन" में भाग लिया।
6. एनआईटीटीटीआर, कोलकोता द्वारा सुदूरवर्ती गुवाहाटी में आयोजित आयोजित "नियंत्रण अभियांत्रिकी सह मेटलेब" पर लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में 16-20 सितंबर 2019 को भाग लिया।
7. नेरिस्ट में 16-20 दिसंबर, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "वीएलएसआई चिप डिजाइन" में भाग लिया।
8. नेरिस्ट में 13-17 जनवरी, 2020 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी अध्यापन प्रविधि एवं संस्थान" में भाग लिया।

श्री प्रदीप कंबोज

1. नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
2. नेरिस्ट में 27-31 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन सह उपयोग" में भाग लिया।
3. एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा 04-08-08, 2019 के दौरान आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "अनुसंधान हेतु आँकड़ा विश्लेषण उपस्कर" में भाग लिया।
4. नेरिस्ट में 13-17 जनवरी, 2020 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी अध्यापन प्रविधि एवं संस्थान" में भाग लिया।

श्री अजीत कुमार सिंह यादव

1. नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
2. नेरिस्ट में 27-31 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन सह उपयोग" में भाग लिया।

श्री योगेन्द्र मोहन

1. नेरिस्ट में 01-05 अप्रैल 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "व्यवहार पुनरचना सह अनुसंधान प्रविधि" में भाग लिया।
2. नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
3. नेरिस्ट में 27-31 मई, 2019 को इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन सह उपयोग" में भाग लिया।
4. एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा 04-08-08, 2019 के दौरान आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "अनुसंधान हेतु आँकड़ा विश्लेषण उपस्कर" में भाग लिया।

4.4.7 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित नयी उपाधियाँ/ सदस्यता -

डॉ. (श्रीमती) एन. मार्चाग

आईईईई वरिष्ठ सदस्यता, 16 अगस्त, 2019

4.7.8 विभाग के संकाय को बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

प्रधान अनुसंधान कर्ता का नाम: श्री अमर टागू।

परियोजना का विवरण: मशीन प्रदर्शन तथा ऑकड़ा विश्लेषण का उपयोग करके उपयोगकर्ता के प्रदर्शन प्रबंधन के लिए नेटवर्क।

वित्त निकाय: अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद।

स्वीकृति की तिथि: 14 मार्च 2019 (यह आदेश मई 2019 में प्राप्त हुआ था)

कुल राशि: रु. 12,71,000 (रुपये बारह लाख इकेतर हजार केवल)

प्राप्त राशि: रु. 12,00,000 (रुपये बारह लाख केवल)

4.4.7. आलेखों का प्रकाशन

संदर्भित जर्नल

डॉ.निंशीनला मार्चाग,

डब्ल्यू. सिंह एन, मार्चाग एन एवं टागू ए 2019 अंक.32 संख्या 2,

doi.org/10.1504/IJAHUC.2019.102452, 25 सितंबर 2019 को ऑनलाइन प्रकाशित

श्री अमर टागू,

वांगजाम निरंजन सिंह, निंगरीनला मारचाग, अमर टागू संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में दूरी-आधारित बाह्य दृष्टिकोण का उपयोग करके एसएसडीएफ हमले को कम करना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एड हॉक और यूबिकिटीटि कम्प्यूटिंग। अंक 32. 2019. 119-132

श्री मंजुल सैकिया

1. चौधरी, हा, सिन्हा, एन एवं सैकिया, एम, द्रश्य संपीडन के अनुकूलन के लिए प्रकृति-प्रेरित प्रविधि (एनआईए) का अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फज़ी सिस्टम्स, (प्रिप्रिंट), पृष्ठ 15-25.
2. मन्जुल सैकिया एवं मो. अनवर हुसैन, "तार रहित संवेदी नेटवर्क के लिए डेलुनाय ट्राइंगुलेशन आधारित प्रमुख वितरण," जर्नल ऑफ कम्प्युनिकेशंस, अंक 14, संख्या 7, पृष्ठ 530-537, 2019। डीओआई: 10.12720 / jcm.14.7.530-537
3. मन्जुल सैकिया एवं मो. अनवर हुसैन, "पहाड़ी इलाकों के लिए ताररहित संवेदी नोड परिनियोजन रणनीति - एक भूतल अनुमोदन आधारित दृष्टिकोण" आईईटी।ET वायरलेस सेंसर सिस्टम, मई 2019, संख्या 9, अंक: 5, 10 2019 डीओआई: 10.1049 / iet-wss। 2018.5095
4. चौधरी हा, सिन्हा एन, सैकिया एम, प्रकृति कुशल वीडियो संपीडन के लिए प्रविधि (एनआईए) से प्रेरित-एक संक्षिप्त अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 2019 नवंबर 8.

सम्मेलन में प्रकाशित आलेख:

डॉ. एम मरजीत सिंह

1. नंदी, यू, घोराई, ए, लया, बी एवं सिंह, एम एम: एक तेजी से विभाजन की रणनीति: भग्न छवि कोड के लिए इसका उपयोग, ईटीएईआरई 2020, मार्च 5-6, केआईआईटी भुवनेश्वर, भारत।
2. सिंह, एम एम, दत्ता, एन, सिंह, टी आर एवं नंदी, यू.: कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क का उपयोग कर वायरलेस सेंसर नेटवर्क में वर्महोल हमले का पता लगाने की तकनीक, आईसीईसीएमएसएन 2020, फरवरी 20-21, सर एमवीआईटी बेंगलोर, भारत।
3. नंदी, यू, घोराई, ए, लया, बी एवं सिंह, एम एम: तीन स्तरीय श्रेणीबद्ध वर्गीकरण योजना: भग्न छवि संपीड़न तकनीक, एफआईसीटीए 2020, जनवरी 4-5, एनआईटी सुरथकल, भारत।

डॉ. निग्रीनला मार्चांग

1. "विस्वनाथ ए, दत्ता, आर एवं मार्चांग एन, "घने ताररहित संवेदी नेटवर्क में संभाव्य नोड निर्धारण", आईईईई टैनकोन, 2019, कोच्चि, केरल, 17-20 अक्टूबर, 2019
2. "ठाकुर टी एवं मार्चांग एन", "सहभागिता संवेदी में गोपनीयता और जवाबदेही का प्रावधान," तीसरा आईएसएई सम्मेलन 2020 सुरक्षा और गोपनीयता, गुवाहाटी, भारत, 2020, पृष्ठ 100-105, डीओआई: 10.1109 / ISEA-ISAP49340.2020.235007, 27 फरवरी-मार्च 1, 2020
3. "मीती एम जी एवं मार्चांग एन", "मोबाइल क्राउडसिंगिंग में एक उपयोगकर्ता-केंद्रित कार्य आवंटन दृष्टिकोण", स्प्रिंगर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली और बुद्धिमान कम्प्यूटरीकरण, 02-04 मार्च, 2020
4. "कुमार आर, मार्चांग एन एवं त्रिपाठी आर", "आईपीएफएस और ब्लॉकचैन का उपयोग करते हुए स्वास्थ्य रक्षण में रोगी नैदानिक रिपोर्ट की ऑफ-चेन भरण सह वितरण," अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार प्रणाली-2020, बेंगलुरु, भारत, 2020 पर , पृष्ठ 1-5, जनवरी 2020, डीओआई: 10.1109 /COMSNETS48256.2020.9027313

श्री अमर टैगू

1. अमर टैगू, निग्रीनला मारचांग, मल्टी-हिडन मार्कोव मॉडल सिस्टम का उपयोग करके संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में रैंडम-बाइजेंटाइन अटैक शमन। "आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत एवं कम्प्यूटरीकरण तकनीक सह उपयोग, नवंबर 2019
2. अमर टैगू, निग्रीनला मारचांग, "संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्मार्ट प्राथमिक उपयोगकर्ता अनुकरण हमलावरों को कम करना।" 4 वॉ आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रौद्योगिकी नवाचार प्रबंधन और इंजीनियरी विज्ञान। दिसंबर 2019

श्री अजय कुमार सिंह यादव

1. दिनांक 24-25 अप्रैल 2019, एकेजीईसी, गाजियाबाद, भारत में रोसेट-2019 सम्मेलन में ऑकडॉ सफाई प्रविधि चयन पर पाठ खनन प्रभाव" पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

श्री योगेन्द्र मोहन

1. "अनुकूली हैश ट्री के आधार पर बहुआयामी संचार के लिए एक कुशल स्रोत प्रमाणीकरण योजना"। राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान प्रौद्योगिकी के उभरते हुए आयाम, एकेजीईसी, गाजियाबाद, 24-25 अप्रैल, 2019

2. "क्लाउड कंप्यूटरीकरण पर आधारित एक कुशल एवं सुरक्षित उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण संचार योजना" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नेटवर्क और कुटलेखन, 14-16 जून 2019, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम्स साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
3. अभियंत्रिकी और विज्ञान -19, 6-7 सितंबर 2019 को आरईसी अकबरपुर अंबेडकरनगर, उत्तर प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटर और कैरेक्टराइजेशन तकनीक में "ब्लोफिश और ब्लेक 2बी प्रविधि पर आधारित एक सुरक्षित उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण और संचार योजना"।

पुस्तकें / पुस्तक अध्याय:

श्री मंजुल सैकिया

1. मन्जुल सैकिया एवं मो. अनवर हुसैन "तार रहित संवेदी नेटवर्क में न्यूनतम कोण अनुमार्गण के लिए एक आदर्श कुंजी पूर्वानुमान योजना", एकीकृत बुद्धिमान कम्प्यूटरीकरण, संचार और सुरक्षा, स्प्रिंगर सिंगापुर 2019, पृष्ठ 301--309, आईएसबीएन 978-981-10-1 8797-4, डीओआई = 10.1007 / 978-981-10-8797-4_32
2. सैकिया एम, हुसैन एम ए, तार रहित संवेदी नेटवर्क के लिए लॉजिस्टिक मैप का उपयोग करके लाइटवेट क्रिप्टो प्रोसेसर का कार्यान्वयन। संचार, उपकरण और नेटवर्क- 2019 में (पृष्ठ 509-519) स्प्रिंगर, सिंगापुर।

4.4.10. बाह्य निकायों संकाय सदस्यों का सम्पर्क:

1. डॉ. मोइरंगथेम मारजीत सिंह 30 सितंबर 2019 से आईई(आई) अरुणाचल प्रदेश राज्य केंद्र के मानद संयुक्त सचिव बन गए हैं।
2. डॉ. मोइरंगथेम मारजीत सिंह नें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय ग्रामिण विकास हेतु विज्ञान, तकनीकी व प्रबन्ध के वर्तमान रुझान - 2019 में आमंत्रित "मशीन लर्निंग तकनीक के लिए ताररहित संवेदी नेटवर्क: मुद्दे और चुनौतियां " 7 सितंबर 2019 को प्रस्तुत की।

4.4.11. छात्रों की उपलब्धियां:

सुश्री सिमांता सिंह (डी/16/सीएस /108) और एन शमानंद सिंह (डी/16/सीएस/112) ने गेट 2020 में सफलता प्राप्त की है।

4.5 इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

4.5.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1985 में हुई थी। विभाग में प्रथम बैचको वर्ष 1986 में प्रवेश प्रदान किया गयाथा। यह विभाग तीन पूर्व स्नातक स्तर पर प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा बी.टेक. उपाधि कार्यक्रमों तथा स्नातकोत्तर एम.टेक. कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। इन कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम, आधारभूत ज्ञान, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार के क्षेत्र में अपेक्षित जनशक्ति तथा राष्ट्र निर्माण के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। विभाग में वर्ष 2012 से स्नातकोत्तर कार्यक्रम (वी एल एस आई में एम टेक) चलाया जा रहा है। तथा इस वर्ष से इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। यह विभाग वृहद समाकलन और सूचना प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम (अंश कालिक और पूर्ण कालिक) का भी संचालन कर रहा है। विभाग में कुल 14 संकाय सदस्य हैं, जिनमें से दो क्यूआईपी अवकाश पर क्रमशः भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी में पीएच.डी. कर रहे हैं। विभाग के दो संकाय सदस्य पद स्थापन पर एमएमएमईसी गोरखपुर तथा त्रिपुरा विश्वविद्यालय में अपनी सेवार्यें प्रदान कर रहे हैं।

4.5.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग नेरिस्ट की मॉड्यूलर पद्धति के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें अनुरक्षण अभियांत्रिकी में प्रमाण-पत्र, तथा इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में डिप्लोमा तथा उपाधि की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विभाग के एम. टेक. और पीएच.डी. छात्रों को देश भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने शोध आलेख प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के अंतर्गत नेरिस्ट इलेक्ट्रानिकी समिति (एन.ई.एस) एक महत्वपूर्ण निकाय है, जो छात्रों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग ने अन्य विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों/ विशेषज्ञों की तकनीकी सहयोगिता में कई संगोष्ठियों एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

4.5.3 प्रयोगशाला व प्रयोगशाला विकास

विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए विभाग में 14 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। विभाग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता से अनुसंधान प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया था। विभाग वी.एल.एस.आई. और कम्प्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला को ओर अधिक विकसित कर रहा है। विभाग ने एम टेक (वी.एल.एस.आई.) पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशालाओं को उन्नत करने का कार्य आरंभ कर दिया है जिसके लिए ओ.आर.सी.ए.डी. तथा माइक्रोविंड डिजाइन सॉफ्टवेयर व केडेंस के साथ साथ वी.एच.डी.एल. आधारित किट व जिलिंक्स, टी आई 6713 सीरीज डी.एस.पी. किट, ओरकाड, माइक्रोविण्ड डिजाइन सॉफ्टवेयर तथा केडेन्स आदि का क्रय कर लिया गया है।

4.5.4 छात्रों द्वारा संपूर्ण परियोजनाएं:

क. स्नातक (बी.टेक.) परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	शीर्षक	परामर्शदाता
1	अमल आर नमोस्तुति अंकुर बिकास बोरा	डी/15/ईसी/05 डी/15/ईसी/08	अरिन्दो ट्राईकोप्टर का डिजाइन	डॉ. ए दिनमणि सिंह

2	शशवते दास पंकज कुमार बोरहा इलाउ सहरेगखावा	डी/15/ईसी/003 डी/15/ईसी/009 डी/15/ईसी/010	स्वचालित पथ, कूबड़ का पता लगाना तथा अधिसूचना	डॉ. राजेश कुमार
3	खुशबु कुमारी प्रिविचीं बारगोहाईन	डी/15/ईसी/014 डी/16/ईसी/209	सीसीआईआई+ का अध्ययन व डिजाइन और इसके अनुप्रयोगों	डॉ. त्रिपुरारी शरण
4	मायानमी जिमिक पीयूष कुमार अर्पण शर्मा	डी/15/ईसी/07 डी/15/ईसी/17 डी/16/ईसी/206	अरिन्दो का उपयोग कर फेफड़ अन्वेषण प्रणाली	डॉ. मधुसूदन मिश्रा
5	अंकिता देब मासूम इमरान लस्कर	डी/15/ईसी/04 डी/15/ईसी/22	लेज़र त्रिमिती प्रविधि का उपयोग करके 3डी चित्रण	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता
6	कार्में तरुण सागर भौमिक धृतिमान टी सैकिया	डी/15/ईसी/107 डी/15/ईसी/201 डी/15/ईसी/03	विभिन्न अंकीय मॉड्यूल तकनीकों का उपयोग करते हुए ओएफडीएम आधारित पारंपरिक और वेवलेट का प्रदर्शन विश्लेषण (रेले फ़ेडिंग चैनल का उपयोग करके)	डॉ. जोयात्री बोरा
7	श्रीजा रे तृषा चक्रवर्ती	डी/15/ईसी/12 डी/15/ईसी/19	GaN / AlGaN उच्च इलेक्ट्रॉन गतिशीलता ट्रांजिस्टर का अध्ययन	डॉ. अशोक कुमार रे
8	अभिषेक बाबा कुमार गौरव स्नेहा प्रदीप	डी/15/ईसी/01 डी/15/ईसी/06 डी/15/ईसी/15	कंप्यूटर दर्शटीकोण के साथ स्वचालित लक्ष्य स्थिति	श्री आर के मंगांग
9	वनलालरीमारुटा बिपाशा देबबर्मा सुस्मिता शाहा	डी/15/ईसी/102 डी/16/ईसी/208 डी/16/ईसी/207	घटाव एकीकृत वेवगाइड का उपयोग करके क्रॉस युग्मित गुंजयमान फ़िल्टर का डिजाइन	श्री मौरंगथेम एडिसन सिंह
10	शिवम पराशर बिकास मालाकार तोषझुलु जमीर	डी/15/ईसी/13 डी/15/ईसी/02 डी/15/ईसी/01	हृदय एवं फेफड़े की ध्वनी का पृथक्करण	श्री अनिल कुमार गौतम
11	लंगपोकलपकम ऋषिकांत सिंह महाचोमो लोथा नूला केनीसन गुदा	डी/15/ईसी/203 डी/15/ईसी/104 डी/15/ईसी/204	वस्तुनिष्ठ इंटरनेट - स्मार्ट घर	श्री अखो जॉन ऋचा

क. स्नातकोत्तर (एम.टेक) परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	शीर्षक	परामर्शदाता
1	एन.लथोइंगाबी चानू	एमटी/17/ईसीई/001	विस्थापित शक्ति फेडिंग चैनल के साथ एक वेव पर क्वाडचर एम्प्लिट्यूड मॉड्यूलेशन का प्रदर्शन।	डॉ. ए दीनमणि सिंह

2	आरती कुमारी शाह	एमटी/17/ईसीई/002	फैलाव को बेहतर बनाने के लिए फोटोग्राफिक क्रिस्टल फाइबर का एक डिज़ाइन सह सरलीकरण।	डॉ. आर. कुमार
3	कर्क लेगो	एमटी/17/ईसीई/003	सहकारी संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क के लिए मीमो संकेतग्राही का विश्लेषण।	डॉ. मो. ए हुसैन
4	निकिता पॉल	एमटी/17/ईसीई/004	नैदानिक उद्देश्य के लिए फेफडा जनित संकेत विश्लेषण।	डॉ. एम. मिश्रा
5	प्रितिमोई द्वारा	एमटी/17/ईसीई/005	रेटिना की छवियों का उपयोग करके ग्लूकोमा का पता लगाना।	श्री आर के मंजन
6	लेगबाम अनेका	एमटी/17/ईसीई/006	ऋणात्मक एकीकृत वेवगाइड के साथ क्रॉस-युग्मित गुंजयमान फ़िल्टर का संश्लेषण सह डिज़ाइन।	श्री एम एडिसन सिंह
7	प्रनश्री देबबर्मा	एमटी/17/ईसीई/008	मीमो ऑफडीम प्रणाली में चर दर ऑर्थोगोनल गगन ब्लॉक कोड का प्रदर्शन विश्लेषण।	डॉ. जे बोरा
8	सिनाम अश्विनुमा आर सिंह	एमटी/17/ईसीई/010	कम विद्युत वोल्ट सीमाँस दूसरी पीढ़ी के वर्तमान संवाहक का डिजाइन सह कार्यान्वयन	डॉ. टी शरन
9	दिप्ति त्रिपाठी	एमटी/17/ईसीई/011	एक कम रिसाव ऊर्जा कुशल डोमिनोज़ परिपथ का डिजाइन सह कार्यान्वयन	डॉ. पी के दत्ता
10	मुन्न कुमर ठाकुर	एमटी/17/ईसीई/012	एक कम-वोल्टेज सीमाँस वर्तमान प्रतिक्रिया संचालन एम्पलीफायर तथा इसका अनुप्रयोग	डॉ. टी शेरन
11	रियोना नामिरएपम	एमटी/17/ईसीई/013	AGGaN / GaN हेमत के स्रोत एवं नालिका के नीचे जाल का प्रभाव	डॉ. ए के राय
12	नेमथीनोई जोम पी	एमटी/17/ईसीई/014	कम विभव कम बिजली दूसरी पीढ़ी के वर्तमान संवाहक	श्री ए के गौतम
13	पुनितशो चोटन	एमटी/17/ईसीई/015	एस-रॉम अनुप्रयोगों के लिए संवेदी एम्पलीफायर के प्रदर्शन में वृद्धि।	श्री अखो जॉन रिचा

4.5.5 विभाग द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/ सम्मेलन

क्र.सं.	पाठ्यक्रम/ सम्मेलन का शीर्षक	समन्वयक	अवधि	निधिकरण संगठन	प्रतिभागियों की संख्या
1	संकाय विकास कार्यक्रम व्यवहारवादी अनुसंधान तथा अनुसंधान पद्धति	डॉ. जोयात्री बोरा	01-05 अप्रैल, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	30
2	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	डॉ. आर कुमार श्री ए के राय	20-24 मई, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	43
3	संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन तथा अनुप्रयोग	डॉ. आर कुमार श्री ए के वाई सिंह	27 -31 मई, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	48
4	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशसरण तथा अनुकूलन में प्रगति	डॉ. आर कुमार श्री ए के राय	03 -07 जून, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	33
5	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	डॉ. आर कुमार श्री ए के राय	01-05 जुलाई, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	21
6	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिज़ाइन	डॉ. आर कुमार श्री एके राय	08 -12 जुलाई, 2019	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	27
7	संकाय विकास कार्यक्रम शिक्षण व सीखने की प्रक्रिया के लिए आईसीटी उपकरण तथा तकनीक	श्री ए के राय	13 -17 जन., 2020	ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी	38
8	5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर एवं प्रबंधन कौशल	सामान्य अध्यक्ष आचार्य ए हुसैन डॉ. ए डी सिंह कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. आर कुमार	दिसंबर 19-20, 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट	

	आयोजन सदस्य डॉ। टी शरण डॉ। जे बोरा श्री एम मिश्रा डॉ. पीके दत्ता श्री ए के राय श्री एम ई सिंह श्री एके गौतम श्री ए जे रिचा		
--	--	--	--

4.5.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमो/ सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

क्र.सं.	नाम	प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण	अवधि	आयोजक
1	डॉ. अहिबाम दीनमणि सिंह	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
2	डॉ. अहिबाम दीनमणि सिंह	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	01-05 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
3	डॉ. अहिबाम दीनमणि सिंह	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	20-24 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
4	डॉ. राजेश कुमार	राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आपदा प्रबंधन	27-29, फरवरी 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश के साथ आयोजित
5.	डॉ. राजेश कुमार	एनपीटीईएल - अभातशिप ऑनलाइन प्रमाणीकरण पाठ्यक्रम - प्रकाशिय संचार प्रणाली एवं तकनीक	जुलाई- अक्टूबर 2019 (12 सप्ताह)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर तथा स्वयम
6	डॉ. राजेश कुमार	एनपीटीईएल - अभातशिप ऑनलाइन प्रमाणीकरण पाठ्यक्रम मान्यता तथा परिणाम आधारित शिक्षण	अगस्त- अक्टूबर 2019 (8 सप्ताह)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर तथा स्वयम

7	डॉ. राजेश कुमार	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
8	डॉ. राजेश कुमार	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	01-05 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
9	डॉ. राजेश कुमार	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशसरण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
10	डॉ. राजेश कुमार	संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन तथा अनुप्रयोग	27 - 31 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
11	डॉ. राजेश कुमार	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	20-24 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
12	डॉ. त्रिपुरारी सरन	संकाय विकास कार्यक्रम व्यवहारवादी अनुसंधान तथा अनुसंधान पद्धति	01-05 अप्रैल, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
13	डॉ. त्रिपुरारी सरन	शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया तथा संस्थानों के लिए आईसीटी उपकरण	13-17 जनवरी 2020	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
14	डॉ. जोयात्री बोरा	संकाय विकास कार्यक्रम व्यवहारवादी अनुसंधान तथा अनुसंधान पद्धति	01-05 अप्रैल, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
15	डॉ. जोयात्री बोरा	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशसरण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी

16	डॉ. जोयात्री बोरा	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली तथा बुधिमत्ता युक्त कम्प्यूटरीकरण-2020), स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड,	02-04 मार्च, 2020	एनआईटी अरुणाचल प्रदेश
17	डॉ. जोयात्री बोरा	आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम	27-29, फरवरी 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश के साथ आयोजित
18	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
19	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	01-05 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
20	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशारण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
21	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता	एनपीटीईएल ऑनलाइन प्रमाणीकरण पाठ्यक्रम सीमांस डिजिटल वीएलएसआई डिजाइन	फरवरी 2019 से अप्रैल 2019 (8 सप्ताह)	एनपीटीईएल
22	डॉ. एस मुजुमदार	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशारण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
23	डॉ. एस मुजुमदार	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी

24	मधुसूदन मिश्रा	संकाय विकास कार्यक्रम व्यवहारवादी अनुसंधान तथा अनुसंधान पद्धति	01-05 अप्रैल, 2019	संयुक्त रूप से इले. संचार अभि विभाग, प्रबंधन अध्ययन केंद्र, नेरिस्ट और ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी गुवाहाटी
25	मधुसूदन मिश्रा	आईईईईई अन्तराष्ट्रीय उपकरण एवं प्रबन्ध तकनीकी सम्मेलन, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड।	20-23, मई 2019।	आईईईईई अन्तराष्ट्रीय उपकरण एवं प्रबन्ध तकनीकी समिति, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड
26	मधुसूदन मिश्रा	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशस्तरण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
27	मधुसूदन मिश्रा	तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण एवं नेटवर्क संचार, (एल्सेवियर-19)	18-21, दिसंबर 2019	भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, त्रिवेंद्रम, केरल, भारत।
28	मधुसूदन मिश्रा	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "विस्थापित गाँव समूहों में काम करने के लिए भागीदारी संस्थानों की अभिविन्यास हेतु क्षेत्रीय कार्यशाला"	22 फरवरी 2020	नेरिस्ट- यूबीए, नीरजुली, अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्रीय समन्वय।
29	मधुसूदन मिश्रा	राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम आपदा प्रबंधन	27-29, फरवरी 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश के साथ आयोजित
30	मधुसूदन मिश्रा	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली तथा बुद्धिमता युक्त कम्प्यूटरीकरण-2020), स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड,	02-04 मार्च, 2020	एनआईटी अरुणाचल प्रदेश
31	ए के रे	शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया तथा संस्थानों के लिए आईसीटी उपकरण	13-17 जनवरी 2020	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी

32	ए के रे	वृहद एवं अतिवृहद बैंड अन्तर अर्धचालक और इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली में उत्कृष्टता के अग्रिम	14-15 दिसंबर 2019	विद्युत अभियंत्रिकी विभाग, आईआईटी, मुंबई
33	ए के रे	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
34	ए के रे	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	01-05 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
35	ए के रे	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशस्तरण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
36	ए के रे	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	20-24 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
37	आर के मंगांग	संकाय विकास कार्यक्रम खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	08-12 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
38	आर के मंगांग	संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही रुझान	01-05 जुलाई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
39	आर के मंगांग	संकाय विकास कार्यक्रम संकेत प्रशस्तरण तथा अनुकूलन में प्रगति	03 -07 जून, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
40	एम एडिसन सिंह	संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन तथा अनुप्रयोग	27 - 31 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी

41	एम एडिसन सिंह	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	20-24 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
42	अनिल कुमार गौतम	संकाय विकास कार्यक्रम नेटवर्क सुरक्षा	20-24 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
43	अनिल कुमार गौतम	संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन तथा अनुप्रयोग	27 - 31 मई, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
44	अनिल कुमार गौतम	ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (2 सप्ताह)	17-29, जून 2019	आरटीटीसी, बीएसएनएल लखनऊ
45	अनिल कुमार गौतम	अभिविन्यास कार्यक्रम-132 (3 सप्ताह)	22 अप्रैल - 11 मई, 2019	एचआरडीसी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
46	अनिल कुमार गौतम	शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया तथा संस्थानों के लिए आईसीटी उपकरण	13-17 जनवरी 2020	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी
47	अनिल कुमार गौतम	संकाय विकास कार्यक्रम व्यवहारवादी अनुसंधान तथा अनुसंधान पद्धति	01-05 अप्रैल, 2019	ईले. संचार अभि. विभाग, नेरिस्ट तथा ई एंड आईसीटी अकादमी, आईआईटी, गुवाहाटी

4.5.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधि/ व्यावसायिक सदस्यता:

- डॉ. राजेश कुमार ने इन्सटीट्यूसन ऑफ इंजिनियरिंग्स(भारत) सदस्यता प्राप्त की थी।

4.5.8 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त उपलब्धियां / पुरस्कार / मान्यता: नहीं

4.5.9 विभाग के संकाय सदस्यों में बाहरी एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

प्रधान अनुसंधान कर्ता	परियोजना का शीर्षक	निधीयन संगठन	स्वीकृति की तिथि	संपूर्ण रकम	समय
डॉ. राजेश कुमार	वहु-विषेश छवि के उपयोग से एक स्वत निगरानी इ-कार्ट का नमुना	इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली	26/10/2018	40.00 लाख	तीन वर्ष

सह अनुसंधानकर्ता श्री मधुसूदन मिश्रा डॉ. ए पाल, वानिकी विभाग प्रधान अनुसंधानकर्ता: डॉ. ओ पी त्रिपाठी, वानिकी विभाग, नेरिस्ट	अरुणाचल प्रदेश के लिए विशेष संदर्भ में भारतीय हिमालय में अल्पाइन पारिस्थितिकी तंत्र की विशिष्टताओं तथा प्रारूप में परिवर्तन	अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद, भारत।	2019-2022	21. 24 लाख	तीन वर्ष
---	---	---	-----------	---------------	----------

4.5.10 प्रकाशन

- * संदर्भित जर्नल: 48
- * सम्मेलन पत्र: 42
- * किताबें: अध्याय: 03

आचार्य मो. अनवर हुसैन के प्रकाशन

1. तशेर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो. ए. हुसैन, "एसएसएफ के लिए रेखिक पूर्व कोड के साथ बड़े पैमाने पर एमआईएमओ में क्षमता अधिकतमकरण तथा संपूर्ण सीएसआई सहित एलएसएफ चैनल", डिजिटल कोम्निकेशन एण्ड नेटवर्क, प्रेस में।
2. तशेर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो. ए. हुसैन, "इंपीरियल चैनल स्तर सूचना सहित बड़े पैमाने पर बहु-निविष्ट और बहु-निर्गमन का प्रदर्शन विश्लेषण", ट्रेडिमेंट डू सिग्नल, अंक-36, संख्या-4, पृष्ठ 361-368, 2019. (प्रभाव कारक: 0.387)
3. तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो. ए. हुसैन, "प्रशसरण तकनिक के उपयोग से बहुतायत एमआईएमओ में संयुक्त उपभोक्ता और संकेजग्राही चयन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेंसर्स, वायरलेस कम्युनिकेशंस एंड कंट्रोल, वॉल्यूम। अंक-9, संख्या-1, पृष्ठ 1-10, 2019 (प्रभाव कारक: 0.18)
4. मो. ए. हुसैन, तशेर अली शेख एवं जोयात्री बोरा, "समूह आधारित अर्ध-समकोणकार उपयोगकर्ता निर्धारण के लिए बड़े पैमाने पर मीमो ताररहित संचार," 13 वॉ आईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उन्नत नेटवर्क तथा दूरसंचार प्रणाली, गोवा, भारत, 16-18 पर दिसंबर 2019
5. मोनजुलसीकिया एवं मो. ए. हुसैन, "ताररहित संवेदी नेटवर्क के लिए डेलुनाय प्रमुख त्रि-अक्षिय आधारित वितरण", दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसरण तथा सूचना संचार, 19-21 जनवरी, 2019, फुकेत, थाईलैंड में आयोजित।
6. मोनजुलसइकिया एवं मो. ए. हुसैन, "ताररहित संवेदी नेटवर्क में न्यूनतम कोण अनुमार्गण के लिए एक प्रमुख कुंजी पूर्वानुमान योजना", एकीकृत बुद्धिमत्ता कम्प्यूटिकरण, संचार एवं सुरक्षा में, सिंगापुर 2019, पृष्ठ 301-309, 2019
7. एम सैकियाएम एवं मो. ए. हुसैन, " ताररहित संवेदी नेटवर्क के लिए तार्किक मानचित्र का उपयोग करके हल्के क्रिप्टो प्रोसेसर का कार्यान्वयन", संचार, उपकरण तथा नेटवर्किंग के वर्तमान आयाम 2019 (पृष्ठ 509-519) स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2019

8. मोनजुलसीकिया एवं मो. ए. हुसैन, "ताररहित संवेदी नेटवर्क के लिए डेलुनाय त्रिकोणिय आधारित प्रमुख वितरण," जर्नल ऑफ कम्प्युनिकेशंस, संख्या 14, अंक 7, पृष्ठ 530-537, 2019
9. मोनजुलसीकिया एवं मो. अनवर हुसैन, "ताररहित संवेदी नोडहस्तान्तरण का पहाड़ी क्षेत्र के लिए अध्ययन - एक सतह आधारित आकलन", आईईटी वायरलेस सेंसर सिस्टम, मई 2019
10. फैज़, एम.एफ.आई., मार्खग, एन एवं मो. अनवर हुसैन, "द्वि-स्तर वर्गीकारक का उपयोग करते हुए ऐप-सम्मिलन का संज्ञान", वेब, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड नेटवर्क एप्लिकेशन, अंक 927, चाम, 2019
11. फैज़, एम.एफ.आई., मार्खग, एन और एवं मो. अनवर हुसैन, "स्मार्टफोन में मशीन शिक्षण आधारित ऐप-सम्मिलन का संज्ञान," 23वीं आईईईई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी उपभोक्ता तकनीकी, आइकोना, इटली।
12. जनमोनी बोराह, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "3-सेल और 7-सेल हटसिएन पर सेल-सतह उपयोगकर्ताओं पर अन्तर-सेल हस्तक्षेप का प्रभाव," रेडियोइलेक्ट्रॉनिकस एण्ड कोम्नीकेशन सिस्टमस, 2019 (प्रभाव कारक: 0.39)।
13. जनमोनी बोराह, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "हेटेरोजीनस सेल्युलर नेटवर्क में लघु सेल परिनियोजन के साथ ऊर्जा दक्षता पर प्रभाव," इंटरनेट प्रौद्योगिकी पत्र, 2019
14. एस डी एस एस असकरी, एवं मो. अनवर हुसैन, "ई-लेनदेन धोखाधड़ी का पता लगाने में फ़ज़ी एसोसिएशन नियम का उपयोग", दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना प्रणाली तथा प्रबंधन विज्ञान (आईएसएमएस), त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, भारत, 2019.
15. मो. अनवर हुसैन एवं पोपी बोरा, "आदर्श जलप्रतिबिम्ब तकनीक का उपयोग से कुटलेखन समाधान एन्क्रिप्शन, जटिल तार्किक चित्रण और बहु-समाकलन", तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटरीकरण तथा नेटवर्क संचार, जर्नल ऑफ़ प्रोसेडिया कंप्यूटर साइंस में प्रकाशित। एल्सेवियर, त्रिवेंद्रम, भारत, 18-21 दिसंबर, 2019
16. जनमोनी बोराह, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "गतिशीलता के लिए चलायमान तथा ऊर्जा-कुशल आईसीआई शमन तकनीक 5जी एचटीसीएन," आईईटी कम्प्युनिकेशंस (आईईटी), 2020, प्रेस में। (प्रभाव कारक: 1.779)
17. जनमोनी बोराह, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "बहु-सेल सेलुलर नेटवर्क में विभिन्न एफआर-योजनाओं के साथ उपयोगकर्ता गतिशीलता पर आईसीआई प्रभाव," आईईटी कम्प्युनिकेशंस, अंक-14, संख्या-1, पृष्ठ 84 -88, 2020. (प्रभाव कारक: 1.779)
18. तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं मो. ए हुसैन, "व्यापक एमआईएमओ प्रणाली पूर्व-कोड और पूर्ण सीएसआई सहित वर्णक्रमीय दक्षता विश्लेषण को कम करता", डिजिटल कोम्नीकेशन एण्ड नेटवर्क, प्रेस में।
19. एस एम एस एस असकरी एवं मो. अनवर हुसैन, "आईएफडीटीसी 4.5: ई-लेनदेन धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए अंतर्ज्ञानवादी फज़ी लॉजिक आधारित निर्णय।" जर्नल ऑफ़ इन्फोर्मेशन सिक्युरिटी एण्ड अप्लीकेशन्स, 2020 (प्रभाव कारक: 1.537)
20. अफरुजा बेगम एवं मो. अनवर हुसैन, "बहु-होप ताररहित नेटवर्क के लिए एक साधारण शून्य नोड और लूप-रहित त्रिकोणिय संवहन प्रविधि" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ कम्प्युनिकेशन सिस्टम्स, अंक-33, संख्या-3, पृष्ठ 4185, 2020, (प्रभाव कारक: 1.278)
21. अफरुजा बेगम एवं मो. अनवर हुसैन, "बहुआयामी तार रहित संवेदी नेटवर्क हेतु त्रिकोणिय परिपथ प्रविधि प्रस्तुतिकरण आधारित कार्यदक्षता संगणना। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली एवं बुद्धिमत्तापूर्ण कंप्यूटरीकरण। अरुणाचल प्रदेश, भारत, 2020
22. डी. बोराह, मो. अनवर हुसैन तथा जे बोरा, "हस्तक्षेप विश्लेषण के प्रदर्शन का विश्लेषण आधारित संरेखण।" राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, 2020

23. मो. अनवर हुसैन एवं पोपी बोरा, "आक्रान्त और समर्थन छवियों का उपयोग करके डिजिटल वीडियो के लिए एकीकृत आंशिक कुटलेखन और वॉटरमार्क तकनीक।", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, अंक-9, संख्या-4, पृष्ठ 364-373, अप्रैल 2020

डॉ ए डी सिंह के प्रकाशन

1. वेहंगबम कुमार, किशोरजीत गौमीकपम, अहिबाम दीनामणि सिंह, "दृश्य-निकट अवरक्त छवि जोड़ी के एक बहु स्पेक्ट्रल संलयन का उपयोग करके दृश्य धारणा को बढ़ाना।" आईईटी इमेज प्रोसेसिंग, पृष्ठ 2467-2479, अगस्त, 2019 (डीओआई: 10.1049 / iet-ipt.2018.5812)। *पर्यवेक्षक
2. निंगमबामजीत कुमार, अहिबाम दीनामणि सिंह*, एवं नेमिराकपमबसांता सिंह, "ग्रेड चैनल एकाग्रता के लिए त्रि-चैनल दोहरा गेट सिलिकॉन-ऑन-कुछनहीं मॉसफेट के लघु चैनल विशेषता तथा प्रदर्शन की जांच।", जर्नल ऑफ नैनोइलेक्ट्रॉनिक एण्ड ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक, अंक-14, पृष्ठ 1-8, 2019. (डीओआई: 10.1166/jno.2019.2667) *पर्यवेक्षक
3. मां. फरीद शाह, ए दिनामणि सिंह, मोइरंगथेम एडिसन सिंह, "इनसेट पर माइक्रोस्ट्रिप पैच संकेतग्राही का बेहतर प्रदर्शन, मिलीमीटर तरंग तार रहित संचार के लिए सीपीडब्ल्यू फीड का उपयोग करना।" 11, विशेष अंक - 02, 2019, पृष्ठ -1895-1902 *पर्यवेक्षक
4. निबेदिता दास, लाईशराम मोना देवी, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दीनामणि सिंह "सामान्य अध्ययन के बारे में डिजिटल संचार के लुप्त होते चैनल।" संचार, उपकरण और नेटवर्किंग में अग्रिम, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 277 - 284. *पर्यवेक्षक।
5. लेशराम मोना देवी, निबेदिता दास, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दीनामणि सिंह "ओडब्ल्यूडीपी लुप्त होते चैनलों पर एमआरसी की क्षमता पर एक अध्ययन।" संचार, उपकरण और नेटवर्किंग में अग्रिम, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 229 - 238. *पर्यवेक्षक
6. लेशराम मोना देवी, निबेदिता दास, सुपर्णा गोस्वामी एवं अहिबाम दीनामणि सिंह "सामान्यीकृत के-फेडिंग चैनल में क्षमता विश्लेषण।", संचार, उपकरण और नेटवर्किंग में अग्रिम, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2019, पृष्ठ 297 - 305. *पर्यवेक्षक

डॉ राजेश कुमार के प्रकाशन

1. आरती कुमारी शाह, राजेश कुमार, बुद्धीमता परिपूर्ण प्रणाली हेतु प्रविधि में फोटोग्राफिक क्रिस्टल फाइबर पर एक समीक्षा।": अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बुद्धीमता परिपूर्ण कम्प्यूटरीकरण और संचार-2019 की कार्यवाही, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीएल लिमिटेड 2020, आईएसबीएन 978-981 -15-0633-8 (ई-पुस्तक), खंड -1, पृष्ठ: 1241-1249
2. सरफराज हुसैन, राजेश कुमार, गौरव त्रिवेदी, जीएसपीएस फ्लैश टाइप एडीसी के लिए बबल ऋटि निवारक के साथ एक कुशल 4-बिट एनकोडर की कार्यप्रणाली सह तुलनात्मक डिजाइन। "आईईटी परिपथ, उपस्कर एवं प्रणाली, 2020, आईईटी, मार्च 2020
3. सरफराज हुसैन, राजेश कुमार, "फ्लैश एडीसी के लिए एक कम बिजली और उच्च गति वालेस ट्री एनकोडर का डिजाइन। 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर तथा प्रबंधन कौशल-2019, नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत। एसएसआरएन पर उपलब्ध: <https://ssrn.com/abstract=3516639> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3516639>

4. आर्ति कुमारी शाह, राजेश कुमार, उच्च अरेखिय ठोस कोर फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर के लिए डिजाइन सह सरलीकरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एडवांस्ड टेक्नोलॉजी आईएसएसएन: 2249-8958 (ऑनलाइन), पंजीकरण संख्या सी/819981, बीईआईईएसपी द्वारा प्रकाशित। प्रभाव कारक: 5.97, स्कोपस जर्नल, संख्या-8, अंक-3 एस, पृष्ठ: 275-278, वर्ष-2019, ब्लू आइज इंटेलिजेंस इंजीनियरिंग एंड साइंसेज पब्लिकेशन (बीईआईईएसपी)
5. आरती कुमारी शाह, राजेश कुमार "प्रकाश के फैलाव को बेहतर बनाने के लिए फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर का अनुकरण" 2019, लेप लेबर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, मॉरीशस, द्वारा पर एक पुस्तक प्रकाशित। आईएसबीएन: 978-620-0-244-4-9
6. कुरमेट्र, राजेश कुमार, " पुल-डाउन स्थितियों में फ्रिज और छेद के प्रभाव पर विचार करते हुए शुक्ष्म विद्युत यांत्रिक स्विच के लिए नोवेल कैपेसिटेंस मूल्यांकन मॉडल," माइक्रोसिस्टम्स टेक्नोलॉजीज में "https://doi.org/10.1007/sn542-019-04611-z, https://doi.org/10.1007/s00542-019-04611, दिसम्बर, 2019, स्प्रिंगर - वर्लॉग, जर्मनी, स्प्रिंगर नेचर 2019 की ईकाई।
7. कूर्मेट्र, राजेश कुमार(2019)सक्रिय विभव के बिना संवेदीकरण में सक्रियण विभव और आरएफ प्रदर्शन को सुधारने के लिए Si₃N₄ और एयू बीम सामग्री के साथ एमईएमएस शंट कैपेसिटिव स्विच का डिजाइन और विश्लेषण। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक मिटेरियल्स। कोरिया विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी सामग्री अभियन्ता संस्थान, https://doi.org/10.1007/s42341-019-00112-y, ऑनलाइन, अंक: 3, पृष्ठ 1-10, अप्रैल 2019, स्प्रिंगर, ऑनलाइन आईएसएसएन 2092-7592

डॉ टी शरण के प्रकाशन

पुस्तक अध्याय

1. टी शरण, के जॉनसन सिंह, ए के गौतम, विद्युत धारा संचालित एम्प्लीफायर आधारित बैरिकेडेटिक फिल्टर। पुस्तक- एडवांसेज इन वीएलएसआई कोम्प्यूटेशन एण्ड सिगनल प्रोसेसिंग। अध्याय-47, विद्युत अभियांत्रिकी में व्याख्यान माला, 587, https://doi.org/10.1007/978-981-32-9775-3_43

सम्मेलनो में प्रकाशित आलेख:

1. संदीप कुमार सिंह, त्रिपुरारी शरण एवं अरविंद कुमार सिंह, "युएमडब्लू अनुप्रयोगों के लिए एक सघन बहु-बैंड आयताकार माइक्रोट्रिप संकेतग्राही," अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्टार्ट-अप उद्यमि: प्रौद्योगिकी विकास और भविष्य की रणनीतियाँ। 8-9 अक्टूबर 2018, मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर, राजस्थान भारत, अंक 594, 1 अगस्त 2019, https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1757899X/594/1/012028/meta
2. अनिल कुमार गौतम, त्रिपुरारीशरण एवं नेमथिन्होई जू पी, "डीटीएमओएस आधारित कम विभव, कम शक्तिर सीसीआईआई + और 0.25 वोल्ट विद्युत का उपयोग करते हुए बाइकाड फिल्टर" द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वीएलएसआई, संचार और संकेत प्रशसरण-2019, स्प्रिंगर, 21-23 अक्टूबर 2019
3. त्रिपुरारी शरण, अखो जॉन ऋचा, अनिल कुमार गौतम, "लो-पावर बहु-चालित सबथ्रेशोल्ड ओटीए और सीसीआईआई + सेल एलएफ उपकरण एम्पलीफायर हेतु इसका उपयोग" पांचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबन्ध कौशल-2019, 10 जनवरी, 2020, https://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517435
4. अनुपम कुमारी, टी शरण, " बीडी-सीएम धारण उन्नत ओटीए का उपयोग करते हुए सीसीआईआई + सेल आधारित उपकरण एम्पलीफायर," पांचवाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबन्ध कौशल-2019, 10 जनवरी, 2020, https://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517362
5. टी शरण, ए के गौतम, "कम विभव सीसीआईआई + सेल-आधारित श्रवण योग्य उप ध्वनी आवृत्ति संकेत प्रशसरण," 7वाँ अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन संकेत प्रशसरण और एकीकृत नेटवर्क-2020, 27 से 28 फरवरी,

2020 को आयोजित, पृष्ठ 224-229, फरवरी 2020, डीओआई: <https://doi.org/10.1109/SPIN48934.2020.9071338>

संदर्भित जर्नल में प्रकाशित आलेख:

1. संदीप कुमार सिंह, त्रिपुरारी शरण, अरविंद कुमार सिंह, "एफआर-4 उपयुक्त सामग्री के आधार पर ब्रॉडबैंड संकेतग्राही की विशेषता," मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही (साइन्स डायरेक्ट), अंक12 (3), पृष्ठ 628-635, 2019, डीओआई: [Ddoi.org/10.1016/j.matpr.2019.03.1071](https://doi.org/10.1016/j.matpr.2019.03.1071)
2. संदीप कुमार सिंह, त्रिपुरारी शरण, अरविंद कुमार सिंह, "भारित कोपलानर तरंग संकेतग्राही हेतु विभिन्न आकार और सामग्रियों का एक तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण" कार्यवाही (जर्नल साइन्स डायरेक्ट) (एल्सेवियर, 4 अप्रैल-2020, <https://doi.org/10.1016/jmatpr.2020.03.133>

डॉ. एमधुसूदन मिश्रा के प्रकाशन

क. संदर्भित जर्नल में प्रकाशित आलेख:

1. एम मिश्रा, एच मेनन एवं ए मुखर्जी, "समर्पित स्वचालित इनकोडर तथा परम्परागत न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके एस-1 और एस-2 हृदय ध्वनि की विशेषता" आईईईई ट्रांजेक्शंस ऑन इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट, अंक 68, संख्या 9, पृष्ठ 3211-3220, सितंबर 2019
2. एम मिश्रा, एस प्रतिहार, एच मेनन एवं ए मुखर्जी, " एस 1 तथा एस 2 हृदय ध्वनि का उपयोग करके सतही और उत्तल संवहन विशेषताओं की पहचान।" आईईईई सेंसर जर्नल, दिसंबर 2019 (स्वीकृत)
3. बी दास, आर बोरदोलोई, एल.टी. थुंगोन, ए पॉल, पी पांडे, एम मिश्रा एवं ओ पी त्रिपाठी, "वेस्ट कामेंग अरुणाचल प्रदेश 'में जलसंग्रहण में मृदा क्षरण रोकथाम हेतु जीआईएस, रूसे और एएचपी का एक एकीकृत उपयोग।' जर्नल ऑफ अर्थ साइंस सिस्टम, 129, आलेख संख्या: 94 (मार्च 2020), भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा प्रकाशित स्प्रिंगर लिंक <https://doi.org/10.1007/s12040-020-1356-6>
4. वी पांडे, ए कुमारी, एस पाराशर, ए जे रिचा, एवं एम मिश्रा, "सौर पैनलों की बढ़ते उपयोग हेतु सौर आकलन प्रणाली: एक अध्ययन, जर्नल ऑफ एनेलेसिस एण्ड कम्प्युटेशन। आईएसएसएन 0973-2861, संख्या 12, अंक 1, जनवरी-जून 2019
5. एन पॉल, एस पराशर, पी कुमार, आर के मंगांग, एवं एम मिश्रा, "फेफड़ा असामान्यता का पता लगाने के लिए संकेत प्रशसरण तकनीकों में प्रगति: : एक अध्ययन, जर्नल ऑफ एनेलेसिस एण्ड कम्प्युटेशन। आईएसएसएन 0973-2861, खंड 12 , अंक 1, जनवरी-जून 2019
6. पी कुमार, एस पराशर, ए के गौतम, जे बोरा, एवं एम मिश्रा, "फेफड़ा चिकित्सा पेशेवरों की सहायता के लिए के लिए फेफड़ा ध्वनी विश्लेषण: एक अध्ययन", जर्नल ऑफ एनेलेसिस एण्ड कम्प्युटेशन। आईएसएसएन 0973-2861, खंड 12 , अंक 1, जनवरी-जून 2019

ख. सम्मेलनो में प्रकाशित आलेख:

1. पी एलंगोवना, एम के नाथ, एवं एम मिश्रा, "रंग विस्थापित छवि से ग्लूकोमा का पता लगाने के लिए सांख्यिकीय मानक।", तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्यूटरीकरण तथा नेटवर्क संचार, 2019, त्रिवेंद्रम, केरल, 18-21 दिसंबर, 2019 के दौरान एसीएम त्रिवेंद्रम प्रोफेशनल चैप्टर के सहयोग से, भारत।

2. एम मिश्रा एवं ए मुखर्जी, "आहरित सिंथेटिक नमूना प्रविधि का उपयोग करके असंतुलित ऑकडा सैट के लिए हृदय धड़कन का पता लगाना।" आईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन उपकरण एवं प्रबन्ध-2019, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, मई 2019, पृष्ठ 1-5
3. एस ए सिंह, एस मजुमदार एवं एम मिश्रा, "गहन अध्ययन के आधार पर छोटी अचयनित हृदय ध्वनि का वर्गीकरण," आईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन उपकरण एवं प्रबन्ध-2019, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, मई 2019, पृष्ठ 1- 6
4. एस त्रिवेदी, एम गोयल, एम मिश्रा, एन वर्मा एवं ए मुखर्जी, " समर्पित स्वचालित इनकोडर आधारित न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके स्पाइरोमिटी का वर्गीकरण," 2019 आईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन उपकरण एवं प्रबन्ध-2019, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड, मई 2019, पृष्ठ 1-5
5. एम मिश्रा, एस बनर्जी, डी सी थॉमस, एस दत्ता एवं ए मुखर्जी, "परिवर्तन मोड परिस्थिति के उपयोग से तिसरी उच्च हृदय ध्वनि का विश्लेषण," आईईईई उपकरण तकनीकी सम्मेलन, न्यूजीलैंड, मई 2019 (पोस्टर @ आईईईई टीआईएम)
6. वी पांडे, ए कुमारी, एस पाराशर एवं एम मिश्रा, "सौर आकलन प्रणाली से सौर पैनलों की वृद्धि के लिए एक अध्ययन।" राष्ट्रीय सम्मेलन उपस्कर, परिपथ व संचार के वर्तमान आयाम-2019, अप्रैल 15-16, 2019
7. एस पाराशर, टी जमीर, बी मालाकार, वी पांडे, ए के गौतम, एम मिश्रा, "चिकित्सा पेशेवरों की सहायता के लिए के लिए फेफड़ा ध्वनी विश्लेषण पर एक अध्ययन" राष्ट्रीय सम्मेलन उपस्कर, परिपथ व संचार के वर्तमान आयाम-2019, अप्रैल 15-16, 2019
8. पी कुमार, ए शर्मा, एम ज़िमिक, एस पाराशर, आर सिंह, ए के पात्रा, जे बोरा, एवं एम मिश्रा, "हृदय ध्वनि के प्रकाश संकेतो का उपयोग करके अच्छे स्वास्थ्य का मूल्यांकन।", अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020। (स्वीकृत)
9. आर सिंह, यू भट्टाचार्य, ए के सिंह एवं एम मिश्रा, "एसवीएम-जीएमएम आधारित वक्ता पहचान प्रणाली पर शोर स्तर का प्रभाव।" अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020। (स्वीकृत)

डॉ पी के दत्ता के प्रकाशन

क. संदर्भित जर्नल में प्रकाशित आलेख:

1. एस आर घिमरे, पी के दत्ता, 2019, रिसाव सहिष्णु संकर एक्स-ओर गेट के लिए आदर्श नोवेल रिसाव करंट डोमिनो तकनीक। जर्नल ऑफ एनालेसिस एण्ड कम्प्युटेशन।, 13(2), <http://www.ijaconline.com/novel-leakage-current-reduction-domino-technique-leakage-tolerant-hybrid-xor-gate/>
2. एस आर घिमरे, पी मेहर, पी के दत्ता, 2018, अति गहरी पनडुब्बी तकनीकी हेतु कम शक्ति, शोर रोधि दि-स्तरिय क्लाक-इनवर्टर डोमिनो तकनीक। जर्नल ऑफ सर्किट थ्योरी एंड एप्लीकेशन 46 (11), 1953-1967, <https://doi.org/10.1002/cta.2524> (एससीआई प्रभाव कारक 1.444)
3. एक जैन, ए घोष, पी के दत्ता, एन बी सिंह, एस के सरकार, 2018, एकल इलेक्ट्रॉनिकी परिपथ सर्किट की त्रुटि संभावना स्वतंत्र विलंब विश्लेषण।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्किट थ्योरी एंड एप्लीकेशन, 46 (2), 290-298, <https://doi.org/10.1002/cta.23891> (एससीआई इम्पैक्ट फैक्टर 1.444)

4. सी लैंगपोक्लाकम, एस आर घिमिरय, पी के दत्ता, 2019, वृहद फैन-इन गेटों के लिए एक आदर्श उच्च दक्ष रिसाव वहनिय कीपर डॉमिनो परिपथ।, एडवांस इन कम्युनिकेशन, डिवाइसेस एंड नेटवर्किंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, पृष्ठ 11-19
5. खुरईजाम नेल्सन सिंह, प्रणब किशोर दत्ता, 2019, अचालक पर आन्तरिक सिलिकॉन तथा कुछ नहीं ढांकते हुए व चार्ज किए गए सिलिकॉन पर सिलिकॉन आधारित बायोसेंसर का तुलनात्मक विश्लेषण। तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समाकलित परिपथ-2019, कल्याणी, पश्चिम बंगाल।
6. सपना रानी घिमरे, प्रणब किशोर दत्ता, 2018, कम रिसाव तथा कम जिटर 500 मेगाहर्ट्ज घड़ी हेतु शक्ति वहनिय कीपर आधारित 4: 1 कम रिसाव मुक्त।, आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्युटरीकरण, शक्ति तथा संचार तकनीकी- 2018, पृष्ठ 997-1002, डीओआई: 10.1109 / GUCON.2018.8675094

डॉ जॉयत्री बोरा के प्रकाशन

क. संदर्भित जर्नल में प्रकाशित आलेख:

1. पी कुमार, एस पराशर, ए के गौतम, जे बोरा, एवं एम मिश्रा, "फेफड़ा चिकित्सा पेशेवरों की सहायता के लिए के लिए फेफड़ा धवनी विश्लेषण: एक अध्ययन", जर्नल ऑफ एनेलेसिस एण्ड कम्प्युटेशन। आईएसएसएन 0973-2861, खंड 12 , अंक 1, जनवरी-जून 2019
2. जनमोनी बोरहा, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "गतिशील और ऊर्जा-कुशल आईसीआई शमन हेतु 5जी एचटीसीएन तकनीक," आईईटी कम्युनिकेशंस (आईईटी), 2020. (एससीआई, एससीओपीयूएस, वेब ऑफ साइंस, डीओआई: 10.1049 / 10 iet-com.2019.0898, प्रभाव कारक: 1.779)
3. जनमोनी बोरहा, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "बहु- सेल सेलुलर नेटवर्क में विभिन्न एफआर-योजनाओं के साथ उपयोगकर्ता गतिशीलता पर आईसीआई का प्रभाव," आईईटी कम्युनिकेशंस, अंक.14, संख्या.1, पृष्ठ.84-88, 2020. (एससीआई, एससीओपीयूएस, वेब ऑफ साइंस, डीओआई: 10.1049 / iet-com.2019.0397, प्रभाव कारक: 1.779)
4. जनमोनी बोरहा, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "तीन-सेल और सात-सेल में सेल-सतह उपयोगकर्ताओं पर एचटीसीएन हस्तक्षेप का प्रभाव," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स (वाइले, पृष्ठ 4257, 2019, (एससीआई, एससीओपीयूएस, वेब ऑफ साइंस, डीओआई: 10.1002 / dac.4257, प्रभाव कारक: 1.278)
5. जनमोनी बोरहा, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "विषम कोशिकीय नेटवर्क में छोटे सेल की तैनाती के साथ ऊर्जा दक्षता पर प्रभाव," इंटरनेट प्रौद्योगिकी पत्र (वाईली), अंक-2, संख्या-3, पृष्ठ-97, 2019 (एससीआई, एससीओपीयूएस, वेब ऑफ साइंस, डीओआई: 10.1002/itl2.97)
6. स्मृति बरुआ, संतनुमती एवं जोयात्री बोरा, "नैनोपिलर सरणि संरचना पर नैनो बनावट के साथ उच्च प्रदर्शन व्यापक प्रतिक्रिया GaAs आधारित फोटो डिटेक्टर, "माइक्रोसिस्टाइटेकॉल (2020) (स्प्रिंगर), प्रभाव कारक: 1.513 (एससीआई, एससीओपीयूएस, वेब ऑफ साइंस, डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s00542-020-04804-x>)

7. तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा, एवं अनवर अनवर हुसैन, "व्यापक एमआईएमओ सिस्टम लोअर बाउंड स्पेक्ट्रल दक्षता के साथ प्रीकोडिंग और परफेक्ट सीएसआई", डिजिटल कम्युनिकेशंस एंड नेटवर्क्स, 2020 (एससीआई-ई, एससीओपीयूएस, यूजीसी केयर लिस्ट) को स्वीकार किया गया।

8. तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं अनवर अनवर हुसैन, " रेखिक प्रकोडिंग के साथ बड़े पैमाने पर एमआईएमओ व एसएसआई और उत्तम सीएसआई के साथ एलएसएफ चैनल क्षमता का अधिकतमकरण", डिजिटल कोमनिकेशन एण्ड नेटवर्क, (एससीआई-ई, स्कोपस, यूजीसी केयर लिस्ट) मुद्रणालय में। <https://doi.org/10.1016/j.dcan.2019.08.002>

9. तशरीर अली शेख, जोयात्री बोरा एवं अनवर अनवर हुसैन, "अपरिपक्व स्टेट बहु निविष्ट और बहु निविष्ट मल्टी-आउटपुट का असंगत चैनल स्टेट इंफॉर्मेशन के साथ प्रदर्शन का विश्लेषण", ट्रैडमेंट डू सिग्नल, (एससीआई-ई, स्कार्पस, यूजीसी केयर लिस्ट), वॉल्यूम। 36, नंबर 4, पृष्ठ 361-368, 2019. <https://doi.org/10.18280/ts.360409>

ख. सम्मेलनो में प्रकाशित आलेख:

1. पी कुमार, ए शर्मा, एम ज़िमिक, एस पाराशर, आर सिंह, ए के पात्रा, जे बोरा, एवं एम मिश्रा, "हृदय ध्वनि के प्रकाश संकेतो का उपयोग करके अच्छे स्वास्थ्य का मूल्यांकन।", अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020 (स्वीकृत)

2 जनमोनी बोरहा, क्षत्रिमयूम लिथोइंगनबी देवी, एवं जोयात्री बोरा, "बीएस-सेल और सेलुलर नेटवर्क में बीएस समन्वय आधारित स्थाई-नंबर (एफएन) और स्थाई-क्षेत्र (एफआरईएन) आईसीआई शमन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020 (स्वीकृत)

3. स्मृति बरुआ, संतनुमती एवं जोयात्री बोरा, "उपरी सतह संशोधन के माध्यम से प्रकाश संवेदी का प्रदर्शन सह विश्लेषण," सीआईईएसई-2019, (आईईईई) (प्रस्तुत)

4. स्मृति बरुआ, संतनुमती एवं जोयात्री बोरा, "उच्च प्रकाश संवेदी का प्रदर्शन हेतु InGaAs आधारित चौकोर-आकार का नैनोपिलर सरणी। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020 (प्रस्तुत)

5. जनमोनी बोरहा, मो. अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, "5 जी हेट सीएन में परिवर्तनिय स्थाई क्षेत्र सहयोग सहित आईसीजी विश्लेषण सह शमन," सीआईईएसई-2019, (आईईईई)

6. अमलान बोरहा, अनवर अनवर हुसैन एवं जोयात्री बोरा, " हस्तक्षेप समायोजन आधारित पूर्व-कोड का दक्षता विश्लेषण", अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ तथा बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण-2020, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा.लि., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत, मार्च 2020 (स्वीकृत)।

7. मो. अनवर हुसैन, तशरीर अली शेख, एवं जोयात्री बोरा, "सामूहिक मीमो तार रहित संचार के लिए गुप-आधारित अर्ध-ऑर्थोगोनल उपयोगकर्ता निर्धारण", 13वाँ सम्मेलन एएनटीएस-2019

डॉ ए के राय के प्रकाशन

1. ज़ोहिंगमाविया रेंथली, सुशांता बोरदोलोई, अशोक रे एवं चैताली कोले, " AlGaN / GaN हेमट स्क्रावट में विशेषताओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन" 6 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुद्ध इलेक्ट्रॉनिक्स, परिपथ तथा प्रणाली, 6-7 जुलाई, 2019, एमिटी विश्वविद्यालय, न्यू टाउन, कोलकाता, भारत।
2. अशोक रे, सुशांता बोरदोलोई, प्रतिमा अग्रवाल, गौरव त्रिवेदी, "पार्श्व और ऊर्ध्वधर SiC डायोड में बिजली के पहलू की जांच", 20वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला अर्धचालक उपकरणों की भौतिकी। एस एन बोस राष्ट्रीय आधारभूत विज्ञान केन्द्र, कोलकाता तथा आईआईटी खड़गपुर के लिए सेंटर द्वारा आयोजित में पोस्टर प्रस्तुति। 17-20 दिसंबर 2019, नोवोटेल होटल एंड रेसिडेंस, कोलकाता, भारत।
3. अशोक रे, सुशांता बोरदोलोई, बिप्लब सरकार, प्रतिमा अग्रवाल, गौरव त्रिवेदी, संवर्धित विश्वसनीयता गेट AlGaN / GaN हेमट का संख्यात्मक सरलीकरण, जे. इलेक्ट्रो. मेटर, 2020,49, (3), पृष्ठ 2018-2031

श्री ए.के. गौतम के प्रकाशन

1. टी शरण, ए के गौतम, "कम विभव सीसीआईआई + सेल-आधारित श्रवण योग्य उप ध्वनी आवृत्ति संकेत प्रशसरण," 7वां अंतर्राष्ट्रीय आईईईई सम्मेलन संकेत प्रशसरण और एकीकृत नेटवर्क-2020, 27 से 28 फरवरी, 2020 को आयोजित, पृष्ठ 224-229, फरवरी 2020, डीओआई: <https://doi.org/10.1109/SPIN48934.2020.9071338>
2. अनिल कुमार गौतम, त्रिपुरारीशरण एवं नेमथिन्होई जू पी, "डीटीएमओएस आधारित कम विभव, कम शक्तिर सीसीआईआई + और 0.25 वोल्ट विद्युत का उपयोग करते हुए बाइकाड फ़िल्टर" द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन वीएलएसआई, संचार और संकेत प्रशसरण-2019, स्प्रिंगर, 21-23 अक्टूबर 2019
3. त्रिपुरारी शरण, अखो जॉन ऋचा, अनिल कुमार गौतम, "लो-पावर बहु-चालित सबथ्रेशोल्ड ओटीए और सीसीआईआई + सेल एलएफ उपकरण एम्पलीफायर हेतु इसका उपयोग" पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबन्ध कौशल-2019, 10 जनवरी, 2020, <https://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517435>
4. टी शरण, के जॉनसन सिंह, ए के गौतम, विद्युत धारा संचालित एम्प्लिफायर आधारित बैरिकैडेटिक फ़िल्टर। पुस्तक- एडवांसेज इन वीएलएसआई कोम्निकेशन एण्ड सिगनल प्रोसेसिंग। अध्याय-47, विद्युत अभियांत्रिकी में व्याख्यान माला, 587, https://doi.org/10.1007/978-981-32-9775-3_43
5. पीयुस कुमार, एस पराशर, ए के गौतम, जे बोरा, एवं एम मिश्रा, "फेफड़ा चिकित्सा पेशेवरों की सहायता के लिए के लिए फेफड़ा ध्वनी विश्लेषण: एक अध्ययन", जर्नल ऑफ एनेलेसिस एण्ड कम्प्युटेशन। आईएसएसएन 0973-2861, खंड 12 , अंक I, जनवरी-जून 2019
6. एस पाराशर, टी जमीर, बी मालाकार, वी पांडे, ए के गौतम, एम मिश्रा, "चिकित्सा पेशेवरों की सहायता के लिए के लिए फेफड़ा ध्वनी विश्लेषण पर एक अध्ययन" (संक्षिप्त स्वीकृत) राष्ट्रीय सम्मेलन उपस्कर, परिपथ व संचार के वर्तमान आयाम-2019, एमएमएमयुटी, गोरखपुर, अप्रैल 15-16, 2019

श्री एम एडीशन सिंह के प्रकाशन

क. संदर्भित जर्नल में प्रकाशित आलेख:

1. मो. फरीद शाह, ए. दीनमणि सिंह, मोइरंगथेम एडिसन सिंह, " सीपीडब्ल्यू ग्राहित का उपयोग करके मिलीमीटर तरंग ताररहित संचार के लिए इनसेट ग्राहित लधुछड़ पैच संकेतग्राही का बेहतर प्रदर्शन, "जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन डायनामिकल कन्ट्रोल सिस्टम। (जेडएआरडीसीएस), संख्या 11, विशेष अंक-02, 2019

ख. सम्मेलनो में प्रकाशित आलेख:

1. एम एडिसन सिंह, संदीप सिंह, "केयू-बैंड अनुप्रयोगों के लिए बेहतर ऊपरी बैंड प्रदर्शन सहित एक कॉम्पैक्ट 3-ऑर्डर एसआईडब्ल्यू फ़िल्टर" दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी, संकेत प्रशसरण और संचार में नवाचार-2019

4.1.11 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों / विभाग का सम्पर्क

- आचार्य मो. अनवर अनवर हुसैन, डॉ. राजेश कुमार तथा डॉ. ए. डी. सिंघारे, इलेक्ट्रॉनिकी एव संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के लिए अध्ययन मंडल में बाहरी सदस्य हैं।
- डॉ राजेश कुमार ने संयुक्त अनुसंधान प्रकाशन के रूप में आईआईटी गुवाहाटी और एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के साथ सम्पर्क किया था।
- डॉ ए डी सिंह ने आईआईआईटी, मणिपुर (संयुक्त अनुसंधान परियोजना) और राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश से संयुक्त अनुसंधान प्रकाशन हेतु सम्पर्क किया था।
- डॉ. जयात्री बोरा ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अरुणाचल प्रदेश, भारत में 02-04 मार्च, 2020 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी प्रणालियाँ एवं बुद्धीपरक कंप्यूटरीकरण (ईएसआईसी-2020), स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्रा. लिमिटेड के एक सत्र की अध्यक्षता की थी।
- श्री पी के दत्ता को इलेक्ट्रॉनिकी विभाग (पीजी सेक्शन), उत्तर लखीमपुर कॉलेज, उत्तर लखीमपुर, असम में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश में प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।

हमारे संकाय सदस्यों के पास अन्य संगठनों के साथ बहुत अच्छा सम्पर्क है। विभाग ने जादवपुर विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। विभिन्न आईआईटी से संसाधन व्यक्तियों ने एनईआरआईएसटी में अल्पकालिक कार्यक्रमों को व्यवस्थित करने में मदद की है। इसके अलावा, हमारे संकाय सदस्यों ने आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है।

4.5.12 परामर्श परियोजनाएं शुरू की गई -नहीं-

4.5.13 छात्रों की उपलब्धियां

- हमारे उत्तीर्ण छात्रों को प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा नियोजन प्रदान किया गया है। इसके अलावा, कुछ छात्रों ने गेट में सफलता प्राप्त की है और प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च अध्ययन हेतु प्रवेश प्राप्त किया है।

4.5.14 अन्य कोई सूचना

- विभाग ने डिप्लोमा और उपाधि कार्यक्रम हेतु अपने पाठ्यक्रम को संशोधित किया है।
- दिनांक 10/01/2020 को सुश्री सुपर्णा गोस्वामी को डॉ. एहीबाम दीनमणि सिंह के मार्गदर्शन में उनके शोध विस्थापित चैनल्स पर विविधता प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण के लिए पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी।

4.6 विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

4.6.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की स्थापना समय से ही विद्युतअभियांत्रिकी विभाग उच्च शिक्षा संपन्न वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक-विदों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग से प्रथम स्नातक का बैच वर्ष 1992 में उत्तिर्ण हुआ था। विभाग अपने पूर्व स्नातक कार्यक्रमों यथा: प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और बी.टेक. उपाधि के लिए संस्थान के दो वर्षीय मॉड्यूलर ढांचे का अनुसरण कर रहा है। प्रत्येक मॉड्यूल में विद्यार्थियों का दाखिला नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा क्रमशः एनईई-I, एनईई-II और एनईई-III के माध्यम से होता है। देश में तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से विभाग ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी में विशेषता के साथ स्नातकोत्तर (एम. टेक.) कार्यक्रम और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है।

विभाग में उच्च अर्हता संपन्न योग्य संकाय सदस्य हैं, जिन्होंने अपनी डिग्रियाँ देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से प्राप्त की हैं। आवश्यक आधारभूत ढांचों और प्रयोगशाला में समय समय पर सुविधाओं को उन्नत किया जाता है ताकि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सीखने और कुछ नया करने के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें। विभाग सरकार तथा उद्योग जगत से प्रायोजित विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी काम करता रहा है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उद्देश्य निम्नवत हैं:

- प्रमाण पत्र मॉड्यूल के विद्यार्थियों को विद्युत परिपथ और प्रणाली की समस्याओं को समझने, उसे ठीक करने और उसके रखरखाव का प्रशिक्षण देना।
- डिप्लोमा मॉड्यूल के विद्यार्थियों में पर्याप्त पर्यवेक्षण और निर्देशन कौशल विकसित करना।
- बी.टेक. डिग्री के विद्यार्थियों को उद्योग जगत और अन्य जगहों के में वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समस्याओं को विश्लेषित करने, डिजाइन करने नवोन्मेशी सोच विकसित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान देना।
- स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास।

कार्यक्रम

विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है:-

क) स्नातक कार्यक्रम

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- विद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा

- विद्युत अभियांत्रिकी में बी. टेक.

ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक

ग) पीएच डी पाठ्यक्रम

विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में

सुविधाएं

विभाग में विद्युत अभियांत्रिकीके सभी क्षेत्रों में काम करने के सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए 13 से अधिक समुचित रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक पृथक पुस्तकालय भी है। प्रयोगशालाओं में उच्च क्षमता संपन्न कंप्यूटर, सर्वर तथा कई आवश्यक सॉफ्टवेयर पैकेज उपलब्ध हैं जो एक स्थानीय नेटवर्क के जरिए जुड़ा हुआ है। इंटरनेट सेवा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

शोध

विद्युत अभियांत्रिकीविभागीय प्रमुख अनुसंधान समूहों के तहत काम कर रहे हैं, (1) विद्युत शक्ति और ऊर्जा प्रणाली, (2) नियंत्रण व उपकरण और (3) विद्युत मशीन, संचालन और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स। विभाग के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- पाठ्यक्रम की तैयारी और समीक्षा।
- संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- बी.टेक/ एम.टेक/ पीएच.डी. परियोजना/ शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण करना।
- परामर्शी सेवाएं प्रदान करना।
- संस्थान-उद्योग के साथ सम्पर्क की सुविधा।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में प्रकाशन।

योग्यता और विशेषज्ञता के क्षेत्रों के साथ विभाग के संकाय सदस्यों की सूची -

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1.	डॉ. एस. चटर्जी पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	उच्च विभव, बिजली व्यवस्था
2.	डॉ. एस. के. भगत पीएच.डी. (आई.आई.टी., बी.एच.यू., बनारस)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
3.	डॉ. आर. के. मेहता पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
4.	डॉ. ओ. पी. राय पीएच.डी. (आई.एस.एम., धनबाद)	आचार्य	शुद्ध अन्वेषी आधारित नियंत्रण एवं उपकरण, शक्ति प्रणाली की विश्वसनीयता
5.	डॉ. सरसिंग गाओ पीएच.डी. (आई.आई.टी., दिल्ली)	आचार्य	विद्युत मशीनें, उर्जा प्रतिपादन एवं वितरण
6.	डॉ. ए. के. सिंह पीएच. डी. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	शक्ति प्रणाली, विद्युत मशीनें एवं संचालन

7.	श्री रदक ब्लंगे एम. टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा, विद्युत मशीनें एवं संचालन
8.	श्री टी. वी. पी. सिंह एम.टेक (एमएनएनआईटी, एलाहाबाद)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली,, वी.एल.एस.आई. डिजाइन
9.	श्री एम. डी. सिंह एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी, डिजिटल प्रणाली
10.	श्री ए के परिदा एम. टेक. (एमआईटीएस, ग्वालियर)	सहायक आचार्य	औद्योगिक संचालन, शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं उर्जा ऑडिट
11.	श्री अनु के. दास एम. टेक. (एनआईटी, शिलचर)	सहायक आचार्य	बिजली व्यवस्था स्थिरता, एवं नवीकरणीय ऊर्जा
12.	श्री एन एल मैतेई एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	ऊर्जा प्रबंधन
13.	सुश्री सोमिला हशुनाओ एम. टेक. (जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)	सहायक आचार्य	विद्युत शक्ति प्रणाली प्रबंधन
14.	श्री अखिलेश शर्मा एम. टेक. (एमएमएमईसी, गोरखपुर)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचालन
15.	सुश्री पियाली दास एम. ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	उपस्कर अभियांत्रिकी, नियंत्रण प्रणाली
16.	श्री पी देवचंद्र सिंह एम.टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सहायक आचार्य	शक्ति अभियांत्रिकी प्रणाली

4.6.2 शैक्षिक गतिविधियां

विभाग विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है। विभाग नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा विभिन्न संस्थानों के साथ परामर्शी कार्य तथा अन्य सहयोगात्मक कार्य कर रहा है। विभाग ने संस्थान-उद्योग के परस्पर शैक्षिक संबंध को बरकरार रखते हुए कई प्रायोजित शोध परियोजनाओं को पूरा कर लिया है एवं कुछ परियोजनाएं अभी चल रही हैं। विभाग विभिन्न विशेष क्षेत्रों में कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि का आयोजन करता है जिसमें देश भर के उद्योग एवं शैक्षिक जगत के लोग भाग लेते हैं।

4.6.3 प्रयोगशालाएं एवं प्रयोगशाला विकास

विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग बुनियादी ढांचे के साथ-साथ विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला, उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, विद्युत मशीन प्रयोगशाला, शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, डिजिटल और शुष्म अन्वेषी प्रयोगशाला, अनुरक्षण प्रयोगशाला, विद्युत कार्यशाला, परिपथ और मापन प्रयोगशाला, नियंत्रण एवं उपकरण प्रयोगशाला, इंटरनेट के साथ कम्प्यूटर प्रयोगशाला, ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला और परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला से सुजजित है। विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरण और सॉफ्टवेयर निम्नलिखित है:

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन सिम्युलेटर, पीसीकंट्रोल्ड पावर एनालाइजर, ऑयलटेस्ट सेट, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एंड स्टेतिक रिलेइस के विभिन्न प्रकार, डाईलेक्ट्रिकप्युरीफिकेशन प्लांट, एनालॉगऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, 3-फेज वेरिबलइंडक्टर, 1-फेजएंड3-फेज लोडिंगऋहस्ताट्स, डिजिटलक्लैप और पावर मीटर्स, एलसीआर-क्यूमीटर, 3-फेज कपैसिटरबैंक, केपेसिटन्स एंड तेनडेल्टा टेस्ट सेट, सर्किट ब्रेकर एनालाइजर, लिक्वुइडडाइलेक्ट्रिकप्युरीफिकेशनप्लांटके साथ सुसज्जित है।

उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में नवीनतम 100 केवी एसी/145 केवी डीसी डायलेक्टिक टेस्ट सेट एंड 300 केवी, 7.5 केजे, 1.2/50 माइक्रोसैकेण्डइम्पल्सटेस्ट सेट, मीजरिंग स्फीयर गैपएमएफ-100, इलेक्ट्रॉनिकस्फीयरइंजेडके, 2-चैनल, 200 एमएचजेडडिजिटल स्टोरेजऑसिलोस्कोपके साथ ऑसिलोस्कोप से पीसी में डेटा का सीधा हस्तांतरण के लिए सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

विद्युत मशीन प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में विस्तृत रूप में मोटर एवं जनरेटर के साथ डीसी कंपाउंड मोटर, डीसी कंपाउंड जनरेटर, 3 फेस इंडक्शन मोटर, बोथ स्किउरेल केज एंड स्लिप रिंग टाईप, डीसी शंट मोटर, डीसी सीरीज मोटर, यूनिवर्सल मोटर, एसी सिंक्रोनास जनरेटर, एसी सिंक्रोनस मोटर, स्कैन ड्राइव सिस्टम डीसी के लिए और एसी ड्राइव गति नियंत्रण, मोटर फोल्ट सिम्युलेटर, लॉजिक पल्स जनरेटर, फंक्शन जनरेटर, डिजिटल स्टोरेज अस्सीलोस्कोप, 3 फेज अस्थायी शक्ति विश्लेषक, 1 फेज इंडक्शन मोटर और थाइरिस्टर नियंत्रण कक्ष, डीजी सेट, स्टोपार मोटर प्रशिक्षण प्रणाली, पीडब्ल्यूएम आधारित इंडक्शन मोटर ड्राइव, वी/एफ कंट्रोल्ड एसी ड्राइव, डी-स्पेस रीयल टाइम सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर हैं।

शक्ति इलेक्ट्रानिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में ई.एम.एम.ए. माइक्रोकंप्यूटर, फॉस्ट एडी/डीए कांवर्टर, डी.डी.सी. मोटर मोड्यूल, कमांड पोटेन्टिओमीटर, एल.सी.आर.क्यू -टेस्टर, एस.सी.आर. फायरिंग यूनिट, इंडॉस्ट्रियल इलेक्ट्रनिक्स ट्रेनर के साथ ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (4 चैनल), एच.पी. कंप्यूटर (पेंटियम IV), मोशन कंट्रोल डेवलॉपमेंट किट, एमसीके240 डेवलॉपमेंट पैकेज के साथ किट, थ्यरिस्टर एंड मोटर कंट्रोल(मेक: फीडबैक, यू.के.) पावर स्कोप, ऑसिलोस्कोप (मेक-यूकोगवा), सी.ए.एस.पी.ओ.सी. सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, बेडफोर्ड एवं परालेल इंवर्टर ट्रेनर किट, नियंत्रण ट्रेनर किट के लिए माइक्रो कंट्रोलर बेस्ड फिरिंग सर्किट, यूनिवर्सल मोटर के स्पीड नियंत्रण के लिए एससीआर ट्रेनर किट का प्रयोग, 1-फेज कंट्रोल्ड रेक्टफाइअर के साथ कोलिन फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, 1-फेज कंट्रोल्ड रेक्टफाइअर के साथ रांप कोम्परेटर फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, आईजीबीटी विशेषताओं ट्रेनर किट, 1-फेज साइक्लो-कंवर्टर ट्रेनर किट, एसी मोटर के स्पीड कंट्रोल के लिए प्रयोग टीआरआईएसी ट्रेनर किट आदि हैं।

अंकीय इलेक्ट्रानिकी एवं शुक्ष्मअन्वेषक प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में माइक्रोप्रोसेसर प्रशिक्षण किट के जैसे डयना 8085, स्टॉर 85, वीपीएल 8086/8088, माइक्रो कंट्रोलर प्रशिक्षण किट जैसे वीएमसी-आईसीई31/51 एवं 80C196केसी, एडवांस हेंडी सिरियल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल एंड एनालोग आईसी टेस्टर, डाटा ऐक्विजिशनसॉफ्टवेयर, स्टॉडी कार्ड जैसे मेमोरी डिकोडर्स, यूसार्ट, प्रोग्रामर टाइमर, डीएमए, पीपीआई के साथ टाइमर एवं लैच कार्ड्स, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल टिचिंग सेट, रोबोटिक्स, थार्मोकॉपल, लोड सेल, एलवीडीटी एंड डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल, 485 प्रोटोकल बेस्ड डिस्ट्रीब्यूटड कंट्रोल सिस्टम, गैन मेशरिंगके साथ सुसज्जित हैं।

विद्युत अनुरक्षण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जो बिजली के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर पर्याप्त ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। इसमें उपकरणों की संख्या जैसे डोमेस्टिक रेफ्रिजरेटर, एयर कांडिशनर्स, गिड्रर्स, हीट कन्वेक्टर्स, टेबल एंड सिलिंग फेंस, वैक्यूआम क्लीनर, यूएएस सेट, वॉटर कोलार, हॉट प्लेट, इमर्शन हीटर, फिटिंग के साथ विभिन्न प्रकार के लैंप, ऑसिलस्कोप, ऑटोमोबाइल के बिजली के सर्किट के लिए मॉडल आदि हैं।

विद्युत कार्यशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जिनसे इलेक्ट्रिकल वेरिंग एवं इससे संबंधित गतिविधियों पर प्रशिक्षण एवं कुशलता की अपेक्षा की जाती है। यह प्रयोगशाला में मिनी लथे मशीन, विडिंग मशीन, ड्रिलिंग मशीन, वेरिंग प्रेकटिस के लिए विभिन्न प्रकार के क्यूबिकल, आवश्यक उपकरणों, टूल्स डिसप्ले बोर्ड, -1फेज एंड -3फेज ऊर्जा मीटर्स, चार्ट आदि के साथ सुसज्जित हैं।

परिपथ व अनुमापनप्रयोगशाला

वेभ एनाल्यजर, डॉबल चैनल रिकॉर्डर, एनालोग ऑसिलस्कोप, डीसी पॉवर सप्लाई यूनिट (0-300वी), डीसी पॉवर सप्लाई (0-60वी) एवं स्टोरेज एडप्टर, हवीटस्टोन ब्रिज, केलविन डॉबल ब्रिज, वीटीवीएम, इन्स्ट्रुमेंटेशन टूटर, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (2-चैनल), एचपी कंप्यूटर (पेन्टियम-III), एलसीआर-क्यू मीटर, मेगर आदि उपकरण इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

नियंत्रण व उपकरण प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में डीसी पोजिशन सर्वो ट्रेनर यूनिट, एसी सर्वो मोटर स्पीड/ टॉर्क कंट्रोस यूनिट, डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल यूनिट, मेग्नेटिक ऐम्प्लिफाइडर, सिन्क्रो ट्रांसमीटर एवं रिचिवर, एक्सपेरिमेंटल पीआईडी कंट्रोलर यूनिट, डिजिटल ऑन-ऑफ टेम्पेचर कंट्रोलर यूनिट, एनालोग एंड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (4-चैनल), ट्रेनिंग एवं डेवलपमेंट सिस्टम फॉर 8086, डाटा एक्यूजेशन ऑफ कंट्रोस सिस्टम, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल ट्रेनिंग सिस्टम, आईबीएम कंप्यूटर(पेन्टियम-III), सीए-06 डिजिटल मोटर, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल, डिस्ट्रिब्यूट कंट्रोल सिस्टम डीसीएस-5000, पीसी45/एमएल प्रोग्रैमबल कंट्रोल टिचिंग सेट, डिजिटल ट्रांसड्यूसर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन ट्रेनर, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल सिस्टम(सीए-04), रोटारी सार्वो 9 प्लांट(सार्वो 2) हैं।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

विभाग में पूर्वस्नातक विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इंटरनेट सुविधाओं के साथ 40 से अधिक कंप्यूटर द्वारा अच्छी तरह से सुसज्जित पीसी प्रयोगशाला है। सभी कंप्यूटरों में मैटलॉब, मॉल्टीजिम, पीएससीएडी आदि सॉफ्टवेयर में स्थापित किए गए हैं।

ऊर्जा प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा से संबंधित परीक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है। इस प्रयोगशाला उन्नत प्रयोगात्मक सामग्रियों जैसे फोटो वोल्टैक टेस्ट रिंग, फोटो वोल्टैक इलेक्ट्रिक जेनरेटर, एनेमोमीटर्स, सोलरीमीटर, आदि से सुसज्जित हैं। इसमें पीवी मॉड्युलस के प्लोट आई-वी कैरकैरिक्टिक्स, डिटरमाइल एफिसिएंसी ऑफ पीवी ड्रिवन वॉटर पॉम्पिंग सिस्टम आदि पर परीक्षण हो रहे हैं।

परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला

मुख्य रूप से स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं शोधार्थी मॉडलिंग और सिमुलेशन का काम इस प्रयोगशाला में कर रहे हैं। प्रयोगशाला में 4 जीबी रोम के साथ 20 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। अविरत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध होने कारण विद्यार्थी विभिन्न पत्रिकाओं/सम्मेलन पेपरों के साथ संस्थागत सॉब्सक्राइब साइटों जैसे आईईई एक्सप्लोर, साइंस डिरेक्ट, ईल्सेविर आदि का लाभ उठा सकते हैं। इसमें प्रिंटर, एलसीडी प्रोजेक्टर एवं एक स्केनर हैं, जिससे सेमिनार प्रस्तुतीकरण की तैयारी में सुविधा होती है।

अति वृहद समाकलन प्रयोगशाला

वी.एल.एस.आई. प्रयोगशाला में कैडेंस बंडल तथा मॅटर चित्रण -सह- विश्लेषण सॉफ्टवेयर की स्थापना की गई है।

4.6.4 छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं

बी. टेक/ डिप्लोमा परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्र	शिक्षक गण
1.	जल विद्युत प्रतिपादन प्रणाली का विश्लेषण	डी/15/ईई/26 डी/15/ईई/31	आचार्य सरसिंग गाओ
2.	औद्योगिक स्वचालन में पीएलसी का उपयोग	डी/15/ईई/04 डी/15/ईई/07 डी/15/ईई/10 डी/15/ईई/12	आचार्य ओ पी रॉय
3.	दृश्य सुगमता के लिए आईओटी आधारित प्रकाश नियंत्रक	डी/15/ईई/104 डी/15/ईई/206 डी/15/ईई/210 डी/15/ईई/01	एन एल मैथेई
4.	रैखिक और गैर-रेखीय भार के लिए सममित हाइब्रिड मल्टीलेवल इन्वर्टर का अध्ययन	डी/15/ईई/08 डी/15/ईई/11 डी/15/ईई/105	अखिलेश शर्मा
5	रैखिक और गैर-रेखीय भार के लिए विषम हाइब्रिड मल्टीलेवल इन्वर्टर का अध्ययन	डी/15/ईई/05 डी/15/ईई/06 डी/15/ईई/101	अखिलेश शर्मा
6	एक कुशल माइक्रोग्रिड प्रणाली का डिजाइन	डी/15/ईई/17 डी/15/ईई/15 डी/16/ईई/ 203	पी. देवचंद्र सिंह
7	चर गति 3-चरण प्रेरण जनरेटर का प्रदर्शन विश्लेषण	डी/15/ईई/ 110 डी/16/ईई/ 202	पी देवचंद्र सिंह
8	ताररहित पावर ट्रांसमिशन सिस्टम का अध्ययन	डी/15/ईई/ / 09 डी/15/ईई/ 14 डी/15/ईई/ 21 डी/17/ईई/ 02	एम डी सिंह

9	एक मीमो प्रणाली के लिए फजी लॉजिक आधारित नियंत्रक डिजाइन	डी/15/ईई/ 205 डी/17/ईई/ 03	पियाली दास
	ग्रामीण क्षेत्र के लिए माइक्रो ग्रिड प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण		पियाली दास
10	दूरस्थ क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा का तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता विश्लेषण	डी/15/ईई/ 19 डी/15/ईई/ 28 डी/16/ईई/ 204 डी/16/ईई/ 211	सोमीला हशुनाओ
11	उच्च विभव एसी केबल में विद्युत तनाव का विश्लेषण	डी/15/ईई/ 01 डी/15/ईई/ 108 डी/15/ईई/ 209	डॉ. ए. के. दास
12	मल्टीप्लायर का वीएलएसआई डिजाइन	डी/15/ईई/ 22 डी/15/ईई/ 207	टी. विमल प्रकाश
13	विकृति के लिए ईसीजी का विश्लेषण	डी/15/ईई/ 18 डी/15/ईई/ 27 डी/15/ईई/ 32 डी/15/ईई/ 106	टी. विमल प्रकाश
14	ग्रामीण क्षेत्र के लिए माइक्रोग्रिड का प्रदर्शन विश्लेषण	डी/15/ईई/ 15 डी/15/ईई/ 201 डी/15/ईई/ 208	पियाली दास

एम. टेक. परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	छात्र	शिक्षक गण
1.	प्रेरण जनरेटर का वेक्टर नियंत्रण नवीकरणीय बिजली उत्पादन अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त है		ए. के. सिंह
2.	माइक्रोग्रिड में उपयोग के लिए समानांतर संचालित तीन चरण स्व-उत्तेजित इंडक्शन जनरेटर का मॉडलिंग और प्रदर्शन विश्लेषण	डोमनी गमक (एमटी/17/पीएसई/03)	पीडी सिंह
3.	वितरित ऊर्जा संसाधनों का विश्लेषण	विभा बराह	सरस गओ
4.	ग्रामीण आबादी के लिए माइक्रो ग्रिड आधारित माइक्रो-हाइड्रो बिजली उत्पादन		ए के परिदा
5.	बहु प्रणाली के सर्वसम्मति उपयोग पर सर्वेक्षण	आर चौधरी	पियाली दास आर.के.मेहटा
6.	प्रोग्राम योग्य नियंत्रक आधारित कन्वेक्टर द्वारा नियंत्रण प्रणाली	हेग नान्या (एमटी/17/पीएसई/014)	ओपी रॉय
7.	बहु प्रणाली के सर्वसम्मति उपयोग पर सर्वेक्षण		पियाली दास

पीएच.डी. शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत शोध ग्रन्थ

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक	स्थिति
1	श्री एम डी सिंह	शक्ति गुणवत्ता सुधार हेतु कस्टम पावर डिवाइसेस	आचार्य आर के मेहता, आचार्य ए के सिंह	प्रस्तुत
2	रिनचिन मोसोबी पीएचडी (एफटी)/ 14/ईई/03	एकीकृत अक्षय ऊर्जा प्रणालियों की शक्ति गुणवत्ता विश्लेषण	आचार्य सरसिंग गाओ	उपाधि प्रदान की गई

4.6.5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

क्र.सं.	शीर्षक	समन्वयक	अवधि
1	खुले स्रोत ईडीए का उपयोग करने पर वीएलएसआई चिप डिज़ाइन पर एनकेएन पाठ्यक्रम	श्री टी वी पी सिंह नेरिस्ट	16 से 20 दिसंबर 2019 को नेरिस्ट में

4.6.6 संकाय सदस्यों की प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

शीर्षक	स्थान	समयांतराल	आयोजक
संकाय सदस्य का नाम: ओ पी रॉय			
संकेत प्रशसरण और अनुकूलन तकनीक में प्रगति	इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	3 जून - 7 जून 2019	नेरिस्ट
मेटलेब से इंजीनियरी नियंत्रण	विस्तार केन्द्र, महिला पोलेटेक्निक, बामुनी मैदान, गुवाहाटी	सितंबर 16- 20, 2019	एनआईटीटीआर कोलकाता
वीएलएसआई चिप डिजाइन सह उपयोग	इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	दिसंबर 16 - 20, 2019	राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमी
संकाय का नाम: श्री अखिलेश शर्मा			
समन्वयकों की कार्यशाला	नेरिस्ट	16 अप्रैल 19	भाप्रौसं मुंबई
डॉ. फेई गाओ द्वारा प्रस्तुत शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली का वास्तविक समय सरलीकरण प्रविधियाँ	वेबिनार	16 जनवरी 2020	आईईईईई

संकाय का नाम: श्री पी देवचंद्र सिंह			
राष्ट्रीय प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम	एनआईडीएम, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट में	27 फरवरी से 29 फरवरी 2020 तक	
आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी, स्मार्ट ग्रिड तथा नवीकरणीय ऊर्जा 2020	कोचीन, भारत, 2020	2 - 4 जनवरी 2020	
अनुसंधान, आविष्कार तथा अभिनव कांग्रेस-2019	किंग मोकुट टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, बैंकॉक, थाईलैंड	11 दिसंबर से 13 दिसंबर 2019	
खुला स्रोत ईडीए का उपयोग करके वीएलएसआई चिप डिजाइन	नेरिस्ट में भाप्रौसं गुवाहाटी द्वारा शीतकालीन एनकेएन कार्यक्रम	16 से 20 दिसंबर 2019	
शक्ति प्रणाली इंजीनियरी पर कार्यशाला	टिक्युप-III एनआईटी अरुणाचल	21 वीं - 25 वीं अक्टूबर 2019	
उच्च विभव और शक्ति प्रणाली इंजीनियरी में हाल के रुझानों पर कार्यशालाएं	टिक्युप-III एनआईटी अरुणाचल	26 से 30 अगस्त 2019	
स्मार्ट ग्रिड के परिचय पर एनपीटीईएल-एआईसीटीई संकाय विकास कार्यक्रम	स्वयंम-अभातशिप	जुलाई-सितंबर 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
इंजीनियरिंग शिक्षा में परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के मूल सिद्धांत	स्वयं-एआईसीटीई	अप्रैल-मई 2019	तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम- III प्रायोजन के तहत
प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत और कंप्यूटर तकनीकी में अग्रिम 2019	कोयंबटूर, तमिलनाडु	26 -27 अप्रैल 2019	भाप्रौसं बॉम्बे, शिक्षक शिक्षण केंद्र

संकाय का नाम: श्रीमती एस हशुनाओ			
व्यवहार पुनस्थापन एवं अनुसंधान पद्धति		01 - 05 अप्रैल, 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, भाप्रौसं, गुवाहाटी
ओपन सोर्स ईडीए के उपयोग से वीएलएसआई चिप डिज़ाइन		16 - 20 दिसंबर, 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, भाप्रौसं, गुवाहाटी
शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया तथा संस्थान के लिए आईसीटी उपकरण		जनवरी 13- 17, 2020	इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, भाप्रौसं, गुवाहाटी
आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण		27 - 29 फरवरी, 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारत सरकार के सहयोग से
संकाय का नाम: डॉ ए के दास			
समन्वयकों की कार्यशाला	नेरिस्ट	16 अप्रैल 2019	भाप्रौसं बॉम्बे, शिक्षक शिक्षण केंद्र
संकाय का नाम: सुश्री पियाली दास			
आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण		27 - 29 फरवरी, 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारत सरकार के सहयोग से
ओपन सोर्स ईडीए के उपयोग से वीएलएसआई चिप डिज़ाइन		16 - 20 दिसंबर, 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, भाप्रौसं, गुवाहाटी
व्यवहार पुनस्थापन एवं अनुसंधान पद्धति	आईआईटी गुवाहाटी	1 अप्रैल 5 अप्रैल 2019	इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, भाप्रौसं, गुवाहाटी
संकाय का नाम: डॉ. ए. परिदा			
एमओओसी आधारित ई-सामग्री का डिज़ाइन और विकास	एनआईटीटीआर कोलकाता	02/02/2020- 14/02/2020	एनआईटीटीआर कोलकाता

संकाय का नाम: एम डी सिंह			
आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण		27 - 29 फरवरी, 2020	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारत सरकार के सहयोग से

4.6.7. संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता

नई उपाधि / व्यावसायिक सदस्यता	संकाय सदस्य
आईईईई (पीईएस एवं डीईआईएस) के सदस्य	डॉ ए के दास
आईईटी के सदस्य	डॉ ए के दास
आईएसटीई जीवन सदस्य	डॉ ए के दास
आईईआई के सदस्य	डॉ ए के दास
सदस्य आईईईई	श्री अखिलेश शर्मा
सदस्य आईएईएनजी	श्री अखिलेश शर्मा
आईईईई औद्योगिक अनुप्रयोग सोसायटी के सदस्य 93314064	श्री पी देवचंद्र सिंह
आईआई (आई) की जीवन पर्यन्त सदस्यता	डॉ ए के सिंह
आईएसटीई की जीवन पर्यन्त सदस्यता	डॉ ए के सिंह
आईईटीई की जीवन पर्यन्त सदस्यता	डॉ ए के सिंह
आईईईई सदस्यता 2019-20	सुश्री पियाली दास

4.6.8 संकाय सदस्य द्वारा अर्जित / पुरस्कार / मान्यता

- श्री पी देवचंद्र सिंह ने आईईईई सम्मेलन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा -2019 में भाग लेने के लिए आईईईई -आएएस यात्रा व्यय पुरस्कार प्राप्त किया है। कोचीन, केरल।

4.6.9 बाह्य निकायों द्वारा विभाग के संकाय सदस्यों को स्वीकृत परियोजनाएं

- परियोजना का शीर्षक: उच्च विभव ट्रांसफार्मर में प्रयोग के लिए नारियल तेल का मूल्यांकन: नारियल विकास बोर्ड, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कोच्चि (भारत)
मुख्य अनुसंधान कर्ता: डॉ. अनु कुमार दास
स्वीकृति की तिथि: 11.04.2019, कुल राशि: ₹ 27.98 लाख, फंड प्राप्त: ₹ 13.99 लाख
- एनएमएचएस, भारत सरकार 2018-03 से 2020-03, अनुदान: ₹.40.6 लाख,
जीबीपीएनआई/ एनएमएचएस-2017-18/एसजी-15 दिनांक 28-03-2018,
सह अनुसंधान कर्ता: डॉ. ए के परिदा

3. दिनांक 24-01-2020 पर डीएसटी/सीड/टीआईटीई/001/2017 अपग्रेड किया गया। रू. 47 लाख मुख्य अनुसंधान कर्ता: डॉ ए के परिदा

4.6.10 प्रकाशन

(ए) संदर्भित जर्नल

1	दास, पी, मेहता, आर के एवं रॉय, ओ पी "एमआईएमओ प्रणाली में लागू एलक्यूआर नियंत्रण के पूर्व-प्रतिष्ठित प्रदर्शन के लिए अनुकूलित तरीके"। इंटर. जे. डायनाम कंट्रोल 7, 1501-1520 (2019)। https://doi.org/10.1007/s40435-019-00587-w
2	एस चौधरी, ए परिदा, आर एम पंत, एस चटर्जी, जीआईएस ने माइक्रो-हाइड्रो विद्युत जनरेशन प्रणाली की प्राथमिकता वाली स्थान चयन के माध्यम से ग्रामीण क्लस्टर विद्युतीकरण के लिए कम्प्यूटेशनल खुफिया तकनीक का संवर्धन; अक्षय ऊर्जा, 142, 487-496.2019
3	ए परिदा, डी चटर्जी; उपयुक्त सौर पीवी संवर्धित माइक्रो के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्र की बिजली आपूर्ति-हाइड्रो जेनरेशन: एक अध्ययन; विद्युत ऊर्जा प्रणालियाँ, e12247; 2019
4	एम. देबेन सिंह, आर के मेहता, ए के सिंह, "साधारण नियंत्रण रणनीतियों के साथ बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए वर्तमान स्रोत कनवर्टर के आधार पर यूपीक्यूसी का प्रदर्शन मूल्यांकन", जर्नल इलेक्ट्रिकल सिस्टम, अंक 15 (2), पृष्ठ 276-290, जून 2019, फ्रांस।
5	सिंह, पुखरंभम देवचंद्र एवं सरसिंग गाओ "फजी आधारित एसी-डीसी-एसी कनवर्टर नियंत्रित सुदूर क्षेत्रों के लिए समानांतर अतुल्यकालिक जनरेटर का उपयोग कर माइक्रो हाइड्रो अक्षय शक्ति पावर जेनरेशन नियंत्रण।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च, अंक 10, संख्या 1, 2020, पृष्ठ 260-274 (ईएससीआई और स्कोपस)
6	सिंह, पी डी, अजय उपाध्याय, माइकल सिमटे, एवं हिसनम जिम्ब्रोन सिंह, "एक स्थानीय क्षेत्र के लिए एक कुशल माइक्रोप्रिड सिस्टम का डिजाइन।" इंटरनेशनल जर्नल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अंक 10, संख्या 3, 2019: पृष्ठ 64-72 डीओआई: 10.34218/IJEET.10.3.2019.008 (युजीसी सूचीबद्ध)
7	सिंह, पी डी, अजय उपाध्याय, माइकल सिमटे, एवं ए. सान्याल "ग्रिड से जुड़े माइक्रोग्रिड प्रणाली का डिजाइन और प्रदर्शन विश्लेषण" अंतर्राष्ट्रीय जर्नल इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, अंक 8, संख्या 3, 2019: पृष्ठ 78-82 (युजीसी केयर सूचीबद्ध)
8	अखिलेश शर्मा एवं विकास पांडे, "गैर-रैखिक और गतिशील भार के लिए एकल चरण असममित हाइब्रिड मल्टीलेवल इन्वर्टर के लिए पीडब्लूएम तकनीक", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग (आईजेआरटीई), आईएसएसएन: 2277-3878, अंक-8 संख्या 3, सितंबर 2019. पृष्ठ संख्या: 7713-7716; डीओआई: 10.35.940 / IJRTE.C6280.098319
9	मुर्मू, राजेंद्र एवं सिंह अरविंद कुमार, "एफपीजीए की स्थाई चुम्बक सिंक्रोनाइज्ड मोटर का पीआई फ़ज़ी लॉजिक कंट्रोलर से गति नियंत्रण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाल टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग आईएसएसएन: 2277-3878, संख्या-8 अंक- 6, मार्च 2020 पृष्ठ 5317-5321
10	मुर्मू, राजेंद्र और एवं अरविंद कुमार, "पीआई और पीआई-फ़ज़ी लॉजिक नियंत्रक एफपीजीए आधारित स्थायी चुंबक तुल्यकालिक मोटर ड्राइव का प्रदर्शन मूल्यांकन", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईजेईटी) आईएसएसएन: 2227-580X, अंक-9 (2) 2020), पृष्ठ 410-414

11	देबाशीष पाल, शिव कुमार भगत " नेटवर्क नियंत्रित प्रणाली (एनसीएस) का सरलीकृत इंटीग्रेटेड फ़ज़ी लॉजिक पीआईडी नियंत्रक।" यूनिवर्सल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 2019, अंक 6.5ए, पृष्ठ 31-41. डीओआई: 10.13189/ujeee.2019.061504
12	देबाशीष पाल एवं एस के भगत, "डिज़ाइन और विश्लेषण अनुकूलन आधारित एकीकृत एएनआईआईएस-पीआईडी नियंत्रक के लिए नेटवर्क नियंत्रित प्रणाली (एनसीएस)," कोर्जेट इंजीनियरिंग, 2020, अंक 7 (1), पृष्ठ 1-21। डीओआई:10.1080 / 23311916. 2020. 1772944।
13	दास, पियाली, मेहता, राम कृष्ण एवं रॉय, ओम प्रकाश, एक बहुपरिवर्तिय प्रणाली में एक एस्टीमेटर डिज़ाइन के लिए एंटी-विंडअप फेनोमेनन का अनुप्रयोग (19 नवंबर, 2019) एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3489698 http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3489698

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

1	सुमन यादव एवं आर के मेहता, "शक्ति ट्रांसफॉर्मर वाइंडिंग पर लघु परिपथ का एफईएम आधारित अध्ययन", आरडीसीएपी- 2019, 10 अक्टूबर, 2019 में प्रस्तुत
2	सुमन यादव एवं आर के मेहता, " लघु परिपथ दोष के दौरान विद्युत ट्रांसफार्मर की उच्च विभव घुमावदार पर विद्युत चुम्बकीय बलों का अध्ययन", आईसीई2एम 2019, 10 अक्टूबर, 2019 को प्रस्तुत
3	आर सिंह, ए के सिंह, यू भट्टाचार्जी (2019), "अनियंत्रित वातावरण में फीचर ग्राही तकनीकों का प्रदर्शन," आईईईई आईसीईआईसी सम्मेलन (स्कोपस), (स्वीकृत व ऑनलाइन प्रतीक्षित)
4	सिंह, ए के, "विश्लेषण वितरण लाइन में स्टाकोम का विश्लेषण" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संख्यात्मक विश्लेषण और गणित 2019, शेरेटन होटल, रोड्स, ग्रीस 23-28 सितंबर 2019
5	संदीप कु सिंह, त्रिपुरारी शरण, अरविंद कु सिंह, "विभिन्न आकार और सबस्ट्रेट सामग्रियों का एक कॉपलनार वेवगाइड-फेड संकेतग्राही तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण," सामग्री आज: कार्यवाही (विज्ञान प्रत्यक्ष), आईएसएसएन 2214-7853, 2020, डीओआई: https://do.org.org/10.1016/j.matpr.2020.03.1331
6	आर सिंह, यू भट्टाचार्जी, ए के सिंह, एम मिश्रा (2020), "एसवीएम-जीएमएम आधारित ध्वनी प्रसारक प्रणाली पर शोर के स्तर का प्रभाव," लेक्चर नोट्स इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर बुक सीरीज, स्कोपस, (स्वीकृत))
7	आर सिंह, ए के सिंह, यू भट्टाचार्जी (2020), "अलग-अलग शोर स्तरों के लिए कर्नेल फंक्शन दृष्टिकोण का उपयोग करके ध्वनी प्रसारक मान्यता प्रणाली का प्रदर्शन," लेक्चर नोट्स इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर बुक सीरीज़, स्कोपस), (स्वीकृत)
8	आर सिंह, यू भट्टाचार्जी, ए के सिंह (2019), "वक्ता सत्यापन के लिए वर्णक्रमीय विशेषताओं का विश्लेषण," आईईईईआईसीईआईसी सम्मेलन (स्कोपस), (स्वीकृत व ऑनलाइन प्रतीक्षित)

9	संदीप कु. सिंह, त्रिपुरारी शरण, अरविंद कु. सिंह, "यूडव्लूसी अनुप्रयोगों के लिए कॉम्पैक्ट मल्टी-बैंड आयताकार माइक्रो पट्टी संकेतग्राही," आईओपी सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और अभियंत्रिकी, 594 (2019) 012028, डीओआई: https://doi.org/10.1088/1757-899X/594/1/012028
10	आर सिंह, यू भट्टाचार्य, ए के सिंह, एम मिश्रा (2020), "एसवीएम-जीएमएम आधारित ध्वनी विस्तारक मान्यता प्रणाली पर शोर के स्तर का प्रभाव," लेक्चर नोट्स इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर बुक सीरीज, स्कोपस, (स्वीकृत))
11	अखिलेश शर्मा, दीपक सिंह, विकास पांडे एवं एस गाओ, "जेनेटिक एलगोरिदम और एनआर-विधि का उपयोग करते हुए कैस्केड एच-ब्रिज एमएलआई के लिए चयनात्मक हार्मोनिक उन्मूलन", गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत और इलेक्ट्रॉनिकी अभियंत्रिकी। भारत, 14-15 फरवरी 2020
12	पी डी सिंह एवं एस गाओ, "एसी-डीसी-एसी कन्वर्टर और वैरिएबल टर्बाइन के साथ समानांतर असिंक्रोनस जेनरेटर का उपयोग करके माइक्रो हाइड्रो पावर जनरेशन की एक नई योजना," आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी, स्मार्ट ग्रिड सह उर्जा आकलन, कोचीन, 2020, भारत, 2020, पृष्ठ 1-6, 10.1109/PESGRE45664.2020.9070651
13	पी डी सिंह एवं एस गाओ, "डी-एसटेकॉम एक नए माइक्रो हाइड्रो पावर जनरेशन स्कीम के लिए वोल्टेज कम्पेंसेटर आधारित सुदूर क्षेत्रों की आपूर्ति," अनुसंधान, आविष्कार और नवाचार कांग्रेस-2019, बैंकॉक, थाईलैंड, 2019, पृष्ठ 1-6, 10.1109/RI2C48728.2019.8999921
14	पी देवचंद्र सिंह एवं एस गाओ, "पीडब्लू कनेक्टेड हाइड्रो पावर जेनरेशन विथ वैरिएबल टर्बाइन इनपुट विद पीडब्लूएम बेस्ड एसी-डीसी-एसी कन्वर्टर", प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत एवं कंप्यूटर तकनीकी के वर्तमान आयाम, कोयंबटूर, 26-27 अप्रैल 2019, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर प्रकाशक में व्याख्यान नोट।
15	भद्र नोरेम, रॉबर्ट सिंह, पी डी एवं प्रकाश सिंह, टी विमल, " होमर सॉफ्टवेयर उपयोग करने वाले संस्थानों हेतु ग्रिड-सम्पर्क युक्त माइक्रोग्रिड प्रणाली" (10 जनवरी, 2020), 5वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल की कार्यवाही नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत। एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3517384 या http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517384
16	ओयंग दोसो तथा सरसिंग गाओ, "वैकल्पिक पनबिजली विद्युत उत्पादन" आईईईई आईसीपीईडीसी सम्मेलन, 20-23 अगस्त, 2019 डीओआई: 10.1109/ICPEDC47771.2019.903652323
17	ओसिंग दोसो एवं सरसिंग गाओ, "कैस्केड सवोनियस टर्बाइन का उपयोग करके जल विद्युत" आईईईई आईसीएईईएसई सम्मेलन, नव 2-3, 2019
18	ओइंग दोसो एवं सरसिंग गाओ, " सवोनियस रोटर पर एक विवेचना", आईसीएमएमआई, एआईपी सम्मेलन, 6-7 2019
19	ओसिंग दोसो एवं सरसिंग गाओ, "कैस्केड सवोनियस रोटर आधारित हाइड्रोकाइनेटिक शक्ति प्रणाली की बिजली की गुणवत्ता में सुधार", ईएसआईसी सम्मेलन, मार्च 2-4 2020

20	लिनथोयंबी चानू, नेमिरकपम एवं दिनमणि सिंह, अहिबम और लॉयलकल्पा मीती, एन, क्यूएएम वन वेव डिफ्यूज्ड पावर फिडिंग चैनल (9 जनवरी, 2020) का प्रदर्शन विश्लेषण। 5वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर एवं प्रबंधन कौशल की कार्यवाही नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3516705 या http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3516705
21	एन एल मेथेई, आर के मेहता एवं के वेनजेनबन, " तार रहित संवेदी हेतु दृश्य सुगमता," 2019 रिसर्च, अनुसंधान, आविष्कार और नवाचार कांग्रेस-2019, बैंकॉक, थाईलैंड, 2019, पृष्ठ 1-5, डीओआई: 10.1109 / I RI2C48728.2019.8999897
22	एन एल मीतेई एवं आरके मेहता, " दृश्य सुगमता के लिए फ़ज़ीफ़ाइड लक्स वैल्यू चयन प्रकाश नियंत्रक," 4वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना, संचार एवं तकनीकी में वर्तमान रुझान (आरटीईआईसीटी), बेंगलोर, भारत, 2019, पृष्ठ 380-386, डीओआई: 10.1109 / RTEICT46194.2019.9016932
23	कुमार, विनोद एवं रॉय, ओम प्रकाश, "इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं वीओआईपी हेतु तदर्थ नेटवर्क आधारित उर्जा दक्ष प्रविधि" 5वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल-की कार्यवाही नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, (9 जनवरी, 2020) एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3516707 या http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3516707
24	दास पी, भूटिया पी आर, मेहता आर के, रॉय ओपी (2020) "फज़ी लॉजिक नियंत्रक का उपयोग करके द्वि रोटार एमआईएमओ प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण"। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रौद्योगिकी में वर्तमान चुनौतियों के लिए सतत और अभिनव समाधान -2019। की कार्यवाही, अंक 13. स्प्रिंगर, डीओआई https://doi.org/10.1007/978-3-030-44758-8_13 आईएसबीएन मुद्रण 978-3-030-44757-1, ऑनलाइन आईएसबीएन 978-3-030-44758-8
25	दास, पियाली, मेहता, राम कृष्ण एवं रॉय, ओम प्रकाश, "भिन्न क्रम सक्रिय डिस्टर्बेंस अस्वीकार्यता नियंत्रक का उपयोग कर एक अरेखिय मीमो प्रणाली का स्थिरता विश्लेषण" 5वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल-की कार्यवाही नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, भारत, एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3517372 या http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517372
26	गौरव कुमार सुमन, सुमन यादव, ओम प्रकाश रॉय, "प्रयोगशाला सुविधा के लिए एक पीवी / डीजल / बैटरी हाइब्रिड सरलीकृत प्रणाली"। आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऊर्जा, पर्यावरण एवं सामग्री विज्ञान -2019
27	जी के सुमन एवं ओपी रॉय, " ग्रामीण क्षेत्र के लिए माइक्रोग्रिड प्रणाली तथा मेटलेब का उपयोग करके इसका होमर अनुकूलित मॉडल विश्लेषण," तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, स्वचालन और शक्ति अभियंत्रिकी में हालिया विकास-2019, नोयडा, भारत, 2019, पृष्ठ 534-539, डीओआई: 10.1109 / RDCAPE47089 2019.8979097

28	शुभम, सौरभ प्रकाश रॉय, आर के मेहता एवं डॉ ओ पी रॉय, "प्रतिक्रिया नियंत्रक डिजाइन का उपयोग करते हुए दो क्षेत्र प्रणाली का कम करने की आवृत्ति विचलन" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑकडा विज्ञान और अनुप्रयोग- 2019 की कार्यवाही में प्रकाशित, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा और कौटिल्य तकनीकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान, जयपुर, भारत संयुक्त रूप से आयोजित 02-03 दिसंबर, 2019
29	शुभम, सौरभ प्रकाश रॉय, आर के मेहता एवं डॉ ओ पी रॉय, "पूर्ण राज्य प्रतिक्रिया नियंत्रक डिजाइन का उपयोग करते हुए दो क्षेत्र प्रणाली की आवृत्ति विचलन" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ऑकडा विज्ञान और अनुप्रयोग- 2019 की कार्यवाही में प्रकाशित, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा और कौटिल्य तकनीकी एवं अभियांत्रिकी संस्थान, जयपुर, भारत संयुक्त रूप से आयोजित 02-03 दिसंबर, 2019
30	कुमार ए एवं भगत एस के, "आईईईईई -9 बस प्रणाली के लिए लायपुनोव फंक्शन का उपयोग करके स्थिरता विश्लेषण का अध्ययन," आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईसीसीटी-2019, 20-22 फरवरी, 2019, चेन्नई, भारत।
31	पाल डी, शाह डी एवं भगत एस. के., "विभिन्न उत्परिवर्तन तकनीकों के साथ जेनेटिक प्रविधि आधारित डिजाइन सबसे छोटा पथ रूट," आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईसीसीटी-2019, 20-22 फरवरी, 2019, चेन्नई, भारत, डीओआई: 10.1109 / ICECCT.2019.8.8919199
32	पाल डी एवं भगत एस के, "ताररहित संवेदी नेटवर्क में एक कुशल फजी आधारित क्लस्टर रूट प्रोटोकॉल का डिजाइन," आईईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीईसीसीटी-2019, 20-22 फरवरी, 2019, चेन्नई, भारत, डीओआई: 10.1109 / ICECCT.2019.8869243
33	निंगोबम एच, रॉय ओ पी (2020) " टी फार्मिंग आधारित ताररहित संवेदी नेटवर्क हेतु स्वचालन डिजाइन की क्रमबद्ध प्रविधि । (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन नविन संचार तकनीकी- 2019), नेटवर्क और प्रणाली पर व्याख्यान नोट, खंड 98, स्प्रिंगर, डीओआई https://doi.org/10.1007/978-3-030-33846-6_33 , आईएसबीएन प्रिंट -978-3-030-33845-9, ऑनलाइन आईएसबीएन -978-3-030-33846-6
34	ए सान्याल, पी दास, जे ताबाह, "अरुणाचल प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों के लिए लागत प्रभावी मॉडल का डिजाइन और विश्लेषण," अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अग्रिम -2020, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात, 2020। पृष्ठ 1-6, डीओआई: 10.1109/ ASET483922020. 9118261
35	पियाली दास, रश्मि चौधरी, अभिषेक सान्याल, "स्मार्ट ग्रिड सिस्टम के लिए मल्टी-एजेंट प्रणाली नियंत्रण पर समीक्षा प्रतिवेदन" (10 जनवरी, 2020), 5वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल-2019 की कार्यवाही। नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, एसएसआरएन पर उपलब्ध: https://ssrn.com/abstract=3517356 या http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517356
36	पियाली दास, राम कृष्ण मेहता, ओम प्रकाश रॉय, "तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण एक घूर्णी इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम के लिए ईएसओ ऑप्टिमल कंट्रोलर का उपयोग", आईलीईईईएसई-2019, नवंबर 2019 में गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम, भारत।

37	दास पी, भूटिया पीआर, मेहता आर के, रॉय ओ पी (2020) "फ्यूजन लॉजिक नियंत्रक का उपयोग करके ट्विन रोटर एमआईएमओ सिस्टम का प्रदर्शन विश्लेषण", आईसीएसआईएससीईटी-2019 की कार्यवाही, अंक 13. स्प्रिंगर, चाम
----	---

(ग) पुस्तकें / पुस्तक अध्याय:

दास पी, मेहता आर के, रॉय ओ पी (2020) रेखीय द्विघात नियामक नियंत्रक का उपयोग करते हुए यॉत्रिक रोटरी प्रणाली का प्रदर्शन विश्लेषण।

सम्पादक: सिंह एस, पांडे आर, पाणिग्रही बी, कोठारी डी, एडवांसेज इन पावर एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग ।

पुस्तक का नाम - विद्युत अभियॉत्रिकी में व्याख्यान नोट, अंक 609, स्प्रिंगर, सिंगापुर,

https://doi.org/10.1007/978-981-15-0313-9_16

4.6.11 बाह्य निकायों के साथ संकाय सदस्यों / विभाग की सहभागिता

आचार्य एस गाओ	<ul style="list-style-type: none"> समीक्षक, आईईई, आईईटी पत्रिकाएँ, आईई(आई) सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, राष्ट्रीय परिसंघ वहनिय उर्जा सह पर्यावरण 2017, 9-10 मार्च, 2017, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत।
डॉ ए के परीदा	<ul style="list-style-type: none"> समीक्षक, आईटी पत्रिकायें समीक्षक, आईईई समीक्षक, एल्सेवियर पत्रिकायें समीक्षक, टी एंड एफ पत्रिकायें
सुश्री पी दास	<ul style="list-style-type: none"> समीक्षक आईई(आई) जर्नल शोध मूल्यांकन, यूटीएस, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
आचार्य ए के सिंह	<ul style="list-style-type: none"> तकनीकी संस्थान में स्कूटनी कमेटी में सदस्य के रूप में सेवा दी/ एआईसीटीई, कानपुर (एआईसीटीई - उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर) में नया कार्यक्रम जोड़ा।
श्री एन एल मीतेई	<ul style="list-style-type: none"> नेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से उद्यमता केन्द्र, राजीव गांधी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान।

4.6.12 परामर्शी परियोजनाएँ

- विभाग के संकाय सदस्य अरुणाचल प्रदेश सरकार के पीजीसीआईएल, एनईईपीसीओ और नोडल एजेंसियों के साथ परामर्श सेवाओं के साथ-साथ बेहतर संस्थान-उद्योग संपर्क में सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं।

4.6.13 छात्रों की उपलब्धियां / नियोजन / उच्च अध्ययन

नियोजन			
क्र.सं.	नाम	रोल क्रमांक	प्रतिष्ठान
1	कारसेन लुसी तनिम	डी / 15 / ई / 004	इंफोसिस
2	संगीता सैकिया	डी / 15 / ई / 011	पीजीसीआईएल
3	हिसनम जिम्ब्रोन सिंह	डी / 15 / ई / 014	बीसीपीएल
4	रोमी कीनो	डी / 15 / ई / 018	पीजीसीआईएल
5	लाइपिनटंगेन खरबनी	डी / 15 / ई / 032	एमईसीएल
6	संजीव कुमार सोनी	डी / 15 / ई / 101	पीजीसीआईएल
7	पेमा सोनम भूटिया	डी / 15 / ई / 105	पीजीसीआईएल
8	अभिषेक कुमार	डी / 15 / ई / 108	पीजीसीआईएल
9	श्री वैभव श्रीवास्तव	डी / 16 / ईई / 001	वेदांत और इन्फोसिस
10	श्री कौस्तव सिंह	डी / 16 / ईई / 002	गो स्पीडी गो
11	सुश्री चोनचुरीन अवांग्शी	डी / 16 / ईई / 014	पाई इन्फोकॉम और गो स्पीडी गो
12	सुश्री जूही	डी / 16 / ईई / 107	गो स्पीडी गो
13	श्री तन सेर	डी / 16 / ईई / 012	पाई इन्फोकॉम
14	सुश्री प्रियंका पाटिल	डी / 16 / ईई / 106	गो स्पीडी गो
15	श्री मायांगलाम्बम गोबिन सिंह	डी / 16 / ईई / 008	गो स्पीडी गो
16	श्री मणिकांत प्रसाद	डी / 16 / ईई / 003	गो स्पीडी गो
17	डोनकुपर खरसावा	डी / 16 / ईई / 204	एमईसीएल
18	रौनक साहू	डी / 16 / ईई / 205	एईजीसीएल
उच्च अध्ययन			
1	अन्तर	डी / 15 / ई / 010	एनआईटी, मिजोरम
2	अजय उपाध्याय	डी / 15 / ई / 017	एमई, होचस्चुले स्ट्रेलसंड यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस, जर्मनी
3	लिया नगुरी	डी / 15 / ई / 019	एम.टेक, नेरिस्ट
4	पुष्पल मन्ना	डी / 15 / ई / 005	एम.टेक, नेरिस्ट

4.6.14 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

विभाग के संकाय सदस्य भी संस्थान में अतिरिक्त जिम्मेदारियां निर्वाह कर रहे हैं।

1. आचार्य एके सिंह, केंद्रीय टाइम टेबल समिति के अध्यक्ष हैं।
2. डॉ एम डी सिंह कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस सेल, एनईआरआईएसटी के रूप में कार्यरत हैं।
3. श्री पी डी सिंह कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस सेल, एनआईआरआईएसटी के रूप में कार्यरत हैं।
4. श्री ए शर्मा वार्डन, छात्रावास ब्लॉक ई, एनईआरआईएसटी के रूप में काम कर रहे हैं।

5. सुश्री पी दास कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस सेल, एनआईआरआईएसटी के रूप में कार्यरत हैं।
6. सुश्री पी दास वार्डन, कन्या छात्रावास के रूप में कार्यरत हैं।
7. आचार्य एस गाओ, परीक्षा नियंत्रक के रूप में कार्यरत हैं।
8. श्रीमती एस हसुनाओ एससी / एसटी सेल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
9. श्री एन एल मैथेई विभागीय स्वचालन समन्वयक के रूप में काम कर रहा है।
10. आचार्य एस के भगत विभागाध्यक्ष (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग) के रूप में कार्यरत हैं।
11. श्री टी वी पी सिंह एनबीए के समन्वयक, (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग) हैं।

4.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

4.7.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम सन् 1986 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। यह विभाग संस्थान की मोड्युलर पध्ति से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, उपाधि तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग तीन विशेष क्षेत्रों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चला रहा है: यथा-शीतलन एवंवातानुकूलन, शिल्पकार एवं मोटर वाहन अनुरक्षण। तदनुसार यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा, बी. टेक. डिग्री तथा एम. टेक. डिग्री की शिक्षा प्रदान कर रहा है। सन् 2006 से यह विभाग एम. टेक. स्तर पर विशिष्ट विषय कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन तथा द्रव अभियांत्रिकी में विशिष्टता प्रदान की जा रही है तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग मे इस समय 220 विद्यार्थी है, जिनमें 22 अनुसंधान छात्र, 12 एम.टेक. छात्र सामिल है। विभाग ने 2+1 डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का निष्पादन किया है, जिसे अगले शिक्षा सत्र से लागू किया जायेगा। इस समय विभाग के सभी मोड्युल्स में मिलाकर कुल 125 पाठ्यक्रम और 30 परियोजनाएं प्रत्येक वर्ष चल रही हैं। संकायो सदस्यों की उपलब्धता के आधार पर यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए विशेष और उभरते क्षेत्र में वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

विभाग का विजन और मिशन

विजन

- पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे देश के योग्य युवाओं को सही राह दिखाकर उनकी योग्यता में निखार लाते हुए वैश्विक मानकों और मांग को ध्यान में रखकर उपयुक्त मानव संसाधन विकसित करने के लिए शिक्षा और शोध के माध्यम से यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एक मुकाम हासिल करना।

मिशन

- शिक्षण ज्ञान और अभ्यास के माध्यम से सभी को समान महत्व देते हुए यांत्रिक अभियांत्रिकी में संतुलित शिक्षा देने के उद्देश्य से उचित परिवेश का निर्माण।
- शोध का श्रेष्ठ केंद्र निर्माण करना जो विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य और आजीवन अनुभव के लिए प्रेरणा का स्रोत हो।
- देश में, विशेषकर पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का सृजन करना जो तकनीकी रूप से सक्षम हो।

4.7.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ:

बी.टेक. कार्यक्रम के अलावा विभाग दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (I) कंप्यूटर आधारित उत्पादन व स्वचालन (सीआईएमए) में एम.टेक और (II) उष्ण द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक. चला रहा है। पारंपरिक शिक्षण प्रविधियों के अतिरिक्त चयनित विषयों में विभाग अपने संगोष्ठी कक्ष में दृश्य-श्रव्य ई-लर्निंग सी.डी. के माध्यम से कक्षाएं भी आयोजित करता है। पाठ्यक्रम के विषयों अथवा पाठ्यक्रम के क्रेडिट वितरण व्यवस्था को सरल और कारगर बनाने के लिए कई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। विद्यार्थियों के लिए नवीन और ज्ञान के उभरते क्षेत्रों से संबंधित विषय वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रमाणपत्र और डिग्री कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शामिल हैं।

विभाग के छात्र संस्थान स्तर पर विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा खेल गतिविधियों जैसे रेकफ, सृष्टि आदि के आयोजन सह भाग लेने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। छात्रों को भारत के विभिन्न अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

नेरिस्ट के संकाय, स्टाफ तथा विद्यार्थियों का संयुक्त मंच नेरिस्ट यांत्रिक संस्था (एमएएन) ने विभाग से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक मामलों के हल के लिए एक मंच प्रदान किया। इस संस्था ने नेरिस्ट के छात्रों, विशेषकर यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए व्याख्यान शृंखला, नकली साक्षात्कार, तकनीकी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया। नेरिस्ट के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद संबंधी आयोजनों यथा: आरएसीएएफ, सृष्टि आदि में विभाग के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। भारत के अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

4.7.3 प्रयोगशालाओं और प्रयोगशाला विकास

विभाग में यांत्रिक अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों की पंद्रह (15) प्रयोगशालाएं, 1 सभागार और कार्यशालायें कार्यरत हैं, जिनमें छात्र प्रयोगों का और उनके परिणामों का विश्लेषण करके अपने अध्ययन के व्यावहारिक पहलुओं का अध्ययन करते हैं। इन सभी सुविधाओं का उपयोग प्रमाण पत्र डिप्लोमा व डिग्री के छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, कुछ प्रयोगशाला उपकरणों का उपयोग पीएच.डी. अनुसंधान विद्वानों द्वारा उनकी अनुसंधान गतिविधियों के लिए किया जाता है। कुछ प्रयोगशालाएं मुख्य रूप से अनुसंधान कार्यों के लिए समर्पित हैं।

विभाग हर साल नए प्रयोगशाला उपकरणों को शामिल करने के साथ अपनी प्रयोगशालाओं का उनयन करता है। चालू वर्ष (2019-2020) के दौरान खरीदे गए नए उपकरणों की सूची नीचे सूचीबद्ध है। इसके अलावा प्रयोगशालाओं और कार्यशाला उपकरणों के रखरखाव के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं की रखरखाव गतिविधियों को संचालन किया गया था। यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के तहत केंद्रीय कार्यशालाओं का निर्माण अंतिम चरण में है।

क्र.स.	प्रयोगशाला का नाम	नए उपकरण शामिल
1	द्रव शक्ति नियंत्रण एवं स्वचालन	बर्नौली उपकरण और ऑरिफिस उपकरण।
2	वातानुकूलन एवं शितलन प्रयोगशाला	डेजर्ट एयर कूलर, एयर कंडीशनर (2) और रेफ्रिजरेटर
3	गतिकी प्रयोगशाला	स्थिर एवं गतिमान संतुलन प्रदर्शक, कैम विश्लेषण यंत्र, मोटर युक्त जाइरोदर्शी एवं संचरण उपकरण।
4	समग्र प्रयोगशाला	अल्ट्रासोनिक स्नान, गर्म हवा भट्टी और मफल

		भट्ठी।
5	उच्च प्रतिपादन प्रयोगशाला	एचपी कम्प्युटर - 5
6	सभागार	निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए बैटरियों सहित इनवर्टर

4.7.4 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं

पीएच.डी. शोध ग्रन्थ निर्देशित / प्रस्तुत

क्र.सं.	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक	स्थिति	पीएच.डी. शोध ग्रंथ का शीर्षक
1	श्री संतोष कुमार दास	आचार्य पी लिंग्फा	प्रस्तुत	नाहर तेल व कैल्शियम से बायोडीजल उत्पादन और सीआई इंजन में इसका उपयोग अध्ययन
2	दिपांनकर भुइयां	आचार्य आसीस गिरि आचार्य पी लिंग्फा	निर्णयित	एक समानांतर प्लेट चैनल के अंदर नम हवा से फिल्म वार संक्षेपण का अध्ययन
3	सुश्री संगीता दास	डॉ. एस एस गौतम	निर्णयित	सीसा कैल्शियम टाइटेनस बोरोसिलिकेट ग्लास और ग्लास सेरामिको की विशेषता।
4	सुश्री स्वीटी महंत	डॉ. एस. सामंत आचार्य एम चंद्रशेखरन	निर्णयित	टिकाऊ उत्पादन के लिए Al7075 हाइब्रिड शुक्ष्म मिश्रणों का लक्षण वर्णन तथा ईडीएम अध्ययन।
5	श्री शुभजीत दास	आचार्य एम चंद्रशेखरन डॉ. एस. सामंत	निर्णयित	AA6061/SiC/ B ₄ C हाइब्रिड शुक्ष्म मिश्रणों का लक्षण वर्णन तथा डब्लूईडीएम अध्ययन।
6	श्री नितेश धर बडगायन	डॉ. एस. सामंत	निर्णयित	एचडीपीई/एमडब्लूसीएनटी/एच-बीएनएनपी हाइब्रिड शुक्ष्म मिश्रणों का निर्माण सह विशेषता।
7	श्री संतोष कुमार साहू	डॉ. एस. सामंत	निर्णयित	शहद कंघी कोर आच्छादित बीम के सेल आकार भिन्नता पर संरचनात्मक प्रदर्शन का प्रभाव।
8	सुश्री सोहिनी चौधरी	डॉ. एन. यादैया आचार्य एम. मुरलीधर	निर्णयित	लेजर एवं इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ प्रक्रियाओं की प्रायोगिक जांच और संख्यात्मक प्रतिमान

एम.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	पर्यवेक्षक	शोध का शीर्षक
एम.टेक. (सीआईएमए)			
1	श्री पाकमे कामकी	डॉ. एन. यादैया	फाइबर लेजर उपज प्रक्रिया के दौरान मेटलोग्राफिक गुणों पर प्रक्रिया चर का प्रभाव।
2	श्री बिपिन कुमार	डॉ. एन. यादैया आचार्य एस. महतो	उलट मॉडलिंग द्वारा धातु बनाने की प्रक्रियाओं में घर्षण का निर्धारण।
3	श्री अक्षया बोहरा	आचार्य एम चंद्रशेखरन	वल्कुटीय हड्डी छेदन में तापमान वृद्धि पर प्रक्रिया मानदंडों के प्रभाव की जांच करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन।
4	श्री करनजीत कपिला	डॉ. एस. सामंत	एपॉक्सी आधारित रामी-बेसाल्ट तथा रेमी-ग्लास हाइब्रिड पदार्थों का निर्माण और लक्षण वर्णन।
5	श्री समनूर इस्लाम	आचार्य एम. मुरलीधर	उद्योग 4.0 अनुप्रयोग डोमेन और एक एसएमई के लिए एक ढांचे के विकास पर अध्ययन।
एम.टेक. (टीएफई)			
6	श्री चिरंजीव पलित	आचार्य पी लिंग्फा	जिओमोनस मोबिलिस से बायोएथेनॉल का उत्पादन और डीजल इंजन पर इसके प्रदर्शन सह उत्सर्जन मापदंडों का अध्ययन।
7	श्री लालहरतिलुंगा	आचार्य पी लिंग्फा आचार्य आसीस गिरि	प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न तरल ईंधन का उपयोग करके एकल सिलेंडर डीजल इंजन के इंजन प्रदर्शन विशेषताओं का अध्ययन।
8	श्री सतलुन गुप्ता	आचार्य पी लिंग्फा मो. एस. एम. खान	टोको पट्टा से प्राप्त बायो-डीजल का उत्पादन और लक्षण वर्णन।

बी.टेक. परियोजनायें

समुह	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक	शोध का शीर्षक
1	प्रथिता जी. शर्मा (डी/15/एमई/ 30) हर्ष कुमार (डी/15/एमई/ 04) आशीष कुमार पात्रा (डी/15/एमई/ 101) सुभ्रानिल बानिक (डी/15/एमई/ 13)	डॉ. एस के तमांग	इनकोनल 718 के मोड़ के दौरान तापमान वितरण में कटौती पर एफईएम विश्लेषण
2	अमित देब (डी/15/एमई/ 002) सबिता रॉय (डी/15/एमई/ 23) जयेश प्रकाश (डी/15/एमई/ 001)	डॉ. के के मंडल	एएनएन के माध्यम से AI7075 मिश्र धातु के फाइबर लेजर मशीनिकरण पर केफ़ गुण की भविष्यवाणी

3	एस थंगखलेनलेन हाओकिप (डी/15/एमई/ 17) अनिर्बान दास (डी/15/एमई/ 21) मशुन जेली (डी/15/एमई/ 01)	आचार्य एम. मुरलीधर	पूर्वोत्तर भारत में सड़क परिवहन निगम का उत्पादकता विश्लेषण
4	शुभम सरकार (डी/15/एमई/ 19) प्रीतम सरकार (डी/15/एमई/ 18) शिव शक्ति राय (डी/15/एमई/ 14)	आचार्य एस. महतो	एफईएम का उपयोग करते हुए बस समर्थित यूलर बर्नोली बीम का पैरामीट्रिक गतिकी विश्लेषण
5	वैरीथिंग एस (डी/15/एमई/ 16) सिद्धार्थ सिंह (डी/15/एमई/ 103) तारू यालू (डी/15/एमई/ 22)	आचार्य आसीस गिरि	विस्तारित सतहों का उपयोग करके प्राकृतिक संघनन पर अध्ययन ।
6	रोहित गौतम कश्यप (डी/15/एमई/ 08) रौनोकबोस (डी/15/एमई/ 06)	डॉ. एस. सामंत	एक प्रकार का पौधा आधारित हाइब्रिड समग्र का निर्माण और विशेषता
7	दीप्ति पांडे (डी/15/एमई/ 24) अरुण कलिता (डी/15/एमई/ 07) मोनोज कांति चक्रवर्ती (डी/15/एमई/ 05)	डॉ. एन. यादैया मो. एस मुजाहिद खान	एनएसजीए II का उपयोग करके फ्यूजन जोड़ मापदंडों का बहु-उद्देश्य अनुकूलन
8	दीप बहादुर थापा (डी/15/एमई/ 09) प्रनब त्रिपाठी (डी/15/एमई/ 11) आशीष आनंद (डी/15/एमई/ 12) सुधांशु कुमार (डी/15/एमई/ 10)	डॉ. एन. यादैया मो. एस मुजाहिद खान	विभिन्न प्रोफाइलों और विभिन्न सामग्रियों के पंखों के माध्यम से गर्मी हस्तांतरण का विश्लेषण
9	नबजेट सेन (डी/15/एमई/ 204) मृणालज्योति कालिता(डी/15/एमई/ 201) प्रशांतमधुकर (डी/15/एमई/ 204)	आचार्य पी लिंगफा	जैव-गैस उत्पादन का विश्लेषण
10	जिटू बोराह (डी/15/एमई/ 206) डिकेन शर्मा (डी/15/एमई/ 202) चंदन कुमार (डी/15/एमई/ 205)	आचार्य एस. महतो	सिंगल स्पैन एफआरपी बीम के गतिशील व्यवहार ने लोडिंग के अधीन किया
11	पाडी तख (डी/15/एमई/ 20) रॉबर्ट सिंह (डी/15/एमई/ 29) रिजवान हाशमी (डी/15/एमई/ 21)	डॉ. एन के राणा	एक प्रिज्मीय संयुक्त लचीले ब्रैकट बीम के रैखिक कंपन पर

4.7.5 लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन

कार्यक्रम का नाम	प्रायोजक	दिनांक
अंगीकृत ग्रामीण क्षेत्र में पहल करने के लिए प्रतिभागी संस्थानों के उन्मुखीकरण के लिए क्षेत्रीय कार्यशाला। (समन्वयक: आचार्य पी लिंगफा)	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	22 फरवरी 2020

लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

<p>आचार्य एम चंद्रशेखरन</p>	<p>ईलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियंत्रिकी निभाग द्वारा ईलेक्ट्रानिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा एमएनआईटी, जयपुर के सहयोग से नेरिस्ट में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी अध्ययन-अध्यापन साधन एवं संस्थायें।" 13-17 जनवरी, 2020</p> <p>राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट निरजुली, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम "आपदा प्रबंधन।" 27 - 28 फरवरी, 2020.</p>
<p>आचार्य पी लिंग्पा</p>	<p>मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला। फरवरी, 2020.</p> <p>महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा तेलंगाना में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "ग्रामीण विसर्जन प्रबंधन।" जुलाई, 2020.</p>
<p>डॉ. एस. सामंत</p>	<p>राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "एनशिस के उपयोग से कंप्यूटर आधारित डिजाइन।" 16-20 मार्च, 2020.</p>
<p>डॉ. के के मंडल</p>	<p>राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "एनशिस के उपयोग से कंप्यूटर आधारित डिजाइन।" 16-20 मार्च, 2020.</p> <p>राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "सीएनसी मशीन संचालन के सिद्धांत एवं प्रयोग।" 26 अगस्त - 6 सितंबर 2019.</p> <p>राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "एनशिस के उपयोग से कंप्यूटर आधारित डिजाइन।" 16 फरवरी - 2 मार्च 2020.</p>
<p>डॉ. एस एस गौतम</p>	<p>राष्ट्रीय तकनिकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "एनशिस के उपयोग से कंप्यूटर आधारित डिजाइन।" 16 फरवरी - 2 मार्च 2020.</p> <p>अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICNMM 2019 के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित में भाग लिया 17^{वाँ} 19 - 19^{वाँ} मई, 2019।</p>
<p>श्री मैरीकॉम डाबी</p>	<p>आईआईटी गुवाहाटी में 22 - 23 जून, 2019 के दौरान संयुक्त रूप से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और नेशनल सोसाइटी ऑफ फ्लुइड मैकेनिक्स और फ्लुइड पावर, भारत के संयुक्त रूप से आयोजित विभाग में अनुसंधान पद्धति पर 5^{वाँ} राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया ।</p>

डॉ. एस के तमांग	ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियंत्रिकी निभाग द्वारा ईलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी द्वारा एमएनआईटी, जयपुर के सहयोग से नेरिस्ट में आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी अध्ययन-अध्यापन साधन एवं संस्थायें।" 13-17 जनवरी, 2020
	राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन मंत्रालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट निरजुली, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम "आपदा प्रबंधन।" 27 - 28 फरवरी, 2020.

4.7.6 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता -नहीं-

4.7.7 संकाय सदस्यों को सम्मान व पुरस्कार

भारतीय एकाधिकार (पेटेंट)

संग्राहक को खोलने हेतु एक रिसाव रोधी सील के आविष्कार के लिए 20 मई 2019 से 20 वर्ष अवधि का एकाधिकार (पेटेंट) भारतीय एकाधिकार (पेटेंट) अधिनियम 1970 के प्रावधानों के अनुसार प्रदान किया गया है।

एकाधिकार (पेटेंट) प्राधिकरण : एकाधिकार नियंत्रक, बौद्धिक संपदा भारत, पेटेंट कार्यालय, भारत

एकाधिकार (पेटेंट) धारक - श्री नबम तेई तथा डॉ. संदीप सिंह

4.7.8 विभाग में अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, अभातशिप के सहयोग से मोडराब परियोजना **क्रायोजेनिक और न्यूनतम मात्रा स्नेहक का उपयोग करके भारी धातुओं का मशिनिकरण।** स्वीकृति आदेश संख्या 9-31/आरआईएफडी/मोडराब/पोलिसी-1/2017-18 दिनांक 26.03.2019, कुल धनराशि - ₹ 17,63,000/-, प्रधान अनुसंधान कर्ता-आचार्य एम. चन्द्रशेखरन।

4.7.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) संदर्भ जर्नलों में (63)

1. एस चौधरी, वाई. निरसनमेतला, एम. मुरलीधर, एस. बाग, एवं एस के पात्रा, (2019) "Ti₆Al₄V मिश्र धातु के इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ में जोड़ प्रक्रिया और वाष्पीकरण दर पर जोड़ मापदंडों का प्रभाव।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल साइंसेस एंड इंजीनियरिंग। 41, 180. (डीओआई: <https://doi.org/10.1007/s40430-019-1689-8>)
2. एस चौधरी, वाई. निरसनमेतला एवं एम. मुरलीधर, (2019) "Ti₂AlNb इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ के परिमित तत्व आधारित क्षणिक गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण का उपयोग करते हुए हाइब्रिड बहुतायत उष्मा स्रोत", इंडियन वेल्डिंग जर्नल, अंक 52, पृष्ठ 49-55 (डीओआई:10.22486 / iwj / 2019 / V52 / i1 / 178,190)
3. सोहिनी चौधरी, यदिया निरसनमेतला, एम मुरलीधर, स्वरूप बाग एवं एस के पात्रा (2019), "Ti₆Al₄V मिश्र धातु के इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ में जोड़ प्रक्रिया और वाष्पीकरण दर पर जोड़ मापदंडों का प्रभाव।" जर्नल ऑफ ब्राजीलियन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग। (स्प्रिंगर, एससीआई, 1.743 प्रभाव कारक), 41: 180, डीओआई: 10.1007 / s40430-019-1689-8

4. एस चौधरी, वाई. निरसनमेतला एवं एम. मुरलीधर, (2019)। "हाइब्रिड सधन उष्मा स्रोत का उपयोग करके Ti_2AlNb इलेक्ट्रॉन बीम जोड़ का परिमित तत्व आधारित क्षणिक गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण" इण्डियन वेल्डींग जरनल.52, 49-55 (डीओआई: 10.22486 / iwj / 2019 / v52 / i1 / 178190)
5. एस. एन. सिंह, एस. चौधरी, एमडी. एस. एम. खान, मुरलीधर मनपुरम, एवं वाई.निरसेनमेतला, (2019) Ti_6Al_4V मिश्र धातु के प्रतिपादन पर एफई-आधारित उष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,, गुवाहाटी, भारत में आयोजित 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिपादन मे संगणन प्रविधि में आलेख प्रस्तुत। आलेख आईडी-125, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_25
6. एस. चौधरी, वाई. निरसनमेतला, एवं एम मुरलीधर, (2019), "इलेक्ट्रॉन बीम Ti_6Al_4V मिश्र धातु जोड़ के धातु ग्राफ विश्लेषण सह जांच", भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,, गुवाहाटी, भारत में आयोजित 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिपादन मे संगणन प्रविधि में आलेख प्रस्तुत। आलेख आईडी :013. पृष्ठ 121-132, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_13 प्रकाशक स्प्रिंगर,सिंगापुर, आईएसबीएन मुद्रण 978-981-32-9071-6, ऑनलाईन, आईएसबीएन 978-981-32-9072-013
7. एम. मुरलीधर, आर. ओझा, (2019) "विश्व ढलाई प्रतिपादन के पच्चास वर्ष एवं ढलाई गुणवत्ता सह महत्व विश्लेषण - एक अध्ययन", 67वीं भारतीय ढलाई कांग्रेस, नोएडा, भारत, जनवरी 18-20, 2019,आलेख संख्या-10.
8. एस. इस्लाम एवं एम. मुरलीधर, (2019)। "अरुणाचल प्रदेश में एक लघु-मध्यम उद्योग के लिए इण्डस्ट्री4.0 का अनुप्रयोग सह अध्ययन", जर्नल ऑफ मेटेरियल साइन्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग आईएसएसएन: 2393-9095, अंक-6, संख्या-1, जनवरी-मार्च 2019, पृष्ठ 46-50
9. आर. ओझा एवं एम. मुरलीधर, (2019) " इण्डस्ट्री 4.0 के लिए वैचारिक ढांचे का विकास और स्वचालन पिस्टन ढलाई में इसकी उप-प्रणाली", 59 वाँ अंतर्राष्ट्रीय ढलाई सम्मेलन और डब्ल्यूएफओ तकनीकी परिसंघ, स्लोवेनिया, आईएसबीएन- 978-961-93723-9-5.
10. एस.एन.सिंह, एस. चौधरी, एवं एम.एस.एम. खान, मणिपुरम मुरलीधर एवं यदाहा निरसनमेतला, (2019) "परिमित तत्व Ti_6Al_4V मिश्र धातु पर लेजर आधारित प्रतिपादन का उष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण," आईसीसीएमएम 2019, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,, गुवाहाटी, भारत में आयोजित 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिपादन मे संगणन प्रविधि में आलेख प्रस्तुत। (डीओआई- <https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3>) प्रकाशक का नाम स्प्रिंगर, सिंगापुर, आईएसबीएन 978-981-32-9071-6, ऑनलाईन आईएसबीएन 978-981-32-9072.
11. रूपश्री ओझा एवं एम मुरलीधर, (2019) "डाई ढलाई मशीनों द्वारा पिस्टन ढलाई के लिए मशीन बुधिमत्ता अनुमाप हेतु तरीकों का विकास: एक अध्ययन", आईसीसीएमएम 2019, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,, गुवाहाटी, भारत में आयोजित 2वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रतिपादन मे संगणन। डीओआई- https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_37) प्रकाशक का नाम स्प्रिंगर, सिंगापुर, मुद्रण आईएसबीएन 978-981-32-9071-6, ऑनलाईन आईएसबीएन 978-981-32-9072-3
12. आर. ओझा, वाई. निरसनमेतला, एवं एम. मुरलीधर, (2019) "हाइब्रिड इंजन के लिए विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया द्वारा ढलाई प्रक्रिया चयन", 67 वाँ आईएफसी तथा 15 वाँ एएफसी, नोएडा, भारत में प्रकाशित, आलेख संख्या-11

13. एम. मुरलीधर, (2019) "ढलाई, ढालक ढलाई भविष्य का एक पूर्वानुमान" 59 वॉ अंतर्राष्ट्रीय ढलाई सम्मेलन तथा डब्ल्यूएफओ तकनीकी फोरम, स्लोवेनिया, सितंबर, 2019 में प्रकाशित। आईएसबीएन- 978-961-93723-9-5
14. एस. कुमार एवं एम. मुरलीधर, (2019) "भारतीय वाहन उद्योग में झटका वहन अवशोषक प्रक्रिया कार्यबल हेतु सीटीएस का अनुमान: एक अध्ययन, 15 वॉ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन मानवीय कार्य सह कार्य वातावरण में प्रकाशित। सितम्बर, 2019.
15. एम. मुरलीधर, (2019)। "ढलाई, ढालक ढलाई भविष्य का एक पूर्वानुमान", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ लिवास्की वेस्टनिक, सितंबर, 2019, स्लोवेनिया, पृष्ठ -221, आईएसएसएन- 0024-5135
16. ग्यति चटुंग एवं मुरलीधर मनपुरम (2019), "ईण्डस्ट्री 4.0 तथा इसका लघु मध्यम उद्योग लोह पिघलाने के उद्यम हेतु इसका अनुप्रयोग", जर्नल ऑफ़ बेसिक एंड एप्लाइड इंजीनियरिंग रिसर्च, पी-आईएसएसएन- 2350-0077, ई-आईएसएसएन- 2350-0255, संख्या-6, अंक-9, अक्टूबर-सितम्बर, 2019, पृष्ठ -544-548
17. ग्यति चटुंग एवं मुरलीधर मनपुरम, (2020) " लोह पिघलाने के उद्यम हेतु डेवलपमेंट 4.0 टेक्नोलॉजी, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंडस्ट्री 4.0" (आईसी-2020), 25 जनवरी 2020, दिल्ली, आईएसएसएन - 2581-8953, पृष्ठ -12.
18. एस.एस.कुमार, आर. ओझा एवं एम. मुरलीधर, (2019) "हल्के वाहन की ढांचा प्रणाली के लिए इंडस्ट्री 4.0 का अनुप्रयोग सह विकास", आईसीआईएटीआई, जून 2020 चेन्नई, भारत।
19. सपम निग्थमबा सिंह, यदियाह निरसनमेतला, सोहिनी चौधरी एवं एम. मुरलीधर (2020), " फिनाइट एलिमेंट प्रतिमान हेतु लेजर शक्ति स्कैन गति के दौरान लेजर आधारित बहु-परत प्रावधान।" 3 डी प्रिंटिंग इन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर में स्वीकार।
20. सोहिनी चौधरी, यदिया निरसनमेतला, एवं एम. मुरलीधर (2019), "स्वत सुरक्षित वायुमंडल में एसएस 316 के की-होल मोड फाइबर लेजर जोड़ प्रक्रिया की जांच", इन्सटीट्यूसन ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियर्स की कार्यवाही में प्रकाशित, भाग सी: जर्नल ऑफ़ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइन्स (स्प्रिंगर, एससीआई, 1.359 प्रभाव कारक), अंक 233 (18), 6602-6615, डीओआई: 10.1177 / 0954406219864137
21. अविनाश कुमार एवं प्रदीप लिंग्फा, (2020) हाइड्रोक्लोरिक एसिड-परबलित काओलिन मिट्टी का भौतिक-रासायनिक लक्षण: एक संभावित उत्प्रेरक के रूप में एक उद्योग का दृष्टिकोण।, कॉम्बिनेटरियल केमिस्ट्री एंड हाई थ्रूपुट स्क्रीनिंग, फरवरी, 2020 23 (3), पृष्ठ 205-213 डीओआई 10.2174 / 138620732 3666200 219123459 SCIE प्रभाव कारक - 1.195
22. अवांश कुमार एवं प्रदीप लिंग्फा(2020) "अम्ल सक्रिय सोडियम बेंटोनाइट और काओलिन मिट्टी: भौतिक-रासायनिक गुणों द्वारा तुलनात्मक अध्ययन", कॉम्बिनेटरियल केमिस्ट्री और हाई थ्रूपुट स्क्रीनिंग 23 (5), मार्च, 2020, पृष्ठ 433-445। डीओआई 10.2174 / 1386207323666200311114349 SCIE प्रभाव कारक - 1.195

23. एम एस अहमद, संतोष कुमार दास, ए कुमार एवं प्रदीप लिंग्फा, "जटरोफा, करंजा और पशु चारे से बायोडीजल के उत्पादन पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा", बायोरसोर्स यूटिलाइजेशन एंड बायोड्रोसेस, मार्च 2020, डीओआई: 10.1007 / 978-981-15 -1607-8_12।
24. कुमार, ए, एवं लिंग्फा, पी, "सोडियम बेंटोनाइट और काओलिन मिट्टी: एफटी-आईआर, एक्सआरएफ और एक्सआरडी पर तुलनात्मक अध्ययन", मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही, 22पी3, 2020, पृष्ठ 737-742
25. संतोष कुमार दास, सुप्रिया चव्हाण, ए कुमार, एम.एस. एवं अहमद प्रदीप लिंग्फा, "जटरोफा बायोडीजल मिश्रणों से अक्षय डीजल ईंधन", बायोरिसोर्स यूटिलाइजेशन एण्ड बायोमास, मार्च 2020, डीओआई: 10.1007 / 978-981-15607-8_11
26. संतोष कुमार दास, प्रदीप लिंग्फा एवं देवव्रत बारिक, "नाहर मिथाइल एस्टर के साथ ईंधन वाले कृषि डीजल इंजन के लिए इंजेक्शन समय और संपीड़न अनुपात का संयुक्त समायोजन", जनवरी 2020, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एम्बिएंट एनर्जी, डीओआई: 10.1080 / 01430750.2020.1712250
27. ए कुमार, पी लिंग्फा "सोडियम बेंटोनाइट मिट्टी का भौतिक रासायनिक लक्षण वर्णन और प्लास्टिक कचरे के वैरीकरण में उत्प्रेरक के रूप में इसका महत्व", फरवरी, 2020, डीओआई: 10.1109 / IEMENTech48150.2018.8981195।
28. ए कुमार, पी लिंग्फा "एसिड-सक्रिय सोडियम बेंटोनाइट क्ले का चरित्र। प्लास्टिक कचरे के लिए एक संभावित उत्प्रेरक।" दिसंबर 2019, एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित।
29. एम एस अहमद, एन.एच.पापू, प्रदीप लिंग्फा, मुथुमारी चन्द्रशेखरन "लाइवस्टोना जेनकिंसियाना ग्रीफ से बायोडीजल का उत्पादन", दिसंबर 2019, एआईपी सम्मेलन में प्रकाशित।
30. एन.एच.पापू, प्रदीप लिंग्फा, एम एस अहमद, ए कुमार "कुल लिपिड उत्पादकता पर यूग्लिना सांगुनीया बायोमास अनुपात में विभिन्न सॉल्वेंट्स और सॉल्वेंट्स का प्रभाव" एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही में प्रकाशित।
31. एस.के. दास एवं पी लिंग्फा, एकल सिलेंडर परिवर्तनशिल दबाव नाहर बायोडीजल और डीजल मिश्रणों द्वारा चलाए जा रहे कृषि डीजल इंजन का दहन विश्लेषण, अप्रैल 2019, एससीआई, प्रभाव कारक - 0.898) टेलर एंड फ्रांसिस, एनर्जी रिसोर्स: पार्ट ए रिकवरी, यूटिलाइजेशन एंड एनवायरनमेंटल इफेक्ट्स, <https://doi.org/10.1080/15567036.2019.1604878>
32. कंकन किशोर पाठक, असीस गिरी, प्रदीप लिंग्फा, 'कटी हुई ऊर्ध्वाधर दोहरी ऊंचाई प्लेट फिन सरणी से मिश्रित गर्मी हस्तांतरण का संगणात्मक अध्ययन', अगस्त 2019, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थर्मल साइंसेज, डीओआई: 10.1016 / j.ijthermalsci.2019.05.014
33. एस के दास, प्रदीप लिंग्फा, सुप्रिया चव्हाण, 'नाहर बायोडीजल और डीजल मिश्रणों द्वारा चलाए जा रहे एकल सिलेंडर परिवर्तनीय संपीड़न अनुपात छोटे आकार के कृषि डीआई डीजल इंजन का दहन विश्लेषण।, अप्रैल 2019, एनर्जी सोर्सस: भाग-1, यूटिलाइजेशन एण्ड इन्वायरमेंटल इम्पैक्ट, डीओआई: 10.1080 / 15567036.2019.1604878
34. देवरसिद्धप्पा, डी; चंद्रशेखरन, एम (2020) प्रायोगिक जांच और सतत प्रदर्शन माप के अनुकूलन के दौरान विडम की Ti_6Al_4V मिश्र धातु के आधार पर वरीयता आधारित टेलबो प्रविधि का उपयोग। मेटेरियल एण्ड

मेन्युफेक्चरिंग प्रोसेस। डीओआई: 10.1080 / 10426914.2020.1762211 (एससीआई और स्कोपस अनुक्रमित; प्रभाव कारक: 3.686 (2019); एच-इंडेक्स: 53; चतुर्थांश: क्यु1)

35. देवरसिद्धप्पा, डी; चंद्रशेखरन, एम; अरुणाचलम, आर (2020) संशोधित टेलबो प्रविधि का उपयोग करके Ti_6Al_4V मिश्र धातु के वेडम के दौरान सतह की खुरदरापन को कम करने के लिए प्रायोगिक जांच और अनुकूलन। जर्नल ऑफ मेकैनिकल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग, 42 (3), 128-145. प्रभाव कारक: 10.1007 / s40430-020-2224-7 (एससीआई और स्कोपस अनुक्रमित) के, प्रभाव कारक: 1.980 (2019); एच-इंडेक्स: 29, चतुर्थक: क्यु2)

36. देवरसिद्धप्पा, डी; चंद्रशेखरन, एम (2020) Ti_6Al_4V मिश्र धातु के सतत वेडम के लिए टेलबो प्रविधि का उपयोग करके बिजली की खपत और अनुकूलन का अनुमान। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) की पत्रिका: सीरीज़ सी 101 (2), 257-270 DOI: 10.1007 / s40032-020-00560-z (स्कोपस अनुक्रमित; प्रभाव कारक: NA; एच; सूचकांक: 9; चतुर्थक: क्यु3)

37. चौधरी बी, चंद्रशेखरन एम, देवरसिद्धप्पा डी, (2020) एनएन प्रतिमान का विकास जोड़ की ताकत के आकलन के लिए और हवाई इंजन घटकों में उपयोग किए गए 825 शीट के जीटीडब्ल्यू के लिए एकीकृत अनुकूलन। जर्नल ऑफ मेकैनिकल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग.4: 308, [https://doi.org/10.1007 / s40430-020-02390-7](https://doi.org/10.1007/s40430-020-02390-7) (एससीआई और स्कोपस अनुक्रमित; प्रभाव कारक: 1.980 (2019); एच-सूचकांक: 29; चतुर्थक: Q2)

38. चौधरी बी, चंद्रशेखरन एम। (2020) इनकेल 825 शीट का गैस टंगस्टन चिन्गारी जोड़: जोड़ आकार ज्यामिति और जीए अनुकूलन पर अध्ययन। सामग्री और विनिर्माण अभियंत्रिकी में अग्रिम। यंत्रिक अभियंत्रिकी में व्याख्यान नोट। पृष्ठ 413-420, स्प्रिंगर, सिंगापुर, https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_46.

39. सिंह वी, चंद्रशेखरन एम, सामंता एस (2020) जोड़ विशेषताओं की जांच और नाइट्रोजन के जिमाव के अनुकूलन ने ऑस्टेनेटिक स्टेनलेस स्टील (एआईएसआई 201ग्रेड) को मजबूत करना। यंत्रिक अभियंत्रिकी में अग्रिम। (पृष्ठ 333-346) यंत्रिक अभियंत्रिकी में व्याख्यान नोट। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-0124-1_30

40. सिंह वी, चंद्रशेखरन एम, सामंत एस, जिमाव-ठण्डा धातु हस्तान्तरण प्रक्रिया में एआईएसआई 201एलएन की जोड़ ज्यामिति पर जांच। सामग्री और विनिर्माण अभियंत्रिकी 2020 में अग्रिम (पृष्ठ 379-386) यंत्रिक अभियंत्रिकी में व्याख्यान नोट । स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-1307-7_42

41. स्वीटी महंता, एम चंद्रशेखरन एवं सांतनु सामंता (2020) वाहनों में उपयोग हेतु $Al7075$ आधारित हाइब्रिड शुष्म मिश्रण: एक वहनिय उपाय। की इंजीनियरिंग मेटेरियल्स, आईएसएसएन, 1662-9795, अंक 856, पृष्ठ 29-35, ट्रांस टेक प्रकाशन लिमिटेड, स्विट्जरलैंड।

42. दास, एस, तमांग, एस. के., चंद्रशेखरन, एम, सामंता, एस, (2019) एए AA6061 / SiC / B_4C हाइब्रिड शुष्म मिश्रण के भौतिक विशिष्टताओं की प्रयोगात्मक जांच, प्रतिमान और अनुकूलन। की इंजीनियरिंग मेटेरियल्स। अंक 801, पृष्ठ 83-88 (स्कोपस)

43. कुंदन कुमार प्रसाद, संतोष कुमार तमांग एवं एम चंद्रशेखरन (2020) Ti_6Al_4V के उच्च गति मशीनिकरण के दौरान डीईएफओआरएम 3 डी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके काटने की शक्ति पर तुलनात्मक अध्ययन।, की इंजीनियरिंग मेटेरियल्स। आईएसएसएन: 1662-9795, अंक, 856, पृष्ठ 50-56, ट्रांस टेक प्रकाशन लिमिटेड, स्विट्जरलैंड।
44. सिंह वी, चंद्रशेखरन एम, सामंता एस, पलानीकुमार के. उन्नत जोड़ गुणवत्ता के लिए एआईएसआई 201 एलएन का ठण्डी धातु स्थानान्तरण पर जीएमबीडब्ल्यू जोड़ जांच। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेन्युफेक्चरिंग, मेटेरियल्स एण्ड मैकेनिकल इंजीनियरिंग। (खंड 10, अंक 4) (प्रेस में)
45. कृष्णा रॉय, आसीस गिरि, बिप्लब दास, एक झुके हुए आयताकार फिन सरणी में लामिनार प्रवेश क्षेत्र में उष्मा एवं द्रव संचरण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ न्युमेरिकल मिथोड फॉर हीट एंड फ्लूइड फ्लो। अंक 30, संख्या 6, (2020) पृष्ठ 3283-3305 <https://doi.org/10.1108/HFF-04-2019-0275>, एससीआईई प्रभाव कारक: 1.958.
46. सिद्धार्थ दास, आसीस गिरी, एस सामंता, TiO_2 शुष्म द्रव के उपयोग से थर्मोसाइफन में प्राकृतिक संवहन ऊर्जा स्रोत से उष्मा स्थानान्तरण संवर्धन। भाग ए: रिकवरी, यूटिलाइजेशन एण्ड इन्वायरनमेंटल इफेक्ट, टेलर एंड फ्रांसिस, 42 (2020), 1-18, <https://doi.org/10.1080/15567036.2020.1727998> एससीआईई प्रभाव कारक: 0.894,
47. पाठक, के के, गिरी, आसीस, दास बी, परिवर्तनशील और निरंतर ऊंचाई के साथ ऊष्मा अवशोषक का प्रदर्शन-एक विस्तारित अध्ययन।, इंटरनेशनल जर्नल हीट मास ट्रांसफर, 146 (2020), 118916-1-14, <https://doi.org/10.1016/j.ijheatmasstransfer.2019.118916>, एससीआईई प्रभाव कारक: 4.346,
48. दासगुप्ता, डी, पाठक, के के, गिरी, आसीस, प्राकृतिक प्रविधि से वर्धमान उचाई फिन एरे मे उष्मा हस्तान्तरण पर एक अध्ययन।, थर्मल साइंस और इंजी एप्लिकेशन। 12 (1) (2020), 011013-1-11. डीओआई: <https://doi.org/10.1115/1.4044426>, प्रभाव कारक: : 1.115, SCIE, CITE: 1
49. पाठक, के के, गिरी, आसीस, लिंगाफा, पी, ऊर्ध्वधर दोहरे ऊंचाई प्लेट फिन सरणी का मिश्रित संवहन ताप अंतरण का संगणात्मक अध्ययन। इं. जे. थर्मल साइंसेज, 145 (2019), 105958. <https://doi.org/10.1016/j.ijthermalsci.2019.05.014>, प्रभाव कारक: 3.488, SCIE, CITE: 6
50. दास, एस, गिरी, आसीस, सामंत, एस, कनगराज, एस, शुष्मद्रव की विशिष्टताओं की प्रायोगिक जांच और प्राकृतिक संवहन द्वारा उष्मक ठंडा होने पर इसका प्रदर्शन। ए.एस.जे.जे. ऑफ थर्मल साइंस एण्ड इंजीनियरिंग। 11 (4) (2019), 044501-1-9। डीओआई: 10.1115 / 1.4044138, प्रभाव कारक: 1.115, SCIE, CITE: 1.
51. रॉय, के, गिरी, आसीस, दास, बी, 'एक झुके हुए प्लेट से प्राकृतिक संवहन ताप हस्तांतरण पर एक संगणात्मक अध्ययन', एप्लाइड थर्मल इंजीनियरिंग, 159 (2019), 113941-1-13, प्रभाव कारक: 4.026, एससीआईई।
52. दास, एस, गिरी, आसीस, सामंता, एस, कनगराज, एस, थर्मोसाइफॉन में ऊष्मा अंतरण वृद्धि पर ग्राफीन लघुद्रव की भूमिका।, 'जर्नल ऑफ साइंस: एडवांस्ड मेटेरियल्स एंड डिवाइसेस, अंक 4 (1), मार्च 2019, पृष्ठ 16.
53. एस दास, एस एस गौतम, सी आर गौतम, लेड कैल्शियम टाइटोनेट बोरोसिलिकेट ग्लास का विद्युत अध्ययन। "यांत्रिक अभियांत्रिकी व्याख्यान नोट (स्कोपस), 2020 में (स्वीकृत) आलेख आईडी: एस-वी1-055.

54. एस दास, एस दास, एस एस गौतम, सी आर गौतम, "टैगुची युग्मित ग्रे फ़ज़ी लॉजिक तकनीक का उपयोग करके बोरोसिलिकेट ग्लास सिरेमिक के घर्षण के गुणांक का अनुकूलन," मेटेरियल्स टूडे: कार्यवाही (स्कोपस), 2020 (डीओआई) : 10.1016 / j.matpr.2020.03.262)
55. एन के राणा, एस एस गौतम, एस वर्मा, "विभिन्न भार व्यवस्थाओं के लिए शंक्वाकार बहुरेखा हाइब्रिड धारक की कठोरता और भिगोना विशेषताये।," जर्नल ऑफ एसएन एप्लाइड साइंसेज, 2019, 1: 604। (डीओआई: 10.1007 / s42452-019-0609-y)
56. दास एस, गिरी ए, सामंता एस, कनगराज एस (2019), "शुद्ध द्रव के गुणों की एक प्रायोगिक जांच और प्राकृतिक संवहन द्वारा ठंडा उष्मा उपचार पर इसका प्रदर्शन।," जर्नल ऑफ थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग एप्लीकेशन", एएसएमई। अंक-11, अगस्त 2019 / 044501-1 से 044501-9.
57. दास एस, गिरी ए, सामंता एस, कानागराज एस (2019), "उष्मा उपचार में गर्मी हस्तांतरण वृद्धि पर ग्राफीन लघु द्रव की भूमिका।," जर्नल ऑफ साइंसेज: एडवांस मेटेरियल्स एण्ड डिवाइसेज, अंक-4, संख्या-1, 163-169, डीओआई: doi.org/10.1016/j.jsamd.2019.01.005
58. बडगायन एन डी, साहू एस के, सामंता एस, श्रीकांत पी एस आर, "MWCNT / h-BNNP प्रबलित एचडीपीई के गतिशील यांत्रिक तथा उष्मा व्यवहार का मूल्यांकन: ट्रांसफ़ेर्मल प्रक्रिया में धातु घुटने का संभावित विकल्प खोजने का प्रयास।" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थर्मोफ़िज़िक्स, स्प्रिंगर, 2019, 40:93, (doi.org/10.1007/s10765-019-2559-4)
59. डे एस के, चटर्जी एस, स्पीकमैनमैन एफ, घोष पी, सामंता एस, "क्रिस्टलीकरण के दौरान निर्धारित शितलन दर पर पीईके-एचए मिश्रण के उलट और गैर-विपरीत प्रभाव।," जर्नल ऑफ पॉलिमर रिसर्च, स्प्रिंगर, 2019, 26: 279 (doi.org/10.1007/s10965 -019-1967-2)
60. सिद्धार्थ दास, आसीस गिरि एवं सांतनु सामंत, "लघु-द्रव का उपयोग करके थर्मोसाइफन में गर्मी हस्तांतरण वृद्धि।," जर्नल ऑफ फिज़िक्स, 1326 (2019) 012083। (आईओपी साइंस)
61. धर्मेश्वर दाश, राम सिंह, सांतनु सामंत एवं राम नरेश राय, "मैग्नीशियम मिश्र धातु (AZ91D) सारणी मिश्रणों पर माइक्रोक्रेकर, यांत्रिक और धारण के गुणों पर TiC का प्रभाव।," जर्नल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इन्डस्ट्रीयल रिसर्च। अंक-79, फरवरी 2020, पृष्ठ 164-169, <http://nopr.niscair.res.in/handle/123456789/53583>.
62. सामंत एस एवं सिंह टी जे "उच्च ढलाई घृषण पर केवलर संकरण का प्रभाव और बांस / एपॉक्सी मिश्रणों का व्यवहार"। 4वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रमुख अभियांत्रिकी सामग्री एवं सामग्री प्रौद्योगिकी, जापान में प्रस्तुत। 19-22 जनवरी, 2019, ट्रांस टेक प्रकाशन, अंक 801, पृष्ठ 89-94, (डीओआई: 10.4028 / www.scientific.net / KEM.801.89)
63. दास, एस, तमांग, एस के, चंद्रशेखरन, एम, सामंत, एस, (2019) AA 6061 / SiC / BCCC हाइब्रिड नैनो मिश्रणों की विशिष्टताओं की प्रयोगात्मक जांच, प्रतिमान सह अनुकूलन। की इन्जिनियरिंग मेटेरियल्स। अंक 801, पृष्ठ 83-88। (स्कोपस)

ख. सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख पत्र (05)

1. देवारासिडप्पा, डी, चंद्रशेखरन, एम एवं पलानीकुमार, के (2020) एमआरआर तथा पीसी का Ti_6Al_4V मिश्र धातु के सतत मशीनिंग के लिए वेडम के उपयोग से एनटैगुची विश्लेषण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री विज्ञान और यॉत्रिक अभियांत्रिकी में प्रस्तुत। एन बी के आर आई एस टी, विद्यानगर, आंध्र प्रदेश, भारत। 7-9 फरवरी 2020.
2. देवरासिद्धप्पा, डी एवं चंद्रशेखरन, एम. (2020) $Ti / 6Al / 4V$ मिश्र धातु के वडूम के दौरान टिकाऊ प्रदर्शन मापहेतु फजी लॉजिक प्रतिमान। तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत विकास के लिए सामग्री, विनिर्माण और यॉत्रिक अभियांत्रिकी, 13-14, अगस्त 2020, श्री साई राम प्रौद्योगिकी संस्थान, पश्चिम तांबरम, चेन्नई, भारत।
3. चौधरी बी एवं चंद्रशेखरन एम (2019) अध्यापन - अध्ययन आधारित सरलीकरण का उपयोग करके जीएनडब्ल्यू इनकॉन 825 के दौरान जोड़ सतह विशिष्टता सहजता। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिक एवं वायु संवहन अभियांत्रिकी सामग्री में उन्नत रुझानों के आयाम। 7-9 नवंबर 2019, दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलोर-68
4. सिंह वी, चंद्रशेखरन एम एवं सामंता एस (2020) "एआईएसआई 201एलएन स्टेनलेस स्टील के जिमावा में यांत्रिक विशिष्टता पर जोड़ के गर्मी के प्रभाव और शुष्म ढांचे के प्रभाव पर अध्ययन।," अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री विज्ञान और यॉत्रिक अभियांत्रिकी में अग्रिम। 7-9, फरवरी 2020, के.बी.के.आर. विज्ञान एवं अभियांत्रिकी संस्थान, नेल्लोर, भारत।
5. सिद्धार्थ दास, असीस गिरी एवं सांतनु सामंत(2019), "लधु इंधन का उपयोग करके उष्मा प्रवाह में उष्मा हस्तान्तरण विश्लेषण।", 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान और अभिनव अभियांत्रिकी, तमिलनाडु, 24 मार्च, 2019.

ग. पुस्तक / पुस्तक अध्याय (14)

1. लता के, चंद्रशेखरन एम, तमांग एस के, रमेश आर, राणा एन. के. (2019) जेनेटिक प्रविधि का उपयोग करके 201 स्टेनलेस स्टील का एमाई जिमाव अन्वेषण एंड उद्योग के अनुकूलन की आवश्यकता। सम्पादक: नारायणन आर, जोशी एस, दीक्षित यू। बहु-विषयक औद्योगिक अभियांत्रिकी पर व्याख्यान नोट। स्प्रिंगर, सिंगापुर।
2. संतोष कुमार दाश, सुप्रिया चव्हाण, ए कुमार, प्रदीप लिंगफा, "जेट्रोफा जैव डीज़ल का नविनिकरणिय डीज़ल इंधन उपयोग।", मार्च 2020, डीओआई: 10.1007 / 978-981-15607-8_11, पुस्तक में 'बायोरिसोर्स यूटिलाइज़ेशन एण्ड बायोप्रोसेस' (पृष्ठ 9-10-105)
3. एम एस अहमद, संतोष कुमार दाश, ए कुमार, प्रदीप लिंगफा, "जटरोफा, करंजा और पशु चारे से बायोडीजल के उत्पादन पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा।", मार्च 2020, डीओआई: 10.177 / 978-981-15-1607-8_12। पुस्तक में - 'बायोरिसोर्स यूटिलाइज़ेशन एण्ड बायोप्रोसेस' (पृष्ठ 107-115)
4. संतोष कुमार दाश, प्रदीप लिंगफा, धर्मेश्वर दाश, "एक बी 20 बायोडीजल ब्लेंडेड डीजल इंजन के प्रदर्शन पर संपीड़न अनुपात और इंजेक्शन समय का प्रभाव", जनवरी 2020, डीओआई: 10.1007 / 978-3-030-24314-2_91।

5. एम एस अहमद, संतोष कुमार दाश, ए कुमार, प्रदीप लिंग्फा, "जटरोफा, करंजा और पशु चारे से बायोडीजल के उत्पादन पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा", मार्च 2020, डीओआई: 10.177 / 978-981-15-1607-8_12। पुस्तक में - 'बायोरिसोर्स यूटिलाइजेशन एण्ड बायोप्रोसेस' (पृष्ठ 107-115)
6. ए कुमार, पी लिंग्फा, एस दास, एम एस अहमद "अपशिष्ट प्लास्टिक से वैकल्पिक ईंधन के रूपांतरण तकनीकों पर अध्ययन" कचरे से ऊर्जा पारतिपादन प्रक्रियाएं, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, दिसंबर 2019, https://doi.org/10.1007/978-981-32-9228-4_18
7. अनिवनाश कुमार एवं प्रदीप लिंग्फा, "प्लास्टिक कचरे से निकलने वाले अपशिष्ट प्लास्टिक तेल और विभिन्न हाइड्रोकार्बन ईंधनों की खोज।, उदयमान अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, आईएसबीएन: 978-81-935731-5-0, जुलाई, 2019, पृष्ठ 1-13
8. एस दास, आसीस गिरि, एस सामंता, 'लघु ईंधन का प्रभाव और उष्मिय तापमान वितरण पर झुकाव। आईसीएमसी 2019 की कार्यवाही, यॉत्रिक अभियांत्रिकी श्रृंखला व्याख्यान माला(एलएनएमई) (2020), पृष्ठ 653-657.
9. के राँय, आसीस गिरी, एम आर सिंह, इन्टेल नियंत्रक ब्लॉक की जबरन संवहन शीतलन की प्रायोगिक जाँच। डवांसेज इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग। यॉत्रिक अभियांत्रिकी श्रृंखला व्याख्यान माला, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, 2020
10. तेई एन, सिंह एस (2020) "एफएफटी से पूर्ण स्पेक्ट्रम में नियंत्रण चरण की अस्पष्टता।" स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2020, एम अवांग एट आदि (सम्पादक), सामग्री विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अग्रिम, यॉत्रिक अभियांत्रिकी श्रृंखला व्याख्यान माला,, पृष्ठ 519-525; https://doi.org/10.1007/978-981-13-8297-0_54.
11. डोले एच, सिंह एस, तेई एन (2020) "गैल्विंग रेसिस्टेंस टेस्ट के लिए प्रणाली डिजाइन।" स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड 2020, एम अवांग एट आदि (सम्पादक), सामग्री विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अग्रिम, यॉत्रिक अभियांत्रिकी श्रृंखला व्याख्यान माला,, पृष्ठ 547-554; https://doi.org/10.1007/978-981-13-8297-0_56
12. रूपश्री ओझा एवं मुरलीधर मणिपुरम, "डाई ढलाई द्वारा पिस्टन निर्माण के लिए मशीन बुधिमत्ता अनुमापन तरीकों का विकास: एक अध्ययन।", विनिर्माण में संगणात्मक विधियों में प्रोउन्नति, प्रकाशक नाम-वसंत प्रकृति, सिंगापुर, पृष्ठ 425-437, अध्याय संख्या.34, पहला ऑनलाइन 18 अक्टूबर, 2019. डीओआई https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_37
13. सपम निंग्थेम्बा, सिंह, सोहिनी चौधरी, मो. एस मुजाहिद खान, मनपुरम मुरलीधर एवं यादैया निरसनमेतला, "Ti-6Al-4V मिश्र धातु में लेजर आधारित प्रतिपादन का एफई आधारित उष्मा हस्तान्तरण विश्लेषण।, विनिर्माण में कम्प्यूटेशनल विधियों में एडवांस।" नाम- स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर, पृष्ठ -381-392, अध्याय संख्या.49, पहला ऑनलाइन 18 अक्टूबर, 2019.DOI https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_33।

14. सोहिनी चौधरी, यदिया निरसनमेतला एवं एम मुरलीधर, "इलेक्ट्रॉन बीम Ti-6Al-4V मिश्र धातु जोड़ के पिघलने की विशिष्टताओं विश्लेषण पर जांच", विनिर्माण में कम्प्यूटेशनल विधियों में एडवांस।" नाम- स्प्रिंगर प्रकृति, सिंगापुर, पृष्ठ - 121-132, अध्याय संख्या 47, पहला ऑनलाइन 18 अक्टूबर, 2019 डीओआई https://doi.org/10.1007/978-981-32-9072-3_11

4.7.10 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

विभाग के संकाय सदस्य प्रोफेसर पी. लिग्फा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, डा. आशि गिरी का जादवपुर विश्वविद्यालय, डा. एम. चन्द्रशेखरन, डा. एस. महतो, डा. एस. सिंह, श्री एम दाबी व श्री एन. जादाह का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, डा. के. के. मण्डल का जादवपुर विश्वविद्यालय, तथा एस. सामन्ता का बंगाल अभियांत्रिकी महाविश्वविद्यालय, रा.प्रौ.सं. अरुणचल प्रदेश व डा. एस.एस. गौतम का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, डा. एन यादाह का राजा रम्न्ना उच्च प्रौद्योगिकी केन्द्र, इन्दोर तथा हिन्दुस्तान ऐरोनोटिक्स लिमिटेड, कोरापत, उड़ीसा से संयुक्त अनुसंधान हेतु सम्पर्क है। संकाय सदस्यो द्वारा विविध राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय समितियों में सहभागिता का विवरण क्र.सं. 4.7.14 में प्रस्तुत किया गया है।

4.7.11 परामर्श परियोजनाओं पर कार्य

जल विद्युत डिवीजन, जल विद्युत विकास विभाग, जीरो, अरुणाचल प्रदेश लिए टरबाइन (3 x 1500 किवो) के निचले नोजल हेतु चेक नट का डिजाईन।

4.7.12 छात्रों की उपलब्धियां

क्र.सं.	छात्र का नाम	गेट स्कोर
1	श्री सूरज कुमार	48.48
2	श्री मनोजित सरकार	33.54
3	श्री आलोक नाथ गुप्ता	29.64
4	श्री इगे रीरम	29.00
5	श्री ध्रुज्योति दास	27.00

वर्ष 2019 में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों ने आईआईटी, एनआईटी और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया। छात्रों ने अपनी परियोजनाओं में जैव-गैस संयंत्र, सौर तापक के मॉडल के डिजाइन और विकास में शामिल हैं। छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए और उनके परियोजना के काम के लिए प्रयोग करने के लिए आईआईटी जैसे संस्थानों में भेजा गया था। विभाग के 18 छात्रों ने परिसर नियोजन के माध्यम से नियुक्ति प्राप्त की थी।

परिसर नियोजन

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	कंपनी	साक्षात्कार की तिथि	पद
1	श्री आलोक नाथ गुप्ता	डी/16/एमई/021	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता
2	श्री रोहित कुमार पुरी	डी/16/एमई/ 023	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता

3	श्री रोहन सरकार	डी/16/एमई/003	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता
4	श्री शुभम चौधरी	डी/16/एमई/002	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता
5	श्री शुभमकर बर्मन	डी/16/एमई/004	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता
6	श्री सुभजीत सरकार	डी/16/एमई/012	इंफोसिस	17-18 अक्टूबर, 2019	प्रणाली अभियन्ता
7	श्री शुभम राय	डी/16/एमई/013	कोनिजेंट	9-10 नवम्बर, 2019	अभियन्ता प्रशिक्षु
8	श्री सूरज कुमार	डी/16/एमई/019	पाई इन्फोकॉम	15-16 फरवरी, 2020	ऑटोकैड डिजाईनर
9	श्री सोइबम अहोक सिंह	डी/16/एमई/202	पाई इन्फोकॉम	15-16 फरवरी, 2020	ऑटोकैड डिजाईनर
10	श्री अभिषेक साहा	डी/16/एमई/014	गो स्पिडी गो	12 मार्च, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
11	श्री मनीष चंदा	डी/16/एमई/001	गो स्पिडी गो	12 मार्च, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
12	श्री ऋषि राज प्रीतम	डी/16/एमई/024	गो स्पिडी गो	12 मार्च, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
13	सुश्री मृदुला बर्मन	डी/16/एमई/006	गो स्पिडी गो	12 मार्च, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
14	श्री पिंटू कुमार साह	डी/16/एमई/211	गो स्पिडी गो	12 मार्च, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
15	श्री मेबिन्सन मारबानियांग	डी/16/एमई/104	गो स्पिडी गो	6 जून, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
16	श्री विकास प्रसाद सिंह	डी/16/एमई/020	गो स्पिडी गो	6 जून, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
17	श्री अंगशुमान बर्मन	डी/16/एमई/015	गो स्पिडी गो	6 जून, 2020	प्रशिक्षण मॉड्यूल
18	श्री आलोक नाथ गुप्ता	डी/16/एमई/021	गो स्पिडी गो	9 जून, 2020	वरि. अधिकारी/ अभियन्ता

4.7.13 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

आचार्य एम. मुरलीधर	<ul style="list-style-type: none"> ➤ सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय ढलाई सम्मेलन, 2019 (59 आईएफसी तथा डब्लूएफओ-टीएफ) हेतु वैज्ञानिक समिति और 2020 (आईएफसी 60) पोर्टोरोज़, स्लोवेनिया। ➤ पीएचडी शोध 6061 एल्यूमीनियम मिश्र धातु आच्छादित नैनो SiC का ठंड निष्कासन व्यवहार का मूल्यांकन किया। दिसंबर, 2019, आंध्र विश्वविद्यालय,
--------------------	---

	<p>विशाखापत्तनम।</p> <ul style="list-style-type: none"> ➤ ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीआईएटीआई 4.0, चेन्नई में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया। मार्च 2020 (जून में आयोजित), ➤ छात्रों को सार्थक परियोजनाओं मार्गदर्शन करने के लिए जेड-कास्ट सॉफ्टवेयर समाहित प्रणाली और रक्षा प्रणाली नवाचार, भावी वायु संवहन डोमेन कार्यबल का उपयोग करके ढलाई सरलीकरण पर 3 वेबिनारो में भाग लिया। ➤ अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सामग्री और डिजाइन, मैडेस 2020, पर के लिए समीक्षक। दिसंबर 2019 में स्पेन। ➤ सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नेरिस्ट, 2019-20 ➤ अंतर्राष्ट्रीय जर्नल आईजे टेक के समीक्षक के रूप में नियुक्त। ➤ शोध पत्र (एमएमई 2866) "अतिरिक्त भराव के साथ के ग्लास / जूट हाइब्रिड छिद्रयुक्त मिश्रण" की समीक्षा की। जुलाई 2019
<p>आचार्य एम. चन्द्रशेखरन</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ पीएचडी शोध के लिए मौखिक परीक्षण आयोजित करने के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। 'घर्षण जोड़ स्टेनलेस स्टील और टाइटेनियम मिश्र धातु जोड़ों के उच्च तापमान गुणों का प्रयोगात्मक मूल्यांकन।, मार्च 2019, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई। ➤ पीएचडी शोध एआईएसआई 316 एसएस के मशिनिकरण के दौरान स्वचालित कटन तरल पदार्थ के प्रदर्शन का मूल्यांकन। सितंबर 2019, केआईआईटी विश्वविद्यालय ओडिशा। ➤ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में नियुक्त। ग्यारह शोध पत्रों की समीक्षा की जाती है। ➤ अरुणाचल प्रदेश राज्य लॉटरी के संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य, मार्च 2020 ➤ दयानंद सागर विश्वविद्यालय, बेंगलुरु -68 द्वारा 7-9 नवंबर, 2019 के दौरान आयोजित सम्मेलन एटीएमए 2019 में शोध पत्र अध्यापन-अध्ययन आधारित सरलीकरण का उपयोग करते हुए इनकॉन 825 की जीटीडब्ल्यू का बहु सतह विशिष्टताओं का आकलन प्रस्तुत किया था। ➤ किंग मोंगकुट यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी नॉर्थ बैंकॉक द्वारा 11-13 दिसंबर, 2019 के दौरान आयोजित अनुसंधान, आविष्कार और नवप्रवर्तन कांग्रेस-2019 में शोध पत्र वाहनो में अनुप्रयोगों के लिए AI7075 आधारित हाइब्रिड लघु मिश्रण प्रस्तुत किया। बैंकॉक, थाईलैंड
<p>आचार्य पी लिंगफ़ा</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ निशी इलाईट सोसाइटी नियोजन सलाह कक्ष, ईटानगर अरुणाचल प्रदेश, भारत द्वारा 10 जून 2019 को होटल टोडो में आयोजित सहायक अभियंता योग्य उम्मीदवारों के प्रतिकात्मक साक्षात्कार के दौरान संसाधन व्यक्ति थे। ➤ निशी इलाईट सोसाइटी नियोजन सलाह कक्ष, ईटानगर अरुणाचल प्रदेश, भारत द्वारा 15 मार्च 2020 को पीपीएससीसी (मुख्य) परीक्षा- 2018 के लिए योग्य उम्मीदवारों हेतु एक दिवसीय सलाह सह प्रतिकात्मक साक्षात्कार कार्यक्रम के दौरान संसाधन व्यक्ति थे।

	<ul style="list-style-type: none"> ➤ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, गोद लिए गए गाँव समूहों में काम करने की पहल करने के लिए संस्थानों को उन्मुखीकरण हेतु एक दिन की क्षेत्रीय कार्यशाला में “राष्ट्र निर्माण में उन्नत भारत अभियान (यूबीए) की भूमिका” पर व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति। नेरिस्ट, फरवरी 2020 ➤ असम अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जलकुबरी, आसम द्वारा फरवरी, 2020 में आयोजित सम्मेलन में पर एक आमंत्रित व्याख्यान “जैव ईंधन: एक स्थायी ऊर्जा स्रोत” एक संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। ➤ काजीरंगा विश्वविद्यालय द्वारा अप्रैल 2019 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला अभियांत्रिकी प्रणाली केजीवन चक्र की विश्वसनीयता में एक विशेषज्ञ वार्ता “ऊर्जा प्रणालियों के जीवन चक्र विश्वसनीयता पहलु एक संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत की। ➤ अधि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कान्चीपुरम में मई 2019 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री अभियांत्रिकी एवं विशिष्टतायें में मुख्य भाषण "जैव ऊर्जा नवीकरणीय स्रोत के रूप में जैव ईंधन" एक संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत की।
<p>आचार्य एस. मबतो</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अरुणाचल में सितंबर, 2019 में आयोजित टिक्युप-III कार्यशाला लचकदार रोबोट प्रणाली का सरलीकरण के दौरान पर एक व्याख्यान "समुचित आकार, आईओटी और मेक्ट्रॉनिकी के वर्तमान आयाम", प्रस्तुत किया।
<p>श्री एन तेई</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ दक्षिण एशिया विज्ञान एवं अभियांत्रिकी संस्थान की ओर से 13 जनवरी से 16 जनवरी, 2020 तक आयोजित 5वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सामग्री तथा सामग्री अभियांत्रिकी - 2020 में एक शोध पत्र "वैरिंग धारक सीक के साथ एक निकले हुए किनारे पर एफआरपी सम्मिलित पैनेल का तनाव विश्लेषण" प्रस्तुत किया। दक्षिण कोरिया के यांसयी विश्वविद्यालय, सियोल। ➤ मोंगकुट प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नॉर्थ बैंकाक द्वारा 11 - 13 दिसंबर, 2019 को आयोजित अनुसंधान, परम्परा एवं नवाचार कांग्रेस -2019 में एक शोध पत्र " इनकोनल 718 के उच्च गति पर प्रतिपादन में काटन बल का संख्यात्मक तरलीकरण" प्रस्तुत किया था। बैंकाक, थाईलैंड में 2019 ➤ दक्षिण एशिया विज्ञान एवं अभियांत्रिकी संस्थान, दक्षिण कोरिया की ओर से 13 जनवरी से 16 जनवरी, 2020 तक आयोजित 5वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सामग्री तथा सामग्री अभियांत्रिकी - 2020 में आमंत्रित समीक्षक के रूप में शोध पत्रों की समीक्षा की गई।
<p>डॉ एस के तमांग</p>	<ul style="list-style-type: none"> ➤ किंग मोंगकुट यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी नॉर्थ बैंकाक द्वारा 11-13 दिसंबर, 2019 के दौरान आयोजित अनुसंधान, आविष्कार तथा नवप्रवर्तन कांग्रेस-2019 में शोध पत्र उच्च गति मशिनिकरण के दौरान डीएफ़ॉर्म 3डी सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके कटन बल सरलिकरण पर तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया।

4.7.14 प्रयोगशालाओं और उपकरणों की सूची (परिशिष्ट-ए)

क्र.सं.	प्रयोगशाला	प्रमुख उपकरण
1	गैस गतिशीलता	पवन सुरंग, वायु प्रवाह रिग, धुआँ सुरंग, नोजल परीक्षण उपकरण, कंप्रेसर, तीन घटक तुला, आंकडा अधिग्रहण प्रणाली
2	एचएमटी	बहुउद्देशीय वायु वाहिनी, द्रवयुक्त सतह उपकरण संचालन संवहन और विकिरण उपकरण, कम्प्यूटर लिंक धारी उपकरण
3	उष्मा अभियांत्रिकी	उबाल उपकरण वायु संपिड़न परीक्षण रिग, दो-शाफ्ट गैस टरबाइन, आग एव चिंगारी बिंदु तंत्र, क्लाउड बिंदु तंत्र, बम कैलोरीमीटर, सुगमता तंत्र, आदि।
4	द्रव शक्ति एवं स्वचालन	केन्द्रा पसारक और पारस्परिक पंप, पल्टन व्हील, मेट सेंटी ऊँचाई उपकरण, हाइड्रोलिक प्रशिक्षक, सिमुलेटर, फ्रांसिस और कैप्लन टर्बाइन
5	आई.सी. इंजन	दो स्ट्रोक और चार स्ट्रोक पेट्रोल और डीजल इंजन, 5-गैस विश्लेषक, धुआँ मीटर
6	जैव डीजल (बाँयोडीजल)	इंटीग्रेटेड बायोडीजल रिएक्टर सिस्टम (मैकेनिकल ऑयल एक्स्प्लोरर, डेकोर्टेक्टिकेटर, बेबी बाथ बाँयलर और ऑइल फिल्टरिंग यूनिट), मैग्नेटिक ऑयल स्टीरर, 1-लीटर क्षमता बायोडीजल रिएक्टर, गैस क्रोमैटोग्राफ (जीसी), बम कैलोरीमीटर, अपकेंद्रित्र, फ्लैश एंड फायर पॉइंट उपकरण, क्लाउ,सेटाविस विस्कोमेटर
7	वातानुकूलन व शितलन	कम्प्यूटरीकृत आर व एसी यूनिट, वाफे संपीड़न इकाई, गैस चार्जर, बर्फ मेकर, रेफ्रिजरेटर
8	गतिशीलता व गतिकी	यूनिवर्सल कंपन टेस्टिंग ऑपरेटर्स, सीएएम विश्लेषण मशीन, रेसीप्रोकेटिंग और रोटेटिंग मास बैलेंसिंग यूनिट, ज्योरस्कोप, गवर्नर उपकरण, फंक्शन जेनरेटर, डिजिटल ऑसिलोस्कोप, एम्पलीफायर के साथ ध्वनिक इन्सुलेशन टेस्ट उपकरण
9	सामग्री शक्ति	यूटीएम, टॉर्सन टेस्टिंग यूनिट, इंपैक्ट टेस्टिंग यूनिट, थकान परीक्षण इकाई, कठोरता परीक्षक, विश्लेषक, ध्रुवीय क्षेत्र और अन्य सहायक उपकरण के साथ लैस ध्रुवीय क्षेत्र।
10	ट्राइबोलॉजी	हर्ट्जियन, संपर्क उपकरण, एयर असर उपकरण, बहुउद्देशीय घर्षण परीक्षक
11	सी.आई.एम. एवं रोबोटिक (उपकरण कक्ष)	युगल सीएनसी-सह मिलिंग एम/सी अधिकतम सीएनसी उत्पादन, बाहरी टर्निंग कार्बाइड उपकरण धारक सहित सीएनसी मशीन, टूलींग और धारक एडाप्टर सहित मैक्स मिल सीएनसी उत्पादन मिलिंग मशीन
12	कंप्यूटर एवं सीएफडी	पर्सनल कम्प्युटर, मुद्रक और संबंधित सॉफ्टवेयर
13	धातुकर्म विज्ञान	मापने के उपकरण, माइक्रोस्कोप, फर्नेस, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, चमकान मशीन
14	उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशाला	अल्ट्रासोनिक स्नान, गर्म हवा भट्ठी और मफल भट्ठी आदि

15	विनिर्माण प्रयोगशाला	एचपी डेस्क टॉप कंप्यूटर सिस्टम - 5, इत्यादि
16	सभागार	एलसीडी प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, विभिन्न विषयों पर ई-लर्निंग सीरीज, इंटरएक्टिव स्मार्ट क्लासरूम सिस्टम
17	कार्यशालाएं	बढ़ईगीरी, नमुना, मशीन और रखरखाव, फिटिंग शॉप, वेल्डिंग शॉप, फोर्जिंग शॉप और शीट मेटल शॉप से संबंधित विभिन्न धातु बनाने और धातु हटाने की प्रक्रिया और उपकरण

4.8 रसायन विज्ञान विभाग

4.8.1 रसायन विज्ञान विभाग का संक्षिप्त परिचय

यह विभाग संस्थान द्वारा संचालित अभियांत्रिकी के तीनों कार्यक्रमों प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री तथा वानिकी में डिग्री स्तर के छात्रों को रसायन विज्ञान का अध्यापन कार्य कर रहा है। विभाग में वर्ष 2009-10 से जैविक रसायन में विशेषज्ञता के साथ एम. एससी. (रसायन) विज्ञान का शुभारंभ किया गया। रसायन विज्ञान में एमएससी के नए बैच, यथा: एम.एससी. (प्रथम वर्ष) के 11वें बैच की प्रवेश प्रक्रिया जुलाई 2019 में की गई, जिसके लिए विभाग द्वारा लिखित परीक्षा ली गई। परीक्षा में सफल 10 अभ्यर्थियों का चयन किया गया और 10 अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद वर्ष 2019-20 सत्र के लिए एम.एससी. रसायन विज्ञान के प्रथम वर्ष में कुल 22 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। इसके अतिरिक्त पीएचडी के लिए भी लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार आयोजित किया गया था। कुल 04 विद्यार्थियों को पीएच.डी. में प्रवेश प्रदान किया गया था।

संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एच. एस. यादव ने निदेशक नेरिस्ट के रूप में 06 मार्च, 2018 को पदभार ग्रहण कर लिया है। आप विभाग के अध्ययन मंडल के भी सदस्य हैं।
2. प्रोफेसर पी. के. त्रिपाठी, नेरिस्ट शैक्षिक समिति, विभाग के अध्ययन मंडल तथा निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आप नेरिस्ट प्रबन्धन बोर्ड के भी सदस्य हैं।
3. प्रोफेसर एम. एफ. हुसैन नेरिस्ट शैक्षिक समिति, विभाग के अध्ययन मंडलके सदस्य हैं।
4. आचार्य एन. देब स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड, नेपगेट तथा नेरिस्ट शैक्षिक समिति सदस्य हैं।
5. डॉ. जे. भुयॉन संस्थान के केंद्रीय शोध सुविधा (सी आर एफ) के प्रभारी के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आप विभाग के अध्ययन मंडल व स्वचालन समिति के संयोजक व एनईई समिति के सदस्य हैं।
6. प्रोफेसर ए. के. गुप्ता 24-4-2018 से विभागाध्यक्ष है। आप विभाग के अध्ययन मंडल व स्नातकोत्तर अध्ययन समिति के अध्यक्ष भी हैं।

7. डा. एम यादव विभाग के अध्ययन मंडल की सदस्या है। आप एनबीए की विभागिय संयोजक और कार्यस्थल पर महिला उत्पिड़न अधिनियम-2013 की शिकायत समिति की तथा के.वि. अभिभावक-विद्यार्थी समिति की सदस्या है।
8. डॉ. एस एल भारती विभाग के अध्ययन मंडल की सदस्या है।

विभागीय प्रशासनिक कार्यों में भी विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. डॉ. मीरा यादव रसायन प्रयोगशाला-II की प्रभारी थी।
2. डॉ. जे. भुयॉन पी जी प्रयोगशाला-I एवं उपकरण प्रयोगशालाके प्रभारी थे।
3. डॉ. एन. एन. यादव पी जी प्रयोगशाला-II के प्रभारी थे।
4. डॉ.ए मुगन पी जी प्रयोगशाला-III के प्रभारी थे।
5. श्री एस. एल. भारती विभागिय पुस्तकालय के प्रभारी एवं केन्द्रीय पुस्तकालय के प्रतिनिधि थे।
6. श्री एनजी सिंह रसायन प्रयोगशाला -1 के प्रयोगशाला प्रभारी हैं

4.8.2 शैक्षणिक गतिविधियां

विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम की विवेचना के लिए 23/03/2017 को रसायन विज्ञान विभाग के 4^{वें} बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक आयोजित की गई थी। इस बोर्ड द्वारा सुझाये पाठ्यक्रम को सत्र 2017-18 से लागु कर दिया गया है। विभाग की डीपीजीसी समिति एम.एससी. व पीएच.डी. कार्यक्रमों के सुचारु संचालन व प्रगति का आकलन निरन्तर कर रही है।

विभाग में सैधान्तिक और प्रायोगिक कक्षा के नियमित सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। सभी पाठ्यक्रम यथासमय समाप्त हो गए। सभी जांच और प्रायोगिक कक्षाएँ समाय पर पूरी कर ली गई। सत्रांत परीक्षा, परिपूरक परीक्षा, पूरक परीक्षा, प्रश्नोत्तरी तथा षष्मकालिन पाठ्यक्रम आदि सभी परीक्षाओं के परिणाम समय पर तैयार किए गए और परीक्षा नियंत्रक को प्रस्तुत किए गए। एन बी ए से संबन्धित आवश्यक पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ अंकों का निर्धारण किया गया और संबन्धित विभागों को समय पर प्रस्तुत की गई। समय समय पर विभाग के वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन अथवा नए पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विभाग में अध्ययन परिषद का गठन किया गया है।

4.8.3 प्रयोगशाला और प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण अच्छी अवस्था में हैं:

- डिजिटल कंडक्टिविटी मीटर
- पोलारी मीटर
- डिजिटल पी. एच. मीटर
- डिफरेंशिएल स्केनिंग केलोरिमीटर (डीएससी)
- एफ.टी.-आई.आर.
- रोटरी इवेपोरेटर
- मेल्टिंग प्वाइंट एपाराटास, आदि
- डिजिटल मेग्नेटिक स्टाइरर विथ हॉट प्लेट
- क्वार्ट्स बि-डिस्टिल्लेशन

- वेरिएवल वल्यूम माइक्रोपाइपेट और
- एनालाइटिकल बेलेंस

4.8.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

निम्नलिखित परियोजनाओं की प्रस्तुति 14-5-2019 को एमएस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा समिति के सदस्यों व विशेषज्ञ की उपस्थिति में की गई थी -

क्र. सं.	परियोजना का शीर्षक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	पर्यवेक्षक
01	CeO ₂ नैनोकणों के आधार पर एक पेरोक्सीडेज बायोमिमेटिक प्रणाली	एमएस/17/सीएच/03	श्री देबाशीष बोरा	आचार्य एच एस यादव
02	यूजेनॉल और इस्सुओगेनोल के एसिटाइल और मिथाइल डेरिवेटिव्स में रूपांतरण की पुनः स्थापना: तथा इसकी एक औद्योगिक प्रक्रिया के रूप में पुनर्जनन उपयोगिता	एमएस/17/सीएच/04	सुश्री सीमा गुप्ता	आचार्य ए के गुप्ता
03	हरित रसायन ऑक्सीकरण के लिए सेरिक अमोनियम नाइट्रेट के साथ मूली स्रोत से पेरोक्सीडेस की तुलना	एमएस/17/सीएच/05	सुश्री शिल्पा सैकिया	आचार्य एच एस यादव
04	एमएन (तृतीय) कॉम्प्लेक्स द्वारा मेथिलीन ब्लू की डिकोलोरी	एमएस/17/सीएच/06	सुश्री बैसली हजारिका	डॉ एस एल भारती
05	ज़िंक (II), आयरन (III) और ऑक्सोवैनेडियम (IV) पोरफाइरिन तथा आइसोफोर्फिन कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण	एमएस/17/सीएच/07	श्री अनुराग डेका	डॉ जे भुवन
06	तीन-सदस्यीय एज़ेथेरोसायकल एज़िरिडिन का संश्लेषण और इसके उद्घाटन की प्रतिक्रिया	एमएस/17/सीएच/08	श्री मोनुरंजन गोगोई	डॉ एनएन यादव
07	चयोट स्कवैश से होमोगेनेसिटी कैटलसेज़ की शुद्धि	एमएस/17/सीएच/09	सुश्री मृदुस्मिता बर्मन	डॉ मीरा यादव
08	4-आरिलिडीन-1-फिनाइल-2-प्रतिस्थापित स्टाइरील -2-इमिडाज़ोलिन-5-फाइलेज़ की फिनाइलिसोथियोसाइनेट की मध्यस्थता का विशिष्ट संश्लेषण व उनके एंटी-माइक्रोबायल मूल्यांकन	एमएस/17/सीएच/10	श्री सुप्रभ सौरभ बोरदोलोई	आचार्य पी के त्रिपाठी

4.8.5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालों का आयोजन: नहीं

4.8.6 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालों में संकाय सदस्यों की भागिदारी

डॉ जे. भुइयान ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया:

- कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट अभातशिप द्वारा 14/10/2019 - 25/10/2019 के दौरान प्रायोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।
- आइआईटी गुवाहाटी और तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आईआईआईटी गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में अपना आलेख घुलनशील पॉर्फिरीन: संश्लेषण, गुण और संभावित अनुप्रयोग प्रस्तुत किया।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13-20 जनवरी 2020 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और संस्थान" में भाग लिया।

डॉ. मीरा यादव ने निम्नलिखित अभिविन्यास कार्यक्रमों में भाग लिया:

- कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट अभातशिप द्वारा 14/10/2019 - 25/10/2019 के दौरान प्रायोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।
- आईआईटी गुवाहाटी द्वारा 11-14 दिसम्बर, 2019 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अकार्बनिक रसायन विज्ञान में आधुनिक रुझान" में भाग लिया।
- 107वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस, स्थान: कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूर, 3-7 जनवरी, 2020
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13-20 जनवरी 2020 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और संस्थान" में भाग लिया।
- नेरिस्ट में 27-29 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम "आपदा प्रबंधन"** में भाग लिया।

डॉ एन एन यादव ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया:

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
- कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट अभातशिप द्वारा 14/10/2019 - 25/10/2019 के दौरान प्रायोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।
- एमपीपी जी कॉलेज, जंगल धुशन में 13 फरवरी 2020 को आमंत्रित व्याख्यान "ग्रीन केमिस्ट्री" गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
- भारतीय कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलूर में 3-7 जनवरी, 2020 को आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया, शीर्षक "चिरल अज़िरिडिंस का रिंग विस्तार: नाइट्रोजन युक्त प्राकृतिक उत्पादों के असममित संश्लेषण की ओर अनुप्रयोग"।

डॉ. शशि लता भारती ने निम्नलिखित ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया:

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13-20 जनवरी 2020 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और संस्थान" में भाग लिया।
- नेरिस्ट में 27-29 फरवरी, 2020 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम "आपदा प्रबंधन" में भाग लिया।

डॉ. ए मुरुगन ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम में भाग लिया:

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट में 20-24 मई, 2019 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा" में भाग लिया।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट में राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के माध्यम से 27 मई से 31 मई, 2019 को आयोजित आयोजित संकाय विकास "गहन शिक्षण सह अनुपयोग" में भाग लिया।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नेरिस्ट में 08-12 जुलाई 2019 से आयोजित आयोजित संकाय विकास "ओपन सोर्स ईडीए का उपयोग करने वीएलएसआई चिप डिज़ाइन" में भाग लिया।
- कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट अभातशिप द्वारा 14/10/2019 - 25/10/2019 के दौरान प्रायोजित दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव" में भाग लिया।

श्री एन जी सिंह ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम में भाग लिया:

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईसीटी अकादमी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 13-20 जनवरी 2020 को आयोजित आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम "आईसीटी उपकरण शिक्षण, सीखने की प्रक्रिया और संस्थान" में भाग लिया।
- एनआईटी, मेघालय द्वारा 14-15 अक्टूबर, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "रसायन विज्ञान में हाल के अग्रिमों" में भाग लिया और एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

1.8.7. संकाय द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता:

डॉ. एन जी सिंह ने निम्नलिखित संस्थानों की सदस्यता प्राप्त की:

- जीवन पर्यन्त सदस्यता, सदस्यता संख्या 1727, वर्ष 2015, द एसोसिएशन ऑफ केमिस्ट्री टीचर्स, होमो भाबा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, टीआईएफआर, मुंबई
- जीवन सदस्य, सदस्यता संख्या एलएम 625, वर्ष 2013, रसायन विज्ञान प्रभाग, बीएआरसी, मुंबई।

4.8.8 संकाय द्वारा अर्जित उपलब्धि / पुरस्कार / मान्यता: -नहीं-

4.8.9 विभाग के संकाय के लिए बाहरी एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं: एक

परियोजना का शीर्षक: घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी) की जांच के रूप में निकट-लाल रंजक, फोटोडायनामिक थेरेपी के लिए फोटोसेनिटाइज़र और लोहे के लिए विकल्प के रूप में लोहे (III) आइसोफोर्फिस

वित्त पोषण एजेंसी: विज्ञान एवं अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, नई दिल्ली, भारत सरकार।
स्वीकृति की तिथि: 05-02-2020, कुल राशि: रु. 6,60,000 / -

4.8.10 आलेखों का प्रकाशन:

संदर्भ जर्नलों में:

1. एन जी सिंह, के डी बोराह, एस मजूमदार, एवं जे भुइयान, "इथेनॉल समन्वित जस्ता ट्राइ मेथोक्सी फेनिलोस्फिरिन: आइसोप्रोफिरिन की संरचना, सैद्धांतिक अध्ययन एवं गठन", मोल्यूलर स्ट्रक्चर, एल्सेवियर, 2020, 1200, 127116
2. के डी बोराह एवं जे भुइयान, "पानी में घुलनशील पोर्फिरिन के मेथोक्सी-आइसोफोर्फिन: संश्लेषण, लक्षण वर्णन और विद्युत रासायनिक गुण", जे कोर्ड केम, 2019, 72, 2251-2260
3. मीरा यादव, डेंसन बसुमतरी, पराग नाथ एवं हरदेव सिंह यादव, "कैटेलिटिक बायोट्रांसफॉर्मेशन और लुफ्फा एजिप्टिका से पेरॉक्सीडेस का निषेध अध्ययन", रिसेन्ट ऑर्गनोकेटलिसिस। अंक 7, डीओआई 10.2174 / 2213337207666200211095038 (2020)
4. मीरा यादव, निवेदिता राय एवं हरदेव सिंह यादव, "विभिन्न पूर्व-उपचार रणनीतियों का उपयोग करते हुए लिग्नोसेल्यूलोज सामग्री का बायोकोनवर्जन - एक समीक्षा" *रसायन विज्ञान और पर्यावरण की अनुसंधान जर्नल (2020)* स्वीकार किया गया।
5. यादव, एन एन; ली, वाई-जी; श्रीवास्तव, एन; हा, एच जे (2019) बायसायलिक एज़रिडिनियम आयन और इसके अनुप्रयोग के क्षारीय रिंग-खुलना, रसायन विज्ञान में अग्रिम-2019, (7), डीओआई: **10.3389 / fchem.2019.00.0060**
6. सूर्यचंद्र, डी के; टेनेटी, एस; यादव, एन एन; यादव, जे एस "एंटीट्यूमर साइक्लोडेप्सिप्टिप्टाइड डॉलिकुलाइड स्टरोसलेक्टिव संश्लेषण", इंडियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री 2020,59B, 376-384
7. निहारिकाएंड़, सुध्यादव, पंकज कुमार चौरसिया एवं शशिलता भारती, एक आदर्श मैंगनीज (तृतीय) पोर्फिरिन का संश्लेषण और सुगंधित अल्कोहल के चुनिंदा ऑक्सीकरण में इसकी उत्प्रेरक भूमिका। रुस जे इनर्ग केम, 2019, 64 (9), 1101-1104. आईएसएसएन 0036-0236 (एससीआई और स्कोपस अनुक्रमित पत्रिका, प्लीएड्स-स्प्रिंगर)
8. पंकज कुमार चौरसिया, शशिलता भारती, माईको-डाई डिकोलोराई पर अध्ययन (लघु-समीक्षा) जे. बायोथेनोल, 2019, 3 (4), 27-31। आईएसएसएन 2637-5362 (सरवाह प्रकाशन, यूएसए)
9. चंदना शर्मा, शशिलता भारती एवं पंकज कुमार चौरसिया, मैंगनीज शिफ बेस कॉम्प्लेक्स और उनके जैविक उत्प्रेरक अनुप्रयोग। पीडीएफ एक्सेस जे. केम., 2020, 4 (1), 39-43। आईएसएसएन 2637-5834 (सरवाह प्रकाशन, यूएसए)।
10. पी के त्रिपाठी, 2-सबस्टीट्यूड 2- ऑक्साज़ोलिन-5-वाले सीटू, और प्यूबनिटा भुइयन में उत्पन्न अलग-अलग हाइड्रॉक्सिल एरोमैटिक एल्डिहाइड के संघनन पर अध्ययन। अमेरिकी जे. हेटेरोसायक्लिक रसायन, 5 (1), 1-3 (2019)

11. गुनका हजारिका एवं पी के त्रिपाठी फिनाइलिसोथियोसाइनेट के साथ मोनो-डिक्कारोक्सिलिक एसिड के निःशुल्क त्वरित रूपांतरण सह उनकी संगत बीमारी में बदलाव। अमेरिकी जे. हेटेरोसायक्लिक रसायन, 5 (1), 4-6 (2019)
12. संगीता कलिता और पीके त्रिपाठी 1,2-डिसबटूडेट 4-एरिल मेथिलिन-2-ईमिडाजोलिन-5-वन्सवाया 2-प्रतिस्थापित 2-2-ऑक्सीजोलिन-5 का संश्लेषण।, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ केमिकल स्टडीज़, 7(3), 3655-3658 (2019)।(ऑनलाइन आईएसएसएन :: 2321-4902, मुद्रण आईएसएसएन: 2349-8528, प्रभाव कारक: 0.565
13. सुप्रभ सौरभ बोरदोलोई एवं पी के त्रिपाठी, फिनाइल आइसोथियोसाइनेट 4-आरिलिडीन-1-फिनाइल-2-प्रतिस्थापित स्टाइलील -2-इमिडाजोलिन-5- के लिए मध्यस्थता तथा इसका विशाणुरोधी मूल्यांकन।, इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च जर्नल इन साइंस, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी। , 6 (6), 63- 67 (2019) (ऑनलाइन आईएसएसएन: 2393-8021, मुद्रण आईएसएसएन: 2394-1588), प्रभाव कारक: 5.551, डीओआई: 10.17148 / IARJSET.2019.6609

सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख:

1. आलेख प्रस्तुत शीर्षक "चिरल अज़ीरिडिन का रिंग विस्तार: नाइट्रोजन युक्त प्राकृतिक तत्व के असममित संश्लेषण की ओर अनुप्रयोग" 107 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलोर में 3-7 जनवरी, 2020
2. मुरुगन, मिथुन चक्रवर्ती एवं वी. थांदैय्यकोण, तकनीकी रूप से महत्वपूर्ण क्रिस्टलीय और एमोरोफिल सॉलिड्स वैनाडिल पोर्फिरीन का चक्रीय वोल्टामेट्रिक अध्ययन, 5वां राष्ट्रीय सम्मेलन, अनुसंधान सह शिक्षा, कृष्णसकोइल, कैल्सनकोइल, आईएसएएनएस 4-3, 6 अप्रैल 2019
3. मीरा यादव तथा आनंदिता हजारिका, उभरते हुए उत्प्रेरक की समरूपता गतिविधि के रूप में CeO_2 नैनोकण। रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय विज्ञान कांग्रेस। पृष्ठ 128, जनवरी 3-7, 2020. यूनीव, कृषि विज्ञान, बेंगलोर।
4. बी जे गौगोई, के. सुन्दर महालिंगम, एन. नालामुथू एवं ए. मुरुगन, ठोस बैटरी अनुप्रयोग के लिए PVA-PVP- Na_2SO_4 पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट का विद्युत प्रतिबाधा अध्ययन। 5वां राष्ट्रीय सम्मेलन, अनुसंधान सह शिक्षा, कृष्णसकोइल, (आईएसबीएन: 978-81-909237-4-3), 6 अप्रैल 2019

पुस्तकें:

1. पंकज कुमार चौरसिया, शशिलता भारती (सम्पादक), पुस्तक: फंगल वर्ल्ड में अनुसंधान अग्रिम: संस्कृति, अलगाव, पहचान, वर्गीकरण, विशेषता, गुण और गतिकी, प्रकाशक: नोवा साइंस प्रकाशक, आईएसबीएन: 978-1-53617-197-6 (2020)

2. यादव, एम, कलिता, यू, काकती, डी, पाटगिरी, डी 2019. (सम्पादक) लिग्निनोलिटिक एंजाइम परावर्तन द्वारा पर्यावरणीय स्थिरता का अनौपचारिक रूप से विकास। पूर्वोन प्रकाशन, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, भारत, पृष्ठ 228-230 आईएसबीएन: 978-93-88593-16-8

पुस्तक में अध्याय:

1. सीओ में मो और डब्ल्यू-एंजाइमों के बायोइन्स्पायर्ड मॉडल₂, कमीजगन्नाथ भुयान और सब्यसाची सरकारमें अध्याय खंड 5, Bioinspired रसायन विज्ञान: एंजाइमों से सिंथेटिक मॉडल तक, द्वारा संपादित:मारियस रेजलियर। रसायन विज्ञान, ऊर्जा और पर्यावरण, विश्व वैज्ञानिक, प्रकाशन कंपनी Pte पर श्रृंखला। लिमिटेड 5- तोह-टक लिंक, सिंगापुर- 596224, 2019, आईएसबीएन 9789813274433
2. पंकज कुमार चौरसिया और शशिलताभारती.फूंगी और उनके सहयोगी एंजाइम (अध्याय 1) .Book:। फंगल दुनिया में अनुसंधान अग्रिम: संस्कृति, अलगाव, पहचान, वर्गीकरण, चरित्र, गुण और कैनेटीक्स। 2020, पृष्ठ 03-20। आईएसबीएन: 978-1-53617-197-6। नोवा विज्ञान प्रकाशक, यूएसए।
3. पंकज कुमार चौरसिया एवं शशिलता भारती। (अध्याय 17) इंगल लैक्सेस के काइनेटिक गुणों के लिए प्रारंभिक दृष्टिकोण। पुस्तक का शीर्षक: फंगल दुनिया में अनुसंधान अग्रिम: संस्कृति, अलगाव, पहचान, वर्गीकरण, चरित्र, गुण और कैनेटीक्स। 2020, पृष्ठ 373-383 आईएसबीएन: 978-1-53617-197-6। नोवा साइंस प्रकाशक, यूएसए

4.8.11 बाहरी निकायों के साथ संकाय / विभाग की सहभागिता: नहीं

4.8.12 सलाहकार परियोजनायें: नहीं

4.8.13. छात्रों की उपलब्धियां: अनुसंधान छात्रा सुश्री निवेदिता राय को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

4.8.14. कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी:

विभाग में दो प्रयोगशालाओ एम.एससी. और अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना का कार्य प्रगति पर है।

4.9 भौतिक विज्ञान विभाग

4.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

विभाग के निम्नलिखित संकाय सदस्य कम से कम एक अर्ध-सत्र 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक शिक्षण, अनुसंधान तथा प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन कर रहे थे-

क्र.स.	नाम तथा पदनाम	योग्यता , वर्ष एवं विश्वविद्यालय	अनुसंधान क्षेत्र
1	आचार्य टाडो कार्लो आचार्य व विभागाध्यक्ष	पीएच.डी., 1997 दिल्ली विश्वविद्यालय	गणितीय भौतिकी, जलवायु भौतिकी, सौर ऊर्जा, ध्वनिक ध्वन्यात्मक, वर्षा जल संचयन, विज्ञान लोकप्रियता, समूह सिद्धांत

2	डॉ. ठा. गोमती देवी सह आचार्य	पीएच.डी., 2005 एनईएचयू, शिलांग	रासायनिक भौतिकी, जैव भौतिकी
3	डॉ. मुकेश उपाध्याय सह आचार्य	पीएच.डी., 2005 डॉ. आरएमएल अवध विश्वविद्यालय	ठोस भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिकी
4	डॉ. राजेश कुमार यादव सह आचार्य	डी. फिल, 2007 इलाहाबाद विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी
5	डॉ. कमल सहरिया सहायक आचार्य	पीएच.डी., 2009 गौहाटी विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक प्लाज्मा भौतिकी
6	डॉ. अकबरी जहाँ सहायक आचार्य	पीएच.डी., 2014 गौहाटी विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी
7	डॉ. कुणाल बोराह सहायक आचार्य	पीएच.डी., 2014 तेजपुर विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिकी, माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिकी, संकेत ग्राही

* आचार्य पी आर अलापाति प्रतिनियुक्ति पर पश्चिम बंगाल में सेवारत हैं और आचार्य अरविंद पांडे झारखंड में सेवा कर रहे हैं।

विभाग के प्राधिकारियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	पद	पदस्थापन
1	श्री टी. के. घोष	वैज्ञानिक अधिकारी	5 एम.एससी. तथा अनुसंधान प्रयोगशाला
2	श्री बी. पी. डेका	प्रशिक्षक	डिप्लोमा / डिग्री प्रयोगशाला
3	श्री ओ. एस. राठोर	प्रशिक्षक	प्रमाण पत्र प्रयोगशाला
4	श्री बुलु राँय	प्रयोगशाला परिचर	प्रमाण पत्र प्रयोगशाला
5	श्री मनोज इंगति	प्रयोगशाला परिचर	डिप्लोमा / डिग्री लैब
6	श्री डोगिन रिण्या	माली	5 एम.एससी. प्रयोगशाला
7	श्री बी. पी. दासगुप्ता	यूडीसी	विभागाध्यक्ष कार्यालय
8	श्री एस. एम. राँय	चपरासी	विभागाध्यक्ष कार्यालय

प्रवेश स्थान (एम.एससी. तथा पीएच.डी.)

प्रवेश		सफल छात्र		
एम.एससी.		पीएच.डी.	एम.एससी.	
प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष		एम.एससी.	पीएच.डी.
23	10	3	22	1

नियुक्ति/ उपलब्धि (एम.एससी. तथा पीएच.डी.)

नेट / जेआरएफ	नियुक्त
0	2

4.9.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) वर्ष के दौरान विभाग ने छात्रों को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए संस्थान के विविध कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के लिए आठ पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य अभियांत्रिकी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखाओं के लिए कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

माँड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल-टी-पी- क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
प्रमाण पत्र	पी एच 1101	4-0-2-5	भौतिकी-I
प्रमाण पत्र	पी एच 1201	4-0-2-5	भौतिकी-II
डिप्लोमा	पी एच 3101	4-0-2-5	भौतिकी-III
डिप्लोमा	पी एच 3201	3-0-2-4	सीएस, ईसी एवं ईई के लिए भौतिकी
डिप्लोमा	पी एच 3202	3-0-2-4	ईई, सीई एवं एमई के लिए भौतिकी
डिग्री	पी एच 3203	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी(अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखा)
डिग्री	पी एच 4301	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी (सेतु पाठ्यक्रम)
डिग्री	पी एच 5101	3-0-2-4	आधुनिक भौतिकी

(ख) विभाग ने एम.एससी. (भौतिकी) का अध्यापन कार्य आरम्भ कर दिया है। स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

माँड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल.टी.पी. क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
एम.एससी.	पी एच 7101	3-1-0-4	क्लासिकल मेकेनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7102	3-1-0-4	गणितीय भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7103	3-1-0-4	संगणनीय भौतिकी एवं प्रोग्रामिंग
एम.एससी.	पी एच 7104	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स- I
एम.एससी.	पी एच 7151	0-0-6-3	सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (जी भौतिकी में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7152	0-0-6-3	कंप्यूटर प्रयोगशाला(प्रचालन प्रणाली और प्रोग्रामिंग संबंधी अभ्यास)
एम.एससी.	पी एच 7201	3-1-0-4	इलेक्ट्रोडिनामिक्स
एम.एससी.	पी एच 7202	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7203	3-1-0-4	एटोमिक मोलेक्युलर व लेजर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7204	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स-II

एम.एससी.	पी एच 7251	0-0-9-5	ओपटिक्स व सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (ओपटिक्स संबन्धित व अन्य जो सामान्य भौतिकी में शामिल नहीं, में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7252	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला (इलेक्ट्रॉनिकी के थियोरी पत्र में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 8101	3-1-0-4	एटोमिक व मोलेक्युलर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 8102	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिकी
एम.एससी.	पी एच 8103	3-1-0-4	न्यूक्लियर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 810*	3-1-0-4	विशेष पत्र-I
एम.एससी.	पी एच 8151	6-6-0-3	ओपटिक्स एवं न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8152	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8201	3-1-2-5	समूह थियोरी एवं अनुप्रयोग
एम.एससी.	पी एच 820*	3-1-0-4	विशेष पत्र-II
एम.एससी.	पी एच 825*	0-0-6-3	विशेष पत्र प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 80**	3-0-0-3	वैकल्पिक
एम.एससी.	पी एच 8299	0-0-16-8	परियोजना

(ख) संकाय सदस्यों की कमी के कारण संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान छात्रों को भी नियमित रूप से सभी प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन के लिए स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए सामिल किया जा रहा है।

कार्यक्रम	पाठ्यक्रम	प्रयोगशाला
प्रमाण पत्र	पी एच 1101, पी एच 1201	भौतिकी प्रयोगशाला
डिप्लोमा	पी एच 3101	भौतिकी प्रयोगशाला II
	पी एच 3201	
	पी एच 3202	
डिग्री	पी एच 4301, पी एच 5101	
एम.एससी.	पी एच 7151	भौतिकी प्रयोगशाला III / सामान्य एवं परमाणु भौतिकी प्रयोगशाला, प्रकाशिकी प्रयोगशाला I व II
	पी एच 7251	
	पी एच 810 *	ठोस भौतिकी प्रयोगशाला
	पी एच 820 *	
	पी एच 8152	इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला

4.9.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

(1) भौतिकी विभाग के कार्यक्रम एम.एससी. के छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए पाठ्यक्रम का विकास मुख्य रूप से रासायनिक भौतिकी, शीतल तथा संघनित पदार्थ भौतिकी में अनुसंधान करने के लिए किया गया है। तदनुसार, एम.एससी. तथा पीएच.डी की प्रयोगात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयोगशालाओं का विकास किया गया है। कण भौतिकी, गणितीय भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी, क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत, जलवायु भौतिकी आदि जैसे सैद्धांतिक भौतिकी के क्षेत्रों में रुचि रखने वालों के लिए इस तरह का अकादमिक पारिस्थितिकी तंत्र अनुचित था, इसलिए, मध्य-पाठ्यक्रम सुधार चल रहा है।

(2) "एक वर्ग, एक प्रयोग" के लिए उपकरणों के पर्याप्त सेटों के साथ स्नातक प्रयोगशाला होने का सपना एक दूरस्थ संभावना बनी हुई है। आदर्श रूप में, किसी भी प्रायोगिक कक्षा में, सभी छात्रों द्वारा केवल एक प्रयोग किया जाना चाहिए। यह केवल तभी संभव है जब (ए) छात्रों की संख्या के अनुरूप में उपकरण उपलब्ध हों और (बी) एक लेखन बोर्ड हो जिस पर सिद्धांत, प्रक्रिया, सावधानियों, आदि को समझाया जा सके। नेरिस्ट के प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री अभियांत्रिकी छात्रों के लिए आदर्श प्रयोगशाला विकसित करने के लिए पर्याप्त प्रयोगशाला स्थान, उपकरण तथा तकनीकी श्रमशक्ति की आवश्यकता है।

(3) सभी प्रयोगशालाओं में रोशनी की समस्या को दूर करने के लिए विद्यमान प्रकाश व्यवस्था को अधिक कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था के साथ बदलने के लिए पहल की गई है।

(4) बिजली की कमी के कारण, कंप्यूटर प्रयोगशाला में 10 किलोए यूपीएस की स्थापना की गई। इसके अलावा, एम.एससी. में दो गुणा छात्रों को प्रवेश के कारण विभाग को कंप्यूटर प्रयोगशाला के लिए अधिक स्थान वाले कमरे की आवश्यकता थी। कंप्यूटर प्रयोगशाला के लिए भौतिकी विभाग को कमरा नंबर 26 आवंटित किया गया है। इसके लिए आवश्यक फर्नीचर के साथ पच्चीस कंप्यूटरों की आवश्यकता थी। नई कंप्यूटर प्रयोगशाला में निर्बाध बिजली की आपूर्ति होगी और इसका उपयोग एम.एससी. और पीएच.डी. छात्रों द्वारा किया जायेगा।

(5) कंप्यूटर प्रयोगशाला और एम.एससी. कक्षा में वातानुकूलन का न होना। वातानुकूलन का न होना इस प्रयोगशाला के संवेदनशील उपकरणों और उनके उपयोगकर्ताओं के लिए एक समस्या है। वातानुकूलन यंत्र लगवाने के प्रयास किए गए लेकिन सफलता नहीं मिली। उपकरणों की दीर्घायु के लिए वातानुकूलन आवश्यकताओं और छात्रों के लिए बेहतर काम करने की स्थिति में सुधार के प्रयास किए जाएंगे और अगले वार्षिक प्रतिवेदन में परिणाम की सूचना दी जाएगी।

(6) नई कंप्यूटर प्रयोगशाला के लिए कमरे की जल रिसाव समस्या को सिविल अनुरक्षण कक्ष के माध्यम से हल किया जा रहा है।

(7) भौतिकी विभाग को फिस्ट परियोजना से आंतरिक राजस्व उत्पन्न करने के लिए अकादमिक परिषद द्वारा अनुमति दी गई है। एकत्र की गई राशि को संस्थान खाते में जमा किया जाएगा।

इस परियोजना का उपयोग निम्नलिखित उपकरणों से परीक्षण सेवा शुल्क से आंतरिक राजस्व उत्पन्न करने हेतु किया जाएगा:

- एक्सआरडी अल्टिमा चतुर्थ
- लेजर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी
- उच्च तापमान प्रतिबाधा विश्लेषक (व्यान केर)
- विभेदक स्कैन कैलोरीमीटर

निम्नलिखित उपकरण पिछले विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित परियोजना के लिए खरीदे गए थे:

- गर्म चरण ध्रुवीकरण माइक्रोस्कोप
- घनत्व माप उपकरण (बाइसेपिलरी पाइकोनोमीटर तकनीक)

- अल्ट्रासोनिक वेग माप उपकरण
- प्रतिबाधा विश्लेषक (एच-पी 4192 ए)
- संस्थान की केंद्रीय अनुसंधान सुविधा में उपलब्ध एक्सआरडी उपकरण का उपयोग करके तरल क्रिस्टल पर एक्स-रे विवर्तन अध्ययन (ताप ग्रहण)
- तरल क्रिस्टल सामग्री के संश्लेषण के लिए सुविधाएं
इस परियोजना अवधि की समाप्ति के साथ ही उपकरणों को अब द्रव स्फटिक प्रयोगशाला में रखा गया है, जो कि भौतिकी विभाग के प्रमुख के प्रत्यक्ष नियंत्रण में है।

पिछले विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग / मानव संसाधन विकास मंत्रालय परियोजनाओं से निम्नलिखित साधन परियोजनाओं की समाप्ति के बाद उचित देखभाल के बिना बने रहे हैं। उन्हें बेहतर उपयोग के लिए उचित देखभाल के साथ निर्माणाधीन सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला में रखा जाएगा। उपकरणों की सूची है:

- मध्यम आवृत्ति (40-100 हर्ज) एलसीआर है टेस्टर (हिओकी, जापान)
- कम आवृत्ति (1 मिली हर्ज - 100 किलो हर्ज) कम्प्यूटर नियंत्रित प्रतिबाधा विश्लेषक (हिओकी, जापान)
- साइक्लिक वोल्टामेटी आदि के लिए कम्प्यूटर नियंत्रित विश्लेषण कार्य प्रणाली (साइकोपेल, यू.के.)
- आयन उत्पादन की स्थानीय प्रविधि, इलेक्ट्रान संचरण पॉलीमर एवं विशिष्टता आकलन प्रणाली
- एक्स वाई टी रेकॉर्डर (ग्राफीटेक, जापान)
- निर्वात परत यूनिट (हिंद हाई-वेक, बैंगलोर, इंडिया-मडेल 12ए 4डी) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर
- सोर्स-मीजर यूनिट (केइथली इंस्ट्रूमेंट्स, यूएसए-मडेल 236) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस सह सॉफ्टवेयर.
- रसायनबाथडिपोजिशन / इलेक्ट्रोडिपोजिशनसेट-अर्धचालक परतनिर्माण प्रणाली).
- सौरसेलदक्षता मापन उपकरण
- सूर्यमापी, प्रकाश प्रबलता मापन यंत्र
- केइथली इलेक्ट्रमीटर
- वेइंग बेलेंस
- हायड्रलिक प्रेस
- रोटरी वेकॉम पम्प
- बल मिलिंग मशीन
- शुक्ष्म अन्वेषी आधारित भट्टी
- भट्टी

4.9.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं

एम. एससी., भौतिक विज्ञान परियोजनाएं(2019-2020):

छात्र	परियोजना का शीर्षक	पर्यवेक्षक
धृबूज्योति बोराह एमएस/17/ पीएच/ 01	आवृत्ति पुननिर्धारण योग्य माइक्रो-स्ट्रिप छड़ संकेतग्राही का डिजाइन	डॉ. कुणाल बोराह
दमयंती हजारिका एमएस/17/ पीएच/ 02	एचईआरए में गहरे फैलाव प्रकीर्णन में प्रोटॉन संरचना	डॉ. अकबरी जहाँ

ज्योत्सना सैकिया एमएस/17/ पीएच/ 03	Ti और GdCO मिश्रित Bi ₂ VO _{5.5} प्रणाली के संरचनात्मक एवं विद्युत गुण	डॉ. अरविंद पांडे
कौशिक राज बोराह एमएस/17/ पीएच/ 04	Cd _m S _n (m+n = 2-4) नैनोकल के संरचनात्मक, विद्युत तथा कंपन गुणों का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. राजेश कुमार यादव
रंजीता दास एमएस/17/ पीएच/ 05	अराजक प्रणाली के तार्किक समीकरण का विश्लेषण	डॉ. अकबरी जहाँ
थिलिग पुशंद तागिया एमएस/17/ पीएच/ 06	ZnO लघु कणों का संश्लेषण एवं विशिष्टतायें	डॉ. मुकेश उपाध्याय
मेनलर रैलन एमएस/17/ पीएच/ 07	बंधी प्लाज्मा प्रणाली में हेलिकॉन तरंग का अध्ययन	डॉ. कमल सहरिया
मोहन दायमरी एमएस/17/ पीएच/ 08	SnO लघु कणों का संश्लेषण एवं विशिष्टतायें	डॉ. मुकेश उपाध्याय
कौस्तोव मोनी बोराह एमएस/17/ पीएच/ 09	विभिन्न प्लाज्मा प्रणालियों में लैन्डौ मिश्रण की प्रक्रिया पर समीक्षा	डॉ. कमल सहरिया
जनार्दन बोरुहा एमएस/17/ पीएच/ 11	Bi ₂ VO _{5.5} की संरचना और आयन चालकता पर La ₂ Mo ₂ O ₉ का प्रभाव	डॉ. अरविंद पांडे
माधुरी राजवंशी एमएस/17/ पीएच/ 12	In _x O _y (x + y = 2-4) लघुकल के भौतिक गुणों पर एक डीएफटी अध्ययन	डॉ. आर के यादव

4.9.5 विभाग द्वारा लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

- डॉ. कुणाल बोराह ने सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई, भावनगर, गुजरात के एक दूरस्थ कार्यक्रम का आयोजन 27 फरवरी, 2020 को नेरिस्ट में किया था। डॉ. एन के साहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई इस कार्यक्रम में संशाधन व्यक्ति थे।
- डॉ. अकबरी जहान ने 8-9 जनवरी, 2019 को नेरिस्ट में दो दिवसीय कार्यशाला एलएचसी भौतिकी-एक परिचय का आयोजन किया।

4.9.6 लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता -

तारीख	अल्पकालिक संगोष्ठी / सम्मेलन	सहभागी
अप्रैल 1-5, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "व्यवहार पुननिर्धारण एवं अनुसंधान पद्धति", नेरिस्ट	डॉ. कुणाल बोराह

मई 20-24, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "नेटवर्क सुरक्षा", नेरिस्ट	डॉ. आर के यादव
27-31 मई, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "गहन अध्ययन एवं उपयोग", नेरिस्ट	डॉ. आर के यादव
जुलाई 1-5, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "संकेतग्राही रुझान", नेरिस्ट	
जुलाई 8-12, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "खुला स्रोत ईडीए के उपयोग से वृहद समाकलन चिप डिज़ाइन", नेरिस्ट	डॉ. एम. उपाध्याय
6-7 सितंबर, 2019	राष्ट्रीय सम्मेलन अभियांत्रिकी एवं विज्ञान में कम्प्यूटरीकृत और विशेषता तकनीक, आरईसी, अंबेडकर नगर,	
15-19 सितंबर, 2019	15वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आणविक स्पेक्ट्रोस्कोपी, ब्रोकला, पोलैंड	डॉ. ठा. गोमती देवी
अक्टूबर 14-25, 2019	संकाय विकास कार्यक्रम "जल संसाधन में जलवायु परिवर्तन का प्रभाव", नेरिस्ट	आचार्य टाडो कार्लो डॉ. कुणाल बोराह
15-16 नवंबर, 2019	पर राष्ट्रीय सम्मेलन यांत्रिक अभियांत्रिकी में गणितीय प्रतिमान अनुकूलन तकनीकों के अनुप्रयोग, एसआरएमएस सीईटी, बरेली	डॉ. एम. उपाध्याय
27-29 फरवरी, 2020	आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेरिस्ट	डॉ. आर के यादव डॉ. कुणाल बोराह

4.9.7 संकाय सदस्यों द्वारा नयी उपाधियों/सदस्यता: -नहीं-

4.9.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/ पुरस्कार:

डॉ मुकेश उपाध्याय ने सितंबर 2019 में "अभियांत्रिकी में गणितीय प्रतिमान अनुकूलन तकनीकी शब्दावली" विषय पर एसआरएमएस, बरेली में एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की थी।

4.9.9 विभाग के संकाय के लिए बाहरी एजेंसियों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं: -नहीं-

4.9.10 आलेखों का प्रकाशन

अनुसंधान जर्नलों में प्रकाशित आलेख

- 1) वायोवोक्स प्रणाली में विद्युत गुणों के प्रतिरूपण में A1 और Ti डोपिंग की भूमिका। जर्नल ऑफ एडवांस्ड सेरामिक्स। दिप्तियमान त्रिपाठी, अमरज्योति सैकिया, ताजिग टाडो तथा अरविंद पांडे।
- 2) सुपर सॉलिटॉन की विशेषताओं पर दो तापमान वाले इलेक्ट्रॉन प्लाज्मा। प्लाज्मा भौतिकी में योगदान। राजकमल काकोटी तथा के. सहरिया, जनवरी 2020
- 3) "ZnO लघुकणों का संश्लेषण एवं विशिष्टताये।", मुकेश उपाध्याय, विज्ञान गरिमा सिंधु, अंक 112, पृष्ठ 127-131, जनवरी-मार्च 2020

सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख:

- 1) जैव अणुओं का कंपन स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन।, राष्ट्रीय सम्मेलन, हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019,, गु. गोमती देवी, पृष्ठ -114, जून 28-29, 2019
- 2) एल-थ्रोनिन का तुलनात्मक अध्ययन: प्रायोगिक एवं कम्प्यूटरीकृत दृष्टिकोण।, भार्गव बोराह एवं थ. गोमती देवी, राष्ट्रीय सम्मेलन हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019, पृष्ठ 157, 28-29 जून, 2019
- 3) संश्लेषण और सीडी जटिल एल-प्रोलिन अणु के लक्षण वर्णन का उपयोग कर कंपन की तकनीक और आणविक डॉकिंग विश्लेषण। गोमती देवी एवं भार्गव बोराह, राष्ट्रीय सम्मेलन हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019, पृष्ठ -148, 15-19 सितंबर, 2019
- 4) कंपन संबंधी स्पेक्ट्रोस्कोपी, आणविक डॉकिंग, और एल-प्रोलाइन का उपयोग करके एमिनोबेन्ज़ोइक एसिड (पीएबीए) की स्थिति और बाध्यकारी लक्षणों की जांच। भार्गव बोराह एवं थ. गोमती देवी, राष्ट्रीय सम्मेलन हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019, पृष्ठ-35, 15-19 सितंबर, 2019
- 5) वाइब्रेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन तथा मोनोमर व डिमेर स्थिति में तमोसिफेन के आणविक संपत्ति का विश्लेषण, थ। गोमती देवी एवं मुकुंद माधव बोराह, पृष्ठ -144, राष्ट्रीय सम्मेलन हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019, 15-16 सितंबर, 2019
- 6) रमन, सेर्स तथा क्वांटम रासायनिक गणना का उपयोग करके ड्रमरिया कॉर्डेटा का संश्लेषण और लक्षण वर्णन।, नीलम कुमार और गु गोमती देवी, राष्ट्रीय सम्मेलन हरित, सतत और विकसित विज्ञान-2019, पृष्ठ -148, 15-16 सितंबर।
- 7) ध्रुवीय एपरोटिक विलायक में थ्रियोनिन का कंपन बैंड आकार विश्लेषण। नीलम छेत्री एवं थ. गोमती देवी, आईसीओपीवीएस-2020, पृष्ठ-152, फरवरी, 24-28, 2020
- 8) मेगस्थिग्मा-4, 7-डाईन-3,9-डाईन, के संरचनात्मक और आणविक गुणों पर सैद्धांतिक जांच। नीलम कुमार एवं थ. गोमती देवी, आईसीओपीवीएस-2020, फरवरी 24-28, 2020

पुस्तक -नहीं-

4.9.9. बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क: -नहीं-

4.9.10 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य: -नहीं-

4.9.11 छात्रों की उपलब्धियां:

- जीएसईएस-2019, कोटन विश्वविद्यालय, असम, 31-29 जून, 2019 में श्री भार्गव बोराह ने "एल-थ्रोनिन: प्रयोगात्मक एवं कम्प्यूटरीकृत दृष्टिकोण दोनों का तुलनात्मक अध्ययन।" विषय पर प्रस्तुति के लिए "सर्वश्रेष्ठ पोस्टर" पुरस्कार प्राप्त किया। ,
- डॉ. मुकुंद एम. बोराह को डीसीबी महिला कॉलेज, जोरहाट, असम में फरवरी, 2020 में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्ती प्रदान की गई थी।

- सुश्री सारा उम लेगो को राजकीय कॉलेज, तेजू, अरुणाचल प्रदेश में जुलाई 2019 में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्ती प्रदान की गई थी।

4.9.12 अन्यउपलब्धि/ प्रासंगिक जानकारी:

आचार्य टाडो कार्लो का बहु-विषयक योगदान एवं उपलब्धियां

वर्ष 1980 के आसपास, उत्तर पूर्व में प्रशिक्षित तकनीकी जनशक्ति की कमी तीव्र थी, जिसने देश के अन्य भागों से तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा से व्यापक स्तर पर क्षेत्र में कुशल जनशक्ति के प्रवासन, अवैध या कानूनी, का आगमन हुआ। अखिल असम विद्यार्थी संघ (आसू) का आंदोलन इस ज्वलंत मुद्दे से पैदा हुआ था। इसकी पृष्ठभूमि में, प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के तत्कालीन सलाहकार, आचार्य बी. के. रॉय बर्मन, ने अभियंताओं, पर्यवेक्षकों व तकनीशियनों की क्षेत्रीय तकनीकी जनशक्ति आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक मॉड्यूलर संरचना के साथ तकनीकी संस्थान की स्थापना का प्रस्ताव रखा था। एक बार में पूर्वोत्तर भारत के लिए सन् 1984 में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) के नाम व प्रकृति के साथ निरंजुली, ईटानगर में स्थापित किया गया था। इसका ऊर्ध्वाधर तथा क्षैतिज शैक्षणिक विस्तार पिछले 20 वर्षों में प्रभावी रूप से हुआ है।

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) में उत्तर पूर्व के लिए राष्ट्रीय तकनीकी जनशक्ति सूचना प्रणाली (एनटीएमआईएस) के नोडल कार्यालय ने तकनीकी रूप से अंतराल की पहचान के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और भारतीय अनुप्रयुक्त जनशक्ति अनुसंधान संस्थान के माध्यम से भारत के योजना आयोग को प्रतिवर्ष उत्तर पूर्व में जनशक्ति विकास से अवगत रखा गया था। उत्तर पूर्व (असम को छोड़कर) के लिए इस नोडल केन्द्र द्वारा उत्पन्न अनुसंधान आंकड़ों के आधार पर भारत ने पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र के तकनीकी जनशक्ति विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है।

जिस समय पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) की स्थापना की गई थी, उसी समय राज्य स्तर पर क्षेत्रीय जनशक्ति की बहुत कमी के कारण अरुणाचल प्रदेश के तकनीकी कर्मचारियों, शिक्षकों, समूह सी और डी कर्मचारियों की संख्या नगण्य थी। इसके बाद 1995 के बाद संस्थान में कई तरह की अशांति पैदा हो गई। चूँकि पद पहले से ही भरे हुए थे, इच्छुक अरुणाचल के युवाओं को सरकार की आरक्षण नीति के तहत पात्रता के बावजूद संस्थान में नौकरी नहीं मिल रही थी। भारत में, रोजगार की समस्याओं को लेकर स्थानीय लोगों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इसका समाधान नहीं हुआ।

आचार्य टाडो कार्लो ने अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, आचार्य एल धूपर को (1) स्थानीय युवाओं को सुरक्षा गार्ड नियुक्त करने और (2) अनुसंधान को निर्देशित करने के लिए सलाह देकर संकट से निकलने का रास्ता खोजने की पहल की। नतीजतन, अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए नेरिस्ट में स्थानिय लघु अनुसंधान योजना की स्थापना का प्रस्ताव औपचारिक रूप से शैक्षिक समिति में आचार्य टाडो कार्लो ने इसके सदस्य के रूप में रखा था। शैक्षिक समिति द्वारा प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद, दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए तीन शैक्षिक समिति सदस्यों वाली एक समिति गठित की गई:

1. आचार्य कल्याण कुमार (अध्यक्ष)
2. आचार्य के. के. श्रीवास्तव (सदस्य)
3. आचार्य टाडो कार्लो (सदस्य)

योजना को कार्यरूप देने के लिए आरम्भिक धनराशि रु. 50,000/- प्रति विभाग आवंटित की गई थी। प्रत्येक विभाग को लघु परियोजनाओं के लिए पांच क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा गया था। भौतिकी विभाग के लिए निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान की गई:

1. सौर ऊर्जा
2. वर्षा जल संचयन
3. विज्ञान लोकप्रियता
4. ध्वनिकी सह लिपि विकास
5. पर्यावरण भौतिकी

तदनुसार, आचार्य टाडो कार्लो ने विज्ञान शिक्षा केन्द्र, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय में मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और राज्य विज्ञान परिषद के सहयोग से संस्थान में "विज्ञान संचार के आयाम" विषय पर एक विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशाला का आयोजन किया। आपने कृत्रिम टोपियों के संवर्धन के माध्यम से हॉर्नबिल के संरक्षण की आवश्यकता और एड्स जागरूकता के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

आचार्य टाडो कार्लो ने उत्तर पूर्व के विकास के लिए एक दृष्टिकोण के साथ जीबी पंत हिमालय पर्यावरण एवं निकास संस्थान द्वारा नेरिस्ट में आयोजित एक क्षेत्रीय संगोष्ठी में अरुणाचल प्रदेश के संदर्भ में पीने के लिए पर्वतीय जल संरक्षण पर एक आलेख भी प्रस्तुत किया था।

इस बीच, अरुणाचल प्रदेश की आदिवासी भाषाओं में तकनीकी शब्दावली के विकास के लिए, विद्युत अभियंत्रिकी विभाग के तत्कालीन आचार्य तथा नेरिस्ट के पूर्व निदेशक आचार्य कल्याण कुमार ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा प्रायोजित एक परियोजना की थी। इस परियोजना में अन्य चीजों के अलावा विभिन्न जनजातीय बोलियों में तकनीकी शब्दावली के शब्दकोश विकसित करने का प्रस्ताव था। लिपियों के अभाव में यह परियोजना नहीं चल सकी।

इसलिए, आचार्य टाडो कार्लो ने अरुणाचल प्रदेश के जनजातियों के लिए लिपिविकास पर पहली बार क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन नेरिस्ट में किया, जिसे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव रचना, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। की। इसके बाद, भारतीय भाषा संस्थान, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित ध्वन्यात्मक विशेषताओं पर एक कार्यशाला का नेरिस्ट में आयोजन किया गया था। प्रइस कार्यशाला के मुख प्रतिभागियों में शामिल हैं:

1. श्री ताबम बाम (पूर्व अध्यक्ष, नेरिस्ट प्रबन्धन मंडल)
2. आचार्य ए एल वर्मा (पूर्व निदेशक, नेरिस्ट)
3. आचार्य तमो मिबंग (पूर्व निदेशक, नेरिस्ट)
4. डॉ. जोराम बेगी (पूर्व निदेशक, नेरिस्ट)
5. डॉ. सुजीत सोम (पूर्व निदेशक, आईजीआरएमएस)
6. डॉ. ए. बोरहा (पूर्व अनुसंधान निदेशक, अरुणाचल प्रदेश शासन)
7. डॉ. ए. सी. भगवती (पूर्व कुलपति, अरुणाचल विश्वविद्यालय)
8. आचार्य ताबू टेड (पूर्व अध्यक्ष, असम कर्मचारी चयन बोर्ड)

तत्पश्चात, राज्य के सभी जनजातियों की भागीदारी के साथ अरुणाचल जनजातियों के लिए लिपि विकास पर पहली बार परामर्श, आचार्य टाडो कार्लो द्वारा भारतीय भाषा संस्थान, भारत सरकार तथा अरुणाचल प्रदेश द्यालय शिक्षा निदेशालय, अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस परामर्श को तत्कालीन राज्यपाल एस. के. सिंह, मुख्यमंत्री, गेगॉन्ग अपांग तथा शिक्षा मंत्री, चोउना मीन (वर्तमान उप मुख्यमंत्री) को प्रस्तुत किया गया था।

इन सभी प्रयासों का अंतिम उत्पाद एक सर्वमान्य प्रारूप है, जिसका उपयोग सभी जनजातियों द्वारा अपनी लिपियों, तकनीकी शब्दावली, शब्दकोश आदि के विकास के लिए किया जा सकता है। इस तरह की तकनीकी शब्दावली का उपयोग विज्ञान लोकप्रियकरण, ऊर्जा संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता के लिए किया जा सकता है। मातृभाषाओं में अरुणाचल प्रदेश सरकार ने विद्यालयों में परिचय के लिए राज्य की प्रमुख आदिवासी भाषाओं में से एक आदि भाषा के लिए लिपि को मंजूरी दी है।

इसके बाद, आचार्य टाडो कार्लो को नेरिस्ट में परिचालित भारत सरकार की सामुदायिक पॉलिटेक्निक योजना की देखभाल करने के लिए कहा गया। सामुदायिक पॉलिटेक्निक योजना तत्कालीन प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के तहत सरकार के सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम का हिस्सा थी। सरकार के दृष्टिकोण से, तकनीकी अनुसंधान से सार्वजनिक विकास के लिए अपेक्षित उपयोग योग्य उत्पादन नहीं था। कुछ प्रयोग करने योग्य अनुसंधान उत्पादों को भी किसी सरकारी तंत्र की अनुपस्थिति के कारण "प्रयोगशाला से भूमि पर" स्थानांतरित नहीं किया जा सकता था। इसलिए, ग्रामीण विकास के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए एक व्यापक योजना के साथ एक योजना, जिसे सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा संसद सदस्यों की एक समिति के माध्यम से भारत सरकार द्वारा संचालित की जानी थी। अब सामुदायिक विकास के माध्यम से इसका नाम बदलकर तकनीकी कार्यक्रम कर दिया गया है, जो नेरिस्ट में मूल रूप से ग्रामीण समुदायों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से अरुणाचल के विकास के लिए संचालित है। इसके परियोजना अधिकारी के रूप में, आचार्य टाडो कार्लो नेरिस्ट इस योजना को महान उंचाइयों पर ले गए। जहां पहले से मौजूद आवश्यक सुविधाओं वाला कोई कार्यालय नहीं था, उसे पर्याप्त स्थान आवंटित किया गया, उपस्कर और कंप्यूटर के साथ इसके कार्यालय की स्थापना की गई। जहां कोई कर्मचारी पहले से मौजूद नहीं था, वहां सहायक परियोजना अधिकारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर, क्षेत्र सहायक तथा अनुदेशक नियुक्त किए गए। जहां प्रशिक्षण कार्यक्रम एक या दो तक सीमित थे, आचार्य कार्लो ने नौ प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए। जहां कोई स्व-सहायता समूह मौजूद नहीं था, उसने एक बनाया; जहां बैंकों के साथ कोई सम्पर्क मौजूद नहीं था, उन्होंने वाणिज्य मॉडल विकसित करके बैंकों के साथ संबंध स्थापित किए। जहां कोई विस्तार केंद्र मौजूद नहीं था, उसने पांच विस्तार केंद्र स्थापित किए।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र (असम को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में, आचार्य कार्लो ने अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय तथा त्रिपुरा के लिए तकनीकी जनशक्ति आंकड़ों का निष्पादन किया, जिससे उत्तर पूर्व में उपयुक्त स्थानों पर उपयुक्त तकनीकी संस्थानों की स्थापना की योजना में सरकार को सुविधा हुई। इस प्रकार, उन्होंने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और अनुपयुक्त जन शक्ति अनुसंधान संस्थान, भारत सरकार के साथ मिलकर काम किया।

आचार्य टाडो कार्लो को मिशन मोड पर, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के विकास के लिए और सामान्य रूप से पूर्वोत्तर में भौतिकी विभाग, नेरिस्ट के माध्यम से समर्पित कार्यों के लिए निम्नलिखित मान्यताएं मिलीं:

- एशियाई राजमार्ग का उत्तर पूर्व में प्रभाव मूल्यांकन के लिए एक राष्ट्रीय समिति के सदस्य के रूप आचार्य टाडो कार्लो को चुना गया, जिसमें अन्य सदस्य निम्नलिखित थे-
- आचार्य बी के राँय बर्मन, भारत के प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार (अध्यक्ष)
- आचार्य ए सी भगवती, अरुणाचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति (अध्यक्ष)
- आचार्य डेविड आर सियामीलीह, यूपीएससी के पूर्व अध्यक्ष
- श्री डी. के. चक्रवर्ती, भारत सरकार के सचिव (सदस्य)

आचार्य टाडो कार्लो को भारत के केंद्रीय भाषा संस्थान, मैसूर के भारतीय भाषा पर राष्ट्रीय समिति के सदस्य के रूप में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था। हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं के प्रमुख साहित्यकार, समिति के सदस्य थे।

आचार्य टाडो कार्लो को संयुक्त राष्ट्र के आईएफएडी द्वारा सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था ताकि वह अपने वित्तपोषण के लिए अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का मूल्यांकन कर सके।

आचार्य टाडो कार्लो को भारत-अमेरिका विनिमय कार्यक्रम के तहत संगठनात्मक प्रबंधन पर एक अंतर्राष्ट्रीय आगंतुक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा चुना गया था। जिसके पूर्व विद्वानों में पूर्व प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी शामिल हैं।

भौतिकी अनुसंधान के लिए अकादमिक परिषद (समर्पित योजना के तहत संस्थान से किसी भी निधि का लाभ उठाए बिना) द्वारा स्वीकृत क्षेत्रों की खोज में, आचार्य टाडो कार्लो ने सौर ऊर्जा पर काम किया तथा अरुणाचल प्रदेश पौधों को स्थानिक पौधों से प्राप्त डार्क सेंसिटाइज्ड सोलर सेल (डीएसएससी) विकसित किया। डीएसएससी को इस उम्मीद के साथ विकसित किया गया था कि इसके सफल अनुसंधान में बड़े पैमाने पर डार्क-पौधों की खेती के माध्यम से अरुणाचल प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की क्षमता है। आचार्य टाडो कार्लो अरुणाचल जनजातियों में से पहले भौतिकी में पीएचडी विद्वान हैं। आपने अच्छी संख्या में प्रकाशनों और सम्मेलन पत्रों का निष्पादन किया। आपके कुछ शोध आलेख अमेरिकी भौतिकी संस्थान की एक पत्रिका और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित एक पत्रिका में शामिल हैं।

संस्थान की स्थानिय ग्रह लघु अनुसंधान योजना के मुख्य क्षेत्रों में से एक पर्यावरण विज्ञान था। आचार्य कार्लो ने "वनिकी के लिए व्यापक भौतिकी" को "वायुमंडलीय भौतिकी तथा जलवायु भौतिकी" में परिवर्तित करके इस क्षेत्र को आगे बढ़ाया। आपने इसके पाठ्यक्रम को डिज़ाइन किया। इसके बाद 10 वर्षों तक इस विषय को पढ़ाया। इसके अलावा, आचार्य कार्लो ने सफलतापूर्वक जलवायु भौतिकी के क्षेत्र में एक पीएचडी को निर्देशित किया।

आचार्य कार्लो ने ने डॉ. पी.के. निमा के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश के राइस बीयर (ओपो) के गुणों पर भी काम किया। आदिवासी महिला लोक की मादकता को विकसित करने की दृष्टि से नेरिस्ट के कृषि अभियांत्रिकी विभाग की डॉ. नीमा ने अहमदाबाद में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया था।

आचार्य कार्लो द्रव स्फटिक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजकों में से एक थे और दोनों नेरिस्ट में आयोजित पेन के राष्ट्रीय भौतिकी सम्मेलन के संयोजक थे। आचार्य के.ए. सुरेश को भारतीय द्रव स्फटिक समिति के अध्यक्ष को सम्मानित किया गया और उन्हें पेन का सह सदस्य बनाया गया। जिस तरह से सम्मेलन का आयोजन किया गया था, उससे वे बहुत प्रभावित हुए, उन्होंने विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की फिस्ट योजना के तहत परियोजना के पुरस्कार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

4.10 गणित विभाग

4.10.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

गणित विभाग की स्थापना एक पूर्ण विभाग के रूप में वर्ष 1993 में हुई। वर्ष 1996 में संस्थान की स्थापना से ही यह विभाग भौतिक विज्ञान समूह के एक भाग के रूप में चल रहा था। विभाग में शुद्ध एवं प्रायोगिक गणित समन्वित विस्तृत क्षेत्र में विशेषज्ञता सम्पन्न उच्च अर्हता प्राप्त संकाय सदस्य हैं। अध्यापन कार्य के अलावा सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध कार्यों में भी लगे हैं। साथ ही कुछ संकाय सदस्य रक्षा विज्ञान जर्नल, गणीतीय समीक्षा के समीक्षक के रूप में कार्य करते हुए कई विश्वविद्यालयों के पीएच.डी. शोध

पत्रों की समीक्षा कर चुके हैं। विभाग एन.बी.एच.एम., आणविक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का सदस्य है जो नियमित नई नई पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराता है। विभाग ने एम.एससी. (गणित) और पीएच.डी. कार्यक्रमों की शुरुवात सन 2007 में की थी। इस समय विभाग में बारह विद्यार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं। अब तक 19 छात्रों ने विभाग से पीएच.डी. की है। वर्तमान विभाग में दो प्रोफेसर, एक एसोसियट प्रोफेसर तथा चार सहायक प्रोफेसर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

4.10.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया था। पीएच.डी. पाठ्यक्रम का अनुमोदन बी.पी.जी.एस. द्वारा किया गया था।

4.10.3 प्रयोगशाला विकास

स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रयोगशाला अनुदेशों का निस्पादन किया गया था। कम्प्यूटरीकरण प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी।

4.10.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न शोध परियोजनायें

क्र.सं.	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	छात्र का नाम
1	गैर-प्रतिक्रिया के तहत परिमित जनसंख्या मीन के अनुमान में सुधार	आचार्य बी के सिंह	सुश्री उपासना गोगोई पंजी. संख्या 51540
2	दो चरण के नमूने में संकलित प्रतिष्ठा में अनुमानकों के कुछ सामान्य वर्गों का अध्ययन	आचार्य बी के सिंह	श्री कृष्णज्योति नाथ पंजी. संख्या 51513
3	गैर-कम्प्यूटेटिव रिंगों और मॉड्यूल तथा उनके विस्तार का सामान्यीकरण	डॉ. ख. हेराचंद्र सिंह	नज़ीर अंसारी पंजी. संख्या 516 / 033
4	परिमित चौड़ाई के एक चैनल में एक ऊर्ध्वाधर सिलेंडर द्वारा पानी की लहरों का विवर्तन सह विकिरण	डॉ एम हसन	मनोज बिस्वकर्मा पंजी. संख्या 51511

4.10.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन -नहीं-

4.10.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

आचार्य बी. के. सिंह: दो-चरण नमूनाकरण योजना में अनुपात-सह उत्पाद संकलित विधि का उपयोग कर जनसंख्या का अनुमान। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अंकीय विश्लेषण एवं अनुप्रयुक्त गणित-2019 में प्रस्तुत, रोड्स, ग्रीस, 23-28 सितंबर 2019

डॉ. सी पी पांडे एवं डॉ. एम एम दीक्षित: वेबलेट लैंगुएर पॉलिनोमियल के साथ जुड़ा रूपांतरण। 24-25 अप्रैल, 2019 के दौरान एकेजीईसी, गाजियाबाद में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया।

डॉ एम हसन:

- (1) हाइड्रोडायनामिक कोए नाइट गहराई में पानी के साथ बेलनाकार खोखले संरचना का कारण गणित विभाग में प्रस्तुत, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोना हिल्स, डूमुख -791112, अरुणाचल प्रदेश, 25- 26 मार्च, 2019
- (2) नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश में गुवाहाटी द्वारा 27-31 मई, 2019 को आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम गहन अध्ययन अनुपयोग में भाग लिया।
- (3) आईआईटी गुवाहाटी द्वारा नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश में जुलाई 01-05, 2019 को आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम संकेतग्राही चलन में भाग लिया।
- (4) आईआईटी गुवाहाटी द्वारा नेरिस्ट, अरुणाचल प्रदेश में जुलाई 08-12, 2019 को आयोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम ओपन सोर्स ईडीए के उपयोग पर वीएलएसआई चिप डिज़ाइन में भाग लिया।

4.10.7 नयी उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता -नहीं-

4.10.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/पुरस्कार -नहीं-

4.10.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

उपासना गोगोई एवं बी के सिंह, नमूना सर्वेक्षण में अनुपात-सह उत्पाद प्रकार से संकलित इम्प्लीकेशन तकनीक के एक पैरामीटर वर्ग का अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल गणित और सांख्यिकी, वर्ष 2019, संख्या .20; अंक 2; आईएसएसएन. 0974-7117 (प्रिंट); आईएसएसएन.: 0973-8347 (ऑनलाइन)।

सी पी पांडे, एम एम दीक्षित एवं दीपांजन दास, सामान्यीकृत चेबीशेव कन्वेंशन के लिए कैलडरॉन का पुनः प्रस्तुत फॉर्मूला। जर्नल कंप्यूटर और गणितीय विज्ञान, अंक 10 (2), 384-391, 2019

एम एम दीक्षित, सी पी पांडे एवं दीपांजन दास, स्थानीय रूप से कॉम्पैक्ट एबेलियन समूह पर सामान्यीकृत निरंतर तरंगिका रूपांतरण। असमानताओं और उपयोग में प्रगति, अंक 10, 1-10, (2019)

एम हसन एवं एस एन बोरा, गहरे पानी में सर्कुलर खोखले सिलेंडर द्वारा जल तरंगों का निष्पादन। एप्लाइड साइंस (ज्यामिति बाल्कन प्रेस, बुखारेस्ट, रोमानिया), 21, 119-135, 2019, आईएसएसएन -1454-5101, यूजीसी जर्नल संख्या 8080

पी बोरा एवं एम हसन डि के लिए एक विश्लेषणात्मक समाधान, एफएफपानी में जलमग्न सिलिंडरों की एक जोड़ी द्वारा समस्या। 10 (2), 2019, 351-360, कॉम के जे मठ विज्ञान, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन 0976-5727 (प्रिंट), आईएसएसएन 2319-8133 (ऑनलाइन) यूजीसी जर्नल संख्या 44720, प्रभाव कारक 4.65

एम बिस्वकर्मा एवं एम हसन, पी बोरा, जोड़ा गया द्रव्यमान और भिगोना सीओई नीट चौड़ाई के एक चैनल में खोखले सिलेंडर के लिए बुलबाला गति। सार्वभौमिक समीक्षा (अंतरराष्ट्रीय पत्रिका) 10 (5), पृष्ठ 2-211 (2019), आईएसएसएन 2277-2723 (पी), आईएसएसएन 2277-2726 (ऑनलाइन), यूजीसी जर्नल संख्या 40792, प्रभाव कारक 5.52।

एम बिस्वकर्मा, पी बोरा, एवं एम हसन, सर्ज हाइड्रोडायनामिक कोए का विश्लेषणात्मक समाधान द्वारा ग्राहकएफएफ-नाइट चौड़ाई के एक चैनल संरचना मॉडल। जे. कॉम्प मठ विज्ञान, 10 (5), 961-971

- (2019), आईएसएसएन 0976-5727, (प्रिंट), आईएसएसएन 2319-8133 (ऑनलाइन), यूजीसी जर्नल संख्या 44720।
- एम हसन**, पी बोरा, एवं एम बिस्वकर्मा नीट के पानी में एक बेलनाकार खोखले संरचना के साथ पानी की लहर। इंटर. जे विज्ञान रेस गणित और स्टेट विज्ञान, 6 (2), 73-77 (2019), आईएसएसएन 2348-4519, यूजीसी जर्नल नंबर 6.661
- एम हसन**, पी बोरा एवं एम बिस्वकर्मा, परिमित चौड़ाई के चैनल की उपस्थिति में एक थरथानेवाला जल स्तंभ रोमांचक बल। जे विज्ञान और संगणना। VI (V), 752-761 (2019), आईएसएसएन 1076-5131, प्रभाव कारक 5.8, एक यूजीसी जर्नल नंबर 41238.
- पी बोरा, एम हसन नीट चौड़ाई के एक चैनल में नीचे-घुड़सवार बाधा की उपस्थिति में एक दोलनशील जल स्तंभ वेव लोड। एसएन एप्लाइड साइंसेज (स्प्रिंगर नेचर), 1 (10): 2019, 1: 1289, 1-8, आईएसएसएन - 2523-3971,
- पी बोरा, एम हसन. *एफएफए चैनल में समाक्षीय तल पर एक सिलेंडर पर पानी की लहर लोड के कारण समस्या* मलाया जर्नल ऑफ मैथेमैटिक, 8 (1): 2020, 171-176, यूजीसी केयर लिस्ट सीनियर नंबर (1): आईएसएसएन -2319-3786, ई-आईएसएसएन -2321-5666, यूनिवर्सिटी प्रेस।
- सी पी पांडे**, पी फुकन, फूरियर के लिए व्युत्क्रम फॉर्मूला-जैकोबी वेवलेट ट्रांसफॉर्म। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च, अंक 8 (11), 3344-3349, 2019
- सी पी पांडे**, पी फुकन। निरंतर और असतत वेवलेट ट्रांसफॉर्म हर्मिट ट्रांसफॉर्म । अंतर्राष्ट्रीय जर्नल विश्लेषण और अनुप्रयोग, अंक 18 (4), 531-549, 2020
- एन अंसारी एवं ख हेराचंद्र सिंह। *सीएम-आर्मेन्डिज़ रिंग पर*। त्रिपुरा मैथमेटिकल सोसायटी की पत्रिका, वॉल्यूम -29 (56-63), 2019
- एन अंसारी एवं ख. हेराचंद्र सिंह। *कमजोर आर्मेन्डिज़ मॉड्यूल पर*। जेपी जर्नल ऑफ बीजगणित, संख्या सिद्धांत और इसके अनुप्रयोग, अंक-44 (1-14), 2019
- एन अंसारी एवं ख हेराचंद्र सिंह। *आर्मेन्डिज़ रिंग*। जर्नल गणितीय विज्ञान का सुदूर पूर्व, अंक -121 (1-20), 2019
- जे बोराह एवं एसएन बोरा, तात्कालिक आवेगों के साथ गैर-आंशिक भिन्नात्मक क्रम अंतर समीकरण के एक वर्ग के हल्के समाधान का अस्तित्व। आंशिक गणना और अनुप्रयुक्त विश्लेषण, 22 (2), 495-508, 0192।

पुस्तक

सामान्यीकृत वेवलेट ट्रांसफॉर्म सी पी पांडे एवं एमएम दिक्षित द्वारा लिखित, लैंबर्ट अकादमिक प्रकाशन, जर्मनी, आईएसबीएन: 978-613-9-49281-7, 2019

4.10.10 छात्रों की उपलब्धियां

- चार छात्रों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई थी।

4.10.11 कोई अन्य सूचना -नहीं-

4.11 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

4.11.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

समकालीन विश्व में हमारे दृष्टिकोण को परिलक्षित करने में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी एक मुख्य कारक साबित हो रहा है। भविष्य के तकनीकीविद् के जीवन में मानव भावना के लचीलेपन को बनाये रखने के लिए मानविकी की शिक्षा का विशिष्ट महत्व है। नेरिस्ट का मानविकी व समाज विज्ञान विभाग इस संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए मानव विचार तत्व तथा चेतना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बद्ध करने का कार्य कर रहा है। वानिकी के साथ मानविकी व समाज विज्ञान विभाग भी पहले नेरिस्ट के प्रायोगिक विज्ञान समूह में शामिल था। वर्ष 1993 से यह पूर्ण विभाग बना जिसके अंतर्गत अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान और प्रबंधन आदि कार्यक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग ने उच्च कोटि अध्यापन कार्य, एवं संकाय सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए ख्याति प्राप्त की है। संस्थान द्वारा वर्ष 2006 में विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ करने के पश्चात विभाग ने **"प्रतिभा को पोषित करने और कल्पना के लिए पंख देने"** के अपने विज्ञान पर कार्य करते हुये अपने लक्ष्यों को साकार करने का कार्य किया है। यह विभाग नियमित पाठ्यक्रम अध्यापन के अतिरिक्त पूर्वोत्तर के मध्यम एवं लघु उद्योगों को परामर्शी सेवायें प्रदान करने में सक्षम है। विभाग ने इस उद्देश्य को सामने रखते हुए उच्च अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए कई अल्पावधि मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन और व्याख्यान शृंखलाओं का सफल आयोजन किया है। विभाग ने बाह्य निकायों यथा: आईसीएसएसआर, आईसीएआर, मेक् आर्थर फाउन्डेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एआईसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का सफल संचालन किया है। इसके अतिरिक्त विभाग के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन एवं संगठन व्यवहार में अध्यापन एवं शोध छात्रों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

एक विकासशील व्यक्ति को सामाजिक - सांस्कृतिक एवं मानव मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विभाग के अनुभवी एवं युवा संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं वानिकी विशेषज्ञ छात्रों एवं तकनीकीविदों में व्यक्तित्व विकास करते हुये इन सभी सामाजिक गुणों का समावेश किया जाए ताकि सामाजिक तकनीकी दूरी को कम किया जा सके तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज के बीच एक सुदृढ़ संबंध विकसित हो सके।

4.11.2 शैक्षणिक गतिविधियां

प्रयोगशाला विकास

संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला:

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग (एचएसएस) में हाल ही में एमएचआर.डी एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. योजना के तहत भाषा एवं संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला विकसित किया गया है जिसका नेतृत्व प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री रानेन्द्र प्रसाद (सह-अनुसंधानकर्ता) कर रहे हैं। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एलसीडी टीवी, एलसीडी प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें 45 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग में प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री राजू बरठाकुर (सह अनुसंधानकर्ता) के नेतृत्व में अभातशिप एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. के तहत एक सभागार का भी निर्माण किया गया है। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एल.सी.डी. टीवी, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें 56 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

4.11.3 अन्य प्रासंगिक जानकारियाँ :

पीएच.डी. के पर्यवेक्षण के तहत उपाधि से सम्मानित

- आचार्य बी डी नायक के पर्यवेक्षण में श्री बिरेन सैकिया को सितंबर, 2019 में उनके शोध "असम के आर्थिक विकास में मानव संसाधन निर्माण के नियम" के लिए पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया।
- डॉ. श्यामली सिन्हा के पर्यवेक्षण में श्री माव सोरम को सितंबर 2019 में उनके शोध "अरुणाचल प्रदेश में एलआईसी की प्रदर्शन प्रबंधन प्रथायें" के लिए पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया।

विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा की गई अतिरिक्त जिम्मेदारियां:

आचार्य बी डी नायक	➤ प्रभारी सभागार
आचार्य पी. परिदा	➤ संकायाध्यक्ष (शिक्षा)
श्री राणेन्द्र प्रसाद	➤ विभागाध्यक्ष ➤ प्रभारी कम्प्यूटर प्रयोगशाला ➤ प्रभारी संचार कौशल प्रयोगशाला
डॉ. श्यामली सिन्हा	➤ पुस्तकालय सलाहकार समिति की सदस्य
श्री राजू बारठाकुर	➤ प्रभारी, इंटरफेस... नेरिस्ट समाचार पत्र

4.12 प्रबंधन अध्ययन केन्द्र

4.12.1. केन्द्र का संक्षिप्त परिचय

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना 4 नवम्बर, 2009 को एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में प्रबन्ध कार्यक्रमों के संचालन के लिये की गई थी। संस्थान द्वारा वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के पश्चात, जुलाई, 2006 में मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के तहत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिग्री आरम्भ करने के सपने को साकार करते हुए संस्थान ने अरुणाचल प्रदेश में सर्वप्रथम एम.बी.ए. कार्यक्रम आरम्भ करने वाले संस्थान का गौरव प्राप्त किया। प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य भावी प्रबन्धकों एवं क्षेत्र के नीति निर्धारकों को विश्व स्तर की प्रभावशाली प्रबन्धन की शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान करना है। सीएमएस का लक्ष्य स्थानीय प्राथमिकताओं को साथ में रखते हुए वैश्विक दृष्टि और स्थानीय मूल्यों के साथ वैश्विकता का तालमेल बिठाना है।

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र एक स्वतन्त्र केन्द्र होने के कारण क्षेत्र के भावी प्रबन्धकों को प्रबन्धन के अनेक आयामों जैसे मानव संसाधन प्रबन्धन, वाणिज्य प्रबन्धन, प्रणाली प्रबन्धन, वित्त प्रबन्धन तथा उद्यमिता विकास की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह केन्द्र निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन करता है-

- प्रबन्धन में पीएच .डी
- शासकीय अधिकारियों व प्रबन्धकों के लिये प्रबंधन विकास कार्यक्रम .
- विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिये व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- औद्योगिक ईकाइयों के लिये उन्हीं के स्थान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- प्रोत्साहन कार्यशाला
- प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में परामर्शी सेवा

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र में बौद्धिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिये नेरिस्ट प्रबन्धन फोरम (मॉफॉन) का गठन किया गया है, जिसके सदस्य केन्द्र के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक गण हैं। मॉफॉन का कार्य विशिष्ट व्याखानों, समूह विवेचनाओं व प्रबन्ध विकास गतिविधियों का आयोजन करना है।

4.12.2 शैक्षिक गतिविधियाँ- अध्यापन के विषय

संकाय सदस्य	विषय क्रमांक	पाठ्यक्रम का विषय	छात्रों की संख्या	साप्ताहिक घंटों की संख्या	
डॉ एस चौधरी	एमबी 6003	अक्षय ऊर्जा में उद्यमिता	60	03	
	एमबी 7103	मात्रात्मक तकनीक	30	03	
	एमबी 7105	संचालन प्रबंधन	30	03	
	एमबी 7151	व्यापार संचार और आईटी लैब	30	02	
	एमबी 8191	औद्योगिक प्रशिक्षण	30	04	
	एमबी 7204	प्रबंधन सूचना प्रणाली	30	03	
	एमबी 7205	वित्तीय बाजार संस्थान और सेवाएँ	30	03	
	एमबी 8201	अंतरराष्ट्रीय व्यापार	22	03	
		एमबी 8130	रणनीतिक मानव संसाधन प्रबन्ध	14	03
	एमबी 8299	शोध	07	08	
डॉ बी सरमा	एमबी 7101	प्रबंधन के सिद्धांत	30	03	
	एमबी 8120	बिक्री और वितरण प्रबंधन	12	03	
	एमबी 8121	सेवाओं का विपणन	12	03	
	एमबी 7201	विपणन प्रबंधन	30	03	
	एमबी 8220	एकीकृत विपणन संचार	12	03	
	एमबी 8221	उपभोक्ता व्यवहार और खुदरा विपणन	12	03	
	एमबी 7108	व्यापारिक वातावरण	30	03	
	एमबी 7151	व्यापार संचार और आईटी प्रयोगशाला	30	02	
डॉ एम मॉल	एमबी 7102	व्यावसायिक अर्थशास्त्र	30	03	
	एमबी 7104	प्रबंधकों के लिए लेखांकन	30	03	
	एमबी 7106	व्यापार कानून	30	03	
	एमबी 8151	उद्यम संसाधन योजना	22	04	

एमबी 8111	औद्योगिक कराधान	14	03
एमबी 9001	अनुसंधान पद्धति [पीएच.डी.]	14	03
एमबी 8101	परियोजना प्रबंधन	22	03
एमबी 8110	सुरक्षा विश्लेषण सह प्रबंधन	14	03
एमबी 8210	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन	14	03
एमबी 8211	वित्तीय जोखिम प्रबंधन	14	03

4.12.3 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

- राष्ट्रीय हिमालयन अध्ययन मिशन, पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार प्राज्ञोत्तिच तथा तेजपुर विश्वविद्यालय व जीबी पंत राष्ट्रीय संस्थान के सहयोग से एक कार्यशाला सह राष्ट्रीय संगोष्ठी "स्वदेशी उत्पादित उत्पादों की उद्यमिता के माध्यम से जनजातीय सशक्तिकरण और सतत विकास", 2019 का आयोजन 9-10 मई, 2019 को किया था, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत।
- एनईडीएफआई तथा आईआईएम कलकता इनोवेटिव पार्क द्वारा प्रायोजित कार्यशाला उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए स्टार्टअप समर्थन पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए एक व्यापक रोडमैप का आयोजन किया था।
- महामारी कोविड-19 के बीच स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. छात्रों के लिए ई-सामग्री के विकास में सभी संकाय सदस्य भी शामिल हुए हैं।

4.12.4. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों / कार्यशाला / सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

- डॉ. एस चौधरी ने एनआईटीटीटीआर कोलकाता द्वारा 02-03-2020 से 13-03-2020 तक आयोजित 2 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम "एमओओसी आधारित ई-सामग्री का डिजाइन और विकास" में भाग लिया।

4.12.5 बाह्य निकायों द्वारा विभाग के संकाय को स्वीकृत परियोजनाएं

- "अरुणाचल के मैंगियो क्षेत्र में बड़ी इलायची व अन्य बहुपक्षीय नवीन खेती तथा सतत ग्रामीण आजीविका पर इसका प्रभाव।" प्रधान अनुसंधान कर्ता: डॉ. एस चौधरी, राशि: ₹.40.7 लाख, स्रोत: एनएमएचएस, भारत सरकार।
- अरुणाचल प्रदेश के जीरो में वहनिय जैव पर्यटन: माइक्रो हाइडल-सोलर पीवी हाइब्रिड जनरेशन कुटीर उद्योग को बढ़ावा देना, स्थानीय रूप से उपलब्ध गैर-जहरीली पत्तियों के उपयोग से जैव संवर्धित एकल उपयोग परोसने के बर्तन निर्माण।", प्रधान अनुसंधान कर्ता: डॉ एस चौधरी, राशि: ₹. 40.7 लाख, स्रोत: डीएसटी, भारत सरकार।
- "स्वास्थ्य देखभाल इकाइयों में स्वास्थ्य देखभाल अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन", राशि: ₹. 10 लाख, प्रधान अनुसंधान कर्ता: बी. सरमा, स्रोत आईसीएसएसआर, भारत सरकार।
- राजभवन, इटानगर में स्थापना एवं कार्मिक समीक्षा। प्रधान अनुसंधान कर्ता: बी. सरमा, के एन देवांगन, प्रतिवेदन संख्या: जीएस / आरजीयू / 10/2012 (पीयूजे / 662)

4.12.6 आलेखों का प्रकाशन

क) डॉ. एस चौधरी

एस चौधरी, ए परीदा, आर एम पंत, एस चटर्जी (2019) "जीआईएस संवर्धित कम्प्यूटेशनल खुफिया तकनीक के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र विद्युतीकरण के लिए माइक्रो-हाइड्रो विद्युत प्रतिपादन प्रणाली हेतु प्राथमिकता वाले स्थान का चयन।" नवीकरणीय ऊर्जा, अंक 142, नवंबर 2019, पृष्ठ 487-496, <https://doi.org/10.1016/j.renene.2019.04.125> (एल्सवियर)

जे एच बोर्हा, आर एम पंत, एस चौधरी (2020) "भारतीय पूर्वी हिमालयी क्षेत्र की बहु-फसल प्रथाओं में मानव संसाधन क्षमता निर्माण द्वारा सतत आजीविका: एक अध्ययन", जर्नल सांख्यिकी एवं प्रबंधन प्रणालियाँ, खंड 3, नंबर 2, पृष्ठ 277-284 <https://doi.org/10.1080/09720510.2020.1724621> (टेलर एंड फ्रांसिस)

डी लालरोचुंगा, ए परिदा, एस चौधरी (2020) "विकासशील देशों में यूएवी की स्थिरता: संभावनाएं तथा चुनौतियां", जर्नल ऑफ डिसक्रीट मैथमेटिकल साइंसेज एण्ड क्रिप्टोग्राफी। अंक 233, नंबर 1, पृष्ठ 237-248। <https://doi.org/10.1080/09720529.2020.1721887> (टेलर एंड फ्रांसिस)

ए परिदा, एस चौधरी एवं डी चटर्जी, "मुल्य प्रभावी विद्युत आपूर्ति के लिए उपयुक्त सोलर पीवी आधारित जनरेशन प्रणाली।" 9वीं आईईईई अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन-2020, सोनिपत, भारत, 2020, पृष्ठ 1-। 6, डीओआई: 10.1109 / PIICON49524.2020.9113018 (आईईईई)

आर, अथिरा, ए परिदा, एस चौधरी, "माजुली द्वीप में सीमांत किसानों के लिए आजीविका संवर्धन के लिए उत्प्रेरक के रूप में प्रस्तावित सहकारी खेती" (1 जनवरी, 2020) द्वितीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन सूचना प्रणाली और प्रबंधन विज्ञान-2019 की कार्यवाही | त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, भारत एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=3512400> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3512400> (एल्सवियर)

पी बिमान, ए परिदा, एस चौधरी, एस चटर्जी, "संरक्षित किसान निर्माता कंपनी के माध्यम से स्वदेशी समुदाय आधारित विश्वास और व्यवहार: पूर्वी हिमालयी क्षेत्र के अबोटानी समुदाय से सीख" (30 दिसंबर, 2019) द्वितीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन सूचना प्रणाली और प्रबंधन विज्ञान - 2019 की कार्यवाही। त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, त्रिपुरा, भारत। एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=3511431> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3511431> (एल्सवियर)

ख) डॉ बी सरमाह

एन शर्मा, बी सरमाह, "प्रकृति पर्यटन में गाँवों से उपभोक्ता का जुड़ाव: एशिया का सबसे स्वच्छ गाँव - मावलिननॉन्ग", जर्नल ऑफ ग्लोबल स्कॉलर्स ऑफ मार्केटिंग साइंस, अंक 29, संख्या 2, (टेलर एंड फ्रांसिस)

बी सरमा, एन शर्मा, "ग्रामिण प्रकृति पर्यटन एवं पर्यटक प्रबंधन: एक अध्ययन" (23 फरवरी, 2019), अंतराष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा प्रबंधन में सतत कम्प्यूटरीकरण-2019 कार्यवाही, एमिटी विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर - भारत, 26-28 फरवरी, 2019 एसएसआरएन: <https://ssrn.com/abstract=335311113> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3353113> (एल्सवियर)

एन के फूकन, बी सरमाह, टी एस देवी, "पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने के लिए खाद्य सेवा उद्योग में हरित विपणन प्रथाओं के निर्धारक: एक संकल्पनात्मक विश्लेषण" (10 जनवरी, 2020)। 5वाँ अंतराष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल-2019 की कार्यवाही। पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान,

निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, SSRN पर उपलब्ध: <https://ssrn.com/abstract=3517420> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517420> (एल्सवियर)

टी एस देवी, एन के फुकन, सारिका, बी. सरमाह, "मोबाइल वाणी मीडिया: भारत में मोबाइल के माध्यम से सामुदायिक व्यस्तता का मामला" (10 जनवरी, 2020)। कंप्यूटर और प्रबंधन कौशल (ICCM 2019) पर 5 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही | उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (NERIST), निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, भारत, एसएसआरएनः: <https://ssrn.com/abstract=3517397> या <http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3517397> (एल्सवियर)

ग) डॉ एम मॉल

पी सी मिश्रा, एम के मोहंती एम माल, "खली खानों में उत्पादकता को प्रभावित करने वाली विशेषताओं की खोज", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, अंक-17, नंबर-1, 2018

टी नोरबू, एम मॉल, बी सरकार, एस पी, ए चक्रवर्ती, "पुनर्उत्थान एमएसएमई की प्रदर्शन को पारदर्शिता के साथ निगरानी, सलाह और आईओटी हस्तक्षेप के माध्यम से संवर्धन" गुंजन वी, गार्सिया डियाज वी, कार्डोना एम, सोलंकी वी, सुनीता के (सम्पादक) प्रणाली विश्वसनीयता, गुणवत्ता नियंत्रण, सुरक्षा, रखरखाव और प्रबंधन-2019 (स्प्रिंगर, सिंगापुर)

ए चक्रवर्ती, टी नोरबू, एम मॉल, "चौथी औद्योगिक क्रांति: भारत में प्रगति, सम्भावना और तैयारी- एमएसएमई का हस्तक्षेप" सोलंकी वी, होआंग ए, लू जेड, पट्टनाथन पी (सम्पादक) इंटेलेजेंट कम्प्यूटिंग इन इंजीनियरिंग।, अंक 1125 (स्प्रिंगर, सिंगापुर)

जे पी डुआरा, एम मॉल, "स्थायी आजीविका के लिए विविध मछली पालन: असम, भारत के कछार जिले में छोटे और सीमांत मछली किसानों पर एक अध्ययन", एक्वाकल्चर, अंक 529, 15 दिसंबर 2020, 735569. (एल्सवियर)

4.12.7 अन्य प्रासंगिक जानकारी

एमबीए छात्रों द्वारा 45 दिनों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप परियोजना (एसआईपी)

छात्रों ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में व भारत के विभिन्न शहरों में स्थित विभिन्न संगठनों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जैसे: अयाना, एक्सोम उरजा, योजना, सरकारी विभाग, अरुणाचल प्रदेश, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, नेपको, नेस्ले, ओडिशा कॉफी ग्रोवर्स एसोसिएशन, पोक्ट सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड, विविध प्रतिष्ठान, युको बैंक आदि।

संकाय सदस्यों द्वारा छात्र मार्गदर्शन

- डॉ एस चौधरी
सुश्री सौम्या दास, सुश्री ज्योति हतिबोरुआ, सुश्री अथिरा आर, श्री पिल बिमान, श्री डेविड लालरोचुंगा, श्री एस.के. घोष
- डॉ बी सरमाह
श्री एन के फुकन, सुश्री टी एस देवी, श्री एस घोष
- डॉ एम माल
सुश्री प्रियंका चेतिया, सुश्री लक्ष्मी रॉय, श्री के डी विज्ञो, श्री तेनजिंग नोर्बू, श्री ज्योति प्रभाकर वराह

अनुभाग - 5

केन्द्रीय सुविधाएं सेवाएं और गतिविधियां

5.1 केन्द्रीय पुस्तकालय

5.1.1 पुस्तकालय का संक्षिप्त परिचय

केन्द्रीय पुस्तकालय संस्थान का महत्वपूर्ण अंग है, जिसकी स्थापना सन् 1983 में की गई थी। यह संस्थान को महत्वपूर्ण शैक्षणिक सेवाओं में से एक प्रदान करता है। यह एक अच्छा सुसज्जित पुस्तकालय है, जो आसान पहुंच के साथ केंद्र में स्थित है और यह छात्रों, शिक्षकों, अनुसंधान विद्वानों और अन्य लोगों के बौद्धिक विकास के लिए सही गति प्रदान करता है। पुस्तकालय का अपना स्वतंत्र भवन है, जिसमें 3888 वर्ग मीटर के कालीन क्षेत्र के साथ तीन मंजिलें हैं। पुस्तकालय में 37638 खंडों में 63767 पाठ्य पुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय वर्तमान शिक्षा के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए 90 राष्ट्रीय पत्रिकाओं, 10 पत्रिकाओं और 10 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दैनिक समाचार पत्रों का सदस्यता है। केन्द्रीय पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं के अपने आधुनिक संग्रह के साथ छात्रों, शिक्षकों और उनके बौद्धिक दृष्टिकोण में आसपास के समुदाय के लिए एक पूरक भूमिका का समर्थन करता है। पुस्तकालय में मुख्य रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन और अन्य संबद्ध विषयों से संबंधित ज्ञान संसाधन हैं। पूरा पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उच्च गति वाले वाई-फाईइंटरनेट सुविधाओं से आच्छादित है।

संस्थान ई-सिन्धु सिंधु (पूर्व इन्डेस्ट) कंसोर्टियम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सरकार व और जैव प्रौद्योगिकी प्रायोजित डेल्टाकंसोर्टियम का सदस्य है। इसमें सीडी रोम और अन्य शैक्षिक डीवीडी पर आईएसकोड उपलब्ध हैं। यह पुस्तकालय भारतीय द्रव स्फटिक सोसायटी, बेंगलोर और असम के काजीरंगा वन्य प्राणी सोसायटी के एक संस्थागत सदस्य होने के नाते, यह उनसे साहित्य और सूचना सेवाओं को प्राप्त करता है। पुस्तकालय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, नई दिल्ली समन्वय, आईआईटी, खड़गपुर द्वारा पंजीकृत है।

5.1.2 : पुस्तकालय प्राधिकारी

- सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष - 01
- छटनी कर्ता - 01
- अनुसचिविय कर्मचारी-01
- प्रतिलिपि मशिन संचालक - 02
- सहायक - 02
- चपरासी - 04

5.1.3 पुस्तकें / जर्नल और समाचार पत्र 31-3-2020

- पुस्तकें (पाठ्य और संदर्भ) = 63767
- बुक्स बैंक (37638) में पाठ्यपुस्तकें
- जर्नल= 90
- पत्रिकाएं = 10
- समाचार पत्र= 10

5.1.5 ई-संसाधन / पत्रिका

ईएसएस (पूर्व में इन्डेस्ट) संघ का एक मुख्य सदस्य होने के नाते, संस्थानके संकाय सदस्य और छात्र निम्नलिखित ई-संसाधन प्राप्त करने के हकदार हैं:

- एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी- 1139
- एएससीईपत्रिका ऑनलाइन -35
- एएसएमईपत्रिका ऑनलाइन -28
- जेस्टोर (ऑकड़े)
- आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक
- बैब ज्ञान भण्डार (ऑकड़े)
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस - 141

यह संस्थान डेलकोनकंसोर्टियम का सदस्य होने के नाते 800+ से अधिक ई-पत्रिकाएँ प्राप्त कर सकता है। पूर्ण पाठ ई-जर्नल 30 सितंबर, 2019 तक डीबिटी-डेलकोनसदस्य संस्थानों के माध्यम से ऑनलाइन उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। ई-पत्रिकाओं के अलावा, ईबेस्को-डिस्कवरी डेटाबेस और वार्षिक समीक्षा पत्रिका भी उपलब्ध हैं। ई-जर्नल्स और प्रकाशक विवरणों की संख्या इस प्रकार है।

- स्प्रिंगर -291 ई-जर्नल
- एल्सेवियर -210 ई-जर्नल
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयुटी) -141 ई-जर्नल
- कारगर -80 ई-जर्नल
- विली -54 ई-जर्नल
- एएएस -4 ई-जर्नल
- सीएचएसएल -4 ई-जर्नल
- एमबीएस -1 ई-जर्नल
- एएसबीएमबी - 1 ई-जर्नल

5.1.6 भारतीय मानक:

लाइब्रेरी में सीडी रोम पर बीआईएस द्वारा प्रकाशित भारतीय मानक का एक सेट है।

5.1.7 ए / वी सामग्री:

विभिन्न विभागों के लिए कुल 139 डीवीडी "वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम" उपलब्ध है।

5.1.8 संस्थागत सदस्य:

- भारतीय लिक्विड क्रिस्टल सोसायटी, बेंगलोर,
- काजीरंगा वन्य जीवन, असम,
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय, एमएचआरडी, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय

5.1.9 विभागीय पुस्तकालय:

सभी 11 विभागों के लिए विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये हैं। विभागों द्वारा पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरीद इस प्रकार की गई है:

- भौतिकी = 29
- रसायन विज्ञान = 86
- गणित = 740
- मानविकी = 252
- कृषि अभियांत्रिकी = 275
- सिविल अभियांत्रिकी = 111
- विद्युत अभियांत्रिकी = 118
- इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी = 434
- यंत्रिक अभियांत्रिकी = 190
- वानिकी = 71

5.1.10 सेवायें/ सुविधायें

क. परिसंचालन सेवा:

यह पुस्तकालय ब्राउन चार्जिंग सिस्टम के साथ स्टैक से वितरण की अपनी मुख्य सेवा प्रदान करता है। प्रत्येक उपयोगकर्ता को सत्र की शुरुआत में जारी किए गए एक पुस्तकालय कार्ड के द्वारा एक पुस्तक प्रदान की जाती है। छात्रों और संकाय सदस्यों को पुस्तकालय कार्ड जारी किए गए हैं, जिनका विवरण निम्नलिखित है।

- सभी संकाय सदस्य: 15 कार्ड
- सभी तकनीकी कर्मचारी: 5 कार्ड
- अधिकारी: 3 कार्ड
- प्रमाण पत्र कार्यक्रम: 3 कार्ड
- डिप्लोमा कार्यक्रम: 4 कार्ड
- उपाधि कार्यक्रम: 5 कार्ड
- स्नातकोत्तर और पीएच.डी. कार्यक्रम: 6 कार्ड

ख. संदर्भ सेवा / पढ़ने की सुविधा:

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पाठ्य और संदर्भ की 3500 पुस्तकों व 80 व्यक्तियों की क्षमता की संदर्भ सेवा प्रदान करता है। 160 सीटों की बैठने की क्षमता के साथ अलग से पठन की सुविधा दी गई है। संदर्भ अनुभाग और वाचनालय सोमवार से शुक्रवार को सुबह 9.00 बजे से रात 11.00 बजे तक खुला रहता है और शनिवार को 9.00 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुला रहता है।

ग. पुस्तक बैंक:

पुस्तकालय में अलग से 37638 पुस्तकों का पुस्तक बैंक है। स्नातक तक छात्रों के लिए अर्ध सत्र के सभी पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य पुस्तकों का एक सेट प्रदान किया जा रहा है।

- प्रमाण पत्र कार्यक्रम: 10522 पुस्तके- 154 अंक
- डिप्लोमा कार्यक्रम: 12142 पुस्तके - 208 अंक

- उपाधि कार्यक्रम : 12324 पुस्तके - 270 अंक
- उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम : 2650 पुस्तके - 100 अंक

5.1.11 पुस्तकालय स्वचालन:

उपयोगकर्ता ओपीएसी ऑनलाइन सार्वजनिक उपयोग उपलब्ध है।

5.1.12 औसत संचलन

अर्ध सत्र की शुरुआत में प्रति दिन 300 किताबें, और अन्य दिनों में प्रति दिन 100 किताबें।

5.1.13 दिनांक 31-03-2020 को पुस्तकालय सलाहकार समिति

क्र.सं.	नाम	विभाग	सदस्य
1	श्री एन जी सोरम	सिविल अभियांत्रिकी	अध्यक्ष
2	श्री डी एम साहू	केंद्रीय पुस्तकालय	सदस्य सचिव
3	डॉ एस.एल.भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
4	डॉ के सहरिया	भौतिक विज्ञान	सदस्य
5	सुश्री पियाली दास	विद्युत अभियांत्रिकी	सदस्य
6	श्री एस एम खान	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सदस्य
7	डॉ के हीरा सिंह	गणित	सदस्य
8	डॉ राजू बोरठाकुर	एच एस एस	सदस्य
9	डॉ एस चौधरी	सी एम एस	सदस्य
10	डॉ पी के पांडे	कृषि अभियांत्रिकी	सदस्य
11	डॉ अवधेश कुमार	वानिकी	सदस्य
12	श्री आर के मंगांग	इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	सदस्य
13	डॉ ए के सिंह	कंप्यूटर अभियांत्रिकी	सदस्य

5.2 प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष

5.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त विवरण:

प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष 1991 में अपनी स्थापना के बाद से अंतिम वर्ष के छात्रों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो परिसर साक्षात्कारों द्वारा अपने ज्ञान और कौशल के अनुरूप काम प्राप्त कर रहे हैं तथा अपने नियोजन के लिए विभिन्न रास्ते तलाश रहे हैं। पूर्व अंतिम और अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए अनुभाग द्वारा कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं ताकि उन्हें उनकी भर्ती से संबंधित क्षेत्रों में पर्याप्त ज्ञान प्रदान किया जा सके और अग्रणी और उच्च पेशेवर संगठनों में उनके प्रवेश की सुविधा प्रदान की जा सके।

क. प्रशिक्षण

अनुभाग ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पूर्व-अंतिम वर्ष के अंत में कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी के

छात्रों के लिए चार सप्ताह/30 दिनों की न्यूनतम अवधि के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण या क्षेत्र प्रशिक्षण, जो बी.टेक.पाठ्यक्रमकी आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में एक अनिवार्य आवश्यकता है, आयोजित किया था। कुछ संगठन जहां संस्थानके छात्र ग्रीष्मकालीन अवकाश 2019 के दौरान अपने प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं, वे हैं: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वैरिबल एनर्जी, नेसॉक,, मेघालय उर्जा कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नेपको, पावर ग्रिड लिमिटेड, एनएफरेलवे, तेल व प्राकृतिक गैस कमिशन, भारतीय तेल निगम (डिगबोई, गुवाहाटी और बोंगईगांव), आयल इण्डिया, दूरदर्शन, बीएसएनएल एनएचपीसी, एनआईसी, नेरीवाल्म, मोडर्न फूड्स आदि।

ख. नियोजन

अनुभाग ने अंतिम वर्ष बीएस.सी., एमएस.सी(वानिकी), बी.टेक, एम.टेक. व एमबीए छात्रों के लिए ऑन-कैंपस और पूल परिसर साक्षात्कारों की व्यवस्था की। कंपनियों के अधिकारियों को संस्थान में परिसर साक्षात्कार आयोजित करने के लिए सभी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। एनआईटी अरुणाचल / शिलांग, तेजपुर विश्वविद्यालय, एसआईटी सिलीगुड़ी, एसएमआईटी, गंगटोक और आईसी गुवाहाटी में पूल परिसर के साक्षात्कार आयोजित करने की भी व्यवस्था की गई है। गुवाहाटी में हाल ही में जो संगठन परिसर इंटरव्यू / पूल परिसर का संचालन करने के लिए आए थे, उनमें कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, फिडेलिटी, वर्चुसा, मेवरिक, जस्टडायल, ऋषिश्वर कंस्ट्रक्शन, पावर ग्रिड, भारतीय तेल निगम, वेदान्ता, भारतीय नौ सेनाव स्टार्ट अप लेनआदि शामिल हैं।

ग. नियोजन आँकड़ों में सुधार के लिए अनुभाग की पहल:

परिसर साक्षात्कारों के दौरान स्क्रीनिंग टेस्ट देने के लिए और प्रमुख कंपनियों के साथ स्क्रीनिंग और इंटरफेस की सुविधा के लिए हमारे छात्रों की तैयारी और उचित संवेदनशीलता की कमी को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग ने बी.टेक.के अंतिम वर्ष के छात्रों को मैसर्स कोकब्स, बेंगलोर द्वारा ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था। विभिन्न विषयों से छात्रों के एक पर्याप्त संख्या के विभिन्न प्रकार के 'ऑन लाइन टेस्ट' मैसर्स कोकब्स, बेंगलोर द्वारा 1-6 नवम्बर और 10-11 दिसम्बर, 2019 को आयोजित किए गए थे।

संपूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, प्रशिक्षण एवं नियोजन अनुभाग ने मैसर्स ग्रीनटेक, भोपाल के साथ एक समझौता किया है और फर्म द्वारा 'सुपरस्पेट' नामक सॉफ्टवेयर को अब 'टीएनपीएसयूडटी' को अपनाया है। अब नियोजन प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित हो गई है और परिचालन चुनौतियों से उबर रही है, जिससे एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन रहा है जो छात्रों और नियोक्ताओं को नियोजन कक्ष सेल से जोड़ती है। यह प्रक्रिया केन्द्रीय नियोजन प्रणाली के रूप में कार्य कर रही है, जहां हम छात्रों और कंपनियों को जोड़ रहे हैं, सभी डेटा का प्रबंधन कर रहे हैं। इसमें खुद के काम पर नज़र रखना, सभी नियोजन प्रक्रिया को स्वचालित करना, नियोजन की निगरानी करना, प्रशिक्षण आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए छात्र के प्रदर्शन का विश्लेषण करना, रिपोर्टों से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और विशिष्ट आवश्यकताओं को कार्यालय में सिस्टम को अनुकूलित करना भी सामिल है।

5.2.3 आस-पास के तकनीकी संस्थानों / विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन: -

पूर्वोक्त क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) ने राजीव गांधी विश्वविद्यालय, दोईमुख और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), अरुणाचल प्रदेश के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते में अध्ययन, विचार-विमर्श करने, सुझाव देने के तरीकों और साधनों में संस्थागत रैंकिंग की संभावनाओं तथा छात्रों के लिए अवसरों को बेहतर बनाने के लिए समझौता ज्ञापन किया है। तदनुसार, तीन संस्थानों ने विश्वविद्यालयों / शैक्षिक

संस्थानों के मौजूदा मानव व वित्तीय संसाधनों, उद्योग एवं बाजारों द्वारा आवश्यकतानुसार संचार सह शीतल कौशल, शिष्टाचार व अन्य कौशल जैसे क्षेत्रों में छात्रों के लिए संयुक्त कार्यशालाओं का आयोजन करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, तीनों संस्थानों के छात्रों के डेटाबेस को भावी भर्तीकर्ताओं के साथ साझा करने और संयुक्त भर्ती अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

5.3 प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवार्य (एस आर आई सी)

5.3.1 परिचय

प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष की स्थापना नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल की दिनांक 25.8.2001 को आयोजित 51 वी सभा के अनुमोदन के अनुसार की गई थी। इस अनुभाग की स्थापना का उद्देश्य संस्थान में प्रायोजित अनुसंधान सलाहकार सेवाओं का सुचारु ढंग से संचालन करना है। इस समय कक्ष के प्रभारी एक प्रोफेसर हैं, उनकी सहायता के लिए एक सहायक तथा चपरासी भी इस कक्ष में सम्बद्ध हैं। वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी आदि सभी विभागों की परियोजनाओं से संबन्धित वित्त मामलों की देखरेख वित्त अनुभाग करता है।

5.3.2 वर्तमान गतिविधियाँ

इस समय नेरिस्ट के विभिन्न विभागों द्वारा 34 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक परियोजना एक मुख्य अनुसंधान कर्ता की देखरेख में चल रही है और प्रायोजको के निर्देशानुसार उनमें अन्य कार्मिक शामिल किए गए हैं।

5.4 निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम कक्ष

5.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

- क. योग्य एवं कुशल छात्रों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं अन्य निकायों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों की सूचना प्रदान करना।
- ख. संकाय सदस्यों को सरकार/प्रायोजन एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी उपलब्ध कराना ताकि संकाय सदस्य पुस्तक लेखन/सामग्री की तैयारी के लिए अनुदान प्राप्त कर सकें।
- ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना एवं आवेदन प्रपत्र संकाय सदस्यों को प्रदान करना।
- घ. संकाय सदस्यों को उद्योग जगत द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रायोजन के लिए प्रोत्साहित करना।

5.4.2 गतिविधियों का विवरण

- क. इस अवधि के दौरान संस्थान के अनेक संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों/कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- ख. नेरिस्ट के विभिन्न विभागों ने भी इस अवधि के दौरान कई लघु अवधि कार्यक्रमों का आयोजन किया।

5.4 केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट

- केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट, निर्जुली एक प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान है। यह एक एकल खंड विद्यालय है, जिसमें उच्चतम कक्षा 10+2 कक्षा है। वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग 485 छात्र अध्ययनरत हैं।

5.4.1 इस विद्यालय के परिणाम:

विद्यालय ने और शैक्षणिक सत्र 2019-20 में बारहवीं कक्षा में 98.83% व दसवीं कक्षा में 100% का परिणाम प्राप्त किया था। हमारी छात्रा सुश्री प्रजा भौमिक कक्षा-X ने 98.4% अंक प्राप्त किए और उसने तिनसुकिया क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

- 5.4.2 केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है, जिसका उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास है। विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धी नियोजन बाजार के लिए उपयुक्त बनाने के लिए कई सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन भी करता है।

क. **सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी:** विद्यालय के 58 छात्रों ने क्लस्टर स्तर के सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया है जो के वी नंबर-2 ईटानगर में आयोजित किया गया था। यह बहुत गर्व की बात है कि हमारा विद्यालय क्लस्टर स्तरीय सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी एवं विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम स्थान पर रहा: विद्यालय ने 2019 में क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया है तथा केन्द्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी के लिए पेड़ प्रारूप का चयन किया गया है। सुश्री लैनन्गम्बी थुनाओजम के प्रारूप को अखिल भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए चुना गया।

ख. **स्काउट एंड गाइड:** हमारा स्कूल स्काउट एवं गाइड क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई छात्रों ने विभिन्न स्काउट गाइड गतिविधियों जैसे द्वितीया सोपान परीक्षण शिविर, तृतीया सोपान परीक्षण शिविर, पूर्व राज्य पुरुष परीक्षण शिविर में भाग लिया है और उनका चयन किया गया है। यहां विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी किया गया था।

- ग. **सी.सी.ए.:** विद्यालय ने विद्यालय परिसर में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए सी.सी.ए. गतिविधियों का आयोजन किया और उसी के लिए पुरस्कार वितरित किए।

- घ. **खेल:** विद्यालय ने खेल कौशल और नेतृत्व गुणों को विकसित करने के लिए कई खेल गतिविधियों का आयोजन किया।

- ङ. **ओलंपियाड:** इस विद्यालय के छात्रों ने समय-समय पर विभिन्न ओलंपियाड में भाग लिया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी द्वारा आयोजित किए जा रहे टेक्नॉथनके लिए विद्यालय के 1 छात्रों का चयन किया गया था।

- 5.4.3 केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट, निर्जुली इस क्षेत्र के सबसे अच्छे स्कूलों में से एक है। इस विद्यालय के कई शिक्षकों ने सेवाकालिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया था।

- 5.4.4 इस विद्यालय के कई छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चिकित्सा और अभियांत्रिकी के प्रतिष्ठित संस्थानों में किया गया है।

5.6 नेरिस्ट बाल विद्यालय

5.6.1 परिचय

नेरिस्ट बाल विद्यालय की स्थापनावर्ष 1992 में किया गया था। इसका उद्देश्य नेरिस्ट कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के बच्चों को समूह गतिविधियों एवं विद्यालय पूर्व की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय स्वयं वित्त-पोषित है और न लाभ, न हानि आधार पर चलता है। वर्तमान इस विद्यालय में तीन कक्षाएँ हैं : प्ले क्लास, एल.के.जी. और यू.के.जी.।

कक्षा	अधिकतम संख्या	वर्तमान शक्ति	प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र
खेल	16	16	2.5 वर्ष
एल के जी	45	44	3 वर्ष
यू के जी	45	40	चार वर्ष

विद्यालय के प्राध्यापक व कर्मचारीगण

श्रीमती मिनाक्षी आरोड़ा,	प्राचार्य सह अध्यापिका
श्रीमती मिन्दू सरकार	सहायक अध्यापिका
श्रीमती ज्योती देउमाली	सहायक अध्यापिका
श्रीमती आदम बागे	सहायक अध्यापिका
श्रीमती रूपा खरघरिया	सहायक अध्यापिका
कुमारी मामोनी क्षेत्री	सहायक अध्यापिका
श्रीमती राधे जेलियाँग	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती गीता मिली	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती रेणू स्वर्गयारी	गैर शिक्षण कर्मचारी

5.6.2 विद्यालय में आयोजित गतिविधियों का व्यौरा

शिशुओं के समग्र विकास के उद्देश्य से अकादमिक सत्र (अप्रैल 2019-मार्च 2020) के दौरान शिशु स्तरीय शिक्षण के अलावा विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित की गईं। बचपन से ही देशभक्ति का जज्बा जगाने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय त्यौहारों का भी पालन किया गया। बच्चों के बालमन में प्रतियोगिता की स्वस्थ भावना पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जो निम्नवत हैं :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- सुलेख प्रतियोगिता
- फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता
- कविता आवृत्ति प्रतियोगिता
- कहानी बोलने की प्रतियोगिता

विद्यालय में 14 नवंबर, 2019 बाल दिवस के दिन वार्षिक समारोह मनाया गया। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए 26 जनवरी, 2020 को खेलों का आयोजन किया गया। मनोरंजन के लिए स्कूलम पिकनिक का

भी आयोजन किया गया। शिक्षक अभिभावक मुक्त बातचीत के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठकों का भी आयोजन किया गया। शिक्षक अभिभावक सभा का आयोजन अगस्त, 2019 के प्रथम सप्ताह में किया गया था। विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन 15 अगस्त, 2019 को किया गया था।

5.6.3 उल्लेखनीय बातें

विद्यालय के लिए स्थान, भवन आदि बुनियादी सुविधाएं नेरिस्ट प्राधिकारी द्वारा मुहैया कराई गई हैं और इसका देखरेख भी नेरिस्ट प्रबंधन ही करता है। विद्यालय में आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए इंडोर-आउटडोर खेल तथा अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक बड़े खेल का मैदान, सभी उचित सुविधाओं से युक्त शिशु उद्यान आदि शामिल हैं। क्लास रूम शिक्षण के लिए गुड़िया, तिपहिया साइकिल, स्लाइड, चार्ट, दृश्य-श्रव्य व्यवस्था, कंप्यूटर, इंडोर खेल आदि की अच्छी सुविधा है।

5.6.4 समिति सदस्यों के सूची

विद्यालय एक प्रबन्धन समिति की देख-रेख में कार्य करता है, जिसके अध्यक्ष का नॉमाकन संस्थान के निदेशक महोदय करते हैं। इस समिति में एनएफए, एनटीएसयू के सदस्य भी शामिल हैं तथा इसके सदस्य सचिव प्राचार्य सह अध्यापिका हैं ।

समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं -

डॉ. दीपिका देवी	अध्यक्षा
डॉ. एस. चौधरी	एन एफ ए प्रतिनिधि
श्री नबम हरी	एन ई ए प्रतिनिधि
श्रीमती मिनाक्षी आरोड़ा,	प्राचार्या

5.7 परिवहन अनुभाग

5.7.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की परिसर व बाह्य परिवहन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रशासनिक नियंत्रण के तहत 1987 में परिवहन अनुभाग स्थापित किया गया था। परिवहन अनुभाग को विकसित किया गया था और शुरू में इसे पर्यवेक्षक के रूप में अध्यक्ष (यातायात) और परिवहन अधिकारी के नियंत्रण में रखा गया था। परिवहन अनुभाग संस्थान के कार्यकलापों के लिए छात्रों, विभागीय कार्यों और आधिकारिक कार्यों के लिए जहाँ भी आवश्यक है, छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा आपातकाल सहित अच्छी सेवाएं प्रदान कर रहा है। संस्था की परिवहन सुविधा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, समय-समय पर नए वाहनों को जोड़ने के साथ-साथ वाहनों के रखरखाव का कार्य निष्पादन किया जा रहा है।

5.7.2 उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ

सामान्यतः परिवहन अनुभाग अपने अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों के लिए नेरिस्ट परिसर के अंदर और परिसर के बाहर यातायात सुविधा उपलब्ध कराता है। नियमित यातायात सेवाओं का विवरण निम्नवत है:

- परिसर और बाह्य स्थल हेतु आधिकारिक कर्तव्यों के लिए वाहनोको उपलब्ध कराना, विषम समय में भी जब और जहाँ भी आवश्यक हो।

- कार्य दिवसों (सोमवार से शनिवार, 7.05 बजे से 5.05 बजे तक) के दौरान अपनी कक्षाओं में भाग लेने के लिए एनईआरआईएसटी छात्रों को बस सेवा प्रदान करना।
- केन्द्रीय विद्यालय के लिए कर्मचारियों के बच्चों को स्कूल बस सेवा प्रदान करना, श्रेणी- I परिसर से केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट व विवेकानन्द केन्द्रीय विद्यालय, बागे तिनाली।
- कर्मचारी कल्याण के तहत कर्मचारियों और छात्रों को वाहनप्रदान करना और वाहनों के उपलब्ध होने पर भुगतान के आधार पर धार्मिक और सामाजिक कार्यों के वाहन सेवा।
- छात्रों के नियुक्ति साक्षात्कार (परिसर / गुवाहाटी) के लिए वाहनके साथ-साथ संस्थानके विभिन्न विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित सम्मेलन, अल्पावधि पाठ्यक्रम, अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, छात्रों के अध्ययन दौरों और कार्यशालाओं के दौरान वाहन प्रदान करना।
- विभिन्न अकादमिक छात्रों को उनकी शैक्षणिक वृद्धि के लिए क्षेत्र / औद्योगिक यात्राओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न विभागों को वाहन प्रदान करना।
- छात्रों संबंधित गतिविधियाँ एन.सी.सी. / एन.एस.एस. के लिए व बाहर जागरूकता बढ़ाने आदि के लिए वाहन प्रदान करना।
- राजधानी परिसर और गुवाहाटी तक और जब भी आपातकालीन चिकित्सा उपचार (24x7) के दौरान आवश्यक हो, छात्रों और कर्मचारियों के लिए रोगी वाहन सेवा प्रदान करना।
- शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को उनकी सैधान्तिक व प्रायोगिक उपस्थित और अन्य उद्देश्य वाहन प्रदान करना।

5.7.3 वर्ष 2019-20 की गतिविधियां

यातायात अनुभाग संस्थान के सबसे महत्वपूर्ण ईकाईयों में से एक है। यह अनुभाग आधिकारिक उद्देश्यों के लिए वाहनों का संचालन करता है। जो प्रत्यक्ष / अप्रत्यक्ष रूप से इस संस्था के हित के लिए हैं।

- इस अनुभाग में तीन हैवी मोटर वाहन, दो बसें आम तौर पर विभिन्न गतिविधियों जैसे विभागीय खरीद (स्थानीय और बाहर) के लिए लगी हुई हैं। छात्रों के कक्षाओं में भाग लेने, कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्कूल पहुंचाने, छात्रों की शैक्षणिक यात्राएं (सुबह 7.45 से 5.30 सांय), छात्रों की औद्योगिक यात्राएं, और विभागीय / आधिकारिक कर्तव्यों हेतु इनका उपयोग किया जाता है।
- अनुभाग में एक विंगर (13 + 1 सीटर) वाहन है, जो शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों और विभाग और कार्यालय द्वारा आवश्यक होने पर अन्य आधिकारिक कर्तव्य के लिए उपयोग की जा रही है।
- दो हल्के वाहन (इनोवा और ऑप्ट्रा-एलटी) निदेशक, प्रबन्ध मंडल अध्यक्ष और संस्थान के अतिथि आदि के रूप में आने वाले अन्य आधिकारिक गणमान्य व्यक्तियों के लिए रखे गए हैं।
- आधिकारिक कर्तव्यों के लिए कुल सचिव द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक वाहन (एवीओ-एलटी)
- एक वाहन (एवीओ-एलटी) सभी संकायाध्यक्षों द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए उपयोग किया जाता है।
- एक वाहन (मॉरी वर्सा) सुरक्षा रात्री गश्त और आवश्यकता के अनुसार अन्य आधिकारिक कर्तव्यों के लिए आरक्षित है।
- एक वाहन (एवीओ-एलटी) का उपयोग विभागीय संगोष्ठी, निदेशक कक्ष, कुल सचिव कक्ष, वित्त अनुभाग, परिसर साक्षात्कार के लिए, भण्डार व क्रय अनुभाग, प्रशिक्षण व नियोजन अनुभाग, अकादमिक अनुभाग, परीक्षा कक्ष, छात्रावास प्रबन्ध परिषद, जिमखाना, पुस्तकालय और अन्य आधिकारिक / विभागीय कार्यों आदि के लिए उपयोग किया जाता है।

- एक वाहन (टाटा मोबाइल) का उपयोग विभागीय कार्यों / प्रयोगशाला कार्यों, अधिशासी अभियन्ता (सिविल) कार्यालय, सहायक अभियन्ता (सिविल) कार्यालय, विद्युत कार्यालय, भण्डार और खरीद अनुभाग, छात्रावास प्रबन्ध परिषद, जिमखाना, पुस्तकालय द्वारा सामग्री के परिवहन के लिए किया जाता है।
- एक वाहन (टवेरा एम्बुलेंस) छात्रों और कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए रोगी वाहन सेवा के रूप में और जब परिसर में और बाह्य परिसर (जैसे तमो रीबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज, नाहरलागुन, आर.के.एम. अस्पताल, निवा अस्पताल, पापु नाला, गुवाहाटी अस्पताल / हवाई अड्डे हेतुचौबीसों घंटे (24x7) आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिए उपलब्ध रहती है।
- एक वाहन (टाटा सूमो एम्बुलेंस) को हाल ही में दिनांक 24/04/2018 को खरीदा गया था, क्योंकि टवेरा एम्बुलेंस काफी पुरानी है और इटानगर राजधानी में उपस्करों की अनुपलब्धता के कारण अक्सर खराब रहती है।

संस्थान निम्नलिखित पुराने वाहनों की नीलामी करने जा रहा है जैसा कि नीचे उल्लेखित है-

- संस्थान वाहन संख्या AR0A 4887 (राजदूत कार) की स्थानिक रूप में नीलामी की गई।
- संस्थान वाहन संख्या AR01 2104 (मारुति जिप्सी), की स्थानिक रूप में नीलामी की गई। संस्थान वाहन संख्या AR01 4600 (मारुति जिप्सी), की स्थानिक रूप में नीलामी की गई।
- मोटर्स साइकिल असर पंजीकरण संख्या AR01 B 7520, की स्थानिक रूप में नीलामी की गई।
- परिवहन अनुभाग में समय-समय पर वाहन की अनुरक्षण और संस्थान के वाहन के रखरखाव के लिए पानी की वाशिंग उपकरण हैं।

परिवहन अनुभाग में 12 वाहन हैं। संस्थान के वाहनों को चलाने हेतु 09 चालक हैं; इसलिए परिवहन अनुभाग को तत्काल सुचारु संचालन के लिए अतिरिक्त 3 चालकों की आवश्यकता होती है।

विशेषताएँ

परिवहन अनुभाग वाहनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए प्रशासनिक गतिविधियों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। नेरिस्ट के छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अनुभाग का आवश्यक परिवहन सेवाओं का संचालन छात्रों को अपने छात्रावास से उपाधि भवन (7.45 बजे से शाम 5:30 बजे), विभागीय संगोष्ठी, अध्ययन दौरे आदि का सभी छात्रों और कर्मचारियों को सब्सिडी दरों पर उनकी सर्वश्रेष्ठ संतुष्टि से करना मुख्य लक्ष्य है।

5.8 नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई

5.8.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई (एन.एच.यू.) छात्रों और कर्मचारियों की सेवा के लिए समर्पित है। यहां छात्र और कर्मचारी किसी भी चिकित्सा समस्याओं के लिए निः शुल्क चिकित्सा परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई आपातकालीन मरीजों के लिए 24x7 एम्बुलेंस सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अलावा, नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई बाह्य जरूरतमंद मरीजों को ओ.पी.डी. सेवा प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य इकाई में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारी अपनी बहुमुल्य सेवायें प्रदान कर रहे हैं-

- डॉ.पोपी कैम्प्टर टोक प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी
- डॉ.सुशिमिता पी. टैगू चिकित्सा अधिकारी

➤ डॉ. गयमार इंजा	चिकित्सा अधिकारी
➤ हरेन्द्रन पीएम	फार्मसिस्ट
➤ श्रीमती मेरी बिस्वास	स्टाफ नर्स
➤ श्री धीरेन कृ नाथ	ड्रेसर
➤ श्रीमती ओ. बर्बन	जेरोक्स ऑपरेटर
➤ श्री मिन्यो ब्लांगे	प्रयोगशाला सहायक
➤ श्री ई देवमारी	प्रयोगशाला परिचर
➤ श्रीमती पुर्निमा देब	परिचर
➤ श्रीमती के यलो	परिचर
➤ श्रीमती टाना पारबती	चपरासी
➤ श्री सुरेंद्र प्रसाद	लिपिक
➤ श्री महेश मल्लिक	सफाई कर्मचारी

5.8.2 गतिविधियां

- वर्ष 2019-20 के दौरान लगभग 1600 छात्रों और 8000 रोगियों (कर्मचारियों तथा उनके रिश्तेदारों) की ओपीडी से जांच की गई थी। नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई से आगे के उपचार के लिए लगभग 600 रोगियों को पास के अस्पतालों में भेजा गया और लगभग 300 आपातकालीन मामलों का उपचार किया गया।
- यह ईकाई सभी कर्मचारियों और उनके रिश्तेदारों के लिए और पास की जनता के लिए भी ओपीडी की सुविधा प्रदान कर रही है जो बिना किसी परामर्श लागत के इलाज के लिए संपर्क करते हैं। यह ईकाई दवा काउंटर के माध्यम से अधिकृत कर्मचारियों को मुफ्त दवाएं प्रदान कर रहा है। और वर्ष के दौरान परिसर के निवासी को 24X7 आपातकालीन सेवा प्रदान की जाती है।
- यह ईकाई ने भारत सरकार द्वारा इस वर्ष में दो बार पल्स इम्यूनाइजेशन कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उपरोक्त संयुक्त खसरा और रूबेला टीकाकरण अभियान के अलावा इस वर्ष के फरवरी महीने में सरकार के अनुसार पूरी तरह से चलाया गया था।
- पहले की तरह नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने एपीएसीएस और एनएसएस के साथ मिलकर इस साल में दो बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया था।
- ईकाई ने परिसर समुदाय के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में भी डायरिया और निपाहवायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया। इस वर्ष भी नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने एनीमिया, डायबिटिक, अस्थि घनत्व / ऑस्टियोपोरोसिस, अस्थमा (श्वसन रोग) स्क्रीनिंग की जांच कैंप त्रैमासिक आधार पर आयोजित किया।
- नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने सभी निवासियों के लिए मुफ्त दंत जांच कैंप का आयोजन किया।
- नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने जापानी एन्सेफलाइटिस और डेंगू पर जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया।

उपरोक्त के अलावा नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई ने केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों और एनईआरआईटी के एनईई छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच की और स्वास्थ्य प्रमाणपत्र जारी किए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अनुसार आस-पास के स्कूलों में भी कार्यक्रम का संचालन किया गया था।

5.9 उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र

5.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल ने दिनांक 11 अगस्त, 2007 को आयोजित 62वीं सभा में संस्थान में उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना का अनुमोदन किया था। यह केन्द्र पूर्वोत्तर क्षेत्र की ग्रामीण प्रशिक्षण आवश्यकताओं के अनुरूप बहु-विषयक एवं बहु-उद्देश्यीय है तथा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिये अगस्त, 2007 से कार्य कर रहा है। यह नेरिस्ट का एक स्वतंत्र केंद्र है जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- अरुणाचल प्रदेश एवं पूर्वोत्तर के अन्य पड़ोसी राज्यों की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियों का संवर्धन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान में सहयोग करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में तकनीकी एवं वैज्ञानिक कौशल को आधार प्रदान करना जिससे तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण सामान्य जनता को प्रदान करने में सहयोग किया जा सके।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र में उपयुक्त प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना तथा परियोजनाओं का अध्ययन करके तकनीकी हतांतरण करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगो द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अपनाये जाने सम्बन्धी लघु चलचित्रों का निर्माण।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के परम्परागत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ज्ञान का संवर्धन, लिपिबद्धता एवं विस्तार करना।
- उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास में नियमित अथवा राज्य/केन्द्र सरकार, सयुक्त राष्ट्र, सार्क द्वारा प्रायोजित सदस्यों को आपसी सहयोग व यु.एन.डी.पी., यु.एन.ई.पी., युनेस्को, डब्लू.एच.ओ., एन.ई.सी. ए.डी.सी. आदि के सहयोग से प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, उपाधि एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का संचालन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये उपयुक्त प्रौद्योगिकी एवं ग्रामीण विकास सम्बन्धी लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के आपदा प्रबन्धन को दूर संवेदी तकनीक के माध्यम से सुनिश्चित करना।
- अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिये राज्य सरकार, केन्द्र सरकार, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगठनों से वित्त अनुदान, सामग्री, उपकरण या तकनीकी ज्ञान पुस्तके व आलेख प्राप्त करना।
- भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधनों का विकास करना।

5.9.2 केन्द्र की समिति के सदस्यगण

डा. एस. के. श्रीवास्तव

डा. पी. आर. गजुरेल

सुश्री बीएल सरमाह

श्रीमती मुडो पुमिंग

केंद्र अध्यक्ष

सह प्रोफेसर (वानिकी)

क्यूआईपी अवकास पर सहायक प्रोफेसर (सीएमएस)

सहायक प्रोफेसर (सिविल अभियांत्रिकी)

अनुभाग - 6

मानव संसाधन

I. शिक्षण (संकाय सदस्य)

दिनांक 31.03.2020 को विभागवार संकाय सदस्यों की संख्या निम्नवत है:

1.	वानिकी	13
2.	कृषि अभियांत्रिकी	13
3.	सिविल अभियांत्रिकी	14
4.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11
5.	विद्युत अभियांत्रिकी	16
6.	इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	13
7.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	16
8.	भौतिक विज्ञान	09
9.	रसायन विज्ञान	11
10.	गणित	05
11.	मानविकी व समाज विज्ञान	05
12.	प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र	04
कुल(I)		130

II. गैर शिक्षण (अधिकारी एवं कर्मचारी)

दिनांक 31-3-2020 को संस्थान के अधिकारियों एवं तकनीकी, अनुसचिवीय और समूह-ग वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी।

(i) अधिकारी

क	समूह क	11
ख	समूह ख	04
कुल		15

(ii) तकनीकी/ व्यवसायिक कर्मचारी (गैर शिक्षण)

क	समूह क	03
ख	समूह ख	22
ग	समूह ग	37
कुल		62

(iii) अनुसचिवीय कर्मचारी

क	समूह ख	08
ख	समूह ग	55
कुल		63

(iv) गैर अनुसचिवीय स्टाफ - समूह ग

क	लेब एटेंडेंट/हेल्पर/पंप एटेंडेंट	36
ख	सुरक्षा गार्ड	07
ग	माली, मजदूर व सफाई कर्मी	25
घ	चपरासी	33
ङ	रसोईया व रसोईया सहायक	66
कुल		167

कुल (II) = 307

सर्व कुल (I+II) = 437

अनुभाग - 7

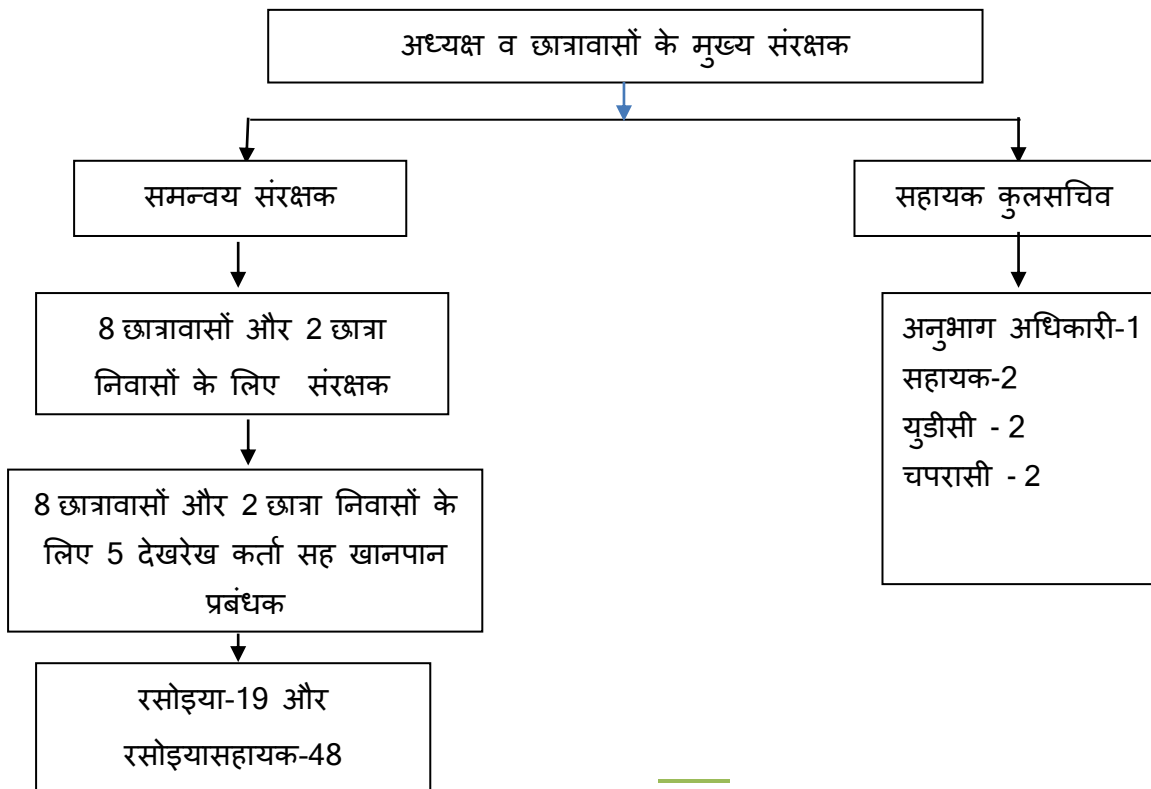
परिसर जीवन एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

7.1 छात्रावास प्रबन्धन परिषद (एच.एम.सी.)

7.1.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट एक आवासीय तकनीकी संस्थान है जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय घोषित किया। नेरिस्ट समझौता ज्ञापन, 2005 के अनुभाग 26 (ए) के तहत छात्रावास-ए, हॉस्टल छात्रावास-बी, छात्रावास-सी, छात्रावास-डी, छात्रावास-ई, छात्रावास-एफ, छात्रावास -जी, छात्रावास -एच, सुबानसिरी छात्रावास और ब्रह्मपुत्र छात्रावास छात्रों (लड़कों और लड़कियों दोनों) के लिए कार्यरत हैं। संस्थान के छात्रों को परिसर छात्रावासों में रहना अनिवार्य रूप से आवश्यक है। छात्रों के बीच अनुशासन, छात्रों के निवास और स्वास्थ्य की स्थिति के उचित रखरखाव के लिए, छात्रावास प्रबन्ध परिषद की स्थापना नेरिस्ट समझौता ज्ञापन, 2005 की धारा 26 (एच) और (आई) के तहत की गई है। छात्रावास प्रबन्ध परिषद संस्थान के एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य कर रहा है, जिसमें छात्रावासों में छात्रों के आवास, खान-पान सुविधाएं, कर्मचारी प्रबंधन, छात्रों का लेखा, छात्रावास व्यय, छात्रों के लिए छात्रावासों में छात्रों के बीच में संस्थान के शैक्षणिक उप-कानूनों के अनुसार आचरण और अनुशासन के नियम शामिल हैं। उपरोक्त कार्यों को लागू करने से, छात्रावास प्रबन्ध परिषद छात्रों के बीच एक एकीकृत व्यक्तित्व विकसित करता है, जिससे छात्रों को अनुशासन से साथी छात्रों और शिक्षकों के साथ सह-जीवित और निरंतर संचार में प्रशिक्षण प्राप्त होता है। इस समय ऊपर बताए गए छात्रावासों की संख्या 10 (दस) हैं, जिनमें से 8 (आठ) छात्रावास लड़कों के लिए हैं और 2 (दो) छात्रावासों अर्थात् छात्रावास-जी और सुबानसिरी छात्रावास संस्थान की छात्राओं के लिए हैं। छात्रावास-एच एवं ब्रह्मपुत्र छात्रावास क्रमशः स्नातकोत्तर छात्रों (एम.टेक./एम.एससी./एमबीए) और पीएच.डी. छात्रों के लिए हैं, जबकि छात्राओं के लिए सुबानसिरी छात्रावास स्नातकोत्तर और और पीएच.डी. छात्राओं को साझा आधार पर समह आवास आवंटित किया जाता है।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद कार्यालय का संस्थागत ढांचा



छात्रावास प्रबन्धन परिषद के सदस्य

अध्यक्ष	डॉ रडक ब्लांगे
सदस्य -	
संरक्षक, छात्रावास ए	डॉ. सी. पी. पाण्डे
संरक्षक, छात्रावास बी	डॉ. एम. हसन
संरक्षक, छात्रावास सी	श्री ए. के. चौधरी
संरक्षक, छात्रावास डी	श्री अजित कुमार सिंह यादव
संरक्षक, छात्रावास ई	डॉ. के. बोरा
संरक्षक, छात्रावास एफ	श्री अखिलेश शर्मा
संरक्षक, छात्रावास जी	सुश्री पियाली दास
संरक्षक, छात्रावास एच समन्वय संरक्षक	डॉ. एम उपाध्याय,
संरक्षक, छात्रावास ब्रहमपुत्र	डॉ. आशिष पाल
संरक्षक, छात्रावास सुवनसिरी	डा. दीपिका देवी

वर्ष 2019-20 के दौरान छात्रावास प्रबन्धन परिषद के अध्यक्ष तथा छात्रावासों के मुख्य संरक्षक के दायित्व में डॉ. रडक ब्लांगे, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग हैं। इसके अलावा एक समन्वय संरक्षक, 11 छात्रावास संरक्षक व 7 देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक परिषद को अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं -

छात्रावासों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

क्र.सं.	छात्रावास	छात्रावास क्षमता	छात्रावास संरक्षक	खानपान प्रबंधक / देख-रेख कर्ता
1	छात्रावास -ए	124	डॉ. सी पी पांडे	श्री दोर्जी शॉंगमू
2	छात्रावास बी	124	डॉ. एम. हसन	
3	छात्रावास -सी	124	श्री ए के चौधरी	श्री बी. पातिर
4	छात्रावास -डी	124	श्री अजीत कु. सिंह यादव	
5	छात्रावास -ई	250	डॉ. के. बोराह	श्री ए. गोगोई
6	छात्रावास -F	250	श्री अखिलेश शर्मा	श्री ई एन वी नायर
7	छात्रावास -जी	250	सुश्री पियाली दास	श्रीमती एम. रॉय चौधरी
8	छात्रावास -एच	250	डॉ. एम. उपाध्याय (समन्वयक)	श्री टी. मैथ्यू
9	ब्रहमपुत्र	416	डॉ. आशिष पॉल	
10	सुबानसिरी	250	डॉ (श्रीमती) दीपिका देवी	श्रीमती एन. सियुम

उल्लेखनीय बातें

पिछले वर्षों की तरह, नए विद्यार्थियों के प्रवेश तिथि से अगले तीन सप्ताह तक नए विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से रात को आठ बजे से 12 बजे तक छात्रावासों का दौरा करने के लिए छात्रावास स्तर पर एन्टी रेगिंग स्क्वाड गठित किए गए। इस स्क्वाड में छात्रावासों के वार्डन सहित संकाय सदस्यों को शामिल किया गया। यूजीसी के दिशा-निर्देशानुसार संस्थान में एन्टी रेगिंग समिति भी गठित की गई।

गणतन्त्र दिवस और स्वाधीनता दिवस का आयोजन प्रत्येक छात्रावासों में किया गया जहां संबंधित संरक्षक /मुख्य संरक्षक ने छात्रावासों के सामने तिरंगा फहराया।

छात्रावासों में रहने वाले छात्रों ने अलग से प्रत्येक छात्रावासों में ब्लॉक दिवस का आयोजन भी किया और इस समारोह में निदेशक/संकायाध्यक्ष गण/ कुलसचिव/मुख्य संरक्षक /छात्रावास संरक्षक आदि आमंत्रित किए गए।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद के अधिकारी/कर्मचारी गण

अध्यक्ष / मुख्य संरक्षक	डॉ रडक ब्लांगे, एसोसिएट प्रोफेसर, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिमेश बसु
अनुभाग अधिकारी	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
कार्यालय सहायक	श्रीमती ए. अधिकारी,
कार्यालय सहायक	श्री थॉमस मैथ्यू
यु.डी.सी.	श्री ई.एन.वी. नायर
चपरासी	श्री जे. मिली, श्री एन. बी. थापा

7.2 राष्ट्रीय केडेट कोर

7.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान में राष्ट्रीय केडेट कोर की दो शाखायें हैं, जिसमें एस डी (छात्र) को वित्त सहायता नेरिस्ट द्वारा प्रदान की जाती है, एवं एस डबल्यू (छात्रा) के लिए गठित शाखा का वित्त पोषण राष्ट्रीय केडेट कोर, तेजपुर द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2019-20 में संस्थान में केडेटों की संख्या -160 निम्न लिखित है।

पंजीकृत छात्र	एस डी (छात्र)
प्रथम वर्ष	79
द्वितीय वर्ष	45
तृतीय वर्ष	36
कुल संख्या	160

जन शक्ति की स्थिति

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
एएनओ /सीटीओ	02	02	--
सहायक कर्मचारी	02	04	02

संसाधनों की उपलब्धता

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
कार्यालय	01	01	शून्य
भंडार कक्ष (बड़ा)	01	02	01

बजट प्रावधान

वर्ष 2018-19 के दौरान कुल ₹1, 64,350.00 (रुपए एक लाख चौसठ हजार तीन सौ पचास) जिसमें धुलाई और केडेटों को दिया जाने वाला अल्पाहार व्यय (₹ 62,275.00/-), स्थापना दिवस (10,000/-) कैट सी कैप (22,662.00 + ₹ 16,103.00 + ₹ 30,998.00 + ₹ 22,312.00 = ₹ 92,075.00/-) शामिल है।

7.2.2 गतिविधियों का विवरण

(i) स्थापना दिवस का आयोजन

(ii) कुल परेडों का आयोजन - 72

(iii) समारोह ड्रिल में भागीदारी

स्वतंत्रता दिवस - 48 छात्र, 24 छात्रा

गणतंत्र दिवस - 54 छात्र, 24 छात्रा

(iii) राष्ट्रीय केडेट कोर कैडेटों द्वारा शिविरों में भागीदारी : कुल 5 शिविर

डीएनजीसी, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में सीएटीसी शिविर : दिनांक 16/06/2019 से 25/06/2019

पीटीसी बंदरदेवा, अरुणाचल प्रदेश में सीएटीसी शिविर : दिनांक 27/08/2019 से 05/09/2019

आरजीजीपी ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में सीएटीसी शिविर : दिनांक 18/10/2019 से 27/10/2019

मिसमैरी, असम में एएसी शिविर : दिनांक 15/12/2019 से 26/12/2019

ईबीएसबी (एनआईसी) आरजीयू, रोना हिल्स ईटानगर : दिनांक 06/01/2020 से 17/01/2020

7.2.3 उल्लेखनीय बातें

➤ 'बी' प्रमाणपत्र परीक्षा 11 एसडी कैडेट

➤ 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा 16 एसडी कैडेट

➤ एनसीसी विंग, नेरिस्ट में 52 एसडब्लू नये कैडेट हैं। जिनमें बी और सी प्रमाणपत्र हेतु पांच (05) विस्तार सूची में हैं। सत्रह (17) एसडब्लू कैडेट, जिन्हें सुधार के लिए अनुमति दी गई थी, वे भी विस्तार सूची में हैं। तदनुसार कुल ताकत 74 एसडब्लू कैडेट हैं।

- सभी एसडब्लू कैडेटों की गणतंत्र दिवस 2019 और स्वतंत्रता दिवस 2019 समारोह में सक्रिय भूमिकाएँ थीं। तथा यूनिट, 1 एपी बी.एन., नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश में भी इनकी सक्रिय भूमिका थी।
- सत्रह (17) एसडब्ल्यू कैडेटों को 03-12 जनवरी, 2019 तक राजीव गान्धी शासकीय पॉलिटैक्निक, ईटानगर में सीएटीसी शिविर में भाग लिया गया था। तथा (05) SW कैडेटों ने 16 -23 जून 2019 को इटानगर के राजीव गान्धी शासकीय पॉलिटैक्निक इटानगर में भाग लिया गया था।
- सुश्री यशिकला एन. याडन, रेजिमेंटल नंबर एआर / 18 / एसडब्ल्यूए / 100675 को 16 -23 जून 2019 को आयोजित राजीव गांधी शासकीय पॉलिटैक्निक, ईटानगर के सीएटीसी में सर्वश्रेष्ठ कमांड स्थान मिला था।
- सुश्री प्रीति कुमारी गुप्ता असर रेजीमेंटल नंबर एआर / 18 / एसडब्ल्यूए / को 16 -23 जून 2019 को आयोजित राजीव गांधी शासकीय पॉलिटैक्निक, ईटानगर के सीएटीसी में सर्वश्रेष्ठ वक्ता स्थान मिला था।
- पीटीसी बंदरदेवा, अरुणाचल प्रदेश में सीएटीसी शिविर, 27 अगस्त से 5 सितम्बर 2019 में चार (04) एसडब्लू कैडेट ने भाग लिया था।
- सुश्री यशिकला एन याडन, रेजिमेंटल नंबर एआर / 18 / एसडब्ल्यूए / 100675 को 27 अगस्त से 5 सितम्बर 2019 को पीटीसी, बांदरदेवा में आयोजित सीएटीसी में सर्वश्रेष्ठ कैडेट और सर्वश्रेष्ठ फायरिंग स्थान मिला था।
- सुश्री यशिकला एन. याडन, रेजीमेंटल नंबर एआर / 18 / एसडब्ल्यूए / 100675 को पूर्व आरडीसी के लिए 01-10 नवम्बर 2019 से उमरोई कैंट, मेघालय में भेजा गया था।
- दिनांक 6 से 17 जनवरी 2020 को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोना हिल, डोईमुख, ईटानगर में पांच (05) एसडब्लू कैडेटों ने भाग लिया।
- दस एसडब्ल्यू कैडेट एनआईटी, यूपिया में आयोजित बी-सर्टिफिकेट परीक्षा में शामिल हुए। ईटानगर 09 फरवरी 2020 को।
- एक (01) कैडेट महामारी समाप्त होने के बाद आयोजित होने वाली सी-सर्टिफिकेट परीक्षा दे रहा है।

7.3 राष्ट्रीय सेवा योजना

रूपरेखा

डा. ए. दीनामानी सिंह/ डॉ. अजय भारती, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई, नेरिस्ट ने एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और प्रेरित करने के लिए विभिन्न एन.एस.एस. कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं ने भी एन.एस.एस. कार्यक्रमों की सफलता के लिए बहुत अच्छा समर्थन और सहयोग भी बढ़ाया। एक समूह 'सी' और एक समूह 'डी' कर्मचारी कार्यालय के कामकाज की देखभाल के लिए एन.एस.एस. कक्ष में हैं, जो कि समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं को एन.एस.एस. कार्यक्रमों और शिविरों को संचालित करने के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं।

1. नामांकित स्वयंसेवकों की कुल संख्या: 850
2. पुरुष: 530
3. महिला: 320
4. पुरुष स्वयंसेवकों की संख्या (ए.पी.एस.टी.): 120
5. महिला स्वयंसेवी की संख्या (ए.पी.एस.टी.): 70
6. एनएसएस समन्वयक का नाम डॉ. ए. दिनामनी सिंह/ डॉ. अजय भारती
7. वर्ष के दौरान लगाए गए पेड़ों की संख्या: 300

7.3.2 गतिविधियों का विवरण

वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का शुभारम्भ एक परिचय कार्यक्रम से किया गया जिसका आयोजन 25-8-2019 को किया गया था। इस कार्यक्रम में आचार्य एच. एस. यादव ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला था। इसके अलावा दृश्य-श्रव्य उपकरणों के उपयोग से छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं कर्तव्यों का बोध कराने के साथ साथ इसके छात्रों से की जाने वाली अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर डा. बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस के उद्देश्यों के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. ए. दिनामनी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नेरिस्ट इकाई द्वारा 24-9-2019 को एन एस एस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अन्य कार्यक्रमों के अलावा वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयं सेवक उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेरिस्ट इकाई की संयोजक ने योजना के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया के बदलते परिदृश्य में एन एस एस के कार्यों में भी व्यापकता अपेक्षित है।

नियमित गतिविधियों का आयोजन दिनांक 07/02/2019, 02.10.2019, 7/03/20 (स्वच्छ भारत अभियान) को नेरिस्ट मुख्य परिसर एवं डिग्री ब्लॉक में किया गया था जिसमें लगभग 550 छात्रों ने भाग लिया। छात्रावासों व डिग्री ब्लॉक में 300 वृक्ष लगाए गये तथा परिसर की सफाई की गई।

नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा नाहरलगन जनरल हॉस्पिटल और मेडिकल हेल्थ यूनिट, नेरिस्ट के सहयोग से 09/11/2019 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने वालों में कुल 50 (05 छात्रा) एन एस एस स्वयं सेवक और कार्यक्रम अधिकारी शामिल थे। रक्त दान शिविर के पश्चात चिकित्सकों, तकनीशियनों और अन्य मेडिकल स्टाफ के लिए नेरिस्ट के अतिथि गृह में भोजन की व्यवस्था की गई।





7.3.3 महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती

निर्जुली: 02/10/2019: नेरिस्ट के बागवानी अनुभाग के साथ रा.से.यो. कक्ष ने आज महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती मनाई। नेरिस्ट डिग्री ब्लॉक की सड़कों पर लगभग 50 पौधे लगाए गए थे। उत्सव के एक भाग के रूप में बागेतिनाली से नेरिस्ट मुख्य द्वार तक फिट इंडिया दौड़ कार्यक्रम किया गया।

वर्तमान समय के मामलों में गांधीवादी दर्शन के महत्व पर आचार्य एच.एस. यादव ने स्वयंसेवकों को महात्मा के बारे में पढ़ने और अपने जीवन में उनकी सोच को लागू करने की कोशिश की की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में गांधीजी के शिक्षण के दर्शन को स्थापित करने की आवश्यकता है, इससे हम कई समस्याओं का समाधान कर पाएंगे।



श्री एम के कामदीर, कुल सचिव, नेरिस्ट ने इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एक शांतिपूर्ण समाज और राष्ट्र तब होगा जब हम सभी "अहिंसा" का मार्ग अपनाएंगे। नेरिस्ट एनएसएस सेल के समन्वयक डॉ. ए. दिनमणि सिंह ने अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के का अनुरोध किया।



7.3.4 नेरिस्ट में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान



निर्जुली, 09/11/2019: टोमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एण्ड मेडिकल साइंस, नाहरलागुन के सहयोग से नेरिस्ट के एनएसएस सेल ने नेरिस्ट स्वास्थ्य ईकाई में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान, टीआरआईएचएमएस के रक्त बैंक अधिकारी, डॉ. ताशी पालेंग ने रक्तदाताओं को रक्तदान के लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में दाताओं के कई संदेह भी साफ किए। डॉ. ए. दिनमणि सिंह, समन्वयक ने संबंधित अधिकारियों से समग्र रक्त दाताओं को

प्रोत्साहित करने के लिए उचित रक्तसंचार को बनाए रखने का अनुरोध किया। “भारत युवाओं का देश है; इसलिए हमारे देश में सामना किए जा रहे कई मुद्दों को युवाओं की भागीदारी से हल किया जा सकता है। जो लोग स्वस्थ हैं, उनको 18-65 वर्ष आयु में दो बार रक्तदान करने की आदत डालनी चाहिए। दाताओं को संबोधित करते हुए, नेरिस्ट के निदेशक आचार्य एच एस यादव ने कहा।

स्वयंसेवकों ने उक्त शिविर के दौरान 34 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। टीआरआईएचएमएस के रक्त बैंक के कर्मचारियों के साथ-साथ ज़ायोन इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग के संकाय सदस्यों और छात्रों ने शिविर के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की।

7 मार्च 2020 को लगभग 300 एनएसएस स्वयंसेवकों ने अपने समूह व 15 कार्यक्रम अधिकारियों के साथ पर्यावरण की स्वच्छता और प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता की गतिविधियों में भाग लिया।



दिनांक 8 मार्च 2020 को नेरिस्ट

एनएसएस कक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस अवसर पर निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. विद्यालय बच्चों के बीच प्रश्न प्रतियोगिता (जूनियर तथा सीनियर बैच के लिए अलग से)
2. विद्यालय बच्चों के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता (जूनियर और सीनियर बैच के लिए अलग से)
3. महिला मैराथन (छात्रों और महिलाओं के लिए अलग से)
4. के. जी. विद्यालय, नेरिस्ट में महिलाओं द्वारा योग
5. नेरिस्ट गेट पर छात्रों द्वारा स्किथ खेल
6. सांस्कृतिक कार्यक्रम और वितरण वितरण



केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट द्वारा प्रश्नोत्तरी



महिला मैराथन



स्किट प्ले कर रहे छात्र



योगा करती महिलाएं

7.3.5 विशेष शिविर प्रतिवेदन

प्रत्येक वर्ष की तरह मार्च, 2020 के तीसरे सप्ताह में निर्जुली गाँव - II में विशेष शिविर आयोजित किया जाना था। परन्तु कोविड- 19 के कारण आयोजित नहीं किया जा सका था।

राष्ट्रीय सेवा योजना समिति सूची

- | | |
|--------------------------------|-------------------|
| 1. श्री एम देबेन सिंह | कार्यक्रम अधिकारी |
| 2. डा. अवधेश कुमार | कार्यक्रम अधिकारी |
| 3. डॉ. (श्रीमती) अजन्ता कालिता | कार्यक्रम अधिकारी |
| 4. डॉ. के. हिराचंद्रा सिंह | कार्यक्रम अधिकारी |
| 5. डॉ. एस. धिरेन मैथेई | कार्यक्रम अधिकारी |
| 6. डॉ. अकबरी जहान | कार्यक्रम अधिकारी |
| 7. डॉ. कमल सहरिया | कार्यक्रम अधिकारी |
| 8. डॉ. मोहम्मद हसन | कार्यक्रम अधिकारी |
| 9. श्रीमती पियाली दास | कार्यक्रम अधिकारी |
| 10. श्री गोविन्द पागीगं | कार्यक्रम अधिकारी |
| 11. श्री अरुण कुमार चौधरी | कार्यक्रम अधिकारी |
| 12. श्री एम एडीसन सिंह | कार्यक्रम अधिकारी |

13. डॉ. कुनाल बोरा	कार्यक्रम अधिकारी
14. श्री संतोष तमांग	कार्यक्रम अधिकारी
15. श्री पी. देवचन्द्र सिंह	कार्यक्रम अधिकारी

7.4 सम्पदा कार्यालय

7.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

सम्पदा कार्यालय की स्थापना संस्थान की परिसम्पत्तियों विशेष रूप से भूमि संरक्षण, भूमि पर अवैध कब्जों एवं बाह्य निकायों जैसे उपायुक्त पापुमपारे, उपायुक्त राजधानी क्षेत्र, भूमि एवं राजस्व अधिकारियों, अतिरिक्त जिला न्यायधीश, अतिरिक्त सहायक आयुक्त नाहरलगन आदि से सम्पर्क रखने के लिए की गई है। परिसर की देखभाल करना, परिसर के आवासों का आबंटन आदि का कार्य भी सम्पदा कार्यालय के दायित्वों में शामिल है।

सम्पदा अधिकारी के अतिरिक्त इस कार्यालय के अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नवत है:

1. सहायक कुल सचिव/सम्पदा अधिकारी	- 01
2. लिपिक	- 01
3. चपरासी	- 01
4. अस्थाई कर्मचारी	- 01
5. दैनिक कर्मचारी	- 01

संस्थान में आवासों की संख्या

क्र.सं.	आवास श्रेणी	संख्या	प्रारूप
1	I	132	द्वितलीय
2	II	124	द्वितलीय
3	III	122	एकतलिय व द्वितलीय
4	IV	98	एकतलिय व द्वितलीय
5	V	20	एकतलिय व द्वितलीय
6	बी टी ए	09	एकतलिय
7	VI	01	निदेशक आवास

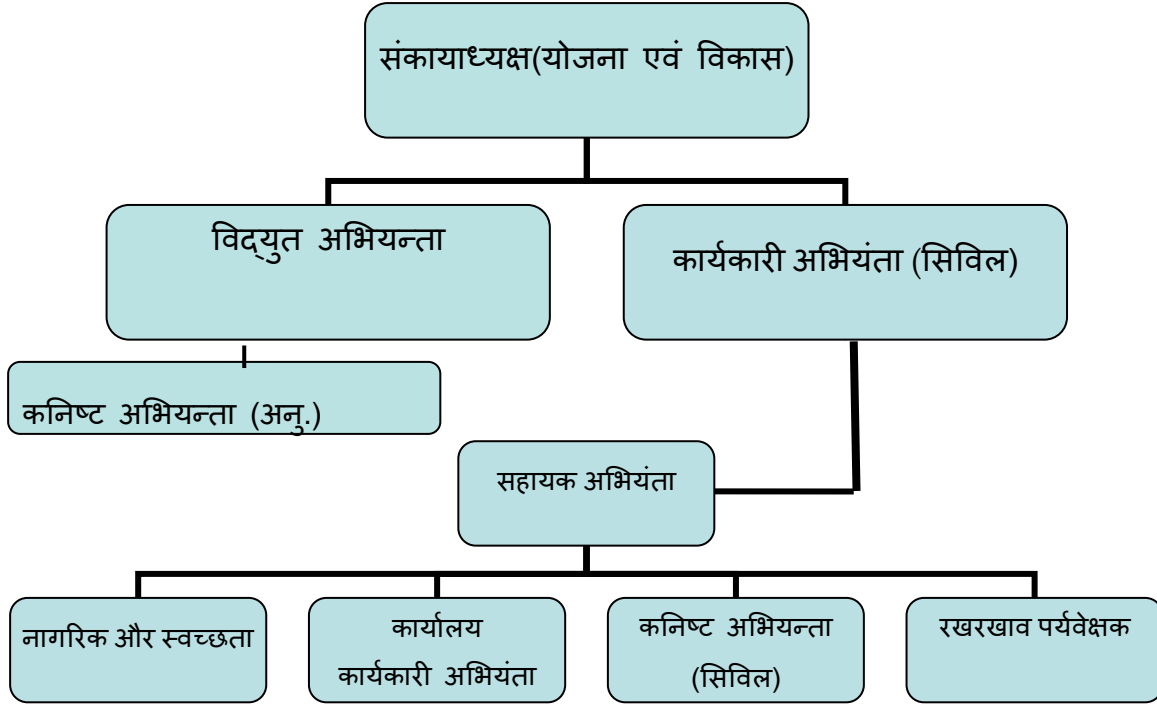
7.5 संस्थान अभियन्ता कार्यालय

7.5.1 अनुभाग की गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

संस्थान अभियन्ता कार्यालय महत्वपूर्ण कार्यालयों में से एक है, जो कार्यकारी अभियन्ता (सिविल) के समग्र पर्यवेक्षण के तहत संस्थान की बुनियादी सुविधाओं के समग्र विकास और रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कार्यकारी अभियन्ता कार्यालय के तहत, सिविल रखरखाव तथा स्वच्छता अनुभाग विविध चालन और संस्थान की बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए काम कर रहे हैं। भवन रखरखाव अनुभाग दिन-प्रतिदिन नागरिक रखरखाव, परिसर में इमारतों की मरम्मत, छात्रावास, कार्यालय, आवासीय और गैर-आवासीय भवनो, जल आपूर्ति और स्वच्छता सहित अन्य कार्यों का योजना एवं निगरानी समिति के मार्गदर्शन में निष्पादित करता है।

स्वच्छता अनुभाग समय परिसर को साफ-सुथरा रखने के साथ अच्छे स्वास्थ्यवर्धक वातावरण को बनाए रखने में सहयोग कर रहा है।

7.5.2 वर्तमान संगठन



कार्यकारी अभियन्ता (सिविल) द्वारा सभी प्रमुख और छोटे कामों का संचालन सह निष्पादन

संस्थान में कार्यों की निगरानी के लिए, संस्थान द्वारा प्राथमिकता पर उठाए जाने वाले विकासात्मक कार्यों की पहचान करने, कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की निगरानी के लिए सितंबर 2015 में एक योजना और निगरानी समिति का गठन किया गया था।

7.5.3 परिसर में चल रही निर्माण गतिविधियों की स्थिति प्रतिवेदन:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में	राशि जारी (लाख में)	निकाय	प्रगति	टिप्पणियाँ
1	उपयोगिता केंद्र का निर्माण	831.52	725.00	सीपीडब्लूडी, किमिन	98%	
2	क्षेत्र विकास सह 24 कक्षा कक्ष का निर्माण	330	322 लाख	एपी पीडब्लूडी	100%	सुपुर्द
3	संस्थान में 375 छात्रों हेतु छात्रावास स्थल विकास कार्य	330	322 लाख	एपी पीडब्लूडी	100%	सुपुर्द
4	स्थायी प्रशासनिक भवन का निर्माण	3604.00	2866	एनपीसीसीएल, गुवाहाटी	95%	

5	वीवीआईपी अतिथि गृह का निर्माण	796.000	784.00	एपीपीडब्ल्यूडी, एनएलजी डिवीजन	100%	सुपुर्द
6	आवासो का निर्माण, श्रेणी - III, IV तथा V	1671.00	1,622	यूडी एंड एच विभाग, एपी सरकार	95%	
7	केंद्रीय कार्यशाला का निर्माण	2927.00	2862.00	एपीपीडब्ल्यूडी, एनएलजी डिवीजन	85%	
8	समेकित नाली नेटवर्क का निर्माण (चरण - II)	192.00	192.00	एम / एस टीटी एंटरप्राइज	100%	सुपुर्द
9	परीक्षा एव सभागार भवन	1812.00	100.00	सीपीडब्ल्यूडी, किमिन	20%	
10	खेल स्थल की मरम्मत और नवीनीकरण	109.73	50.09	मेसर्स रोशन कंस्ट्रक्शन	80%	
11	सिल्वर जुबली हॉल में भूमि भराव	147.30	1,47,27,656	मेसर्स टो तोलु	100%	सुपुर्द
12	एनईआरआईएसटी में पीजी छात्रावास के पास कृषि फार्म	60.29	60,23,621	मेसर्स टीबीटी ट्रेड एजेंसी	100%	सुपुर्द
13	डिग्री ब्लॉक में सीसी फुटपाथ का निर्माण	244.00	243,87,244.00	मेसर्स आरवाईजेडजे उद्यम	100%	
14	श्रेणी- VI, V & III / II के मौजूदा बाल पार्क का उन्नयन	46.71	26.49 लाख	मेसर्स ज़ी इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन	80%	1 आरए बिल भुगतान के लिए संसाधित
15	शैक्षणिक भवन की मरम्मत और नवीनीकरण	58.75	-	मेसर्स केंदिर ट्रेडिंग कंपनी	95%	
16	निदेशक बंगलो की मरम्मत और रखरखाव	71.68	71.63	मेसर्स डीसम एंटरप्राइजेज	100%	

17	डिग्री ब्लॉक के पास रारा 415 से अनया तथा रियो कॉलोनी तक सीमा दीवार की मरम्मत और नवीनीकरण	45.25	45.16	मेसर्स नीलम संजू इन्टरप्राइज	100%	
18	निर्जुली नदी में बाढ़ सुरक्षा दीवार की रक्षा के लिए मरम्मत और नवीनीकरण	98.44	97.22	मेसर्स सीडी एंड संस	100%	
19	सीमा दीवार आरसीसी सुरक्षा का निर्माण	61.00	60.99	ईई कार्यालय	100%	
20	खेल मैदान में आरसीसी रिटेनिंग वॉल, गैलरी सह व्यायामशाला	454.00	-	मेसर्स आरवाईजेडजे उद्यम	50%	
21	अतिथि गृह एवं यौगिक विकास का नवीनीकरण	170.00	-	मेसर्स रेनबो एंटरप्राइजेज	100%	
22	ब्लॉक ए से सी पथ का विस्तार,	159.85	-	मेसर्स केंदिर ट्रेडिंग कंपनी	80%	
23	बाढ़ सुरक्षा दीवार की रक्षा करने के लिए निर्जुली नाले की मरम्मत सह नवीनीकरण	98.14	97.22	मेसर्स रेनबो एंटरप्राइज	100%	
24	निर्जुली नदी में स्टील पुल के पास बाढ़ सुरक्षा कार्य का नवीनीकरण	99.54	-	मेसर्स रेनबो एंटरप्राइज	100%	
25	थोक जल आपूर्ति निर्माण सह बाढ़ सुरक्षा	49.86	-	मेसर्स टी के कंस्ट्रक्शन	100%	
26	डिग्री ब्लॉक में वानिकी विभाग में वन पौधशाला की मरम्मत और नवीनीकरण	29.57	-	मेसर्स रेनबो एंटरप्राइज	90%	

7.5.4 भविष्य की योजना

भविष्य में संस्थान के अभियंत्रिकी विभाग ने संस्थान प्राधिकरण द्वारा तय की गई प्राथमिकता के अनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से निधि की उपलब्धता के अधीन निम्नलिखित कार्य करने की योजना बनाई है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में	टिप्पणियाँ
1	स्थायी स्वास्थ्य इकाई भवन का निर्माण	1390.00	
2	अनुसंधान और परियोजना भवन का निर्माण	10851.88	
3	नए छात्रावास का निर्माण	18098.88	
5	स्थायी केन्द्रीय विद्यालय भवन का निर्माण	4054.00	
6	कक्षा भवन का निर्माण	1812.00	
7	जल उपचार संयंत्र का निर्माण	10,00.00	
8	500 छात्राओं क्षमता के छात्रावास का निर्माण	38.50	

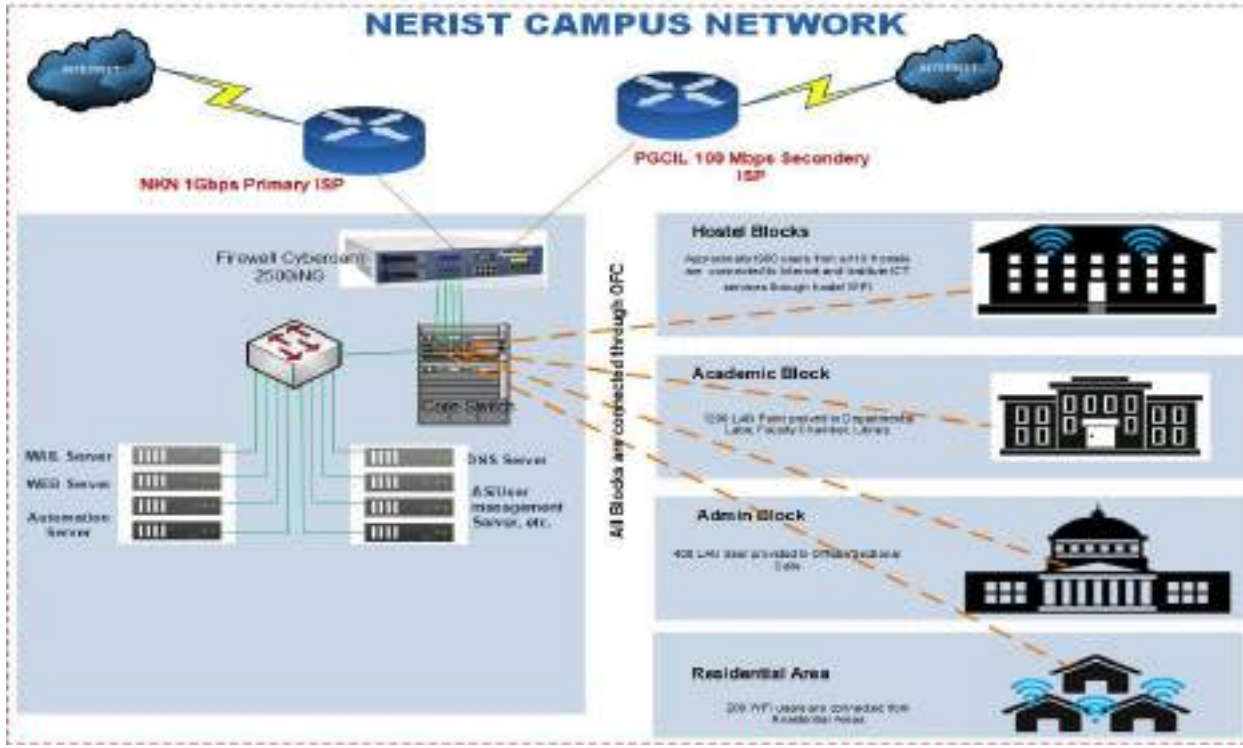
7.6 शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष

7.6.1 अनुभाग का परिचय

संस्थान में शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष की स्थापना प्रारम्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रायोजन में दृश्य-श्रव्य उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सहयोग से अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान इस प्रकोष्ठ में दृश्य श्रव्य सहित सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक संगोष्ठी कक्ष तथा एक परिषद कक्ष है। इन कक्षों का उपयोग संकाय सदस्यों और विभिन्न संस्थानों और उद्योगों के पेशेवर लोगों के विशेष व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए किया जाता है। इसके अलावा यह कक्ष संस्थान को इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने का कार्य भी देखा रहा है। यह कक्ष वेबसाइट और संस्थान की ई-मेल प्रणाली की देखरेख करता है। इस कक्ष के कार्यों में शामिल गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

7.6.2 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा:

1. भारत संचार निगम लिमिटेड ओएफसी के माध्यम से संस्थान को 1 जीबीपीएस एनकेएन सम्पर्क।
2. संस्थान के सभी विभागों, कार्यालयों, स्कूलों में लॉन कनेक्शन।
3. छात्रावासों व आवासीय क्षेत्रों में वाई-फाई लॉन कनेक्शन।
4. संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा स्टाफ को वेब मेल सेवा
5. संस्थान वैब सर्वर अनुरक्षण
6. उच्च शक्ति सर्वरों के माध्यम से हाईपर-वी, वरचुएल प्लेटफार्म, डी एन एस, रेडीयस आदि सेवार्यें।
7. शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ऑनलाइन पंजीकरण और प्रवेश प्रक्रिया के लिए सूचना तकनीकी संसाधन सेवाएं प्रदान करता है।



नेरिस्ट स्थानिय नेटवर्क चित्र

7.6.3 नेटवर्क उपकरण

क्र.सं.	उपकरण	संख्या	उद्देश्य
1.	यू टी एम/फायरबाल साइबररोम- 2500 आई एन जी	01	उपक्षोक्ता आद्यारित इन्टरनेट से
2.	कोर स्वीच, सिस्को- 6509	01	सभी इन्टरनेट उपकरण कोर स्वीच से सम्बन्धित
3.	वरण स्वीच, सिस्को- 4503	01	उपाद्यि भवन श्थानिय इन्टरनेट विस्तार
4.	एसस स्वीच	68	सभी विभागोव कार्यालयों मे इन्टरनेट
5.	तार रहित नियंत्रक (अंकुश: जेड डी 3000)	2	नियम, नीति एवं अम्य प्रतिबन्ध
6.	एसस बिन्द (अंकुश जेड एफ 7782)	30	तार रहित इन्टरनेट व्यवस्था
7.	सन स्वीच ब्रोकेड	1	सर्वर -सह- भण्डारण सेवा
8.	डेल पावर वाल्ट आर 430 रेक सर्वर	6	स्वचालन एवं इन्टरनेट सुविद्यायें
9.	आई बी एम प्रणाली रेक सर्वर	3	माइक्रोसाफ्ट एस सी सी एम प्रणाली
10.	आई बी एम व एच सी एल टावर सर्वर	3	पब्लीक डी एन एस तथा मेन सर्वर

7.6.4 वर्ष 2019-20 के दौरान गतिधियाँ

- एक वर्ष के लिए 300 उपयोगकर्ताओं के लिए माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस को नवीनीकृत किया।
- पीजीसीआईएल से 100 एमबीपीएस आईएसपी लिंक स्थापित किया गया है, जो प्राथमिक एनकेएन आईएसपी लिंक के बैकअप की सुविधा प्रदान करता है।
- शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ने इंटरनेट प्रदान करने के लिए ब्रह्मपुत्राछात्रावास के लिए एक भूमिगत ओएफसीलिंक की स्थापना की।
- शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष ने इंटरनेट प्रदान करने के लिए छात्रावास ब्रह्मपुत्रा, ए व ई में वाई-फाई एसेस बिन्दुओं की स्थापना की।
- शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष ने 2018-19 सत्र के दौरान छात्रों के लिए विभिन्न ऑनलाइन परिसर साक्षात्कार आयोजित किए।
- विभिन्न शासकीय संगठनों के लिए एसीसीएफ के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके अलग-अलग कम्प्यूटरीकृत भर्ती प्रक्रिया आयोजित की।
- एनईई-2019 / पी.जी. / पीएच.डी. के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, परामर्श और प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आईटी अवसंरचना सहायता प्रदान की।

7.7 व्यायामशाला

7.7.1 अनुभाग और उसकी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

- अन्तर छात्रावास फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14 सितंबर से 3 अक्टूबर 2019 तक किया गया था। इस कार्यक्रम में नेरिस्ट के छात्रों की बहुत ही उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।
- नेरिस्ट सांस्कृतिक उत्सव रेकफ-2019 का आयोजन दिनांक 31 अक्टूबर से 2 नवंबर 2019 तक किया गया था। इस कार्यक्रम में बहुत सारी गतिविधियाँ थीं और इसमें विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले लगभग 1300 छात्र थे।
- दिनांक 9 से 10 नवंबर 2019 तक आयोजित होने वाले अंतर-छात्रावास शतरंज प्रतिस्पर्धा में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- दिनांक 17 से 26 जनवरी 2020 के दौरान अंतर-छात्रावास टेबल टेनिस प्रतिस्पर्धा में लड़कियों सहित सभी छात्रावास ब्लॉकों के कुल चार छात्रों ने भाग लिया।
- लड़कियों सहित सभी छात्रावासों के कुल चार छात्रों ने अंतर-छात्रावास बैडमिंटन प्रतिस्पर्धा में भाग लिया, जिसका आयोजन 17 से 20 जनवरी 2020 तक किया गया था।
- दिनांक 18 से 19 जनवरी 2020 तक आयोजित अंतर-छात्रावास कैरम प्रतिस्पर्धा में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- वार्षिक खेलों का आयोजन 29 जनवरी से 1 फरवरी 2020 के दौरान किया गया था, जिसमें स्नातकोत्तर, पीएच.डी. तथा प्रमाण पत्र कार्यक्रम के 1000 से अधिक छात्र (दोनों लड़के तथा लड़कियां) शामिल हुए थे। प्रमुख प्रतिस्पर्धाओं में लॉन्ग रन (500 मीटर तथा 3000 मीटर दौड़); स्प्रिंट्स (100 मीटर, 200 मीटर,

400 मीटर व 800 मीटर दौड़); रिले 4X100 मीटर और 4X400 मीटर दौड़); लंबी कूद, उंची कूद, ट्रिपल जंप; थ्रो (जेवेलिन, चर्चा, शॉट-पुट, हैमर); धीमी गति से साइकिल चलाना आदि शामिल हैं।

व्यायामशाला ने पिछले वर्ष 2019-20 के दौरान कई स्मारक प्रतिस्पर्धाओं की सुविधा भी दी थी ।

1. दिनांक 23 से 1 सितंबर 2019 के दौरान नेरिष्ट त्रिपुरा छात्र संघ द्वारा आयोजित एसडीपी स्मारक अंतर-राज्य फुटबॉल प्रतिस्पर्धा।
2. एनएमजेडपी बास्केट बॉल प्रतिस्पर्धा का 1 से 20 सितंबर 2019 तक आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया था।
3. दिनांक 8 फरवरी से 1 मार्च 2020 के दौरान नेरिष्ट अरुणाचल प्रदेश छात्र संघ द्वारा आयोजित ताडार ईचु स्मारक अंतर-राज्य फुटबॉल प्रतिस्पर्धा।
4. बीडी समृति फुटबॉल प्रतिस्पर्धा का 11 से 26 जनवरी 2020 तक आयोजन किया गया था, जिसमें नेरिस्ट समुदाय की सक्रिय भागीदारी थी।

अनुभाग - 8
वित्त एवं लेखा

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक केन्द्रीय योजना है, तथा पूरी तरह से इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से किया जा रहा है।

वर्ष 2019-20 के आरम्भ में संस्थान के पास लेखा शेष धनराशि ₹1522.18 लाख उपलब्ध थी। वर्ष के दौरान संस्थान को ₹12384.00 लाख रुपये की सहायता अनुदान और ₹555.87 आई आर जी के रूप में प्राप्त हुई। दिनांक 31-3-2020 को संस्थान के पास अव्ययित राशि ₹3957.92 लाख शेष थी जिसका उपयोग वर्ष 2019-20 के दौरान किया जाएगा। संस्थान को प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नलिखित है:

₹लाख में

लेखा का विस्तृत विवरण	शीर्ष			कुल (2+3+4)
	शीर्ष-31 सामान्य	शीर्ष-35 पूंजी	शीर्ष-36 वेतन	
1	2	3	4	5
पिछला शेष	17.20	(-)3.35	1508.34	1522.18
वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त निधि	4884.00	2500.00	5000.00	12384.00
आई आर जी 2019-20	555.87	0	0	555.87
वर्ष 2019-20 के दौरान व्यय	2785.77	1797.32	5921.04	10504.13
दिनांक 31.03.2020 को अव्ययित शेष	2671.30	699.33	587.29	3957.92

संस्थान के वर्ष 2019-20 की लेखा संबंधी विस्तृत सूचना तथा संस्थान के लेखाओं पर लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन परिशिष्ट - 12 में प्रस्तुत किया जा रहा है।

परिशिष्ट -I

नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31.03.2020

1. ब्रिगेडियर (डा.) बी डी मिश्रा (से.नि.) - अध्यक्ष
महामहिम राज्यपाल,
राजभवन, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
2. श्री मधु रंजन कुमार - सदस्य
संयुक्त सचिव (टी ई एल),
उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
मा.स.वि.म., भारत सरकार,
नयी दिल्ली-110 115
3. श्रीमती दर्शना एम. डबराल - सदस्य
संयुक्त सचिव व एफ ए, आई.एफ.डी.,
मा.स.वि.म.,भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001
4. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), आसाम सरकार,
दिसपुर, गुवहाटी, आसाम - 788 006 - सदस्य
5. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मेघालय सरकार
शिलॉंग, मेघालय - 793 001 - सदस्य
6. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मिजोरम सरकार
आईजोल, मिजोरम - 796 001 - सदस्य
7. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001 - सदस्य
8. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103 - सदस्य
9. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), त्रिपुरा सरकार
अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001 - सदस्य

- | | | | |
|-----|---|---|-------------|
| 10. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा),
अरुणाचल प्रदेश सरकार
ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111 | - | सदस्य |
| 11. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा),
मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर - 795 001 | - | सदस्य |
| 12. | डा. नीरज शर्मा, अध्यक्ष (टी डी टी),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली - 110 016 | - | सदस्य |
| 13. | आचार्य अनूप के. दास
यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
गुवहाटी - 781 039 | - | सदस्य |
| 14. | श्री तारा नाचुंग
पी-सेक्टर, निर्जुली
जिला - पापुम पारे
अरुणाचल प्रदेश | - | सदस्य |
| 15. | आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | सदस्य |
| 16. | प्रोफेसर एच. एस. यादव,
निदेशक, नेरिस्ट | - | सदस्य |
| 17. | श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट | - | असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - II

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2020

1. आचार्य उमेश चन्द्र रे - अध्यक्ष
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार
2. श्रीमान संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार, - सदस्य
आई.एफ.डी., मा.स.वि.म., भारत सरकार,
नयी दिल्ली - 110 001
3. श्रीमान संयुक्त सचिव (डी एल व प्रशासन), - सदस्य
मा.स.वि.म., भारत सरकार,
उच्च शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
नयी दिल्ली-110 001
4. आचार्य एस. कुशवाहा - सदस्य
कुलपति, राजीव गाँधी विश्व विद्यालय
रोनो हिल्स, दोईमुख - 791 112
5. श्रीमान आयुक्त व सचिव - सदस्य
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मिजोरम सरकार
नया सचिवालय परिसर, कमरा नं. 402
खातला, आईजोल - 796 001
6. श्रीमान सचिव - सदस्य
उच्च/तकनीकी शिक्षा, सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103
7. श्रीमान आयुक्त व सचिव - सदस्य
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मेघालय सरकार
शिलाँग, मेघालय - 793 001
8. श्रीमान आयुक्त व सचिव - सदस्य
उच्च/तकनीकी शिक्षा, नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001

9.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, मणिपुर सरकार इम्फाल, मणिपुर - 795 001	-	सदस्य
10.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, त्रिपुरा सरकार अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001	-	सदस्य
11.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, असम सरकार मुख्य मंत्री ब्लाक, प्रथम तल गुवहाटी, आसाम - 781 005	-	सदस्य
12.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111	-	सदस्य
13.	श्री लामब्रत वी. हानीवाटा वरिष्ठ प्रबन्धक (ग्राहक विक्रय) इंण्डियन ऑयल, एओडी गुवहाटी - 781 020	-	सदस्य
14.	आचार्य समरेन्द्र धनपत विद्युत व इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी, आसाम- 781 039	-	सदस्य
15.	आचार्य आर. के. प्रशाद, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास) , नेरिस्ट	-	सदस्य
16.	आचार्य पी. परीदा, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) , नेरिस्ट	-	सदस्य
17.	आचार्य के. एन. देवांगन, संकायाध्यक्ष (शिक्षा) , नेरिस्ट	-	सदस्य
18.	आचार्य एम. मुरलीधर, प्रोफेसरो के प्रतिनिधि, नेरिस्ट	-	सदस्य
19.	डॉ. एस. के. साहू, सह-आचार्य प्रतिनिधि, नेरिस्ट	-	सदस्य
20.	डॉ. काजल कुमार मंडल, सहा. आचार्य प्रतिनिधि, नेरिस्ट	-	सदस्य
21.	आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
22.	श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट	-	असदस्य सचिव

परिशिष्ट - III

नेरिस्ट वित्त समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2020

- | | | | |
|----|--|---|-------------------|
| 1. | आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | अध्यक्ष |
| 2. | अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, मा.स.वि.म.,नई दिल्ली | | सदस्य |
| 3. | संयुक्त सचिव (डी एल एवं प्रशासन) मा.स.वि.म., नयी दिल्ली | | सदस्य |
| 4. | अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के सचिव | | सदस्य |
| 5. | कुलपति, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश | | सदस्य |
| 6. | आयुक्त (शिक्षा विभाग), अरुणाचल प्रदेश सरकार | | सदस्य |
| 7. | प्रोफेसर एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट | | सदस्य |
| 8. | श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट | - | सदस्य |
| 9. | श्री एम के कामदीर ,उप कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट | | पदेन, असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - IV
शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण 31-3-2020

1. आचार्य एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट	अध्यक्ष
2. आचार्य पी. परीदा, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य आर. के. प्रशाद, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य पी. लिग्फा, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य के. एन. देवांगन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन.एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस.सी. डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरूणाचल प्रदेश	सदस्य
9. आचार्य डी. के. सैकिया, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय असम	-सदस्य
10. आचार्य बी. पी. मिश्रा, पर्यावरण विज्ञान, मिजोरम विश्वविद्यालय, आईजोल, मिजोरम	-सदस्य
11. आचार्य अरविंद कुमार सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी	- सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम, मुख्य सम्पदा अधिकारी, अ.प्र. सरकार	- सदस्य
13. आचार्यके. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
14. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
15. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
16. आचार्य आर. के. प्रशाद, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
17. आचार्य एस मिश्रा, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
18. आचार्य एस. बैश्या, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
19. आचार्य मो. अनवर हुसैन, ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	- सदस्य
20. आचार्य ओ. पी. राय, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
21. आचार्य सरसिंग गावो, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
22. आचार्यआर. के. मेहता, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
23. आचार्य एस. के. भगत, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
25. आचार्य ए. के. सिंह, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
24. आचार्य एम. मुरलीधर, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
25. आचार्य एम. चन्द्रशेखरन, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
26. आचार्य एन गिरी, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
27. आचार्य एस. महतो, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
28. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, रसायन शास्त्र विभाग	- सदस्य

29. आचार्य एम. एफ. हुसैन, रसायन शास्त्र विभाग	- सदस्य
30. आचार्य एन. देब, रसायन शास्त्र विभाग	- सदस्य
31. आचार्य टी. कारलो, भौतिकी विभाग	- सदस्य
32. आचार्य एल. के. आरोड़ा, गणित विभाग	- सदस्य
33. आचार्य बी. के. सिंह, गणित विभाग	- सदस्य
34. आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी व सामाजिक विज्ञान विभाग	- सदस्य
35. आचार्य बिनय सिंह, वानिकी विभाग	- सदस्य
36. आचार्य सी. एल., वानिकी विभाग	- सदस्य
37. आचार्य (श्रीमती) एम. शर्मा, वानिकी विभाग	- सदस्य
38. आचार्य (श्रीमती) के. श्रीवास्तव, वानिकी विभाग	- सदस्य
39. आचार्य एस. के. श्रीवास्तव, वानिकी विभाग विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	- सदस्य
40. आचार्य एस. मिश्रा विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी	- सदस्य
41. डॉ. एम. मर्जित सिंह विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	- सदस्य
42. आचार्य एस. के. भगत विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी	- सदस्य
43. डॉ. राजेश कुमार विभागाध्यक्ष, ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	- सदस्य
44. आचार्य एम. चन्द्रशेखरन विभागाध्यक्ष, यंत्रिक अभियांत्रिकी	- सदस्य
45. आचार्य टी. कारलो विभागाध्यक्ष, भौतिकी	- सदस्य
46. आचार्य ए. के. गुप्ता विभागाध्यक्ष, रसायन	- सदस्य
47. आचार्य एल. के. आरोड़ा विभागाध्यक्ष, गणित	- सदस्य
48. आचार्य (श्रीमती) के. श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष, वानिकी	- सदस्य
49. श्री रानेन्द्र प्रशाद विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज शास्त्रविभाग	- सदस्य

50. डॉ. एस चौधरी
केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र - सदस्य
51. श्री रानेन्द्र प्रशाद, सह आचार्य, मानविकी एवं समाज शास्त्रविभाग - सदस्य
52. डॉ. एस. सामन्ता, सह आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
53. डॉ. अजय भारती, सह आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
54. श्री जी. पांगिंग, सहायक आचार्य, वानिकी विभाग - सदस्य
55. डॉ. अशोक कुमार रे. सहायक आचार्य, इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी विभाग - सदस्य
56. आचार्य एस. गावो, परीक्षा नियंत्रक आमंत्रित सदस्य
57. श्री एम के कामदीर, कुलसचिव, नेरिस्ट असदस्य सचिव

परिशिष्ट - V

भवन एवं निर्माण कार्य समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2020

1. आचार्य एच. एल. यादव, निदेशक,नेरिस्ट - अध्यक्ष
2. निदेशक (तकनीकी) - सदस्य
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली - 110 015
3. सचिव (शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश - सदस्य
4. मुख्य अभियन्ता (पश्चिमी क्षेत्र) अ.प्र. सा.नि.वि,अरुणाचल प्रदेश - सदस्य
5. संकायाध्यक्ष (योजना एवं विकास) - सदस्य
6. विभागाध्यक्ष (सिविल अभियांत्रिकी) - सदस्य
7. वरिष्ठ शिल्पकार, अ.प्र.सा.नि.वि. अरुणाचल प्रदेश, ईटानगर - सदस्य
8. विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी, नेरिस्ट - सदस्य
9. उप-कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट - सदस्य
10. विद्युत अभियन्ता, नेरिस्ट - सदस्य
11. कुलसचिव, नेरिस्ट - सदस्य
12. अधिशासी अभियन्ता (सिविल), नेरिस्ट - असदस्य सचिव

परिशिष्ट - VI
संस्थान प्रशासन की सूची, दिनांक 31-3-2020

1. निदेशक	आचार्य एच. एस. यादव
2. संकायाध्यक्ष गण	
प्रशासन	आचार्य के. एन. देवागन
शैक्षिक	आचार्य पी.आर. परीदा
विद्यार्थी मामले	आचार्य पी. लिग्फा
योजना एवं विकास	आचार्य आर. के. प्रसाद
3. समूह ए अधिकारी	
कुलसचिव	श्री एम. के. कामदीर (प्रभारी)
उप कुलसचिव (वित्त व स्थापना) श्री	एम के कामदीर
सहायक कुलसचिव	
शैक्षिक	श्री के. के. राजेश
परीक्षा	डॉ. गौतम कुमार राँय
भण्डार एव क्रय	श्री टोको शांमा
छात्रावास प्रबन्धन परिषद	श्री अनिमेश बासू
चिकित्सा अधिकारीगण	डा. पोपी कमदीर टोक
	डा. सुसमिता पी. तागू
	डा. ग्यामर इन्जा
तकनिकी अधिकारी	श्रीमती जी. जे. लक्ष्मी
वैज्ञानिक अधिकारी	डॉ. एच एस गंगवार
	श्री टी घोस
सहायक कार्यशाला अधीक्षक	श्री हर्षेन्द्र मिश्रा
नेटवर्क प्रशासक	श्री डेवन रसिद्वुल आलम
अधिसाशी अभियन्ता	श्री टोको लेन्टो (प्रभारी)
4. समूह बी अधिकारी	
सुरक्षा अधिकारी	श्री टोको शांमा (प्रभारी)
अनुभाग अधिकारी	
स्थापना	श्री डोग कामदुक
भण्डार एव क्रय	श्री रबिन्दर देव
छात्रावास प्रबन्धन परिषद	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
शैक्षिक	श्री राधे तादू

- | | |
|--|------------------------------|
| 4. सतर्कता अधिकारी | आचार्य के. एन. देवागन |
| 5. संपदा अधिकारी | डॉ. गौतम कुमार राँय |
| 6. सम्पर्क अधिकारी (एस.सी. एवं एस.टी.) | श्री गोबिन्दा पांगिंग |
| 7. हिन्दी अधिकारी | श्री रतन सिंह |
| 8. विभागाध्यक्ष | |
| कृषि अभियांत्रिकी | आचार्य एस. के. श्रीवास्तव |
| सिविल अभियांत्रिकी | आचार्य एस. मिश्रा |
| कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी | डॉ. एम. मर्जित सिंह |
| विद्युत अभियांत्रिकी | आचार्य एस. के. भगत |
| इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी | डा. राजेश कुमार |
| यांत्रिक अभियांत्रिकी | आचार्य एम. चन्द्रशेखरन |
| वानिकी | डॉ. (श्रीमती) के. श्रीवास्तव |
| भौतिक विज्ञान | डॉ. ए. पाण्डे |
| रसायन विज्ञान | आचार्य ए. के. गुप्ता |
| गणित | आचार्य एल. के. आरोड़ा |
| मानविकी व समाज विज्ञान | श्री आर. प्रशाद |
| प्रबंधन अध्ययन केंद्र | डॉ. एस. चौधरी |
| 9. अध्यक्ष गण | |
| नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा | डॉ. मुकेश उपाध्याय |
| छात्रावास प्रबन्ध समिति | डॉ. रडक बगले |
| व्यायामशाला | डॉ. अशोक कुमार रे |
| दूरभाष | डा. राजेश कुमार |
| यातायात | आचार्य एस. महतो |
| पुस्तकालय | श्री एन जी सोरूम |
| आवास आवंटन समिति | डा. एम. एन. दीक्षित |
| 10. प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रभारी | आचार्य एम. चन्द्रशेखरन |
| 11. शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष प्रभारी | श्री प्रदीप कंबोज |
| 12. संयोजक | |
| औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष | आचार्य बी. के. सिंह |
| राष्ट्रीय सेवा योजना | डा. अजय भारती |
| नियंतर शिक्षा कार्यक्रम | डा. पंकज कुमार पाँडे |
| केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा | डॉ. जगन्नाथ भुयॉन |
| केन्द्रीय उन्नत कम्प्यूटर सुविधा | श्री प्रदीप कंबोज |
| 13. परीक्षा नियंत्रक | आचार्य एस. गावो |
| 14. सचिव, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति | डॉ. के के राजेश |
| 15. राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी | डॉ. मुकेश उपाध्याय |

परिशिष्ट - VII

पुस्तकालय समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2020

श्री एन जी सोरूम, सिविल अभियांत्रिकी	-	अध्यक्ष
डॉ. श्रीमती एस.एल. भारती, रसायन विभाग	-	सदस्य
डा. के. सहरिया, भौतिकी	-	सदस्य
सुश्री पियाली दास, विद्युत अभियांत्रिकी	-	सदस्य
श्री एस.एम. खान, यांत्रिक अभियांत्रिकी	-	सदस्य
डा. के. एच. सिंह, गणित	-	सदस्य
श्री राजू बरठाकुर, मानविकी व सामाजिक विज्ञान	-	सदस्य
श्री एस. चौदरी, प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	-	सदस्य
डॉ. पी. के. पाण्डे, कृषि अभियांत्रिकी	-	सदस्य
डा. अबद्येश कुमार, वानिकी	-	सदस्य
डा. आर. के. मंगांग, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी-		सदस्य
श्री ए. के. सिंह यादव, कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी-		सदस्य
श्री डी. एम. साहू	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - VIII

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2020

डॉ. मुकेश उपाध्याय, एसोसियट प्रोफेसर	-	अध्यक्ष
डॉ. एम. मर्जित सिंह, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. पंकज कुमार पांडे, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. जगन्नाथ भुंयान, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. ए. पाल, सहायक प्रोफेसर	-	सदस्य
डॉ. के के राजेश, सहायक कुलसचिव (शिक्षा)	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - IX

छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्य, दिनांक 31-3-2020

अध्यक्ष	डॉ रडक ब्लांगे
सदस्य -	
संरक्षक, छात्रावास ए	डॉ. सी. पी. पाण्डे
संरक्षक, छात्रावास बी	डॉ. एम. हसन
संरक्षक, छात्रावास सी	श्री ए. के. चौधरी
संरक्षक, छात्रावास डी	श्री अजित कुमार सिंह यादव
संरक्षक, छात्रावास ई	डॉ. के. बोरा
संरक्षक, छात्रावास एफ	श्री अखिलेस शर्मा
संरक्षक, छात्रावास जी	सुश्री पियाली दास
संरक्षक, छात्रावास एच समन्वय संरक्षक	डॉ. एम उपाध्याय,
संरक्षक, छात्रावास ब्रह्मपुत्र	डॉ. आसिश पाल
संरक्षक, छात्रावास सुवनसिरी	डा. दीपिका देवी

परिशिष्ट - X
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा

1. प्रवेश सूचना :

संस्थान में प्रवेश के लिए सूचना को निम्नलिखित समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी -

क्र.सं.	समाचार पत्रों का नाम
1	अरुणाचल टाइम्स, ईटानगर
2	असम ट्रिब्यून, गुवाहाटी
3	दैनिक साम्बद, त्रिपुरा
4	ईको ऑफ अरुणाचल प्रदेश
5	मिजोरम टाइम्स
6	नागालैंड पोस्ट
7	रोजगार समाचार
8	संगई एक्सप्रेस, इंफाल
9	शिलॉन्ग टाइम्स
10	सिक्किम एक्सप्रेस
11	द टेलीग्राफ: उड़ीसा और बिहार सहित सभी संस्करण

प्रवेश परीक्षा तिथि : एनईई - II व III - 20-04-2019

एन ई ई - I - 21-4-2019

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2019 में भाग लेने वाले छात्रों का राज्य-वार विवरण

राज्य का नाम	मॉड्यूल						कुल
	एन ई ई -I		एन ई ई -II		एन ई ई -III		
	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन
अरुणाचल	1258	976	793	824	75	29	3955
असम	329	183	332	178	121	57	1200
मणिपुर	122	62	157	122	10	02	475
मेघालय	85	36	79	67	34	24	325
मिजोरम	28	06	18	10	06	02	70
नागालैंड	105	65	148	125	46	18	507
सिक्किम	03	00	04	06	07	04	24
त्रिपुरा	198	86	32	31	36	20	403
अखिल भारत	122	63	64	25	18	09	301
दिव्यांग	03	03	01	01	03	01	12
कुल	2253	1480	1628	1389	356	166	7272

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III, 2019 में केंद्र वार आवेदन कर्ताओं का विवरण

राज्य का नाम	कृषि अभि.		सिविल अभि.		यांत्रिक अभि.		इले.संचार अभि.		कम्प्युटर अभि.		विद्युत अभि.	
	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
अरुणाचल	01	00	62	18	02	00	00	01	06	04	04	06
असम	07	05	40	24	22	02	17	08	09	12	26	06
मणिपुर	00	00	04	00	03	00	03	02	00	00	00	00
मेघालय	00	02	17	08	06	01	02	01	02	04	07	08
मिजोरम	00	00	01	00	01	01	03	00	01	00	00	01
नागालैंड	02	00	26	11	07	02	01	02	04	00	06	03
सिक्किम	00	00	01	01	01	00	01	02	03	01	01	00
त्रिपुरा	00	00	16	08	06	00	03	06	00	03	11	03
अखिल भारत	00	00	05	01	03	00	01	03	01	00	08	05
दिव्यांग	00	00	01	01	00	00	00	00	00	00	02	00
कुल	10	7	173	72	51	06	31	25	26	24	65	32

परीक्षा परीणाम की घोषणा, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा, 2019

परीक्षा परीणाम का अनुमोदन, नेरिस्ट वेब साईट तथा सूचना पट्ट पर परिणाम 13-05-2019 को कर दिया गया था।

चयनित छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2019

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
पूर्वोत्तर के स्थाई निवासी	14	07	02	05	28
दिव्यांग	06	01	01	02	10
आर्थिक पिछड़ा वर्ग	20	08	03	06	37
अरुणाचल प्रदेश	20	08	03	07	38
असम	20	08	03	06	37
मणिपुर	20	08	03	04	35
मेघालय	20	08	03	06	37
मिजोरम	19	08	03	05	35
नागालैंड	20	08	03	07	38
सिक्किम	02	04	02	05	13
त्रिपुरा	20	07	03	05	35
अखिल भारत	20	08	03	05	36
चलायमान	NA	NA	NA	02	02
कुल	201	83	32	65	381

प्रतिक्षा सूची छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2019

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
पूर्वोत्तर के स्थाई निवासी	40	16	06	10	72
दिव्यांग	00	00	00	01	01
आर्थिक पिछड़ा वर्ग	33	16	00	08	57
अरुणाचल प्रदेश	40+20	16+08	06+03	06+03	68+34
असम	40	16	06	08	70
मणिपुर	40	16	06	05	67
मेघालय	40	15	06	10	71
मिजोरम	02	07	06	02	17
नागालैंड	40	16	06	12	74
सिक्किम	01	02	01	03	07
त्रिपुरा	40	09	06	07	62
अखिल भारत	38	16	06	08	68
चलायमान	NA	NA	NA	04	04
कुल	354+20	145+08	55+03	84+03	638+34

विवरण प्रवेश परीक्षा -2019

विवरण	एन ई ई -I	एन ई ई -II	एन ई ई -III	कुल संख्या
परीक्षा में सामिल छात्रों की संख्या	3733	3017	522	7272
चयनीत छात्रों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	201	83	65	349
चयनीत छात्रों की संख्या (वानिकी)	--	32	--	32
प्रतिक्षा सूची छात्रों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	384	153	58	595
प्रतिक्षा सूची छात्रों की संख्या (वानिकी)	585	268	123	976

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एनईई) 2019 एक तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	विवरण	2018	2019	टिप्पणी
1.	परीक्षा में सामिल छात्रों की संख्या, एन ई ई -I	4449	3733	716 कम
2	परीक्षा में सामिल छात्रों की संख्या, एन ई ई -II	4265	3017	1248 कम
3.	परीक्षा में सामिल छात्रों की संख्या, एन ई ई -III	663	522	141 कम
4.	परीक्षा में सामिल कुल छात्रों की संख्या	9377	7272	2105 कम

परीक्षा में ऑन लाईन neeonline.ac.in पंजीकरण प्रक्रिया अपनाई गयी थी, तथा ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग किया गया था, जिससे परीक्षा परीणाम यथासमय घोषित करने में सुविधा हुई। प्रवेश परीक्षा में शुल्क प्राप्त करने के कार्य के लिए एक्सीस बैंक के चालान के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों की शाखाओं की सेवा ली गई थी। डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रवेश परीक्षा संबंधी सभी सूचना जन साधारण को नेरिस्ट वेबसाइट के माध्यम से प्रदान की गई थी।

इस प्रकार प्रवेश परीक्षा - 2019 सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

परिशिष्ट - X
संकाय सदस्यों की सूची, 31-3-2020

वानिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
1	1	डा. बिनय सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
2	2	डा. सी. एल. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
3	3	डॉ. एम. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
4	4	डा. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
5	5	डॉ एसएस सुरेश के सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
6	6	डॉ अवधेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
7	7	डा पी. आर. गुजरेल	एसोसिएट प्रोफेसर
8	8	डॉ ओ. पी. त्रिपाठी	एसोसिएट प्रोफेसर
9	9	डॉ एल. बी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
10	10	श्री गोबिंद पांगिंग	सहायक प्रोफेसर
11	11	डॉ आशीष पॉल	सहायक प्रोफेसर
12	12	डॉ मधु कामले	सहायक प्रोफेसर
13	13	डॉ प्रदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर
कृषि अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
14	1	डॉ पी. पी. डबराल	प्रोफेसर
15	2	डॉ के. एन. दिवांगम	प्रोफेसर (सीएएस)
16	3	डॉ एस. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
17	4	श्री डी. के. श्यामल	एसोसिएट प्रोफेसर
18	5	डॉ अदिति भद्र	एसोसिएट प्रोफेसर
19	6	डा अर्नब बंदोपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
20	7	डॉ पी. के. प्रणव	सहायक प्रोफेसर
21	8	श्री पंकज कुमार पांडे	सहायक प्रोफेसर
22	9	डॉ थानेश्वर पटेल	सहायक प्रोफेसर
23	10	श्री उकिल सिंह	सहायक प्रोफेसर
24	11	श्री अरुण कुमार चौधरी	सहायक प्रोफेसर
25	12	श्री अनुपम पाल	सहायक प्रोफेसर
26	13	श्री तागे तपांग	सहायक प्रोफेसर
27	14	श्रीमती वनिता पांडे	सहायक प्रोफेसर

सिविल अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
28	1	डा. एस. के. सिंह	प्रोफेसर
29	2	डॉ आर. के. प्रसाद	प्रोफेसर (सीएएस)
30	3	डॉ एस बेश्य	प्रोफेसर (सीएएस)
31	4	डॉ एस मीश्रा	प्रोफेसर (सीएएस)
32	5	श्री एस. के. साहू	एसोसिएट प्रोफेसर
33	6	डॉ अजय भारती	एसोसिएट प्रोफेसर
34	7	डा दीपाका देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
35	8	सुश्री वाई विद्यालक्ष्मी देवी	सहायक प्रोफेसर
36	9	सुश्री मुडो पुमिंग	सहायक प्रोफेसर
37	10	सुश्री यमीन तामट	सहायक प्रोफेसर
38	11	श्री नीरो गुमोसर सॉरम	सहायक प्रोफेसर
39	12	श्री के जेम्स सिंह	सहायक प्रोफेसर
40	13	डॉ अजंता कलिता	सहायक प्रोफेसर
41	14	डॉ दिवेंदू पाल	सहायक प्रोफेसर

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
42	1	डॉ एन. मारचांग	एसोसिएट प्रोफेसर
43	2	सुश्री एम काथिंग	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
44	3	श्री एस. जे. बोरा	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
45	4	श्री के. लिगोह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
46	5	श्री मारजीत सिंह	सहायक प्रोफेसर
47	6	श्री आस्विनी कुमार पात्रा	सहायक प्रोफेसर
48	7	श्री मंजुल सैकिया	सहायक प्रोफेसर
49	8	श्री अमर तागु	सहायक प्रोफेसर
50	9	श्री अजित कुमार सिंह यादव	सहायक प्रोफेसर
51	10	श्री योगेंद्र मोहन	सहायक प्रोफेसर
52	11	श्री प्रदीप कमबोज	सहायक प्रोफेसर

विद्युत अभियंत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
53	1	डॉ एस. चटर्जी	प्रोफेसर (सीएएस)
54	2	डॉ आर. के. मेहता	प्रोफेसर (सीएएस)
55	3	डॉ ओ पी राय	प्रोफेसर (सीएएस)
56	4	डा सरसिंग गाओ	प्रोफेसर (सीएएस)
57	5	डॉ एस. के. भगत	प्रोफेसर (सीएएस)
58	6	डॉ. ए.के. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
59	7	श्री आर. ब्लेंगे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
60	8	श्री टी. वी. पी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
61	9	श्री आदिकांता परिदा	सहायक प्रोफेसर
62	10	श्री देबेन सिंह	सहायक प्रोफेसर
63	11	श्री अनु कुमार दास	सहायक प्रोफेसर
64	12	श्री एन.एल. मेथेई	सहायक प्रोफेसर
65	13	सुश्री सोमिलिया हशुनो	सहायक प्रोफेसर
66	14	श्री अखिलेश शर्मा	सहायक प्रोफेसर
67	15	सुश्री पियाली दास	सहायक प्रोफेसर
68	16	श्री पी देवचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर

इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियंत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
69	1	डा अनवर हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
70	2	डा अहीबिम दीनामानी सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
71	3	डॉ राजेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
72	4	डॉ टी शरण	सहायक प्रोफेसर
73	5	श्री मधुसूदन मिश्रा	सहायक प्रोफेसर
74	6	डॉ प्रणब किशोर दत्ता	सहायक प्रोफेसर
75	7	डॉ जायत्री बोरा	सहायक प्रोफेसर
76	8	डॉ स्वनिर्भर मजूमदार	सहायक प्रोफेसर
77	9	श्री अशोक कुमार राय	सहायक प्रोफेसर
78	10	श्री रुस्नी कीमा मंगांग	सहायक प्रोफेसर
79	11	श्री अको जॉन रिचा	सहायक प्रोफेसर
80	12	श्री अनिल कुमार गौतम	सहायक प्रोफेसर
81	13	श्री एम एडीसन सिंह	सहायक प्रोफेसर

यांत्रिक अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
82	1	डॉ एम मुरलीधर	प्रोफेसर (सीएएस)
83	2	डॉ आसिस गिरि	प्रोफेसर (सीएएस)
84	3	डॉ प्रदीप लिंगफा	प्रोफेसर (सीएएस)
85	4	डॉ एम. चन्द्रशेखरन	प्रोफेसर (सीएएस)
86	5	डॉ एस महतो	प्रोफेसर (सीएएस)
87	6	डॉ एस सामंता	एसोसिएट प्रोफेसर
88	7	डॉ सत्यम शिवम गौतम	एसोसिएट प्रोफेसर
89	8	डॉ संदीप सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
90	9	श्री के के मंडल	सहायक प्रोफेसर
91	10	डा एम पी थड्यूस	सहायक प्रोफेसर
92	11	श्री मरियम दाबी	सहायक प्रोफेसर
93	12	श्री नरेंद्र कुमार राणा	सहायक प्रोफेसर
94	13	श्री नबाम तेयई	सहायक प्रोफेसर
95	14	श्री संतोष कुमार तमांग	सहायक प्रोफेसर
96	15	मोहम्मद एस मुजाहिद खान	सहायक प्रोफेसर
97	16	डॉ यदायाह निसारमेटला	सहायक प्रोफेसर

रसायन विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
98	1	डॉ एच एस यादव	प्रोफेसर (सीएएस)
99	2	डा पी के त्रिपाठी	प्रोफेसर (सीएएस)
100	3	डॉ एम एफ हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
101	4	डॉ एन देब	प्रोफेसर (सीएएस)
102	5	डॉ ए के गुप्ता	प्रोफेसर (सीएएस)
103	6	श्री एन घनश्याम सिंह	सहायक प्रोफेसर
104	7	डॉ शशि लता भारती	सहायक प्रोफेसर
105	8	डॉ मीरा यादव	सहायक प्रोफेसर
106	9	डॉ जगन्नाथ भूयान	सहायक प्रोफेसर
107	10	डॉ ए. मुरुगन	सहायक प्रोफेसर
108	11	डॉ नागेंद्र नाथ यादव	सहायक प्रोफेसर

मानवीकी व सामाजिक विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
109	1	डॉ बी.डी.नायक	प्रोफेसर (सीएएस)
110	2	डा पी परिदा	प्रोफेसर (सीएएस)
111	3	डॉ. सुश्री एस सिन्हा	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
112	4	श्री आर प्रसाद	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
113	5	श्री राजू बरठाकुर	एसोसिएट प्रोफेसर(सीएएस)
गणित			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
114	1	डॉ एल के अरोड़ा	प्रोफेसर (सीएएस)
115	2	डॉ बी के सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
116	3	डॉ एम एम दीक्षित	एसोसिएट प्रोफेसर
117	4	श्री जयंता बोरा	सहायक प्रोफेसर
118	5	डॉ हरचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर
119	6	डॉ मोहम्मद हसन	सहायक प्रोफेसर
120	7	डॉ चंद्र प्रकाश पांडे	सहायक प्रोफेसर
भौतिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
121	1	डॉ पी आर अलपाती	प्रोफेसर (सीएएस)
122	2	डॉ टाडो कार्लो	प्रोफेसर (सीएएस)
123	4	डॉ अरविंद पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
124	5	डॉ (श्रीमती) थ. गोमती देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
125	6	डॉ मुकेश उपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
126	7	डॉ राजेश कुमार यादव	एसोसिएट प्रोफेसर
127	8	डॉ कमल सहारिया	सहायक प्रोफेसर
128	10	डॉ.(सुश्री) अकबरी जहां	सहायक प्रोफेसर
129	11	डॉ कुणाल बोहरा	सहायक प्रोफेसर
प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
130	1	डॉ आर एम पंत	प्रोफेसर (सीएएस)
131	2	श्री शिवाब्रत चौधरी	सहायक प्रोफेसर
132	3	सुश्री बिजलक्ष्मी शर्मा	सहायक प्रोफेसर
133	4	डॉ मनमोहन मॉल	सहायक प्रोफेसर

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली-791 109, अरुणाचल प्रदेश

के 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष
के लेखाओं पर



सत्यमेव जयते

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत
पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन
वर्ष 2019-20

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश के 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमने, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, नेरिस्ट, निर्जुली के 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के तुलन पत्र, तथा उक्त तिथि को आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ/ अदायगियाँ लेखा का नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ तथा सेवा शर्त) नियम, 1971 के अनुभाग 20(1) के तहत लेखा परीक्षण कर लिया है। लेखाओं में व्यक्त लेन-देन की जिम्मेदारी नेरिस्ट प्रबन्धन की है, तथा हमारा दायित्व इन वित्त लेखाओं पर हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर अपनी राय व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में संस्थान के लेखाओं के वर्गीकरण एवं उत्कृष्ट लेखा प्रचलनों, लेखा गुणवत्ता एवं प्रकटीकरण नियमों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत की गई हैं। वित्त आलेखों के नियमों, विनियमों व परम्पराओं (एकाधिकृत व विधिनुसार) के पालन तथा निपुणता-सह-कार्यक्षमता सम्बन्धी टिप्पणियों को, यदि आवश्यक हुआ, तो अलग से निरीक्षण प्रतिवेदन/ नियंत्रक तथा महा लेखापरीक्षक प्रतिवेदन के माध्यम से भेजा जायेगा।
3. हमने भारत में प्रचलित सामान्य लेखा स्तर के आधार पर अपना लेखा परीक्षण कर लिया है। इन लेखा प्रविधियों में यह आवश्यक है, कि हम लेखा परीक्षण को योजना बद्ध करते हुए सुनिश्चित करें कि लेखाओं में किसी प्रकार के अनिष्ट तथ्य तो सामिल नहीं हैं। हमारे लेखा परीक्षण में निरीक्षण सत्य परख एवं वित्त आलेखों के साथ संलग्न प्रमाणों के परीक्षण का प्रावधान है। लेखा परीक्षण में लेखा सिद्धान्तों के पालन एवं प्रबन्धन द्वारा निर्धारित किये गये वित्त पूर्व अनुमानों तथा वित्त लेनदेन के स्पष्ट प्रतिरूपण को भी सामिल किया गया है। हमें विश्वास है, कि हमारा लेखा परीक्षण, हमारे द्वारा व्यक्त राय को समुचित आधार प्रदान कर रहा है।
4. **हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं, कि**
 - (i) हमने, हमारे ज्ञान एवं विश्वास के आधार पर लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक सभी सूचनायें व स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं, परन्तु स्थाई परिसम्पत्तियों का सत्यापन नहीं किया जा सका, क्योंकि परिसम्पत्तियों को सोंपने सम्बन्धी विवरण हमें उपलब्ध नहीं कराया गया था।
 - (ii) संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार आदेश संख्या 29-4/2012-एफ डी दिनांक 17 अप्रैल, 2015 के अनुरूप तैयार किया गया है।
 - (iii) हमारी राय में संस्थान ने नेरिस्ट के नियम-33 के अनुरूप अपनी लेखा बहियों को तैयार किया है। तथा ये बहियों के निरीक्षण से प्रतित हो रहा है।
 - (iv) हम तथापि प्रतिवेदित करते हैं, कि

क. तुलन पत्र**1. वित्त का उपयोग****स्थाई परिसंम्पत्तियाँ****पूँजीगत कार्य प्रगति पर- ₹ 101.46 करोड़**

उपरोक्त में पूरा किया गया निर्माण कार्य ₹ 7.70 करोड़¹ (अति विशिष्ट व्यक्ति अतिथि गृह) सामिल है। लेखा परीक्षक ने पाया कि संस्थान ने 30.12.2019 को ₹ 7.84 करोड़ की लागत से अति विशिष्ट व्यक्ति अतिथि गृह का निर्माण कार्य पूरा कर लिया था। धनराशि ₹ 7.84 करोड़ में से संस्थान ने ₹ 0.14 करोड़ को स्थाई परिसंम्पत्तियों में स्थानान्तरित किया था, और शेष धनराशि ₹ 7.70 करोड़ को कार्य प्रगति पर में दर्शाया गया था। इसके परिणाम स्वरूप कार्य प्रगति पर का अधिक तथा स्थाई परिसंम्पत्तियों का ₹ 7.70 करोड़ कम उल्लेख हुआ था।

ख. सामान्य

लेखाओं के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के लेखा प्रारूप के अनुसार, भेंट/दान का प्राप्ति पर मुल्यांकन होना चाहिए, यदि वास्तविक मुल्य नही पता हो, तो इसका वर्तमान बाजार भाव पर वस्तुस्थिति अनुसार अनुमान लगाया जा सकता है। तदपश्चात भेंट/दान को संस्थान की स्थाई संम्पत्तियों में सामिल किया जा सकता है।

लेखा परीक्षा में यह पाया गया कि संस्थान के पास 515.27 एकड़ दान में प्राप्त भूमि है। संस्थान ने इस भूमि का अभी तक मुल्यांकन नही किया था और न ही इसे लेखाओं में सामिल किया था। जिसके परिणाम स्वरूप संस्थान की स्थाई परिसंम्पत्तियों/ अक्षय निधि में कम उल्लेख हुवा था। लेखा परीक्षण में कम उल्लेखित धनराशि का आकलन दान में प्राप्त भूमि का उल्लेखित/ वर्तमान बाजार मुल्य के अभाव में नही किया जा सका था। यह लेखा टिप्पणी वर्ष 2018-19 के पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन में भी सामिल है। संस्थान द्वारा नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक की इस लेखा टिप्पणी का पालन अभी तक नही किया गया है।

ग. तदर्थ अनुदान

संस्थान के पास कुल वित्त ₹ 16171.98 लाख उपलब्ध था, जिसमें लेखा शेष ₹ 2080.98 लाख, वर्ष के दौरान प्राप्त तदर्थ अनुदान ₹ 12384.00 लाख, अन्य संसाधनों से प्राप्त ₹ 1707.00 लाख सामिल है। इसमें से संस्थान ने ₹ 10857.35 लाख का उपयोग कर लिया था, तथा दिनांक 31 मार्च, 2020 को ₹ 5314.63 लाख लेखा में उपलब्ध था।

घ. प्रबन्धन पत्र

जिन ऋणियों को इस पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन में सामिल नही किया गया है, उन्हें प्रबन्धन पत्र के माध्यम से संस्थान (नेरिस्ट) को निराकरण करने हेतु अलग से भेज दिया गया है।

v. उपरोक्त प्रस्तुत विवेचना के निहित, हम प्रतिवेदित करते हैं, कि संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा प्रस्तुतिकरण प्रावधानों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

¹ कुल लागत ₹ 7.84 करोड़ (-) वर्ष के दौरान पूँजीगत उल्लेख ₹ 0.14 करोड़ = ₹ 7.70 करोड़

vi. हमारी राय में, हमें प्रदान की गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर लेखाओं में अंकित वित्त उल्लेख, अन्य व्यापक उद्धोषणायें एवं लेखाओं में प्रस्तुत अभिव्यक्तियों से इंगित होता है, कि संस्थान के लेखा भारत में प्रचलित सामान्य लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

(अ) अब तक यह 31 मार्च, 2020 को नेरिस्ट के तुलन पत्र से सम्बन्धित हैं, तथा

(आ) अब तक यह संस्थान के आय व व्यय लेखा तथा वर्ष के अन्तिम दिन लेखा शेष से सम्बन्धित है।

स्थान - ईटानगर

दिनांक- 18 दिसम्बर, 2020

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-

प्रधान महालेखाकार

अरुणाचल प्रदेश

परिशिष्ट

1. आन्तरिक लेखा परीक्षण की यथार्थता

संस्थान में आन्तरिक लेखा परीक्षण अभी किया जाना शेष है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली

संस्थान में प्रभावी आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली है।

3. संस्थान की स्थाई परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की यथार्थता

संस्थान की स्थाई परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2019-20 के लिए नहीं किया गया था।

4. सेवा निवृत्ति लाभों का प्रावधान

संस्थान के कर्मचारियों हेतु सेवा निवृत्ति लाभों का प्रावधान वास्तविक आधार पर किया जा रहा है।

5. सांविधिक देनदारियों के भुगतान में विनियामक

संस्थान द्वारा सांविधिक देनदारियों का नियमित भुगतान किया जा रहा है।

स्थान - ईटानगर

दिनांक- 18 दिसम्बर, 2020

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-

प्रधान महालेखाकार

अरुणाचल प्रदेश

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

वार्षिक लेखा

2019-20



पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

(वि.वि.अ.आ. अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत मानक विश्वविद्यालय)

निरजुली :: ईटानगर :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निरजुली :: ईटानगर :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

दिनांक 31-03-2020 को तुलन पत्र

धनराशि ₹ में

निधियों का स्रोत	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
समग्र / पूंजीगत निधि	1	2 80 98 99 102.16	2 69 15 92 910.26
निर्धारित/ नामांकित / अंतरण वित्त	2	91 69 249.00	83 76 809.00
वर्तमान देनदारियों तथा प्रावधान	3	51 58 86 098.48	22 49 68 583.00
कुल योग		3 33 49 54 449.64	2 92 49 38 302.26

निधियों का उपयोग	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अचल संपत्तियां			
मूर्त संपत्ति	4	1 78 18 22 480.99	1 80 44 67 188.34
अमूर्त संपत्ति		.00	0.00
प्रगति पर पूंजीगत कार्य		1 01 46 64 749.00	90 46 64 749.00
निर्धारित/ नामांकित वित्तसे निवेश	5	.00	0
दीर्घावधि		.00	0
लघु अवधि		.00	0
निवेश- अन्य	6	6 63 864.00	6 63 864.00
वर्तमान संपत्तियाँ	7	53 14 62 009.65	20 81 07 479.92
ऋण, अग्रिम तथा जमा राशि	8	63 41 346.00	70 35 021.00
कुल योग		3 33 49 54 449.64	2 92 49 38 302.26

विशिष्ट लेखा नीति - अनुसूची 23

सामयिक देनदारियाँ एवं लेखा टिप्पणियाँ- अनुसूची 24

तुलन पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियाँ

अनुसूची - 1 समग्र / पूंजीगत निधि

धनराशि ₹ में

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
	वर्ष की शुरुआत में लेखाशेष	2 69 15 92 910.26	2 65 43 36 043.18
जोड़ें:	समग्र / पूंजीगत निधियोगदान	0.00	0.00
जोड़ें:	पूंजीगत व्यय के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान का उपयोग	17 97 31 775.68	17 08 00 000.00
जोड़ें:	निर्धारित वित्त से खरीदी गई संपत्तियाँ	0.00	0.00
जोड़ें:	प्रायोजित परियोजना वित्त खरीदे खरीदी गई संपत्तियाँ, जिनका स्वामित्व संस्थान में निहित है।	0.00	0.00
घटायें:	वर्तमान देनदारियों अनुसूची-3 को हस्तांतरित अनुदान	0.00	-152,218,452.00
जोड़ें:	आय एवं व्यय लेखा से हस्तांतरित व्यय से अधिक आय	0.00	0.00
कुल योग		2 87 13 24 685.94	2 67 29 17 591.18
जोड़ें:	व्यय से अधिक आय होने पर आय एवं व्यय लेखासे स्थानांतरण	.00	1 86 75 319.08
घटायें:	आय एवं व्यय लेखासे हस्तांतरित की गई कमी	- 6 14 25 583.83	0.00
वर्ष के अंत में लेखा शेष		2 80 98 99 102.16	2 69 15 92 910.26

अनुसूची 2 - निर्धारित/ नामांकित / अंतरण वित्त

धनराशि ₹ में

विवरण	वित्त अनुसार विवरण				कुल योग	
	वित्त ए	वित्त बी	वित्त सी	अक्षय निधि	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष

ए.

क) प्रारंभिक लेखा शेष	0.00	0.00	0.00	83 76 809.00	83 76 809.00	83 76 809.00
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन (छात्र कल्याण कोष)	0.00	0.00	0.00	7 92 440.00	7 92 440.00	0.00
ग) किए गए निवेश से आय निधि	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
घ) निवेश / अग्रिमसे अर्जित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
इ) बचत बैंक लेखा से अर्जित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृतिनिर्दिष्ट करें)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल (ए)	0.00	0.00	0.00	91 69 249.00	91 69 249.00	83 76 809.00

बी.

i) वित्त उद्देश्य निधि से उपयोग / व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii) पूंजीगत व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
ii) राजस्व व्यय	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल (बी)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष के अंत में लेखा शेष(ए-बी)	0.00	0.00	0.00	91 69 249.00	91 69 249.00	83 76 809.00

अनुसूची 2 ए

अक्षय निधि

तुलन पत्र की निर्धारित/अक्षय निधि अनुसूची में अक्षय निधि के आंकड़ों का समर्थन करने के लिए उप अनुसूची का विशिष्ट प्रारूप

धनराशि ₹ में

1. क्र. सं.	2. अक्षय निधि का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		संपूर्ण		9. वर्ष के दौरान लक्ष्य पर व्यय	जमा शेष		12. कुल योग (10 + 11)
		3. अक्षय निधि	4. संचित ब्याज	5. अक्षय निधि	6. ब्याज	7. अक्षय निधि (3 + 5)	8. जमा ब्याज (4 + 6)		10. अक्षय निधि	11. संचित ब्याज	
1	अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा दान	3 39 030.00	0.00	0.0	0.00	3 39 030.00	0.00	0.00	3 39 030.00	0.00	3 39 030.00
2	स्वर्ण पदक: डिप्लोमामें सर्वश्रेष्ठ को	1 27 954.00	0.00	0.0	0.00	1 27 954.00	0.00	0.00	1 27 954.00	0.00	1 27 954.00
3	छात्र कल्याण कोष	17 12 945.00	0.00	7 92 440.00	0.00	25 05 385.00	0.00	0.00	25 05 385.00	0.00	25 05 385.00
4	शृष्टी-2009 के लिए दान	1 96 880.00	0.00	0.00	0.00	1 96 880.00	0.00	0.00	1 96 880.00	0.00	1 96 880.00
5	समग्र निधि	15 00 000.00	0.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	15 00 000.00
6	उपकरण अनुरक्षण कोष	15 00 000.00	0.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	15 00 000.00
7	संकाय विकास निधि	15 00 000.00	0.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	15 00 000.00
8	रखरखाव निधि	15 00 000.00	0.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	0.00	15 00 000.00	0.00	15 00 000.00
	कुल योग	83 76 809.00	0.00	7 92 440.00	0.00	91 69 249.00	0.00	0.00	91 69 249.00	0.00	91 69 249.00



Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh



Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 3 -वर्तमान देनदारियाँ एवं प्रावधान

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए.वर्तमान देनदारियाँ		
1. कर्मचारियों से जमा	.00	
2. छात्रों से जमा (सावधानी राशि)	3 00 45 522.00	2 16 52 084.00
3. विविध लेनदार		
क) सामान और सेवाओं के लिए	.00	
ख) अन्य	.00	
4. जमा-अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	3 16 84 409.75	1 70 98 045.75
5. वैधानिक दायित्व (टीडीएसपरजीएसटी)	11 18 149.00	13 50 804.00
6. अन्य वर्तमान देयताएं		
क) पूर्व छात्रपरिसंघ	11 97 850.00	2 38 610.00
ख) एनआईडीएम	7 27 550.00	.00
ग) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्ति	5 16 63 478.80	94 000.00
घ) छात्रवृत्ति लेखा	22 91 257.22	
ङ) उपयोग में नहीं लिया गया सरकारी अनुदान	39 57 92 194.71	15 22 18 452.00
कुल (ए)	51 45 20 411.48	19 26 51 995.75
बी. प्रावधान		
1. कराधान के लिए	.00	.00
2. ग्रेच्युटी	13 00 982.00 है	.00
3. सेवानिवृत्ति पेंशन	.00	.00
4. अर्जित अवकाश नकदीकरण	64 705.00	.00
5. वाणिज्य गारंटी/ दावे	.00	.00
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	.00	3 23 16 587.00
कुल (B)	13 65 687.00	3 23 16 587.00
कुल योग (ए + बी)	51 58 86 098.48	22 49 68 582.75

टिप्पणी: उपयोग में नहीं लिया गया अनुदान 6 (डी) अगले वर्ष के लिए अग्रिम में प्राप्त अनुदान में शामिल होगा।

अनुसूची - 3 (ए) प्रायोजित परियोजनायें

धनराशि ₹ में

1. क्र.सं.	2. परियोजना का नाम	प्रारंभिक लेखा शेष		5. वर्ष के दौरान प्राप्ति / बरामदगी	6. कुल योग	7. वर्ष के दौरान व्यय	वर्ष के अन्त में लेखा शेष	
		3. जमा राशि	4. व्यय राशि				8.जमा राशि	9. व्यय राशि
1	जैव प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना	220 22 888.50	0.00	62 38 939.50	282 61 828.00	94 07 582.00	1 88 54 246.00	0.00
2	एनएमएचएल परियोजना	75 57 796.50	0.00	18 17 029.50	93 74 826.00	45 19 294.00	48 55 532.00	0.00
3	अन्य परियोजनाएँ	303 63 934.67	0.00	5 17 78 161.00	821 42 095.67	541 88 394.87	27953 700.80	
	कुल योग	5 99 44 619.67	0.00	5 98 34 130.00	1197 78 749.67	68115 270.87	5 16 63 478.80	0.00

1. परियोजनाओं को प्रत्येक निकाय के लिए उपयोग के सहित निकाय अनुसार सूचीबद्ध किया जा सकता है।
2. कालम 8 (जमा राशि) को तुलन पत्र (अनुसूची 3) की देनदारियों के पक्ष में प्रस्तुत किया गया है।
3. कालम 9 (व्यय राशि) को तुलन पत्र (अनुसूची 8), ऋण, अग्रिम और जमा में प्राप्य के रूप प्रस्तुत किया गया है।


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh



Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 3 (बी) प्रायोजित अध्येतावृत्ति तथा छात्रवृत्ति

धनराशि ₹ में

1. क्र.सं.	2. प्रायोजक का नाम	प्रारंभिक लेखा शेष		5.वर्ष के दौरान प्राप्ति	6. कुल योग	7. वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		3. जमा राशि	4. व्यय राशि				8. जमा राशि	9. व्यय राशि
1	मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा अन्य	2293 498.22	0.00	70 291.00	2363 789.22	72 532.00	22 91 257.22	0.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh



Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli .. Arunachal Pradesh

अनुसूची 3 (सी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार तथा राज्य सरकार से प्राप्त व उपयोग में नहीं ली गई धनराशि

धनराशि ₹ में

	वर्तमान वर्ष
क. योजना अनुदान: भारत सरकार	
लेखा शेष	15 22 18 452.00
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	1 23 84 00 000.00
कुल (क)	1 39 06 18 452.00
ख. घटायें धनवापसी	
घटायें: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	81 50 94 481.61
घटायें: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	17 97 31 775.68
कुल (ख)	99 48 26 257.29
अग्रेषित उपयोग में नहीं ली गई धनराशि(क-ख)	39 57 92 194.71


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed to be University)
 Nirjuli .. Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

निरजुली :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

जैव प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना लेखा

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना संख्या	प्रारंभिक लेखाशेष	प्राप्तराशि	ब्याजराशि	कुलयोग	व्यय राशि	लेखा शेष
1	श्रीमती करुणा श्रीवास्तव	256	22 59 589.00	8 200.00	57 037.00	23 24 826.00	8 22 261.00	15 02 565.00
2	डॉ. सुरेश कुमार सिंह	257	46 66 281.00		95 762.00	47 62 043.00	24 00 234.00	23 61 809.00
3	डॉ. सुरेश कुमार सिंह	258	11 88 194.00		31 089.00	12 19 283.00	4 63 856.00	7 55 427.00
4	डॉ. सुरेश कुमार सिंह	259	3 02 744.00		3 952.00	3 06 696.00	3 08 430.00	- 1 734.00
5	डॉ. पीआर गजुरेल	260	10 89 085.00		18 108.00	11 07 193.00	17 45 274.00	- 6 38 081.00
6	श्रीमती मधु कामले	265		1 24 835.00		1 24 835.00	1 24 835.00	.00
7	आचार्य बिनय सिंह	268	10 59 690.00	18 240.00	20 082.00	10 98 012.00	6 41 860.00	4 56 152.00
8	डॉ. आशीष पॉल	272	16 67 589.00		48 521.00	17 16 110.00	2 90 440.00	14 25 670.00
9	डॉ. प्रदीप कुमार	275	26 41 968.00		81 374.00	27 23 342.00	1 83 640.00	25 39 702.00
10	डॉ. पीआर गजुरेल	276	30 45 704.00		89 817.00	31 35 521.00	5 25 426.00	26 10 095.00
11	डॉ. दीनामनी सिंह	277	5 15 839.50	5 000.00	3 107.50	5 23 947.00	5 30 410.00	- 6 463.00
12	डॉ. ओपी त्रिपाठी	279	6 00 000.00		11 125.00	6 11 125.00	4 86 147.00	1 24 978.00
13	डॉ. आशीष पॉल	281	29 86 105.00		84 641.00	30 70 746.00	8 07 569.00	22 63 177.00
14	श्रीमती करुणा श्रीवास्तव	291		25 01 760.00	35 280.00	25 37 040.00	67 200.00	24 69 840.00
15	डॉ. एके परीदा	294		29 40 000.00	20 329.00	29 60 329.00	.00	29 60 329.00
16	संगोष्ठी			10 000.00		10 000.00	10 000.00	.00
17	विकास निधि		100.00	30 680.00		30 780.00	.00	30 780.00
	कुल योग		220 22 888.50	56 38 715.00	6 00 224.50	282 61 828.00	94 07 582.00	188 54 246.00
							लेखा शेष	1 88 54 246.00

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

निरजुली :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

एन.एम.एच.एस.लेखा

वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा

क्र.सं.	परियोजना का नाम	परियोजना संख्या	प्रारंभिक लेखाशेष	प्राप्तराशि	ब्याजराशि	कुलयोग	व्यय राशि	लेखा शेष
1	डॉ एलबी सिंघा	261	13 95 157.00	.00	20 709.00	14 15 866.00	11 01 766.00	3 14 100.00
2	श्री जी पैजिंग	262	8 15 119.00	15 27 679.00	40 442.00	23 83 240.00	10 63 531.00	13 19 709.00
3	डॉ. अवधेश कुमार	263	12 10 557.00	.00	32 005.00	12 42 562.00	2 92 319.00	9 50 243.00
4	डॉ। शिंब्रत चौधरी	264	10 85 388.00	.00	11 424.00	10 96 812.00	8 58 803.00	2 38 009.00
5	श्रीमती मधु कामले	265	2 41 670.00	.00	4 318.00	2 45 988.00	2 85 395.00	- 39 407.00
6	आचार्य बिनय सिंह	266	1 38 197.00	362.00	1 702.00	1 40 261.00	2 44 760.00	- 1 04 499.00
7	डॉ. अवधेश कुमार	269	1 38 988.50	.00	1 022.00	1 40 010.50	1 22 130.00	17 880.50
8	डॉ पंकय पांडे	278	25 26 628.00	45 000.00	74 328.50	26 45 956.50	5 00 590.00 है	21 45 366.50
9	डॉ. दीनामनी सिंह	277	.00	50 000.00	.00	50 000.00	50 000.00	.00
10	विकास निधि		6 092.00	8 038.00	.00	14 130.00	.00	14 130.00
	कुल योग		75 57 796.50	16 31 079.00	1 85 950.50	93 74 826.00	45 19 294.00	48 55 532.00
							लेखा शेष	48 55 532.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli .. Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

निरजुली :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा, सलाहकार सेवायें, वेतन वर्ष 2019-20 के दौरान संकाय सदस्यों हेतु लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालायें

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक लेखा शेष	प्राप्तराशि	कुल योग	व्यय	लेखा शेष
1	ईएसए :: डॉ. पीके प्रणव (परियोजना संख्या 128)	20 09 400.00	37 60 552.00	57 69 952.00	35 16 563.00	22 53 389.00
2	डीएसटी :: डॉ. राकेश कुमार (परियोजना संख्या 163/वित्त)	2 17 526.00	.00	2 17 526.00	.00	2 17 526.00
3	डीएसटी :: डॉ. सैबाल चटर्जी (परियोजना संख्या 165/वित्त)	29 685.00	.00	29 685.00	.00	29 685.00
4	डीएसटी :: डॉ.के. श्रीवास्तव (परियोजना संख्या 203/वित्त)	4 578.00	.00	4 578.00	.00	4 578.00
5	डीएसटी :: डॉ. सुरेश कुमार सिंह (परियोजना संख्या 204/वित्त)	86 433.00	.00	86 433.00	.00	86 433.00
6	एआईसीटीई :: डॉ. एसके श्रीवास्तव (परियोजना संख्या 205 / वित्त)	3 04 350.00	.00	3 04 350.00	.00	3 04 350.00
7	एआईसीटीई :: डॉ. सुनीरमल रॉय (परियोजना संख्या 206 / वित्त)	5 00 000.00	.00	5 00 000.00	.00	5 00 000.00
8	एनईसी :: डॉ. पीआर गजुराल (परियोजना संख्या 208/वित्त)	2 69 362.00	.00	2 69 362.00	.00	2 69 362.00
9	एनईसी :: डॉ.(श्रीमती) पी. रेथी (परियोजना संख्या 209/वित्त)	42 324.00	.00	42 324.00	.00	42 324.00
10	युजीसी एफएस :: हेमेन हजारिका (परियोजना संख्या 213/वित्त)	5 99 795.00	.00	5 99 795.00	.00	5 99 795.00
11	डीबीटी :: डॉ. पीआर गजुराल (परियोजना संख्या 217/वित्त)	1 64 253.00	.00	1 64 253.00	.00	1 64 253.00
12	मोस्ट :: डॉ. पीआर गजलुर (परियोजना संख्या 219 / वित्त)	60 520.00	.00	60 520.00	.00	60 520.00
13	एनईसी :: आचार्य बिनय सिंह (परियोजना संख्या 220/वित्त)	12 39 310.00	.00	12 39 310.00	.00	12 39 310.00
14	डीएसटी :: डॉ. सुरेश कुमार (परियोजना संख्या 221 / वित्त)	3 18 454.00	.00	3 18 454.00	.00	3 18 454.00
15	मोवर :: डॉ.अर्नब बंद्योपाध्याय (परियोजना संख्या 222/वित्त)	.00	.00	.00	.00	.00
16	डीएसटी: डॉ. पीके प्रणव (परियोजना संख्या २२ वित्त)	2 37 738.00	.00	2 37 738.00	.00	2 37 738.00
17	डीएसटी :: फिस्टकार्यक्रम (परियोजना संख्या 230 / वित्त)	31 031.00	.00	31 031.00	25 000.00	6 031.00
18	एपी: एसआरएलएम :: (परियोजना संख्या 232 / वित्त)	3 00 000.00	.00	3 00 000.00	.00	3 00 000.00
19	एसएसी:: डॉ ओपी त्रिपाठी (परियोजना संख्या-233/वित्त)	2 43 060.00	.00	2 43 060.00	.00	2 43 060.00


20	डीएसटी :: डॉ. सुरेश कुमार सिंह (परि.सं.234/वित्त)	1 58 478.00	.00	1 58 478.00	.00	1 58 478.00
21	इसरो :: डॉ.(श्रीमती) ए. भद्र (परि.सं.235 / वित्त)	69 215.00	.00	69 215.00	.00	69 215.00
22	इन्सपायरफैलोशिप: रॉबर्ट पानमेई(परि.सं.२३६ / वित्त)	23 004.00	.00	23 004.00	.00	23 004.00
23	इन्सपायरफैलोशिप-सुश्री एस. राजकुमारी (परि.सं.२३ वित्त)	183.00	.00	183.00	.00	183.00
24	डीएसटी :: आचार्य पीआर अलापति (परि.सं.238 / वित्त)	2 45 069.00	.00	2 45 069.00	.00	2 45 069.00
25	सीएसआईआर :: डॉ. एचके निगम (परि.सं.239/ वित्त)	494.00	.00	494.00	.00	494.00
26	इसरो: डॉ. ओपी त्रिपाठी (परियोजना संख्या 240 / वित्त)	2 07 810.00	.00	2 07 810.00	47 900.00	1 59 910.00
27	डीएसटी: डॉ. ओपी त्रिपाठी (परि.सं.241 / वित्त)	2 28 952.00	.00	2 28 952.00	13 200.00	2 15 752.00
28	आईटीआरए :: डॉ. अर्नब बंद्योपाध्याय (परि.सं.242 / वित्त)	26 388.00	.00	26 388.00	.00	26 388.00
29	आईटीआरए :: डॉ. एन. मार्चाग (परियोजना संख्या243/वित्त)	.00	.00	.00	.00	.00
30	डीएसटी: डॉ. जगन्नाथ भुयान (परियोजना संख्या 244/ वित्त)	1 65 002.00	.00	1 65 002.00	.00	1 65 002.00
31	डीएसटी :: डॉ. मोहम्मद हसन (परियोजना संख्या 245/वित्त)	1 32 674.00	.00	1 32 674.00	.00	1 32 674.00
32	आईसीएआर :: डॉ. पीके प्रणव (परियोजना संख्या 246)	1 08 921.00	.00	1 08 921.00	.00	1 08 921.00
33	एमएलए :: विभागाध्यक्ष (इलेक्ट्रॉनिक्स) (परि.सं.247)	12 45 409.00	31 78 165.00	44 23 574.00	32 53 394.00	11 70 180.00
34	डीईई बीआरएनएस: डॉ. अजय भारती (परि.सं.248)	5 29 446.00	.00	5 29 446.00	.00	5 29 446.00
35	इन्सपायरफैलोशिप :: मुकुंद माधव बोराह (परि.सं.२४ ९)	- 1 775.00	3 44 000.00	3 42 225.00	3 42 225.00	.00
36	डीएसटी :: श्रीमती मीरा यादव (परियोजना संख्या 250)	234.00	.00	234.00	.00	234.00
37	डीबीटी :: डॉ. सुरेश कुमार (परियोजना संख्या 252)	- 96 450.00	11 15 200.00	10 18 750.00	6 58 100.00	3 60 650.00
38	सर्व :: डॉ. स्मिता मजुमदार (परियोजना संख्या 253)	2 79 785.00	4 40 000.00	7 19 785.00	5 76 490.00	1 43 295.00
39	इन्सपायरफैलोशिप :: सुश्री धनश्री लेशराम (परि.सं.254)	20 000.00	3 80 400.00	4 00 400.00	3 80 400.00	20 000.00
40	इन्सपायरफैलोशिप :: अमर ज्योति सैकिया (परि.सं.255)	.00	3 76 600.00	3 76 600.00	3 63 516.00	13 084.00
41	डीबीटी: श्रीमती करुणा श्रीवास्तव (परियोजना संख्या 256)	- 25 000.00	25 000.00	.00	.00	.00
42	डीबीटी: डॉ. सुरेश कुमार सिंह (परियोजना संख्या 257)	- 25 000.00	25 000.00	.00	.00	.00
43	डीबीटी: डॉ. पीआर गजुरेल (परियोजना संख्या 260)	7 99 000.00	.00	7 99 000.00	.00	7 99 000.00
44	सर्व डीएसटी: डॉ. अदिति भद्रा (परियोजना संख्या 267)	44 36172.00	6 54 740.00	50 90 912.00	46 53 922.00	4 36 990.00
45	सर्व डीएसटी: डॉ. प्रदीप कुमार (परिियोजना संख्या 270)	21 20 823.00	.00	21 20 823.00	5 81 031.00	15 39 792.00
46	इन्सपायर(आईएफ 170918):अमरज्योति दास (परि.सं.271)	94 806.00	3 92 400.00	4 87 206.00	4 04 400.00	82 806.00

47	सर्व डीएसटी: डॉ. एन. माखंभ (परियोजना संख्या 273)	18 90 000.00	16 200.00	19 06 200.00	75 000.00	18 31 200.00
48	सर्व (डीएसटी): डॉ. पीआर गजुरेल (परियोजना संख्या 274)	11 24 965.00	.00	11 24 965.00	5 11 014.00	6 13 951.00
49	डीएसटी :: डॉ. टी. पटेल (परियोजना संख्या 280)	33 27 103.00	.00	33 27 103.00	5 63 826.00	27 63 277.00
50	एआईसीटीई :: श्री अमर तागू (परियोजना संख्या 282)	.00	12 52 604.00	12 52 604.00	10 42 706.00	2 09 898.00
51	एआईसीटीई :: आचार्य एम चंद्रशेखरन (परियोजना संख्या 283)	.00	17 63 000.00	17 63 000.00	70 988.00	16 92 012.00
52	एआईसीटीई :: डॉ. टी. पटेल (परियोजना संख्या 285)	.00	2 19 655.00	2 19 655.00	.00	2 19 655.00
53	सीडीबी: डॉ. अनु कुमार दास (परियोजना संख्या 286)	13 99 000.00	1 989.00	14 00 989.00	86 228.00	13 14 761.00
54	एसपीएलआईसीई :: डॉ. अदिति भद्रा (परियोजना संख्या 287)	.00	44 87 706.00	44 87 706.00	3 77 408.00	41 10 298.00
55	एआईसीटीई :: डॉ. अनु कुमार दास (परियोजना संख्या 288)	.00	21 80 050.00	21 80 050.00	63 458.00	21 16 592.00
56	यूबीए :: आचार्य पी. लिंगफा (परियोजना संख्या 289)	.00	5 58 742.00	5 58 742.00	5 25 726.00	3 33 016.00
57	इन्सपायरफैलोशिप :: सुश्री लकप्रीति गोगोई (परियोजना संख्या 290)	.00	4 02 320.00	4 02 320.00	3 79 979.00	22 341.00
58	डीएसटी :: डॉ. अनु कुमार दास (परियोजना संख्या 292)	.00	33 25 000.00	33 25 000.00	1 40 000.00	31 85 000.00
59	डीएसटी :: डॉ. जगन्नाथ भुयान (परियोजना संख्या 293)	.00	2 20 000.00	2 20 000.00	.00	2 20 000.00
60	एनएमएचएस: श्रीमती मधु कामले (परियोजना संख्या 265)	.00	1 51 163.00	1 51 163.00	.00	1 51 163.00
61	एनएमएचएस: आचार्य बी. सिंह (परियोजना संख्या 266)	.00	2 68 616.00	2 68 616.00	.00	2 68 616.00
62	निलंबन लेखा	.00	1 50 000.00	1 50 000.00	.00	1 50 000.00
63	लघु अवधी प्रशिक्षण/ सम्मेलन / संगोष्ठी / अन्य	2 02 809.00	15 26 224.00	17 29 033.00	15 06 224.00	2 22 809.00
64	सलाहकार सेवार्ये	2 35 211.00	40 85 031.00	43 20 242.00	39 64 130.00	3 56 112.00
65	एनएसपीआईडीएफ	2 42 429.76	4 77 804.00	7 20 233.76	977.35	7 19 256.41
66	निविदा शुल्क / बयाना राशि	68 860.00	.00	68 860.00	.00	68 860.00
67	बंद परियोजनायें	44 03 081.91	.00	44 03 081.91	.00	44 03 081.91
68	केटर्ड :: श्री डी. माझी	44 342.00	.00	44 342.00	.00	44 342.00
69	सुरक्षा जमा राशि	24 674.00	.00	24 674.00	.00	24 674.00
70	नेरिस्ट(क्रय व भण्डार) रसायन विभाग कीएल सी	.00	.00	.00	3 64 589.52	- 3 64 589.52
71	निवेश	.00	.00	.00	10000 000.00	- 100 00 000.00
72	ऋण	.00	20000 000.00	20000 000.00	20000 000.00	.00
	कुल योग	30363 934.67	51778 161.00	82142 095.67	54188 394.87	2 79 53 700.80
					लेखा शेष	2 79 53 700.80

दिनांक 31.03.2020 को अन्य देनदारियाँ

धनराशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक शेष	वर्ष 2019-20 के दौरान जोड़	कुल योग	वर्ष 2019-20 के दौरान भुगतान	दिनांक 31.03.2020 को लेखा शेष
1	छात्रों की धरोहर राशि	2 16 52 084.00	1 12 81 875.00	3 29 33 959.00	28 88 437.00	300 45 522.00
2	सुरक्षा जमा राशि	1 70 59 458.75	1 93 69 692.00	3 64 29 150.75	47 44 741.00	316 84 409.75
3	बयाना राशि	38 588.00	40 000.00	78 588.00	78 588.00	.00
4	जीएसटी पर टीडीएस	13 50 804.00	65 42 348.00	78 93 152.00	67 75 003.00	11 18 149.00
5	छात्र संघ	2 38 610.00	9 59 240.00	11 97 850.00	.00	11 97 850.00
6	एनआईडीएम	.00	11 27 550.00	11 27 550.00	4 00 000.00	7 27 550.00
7	छात्रवृत्ति	22 93 498.22	70 291.00	23 63 789.22	72 532.00	22 91 257.22
8	परियोजना लेखा	94 000.00	25 51 720.00	26 45 720.00	26 45 720.00	.00
कुल योग		4 27 27 042.97	419 42 716.00	8 46 69 758.97	176 05 021.00	670 64 737.97


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli, Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed to be University)
 Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 4 -स्थाई परिसम्पत्तियाँ

इस मद के तहत, वर्गीकरण तथा खुलासे निम्नानुसार है:

1. भूमि	इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि और पट्टे वाली भूमि शामिल हैं, जिन्हें स्पष्टतः दिखाया गया है।
2. परिसर विकास	
3. भवन	इसमें संस्थान की इमारतें जैसे कार्यालय भवन, कर्मचारी आवासीय भवन, छात्रावास भवन, अस्थायी संरचनायें शामिल हैं।
4. सयंत्र व मशिन	इसमें वातानुकूलन यंत्र, पानी / शितलक, जनरेटर सेट, टेलीविजन, अग्नि शमन यंत्र आदि शामिल हैं।
5. विद्युत स्थापना	इसमें बिजली के उपस्कर जैसे पंखे, ट्यूब लाईट फिटिंग आदि शामिल हैं।
6. ट्यूबवेल तथा जल आपूर्ति प्रणाली	इसमें ट्यूबवेल तथा जल आपूर्ति प्रणाली को स्पष्टतः दिखाया गया है।
7. कार्यालय उपकरण	इसमें फैक्स मशीन, फोटोकॉपियर, ईपीएबीएक्स, नकल मशीनों, आदि शामिल हैं।
8. प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	इसमें ऐसे दूर दर्शी, सूक्ष्मदर्शी, दूरबीन, सूक्ष्म परीक्षण उपकरण, ग्लास उपकरण, माप उपकरण और अन्य प्रकार के प्रयोगशाला समान आदि को शामिल किया गया है।
9. श्रव्य दृश्य उपकरण	इसमें टेलीविजन सेट, ओवरहेड प्रोजेक्टर, टेप रिकॉर्डरों, डीवीडी / वीसीडी प्लेयर, कैमरा, मूवी प्रोजेक्टर आदि को शामिल किया गया है।
10. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	इसमें डेस्क / बेंच, कैबिनेट, अलमीरा, मेज, कुर्सियाँ, विभाजन आदि को शामिल किया गया है।
11. कंप्यूटर / उपस्कर	इसमें कंप्यूटर, मुद्रक, यूपीएस और अन्य बाह्य उपकरणों को शामिल किया गया है।
12. खेल उपकरण	इसमें टेबल टेनिस टेबल तथा व्यायामशाला उपकरणों को शामिल किया गया है।
13. वाहन	इसमें बस, लॉरी, वैन, कार, स्कूटर आदि को शामिल किया गया है।
14. पुस्तकालय पुस्तके एवं वैज्ञानिक पत्रिकायें	इसमें पुस्तकालय की पुस्तकों / वैज्ञानिक पत्रिकाओं को शामिल किया गया है।
15. अमूर्त संपत्ति	इसमें कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, पेटेंट, व्यापार चिह्न और ई जर्नल शामिल करें, तथा अलग से निर्दिष्ट करें।

दिनांक 31 मार्च, 2020 को तुलन पत्र केभाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 - स्थाई परिसम्पतियाँ


क्र.सं.	विवरण	दर	सकल सम्पतियाँ				अवमूल्यन				वर्तमान परिसम्पतियाँ		
			लागत / मूल्यांकन	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान	लागत / मूल्यांकन	वर्ष के प्रारम्भ में	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान	कुल मूल्य	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	
			वर्ष के आरम्भ में	जोड़ा	कटौती	वर्ष के अंत में	मूल्य	जोड़ा	कटौती	वर्ष के अंत में	वर्ष के अंत में	वर्ष के अंत में	
ए. स्थाई परिसम्पतियाँ													
1	भूमि	0%	1.00	.00	.00	1.00	.00	.00	.00	.00	1.00		
2	परिसर का विकास	0%	.00	.00	.00	.00	.00	.00	.00	.00	.00		
3	इमारतें	2%	2065860 491.00	13 99 206.00	0.00	2067 59 697.00	440 75 528.07	41345193.94	.00	4817 20 722.01	1585538 974.99	1625484962.93	
4	सड़कें एवं पुल	2%	.00	3 42 86 337.00	0.00	3 42 86 337.00	.00	6 85 726.74	.00	6 85 726.74	3 36 00 610.26		
5	द्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	2%	2 07 79 617.00	.00	0.00	2 07 79 617.00	9 58 872.89	4 15 592.34	.00	13 74 465.23	1 94 05 151.78	1 98 20 744.12	
6	अपशिष्टएवंनलिका	2%	.00	.00	0.00	.00	.00	.00	.00	.00	.00		
7	विद्युत प्रतिष्ठान	5%	42 48 067.00	.00	0.00	42 48 067.00	4 98 909.30	2 12 403.35	.00	7 11 312.65	35 36 754.35	37 49 157.70	
8	संयंत्र व उपकरण	5%	99 56 792.14	.00	0.00	99 56 792.14	24 64 494.39	4 97 839.61	.00	29 62 334.00	69 94 458.15	74 92 297.75	
9	प्रयोगशालावैज्ञानिक उपकरण	8%	36 38 93 497.86	48 96 319.00	0.00	36 87 89 816.86	31 35 09 242.73	295 03 185.35	.00	34 30 12 428.08	2 57 77 388.78	5 03 84 255.13	
10	कार्यालय उपकरण	7.5%	4 44 32 076.23	14 97 845.00	0.00	4 59 29 921.23	2 70 95 357.48	34 44 744.09	.00	3 05 40 101.57	1 53 89 819.66	1 73 36 718.75	
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%	.00	.00	0.00	.00	.00	.00	.00	.00	.00		
12	कंप्यूटर उपस्कर	20%	92 20 368.00	69 09 806.00	0.00	1 61 30 174.00	49 73 981.61	32 26 034.80	.00	82 00 016.41	79 30 157.59	42 46 386.39	
13	फर्नीचरएवं साजसज्जा	7.5%	१३ २५ ५.४ ९ २३.४३	1 94 18 569.00	0.00	15 19 76 492.43	6 45 10 448.37	113 98 236.93	.00	7 59 08 685.30	7 60 67 807.13	6 80 47 475.06	
14	वाहन	10%	1 54 04 802.82	.00	.00	1 54 04 802.82	1 29 91 879.78	15 40 480.28	.00	1 45 32 360.06	8 72 442.76	२५ १२ ९ २३.०५	
15	पुस्तकालय पुस्तकें/ जर्नल	10%	6 95 39 695.26	13 21 693.68	0.00	7 08 63 388.94	6 49 53 791.04	1 32 369.36	.00	6 50 86 160.40	57 77 228.54	45 85 904.22	
16	खेल उपकरण	7.5%	14 39 921.00	0.00	0.00	14 39 921.00	4 60 774.72	1 07 994.08	.00	5 68 768.80	8 71 152.21	9 79 146.28	
17	चिकित्सा उपकरण	7.5%	16 97 595.79	0.00	0.00	16 97 595.79	15 09 741.29	1 27 319.68	.00	16 37 060.97	60 534.82	1 87 854.50	
18	छात्रावास उपकरण		5 32 381.08	0.00	5 32 381.08	.00	6 06 914.43	.00	6 06 914.43	.00	.00	- 74 533.35	
19	पुस्तकालय उपकरण		9 95 263.00	0.00	9 95 263.00	.00	11 34 599.82	.00	11 34 599.82	.00	.00	-139 336.82	
20	अतिथि गृह उपकरण		1 06 705.00	0.00	1 06 705.00	.00	1 21 643.70	.00	1 21 643.70	.00	.00	- 14 938.70	
21	संगीत वाद्ययंत्र		63 593.00	0.00	63 593.00	.00	72 496.02	.00	72 496.02	.00	.00	- 8 903.02	
22	कैटीन बर्तन		25 842.00	0.00	25 842.00	.00	28 426.20	.00	28 426.20	.00	.00	-2484.20	
23	छात्रावास के बर्तन		55 090.00	0.00	55 090.00	.00	62 802.60	है	.00	62 802.60	है	.00	-7712.60
24	क्लब उपकरण		90 200.60	0.00	90 200.60	.00	1 02 828.68	.00	1 02 828.68	.00	.00	- 12 628.08	
	वर्तमान वर्ष का योग		27408 99 922.21	6 97 31 775.68	18 69 074.68	2808762 623.21	93 64 32 733.12	926 37 120.55	21 29 711.45	10269 40 142.22	178 18 22 480.99	18044 67 189.09	
बी. प्रगति में भवन			90 46 64 749.00	11 00 00 000.00	.00	1014664 749.00	0.00	0.00	0.00	.00	101 46 64 749.00	0.00	
	कुल योग		36455 64 671.21	17 97 31 775.68	18 69 074.68	3823427 372.21	93 64 32 733.12	926 37 120.55	2129 711.45	10269 40 142.22	279 64 87 229.99	18044 67 189.09	
	पिछला वर्ष		34747 96 342.21	23 82 80 877.00	675 12 548.00	3645564 671.21	84 10 14 433.45	.00	0.00	93 64 32 733.12	270 91 31 938.09	18184 40 159.76	

अनुसूची 6: निवेशित / अंत्येष्टि निधि से निवेश

धनराशि ₹ में

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1 केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	0.00	0.00
2 राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	0.00	0.00
3 अन्य स्वीकृत प्रतिभूति	0.00	0.00
4 शेयरों में	0.00	0.00
5 डिबेंचर तथा बांड	0.00	0.00
6 अन्य (निर्दिष्ट करें)		
क) अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा सर्वश्रेष्ठ डिप्लोमा छात्र को पदक	3 39 030.00	3 39 030.00
ख) संस्थान स्वर्ण पदक	1 27 954.00	1 27 954.00
ग) श्रृष्टि के लिए दान	1 96 880.00	1 96 880.00
कुल योग	6 63 864.00	6 63 864.00


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed to be University)
 Nirjuli .. Arunachal Pradesh
 6.8.2020

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ

धनराशि ₹ में

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. भण्डार:		
क) भण्डार एवं कलपुर्जे	0.00	0.00
ख) उपयोग में उपकरण	0.00	0.00
ग) प्रकाशन	0.00	0.00
घ) प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य सामग्रियाँ और कांच के बर्तन	0.00	0.00
ङ) निर्माण सामग्री	0.00	0.00
च) विद्युत सामग्री	0.00	0.00
छ) लेखन	0.00	0.00
ज) पानी आपूर्ति सामग्री	0.00	0.00
2. विविध देनदारी:		
क) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	0.00	0.00
ख) अन्य	0.00	0.00
3. नकद तथा बैंक लेखा शेष		
क) अनुसूचित बैंकों के में:	0.00	0.00
- चालू लेखा में	45 87 65 113.51	2 77 05 108.40
- सावधि जमा खातों में	0.00	0.00
- बचत खातों में	7 20 48 190.87	17 97 78 423.25
ख) अति आवश्यक उपयोग राशि	6 48 705.00	6 13 948.00
ग) नकदी	0.27	0.27
कुल योग	53 14 62 009.65	20 80 97 479.92

बैंक लेखा शेष का विवरण - अनुसूची 7 (परिशिष्ट - ए)

धनराशि ₹ में

I. बचत लेखा मे	
1 एसबीआई नेरिस्ट सोसायटी लेखा	4 83 25 705.37
2 एसबीआई प्रायोजित अनुसंधान परियोजना - डीबीटी लेखा	1 88 54 246.00
3 एसबीआई प्रायोजित अनुसंधान परियोजना - एनएमएचएस लेखा	48 55 532.00
4 एसबीआई नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा लेखा	12 707.50
कुल (I)	7 20 48 190.87
II. चालू लेखा	
1 एसबीआई नेरिस्ट सोसायटी लेखा	2 21 73 964.63
2 एसबीआई शैक्षणिक शुल्क लेखा	40 02 03 620.99
3 एक्सिस बैंक लेखा	61 02 569.87
4 समग्र निधि लेखा	10 000.00
5 उपकरण अनुरक्षण लेखा	10 000.00
6 संकाय विकास लेखा	10 000.00
7 रखरखाव वित्त लेखा	10 000.00
8 छात्रवृत्ति लेखा	22 91 257.22
9 प्रायोजित अनुसंधान परियोजना लेखा	2 79 53 700.80
कुल (II)	45 87 65 113.51
कुल योग (I + II)	5308 13 304.38

अनुसूची 8 - ऋण, अग्रिम तथा जमा

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित राशि)		
क) वेतन	0.00	0.00
ग) उत्सव अग्रिम	0.00	0.00
घ) चिकित्सा अग्रिम	0.00	0.00
इ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याज वहनिय)		
क) वाहन ऋण	0.00	0.00
ख) गृह ऋण	0.00	0.00
ग) कंप्यूटर ऋण	1 38 750.00	1 38 750.00
3. अग्रिम एवं अन्य राशियाँ नकद में या प्रारूप स्वरूप वसूली:		
क) पुंजिगत लेखा पर	0.00	0.00
ख) कार्यकारी अभियंता (विद्युत), विद्युत विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार, नाहरलागुन को सुरक्षा जमा	54 33 448.00	54 33 448.00
ग) भारतीय तेल निगम, गुवाहाटी को सुरक्षा जमा	5 00 000.00	5 00 000.00
घ) आयकर लेखा खोलने के लिए	10 000.00	10 000.00
4. पूर्व देय व्यय		
क) बीमा	0.00	0.00
ख) अन्य खर्च	0.00	0.00

निरन्तर.....

5. जमा		
क) टेलिफोन	0.00	0.00
ख) किराया	0.00	0.00
ग) बिजली	0.00	0.00
घ) एआईसीटीई, यदि लागू हो	0.00	0.00
इ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00
6. आय अर्जित:		
क) निवेशित / निर्धारित निधि से निवेश	0.00	0.00
ख) निवेश - अन्य	0.00	0.00
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	0.00	0.00
घ) अन्य (असत्यापन के कारण आय भी शामिल)	0.00	0.00
7. अन्य - वर्तमान संपत्ति वि.अ.आ. / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य		
क) प्रायोजित परियोजनाओं में लेखा शेष	0.00	0.00
ख) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति में लेखा शेष	0.00	0.00
ग) प्राप्त करने योग्य अनुदान	0.00	0.00
घ) वि.अ.आ. से अन्य प्राप्तियां	0.00	0.00
8. दुकान का बकाया किराया	2 59 148.00	2 59 148.00
कुल योग	63 41 346.00	63 41 346.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

दिनांक 31-03-2020 को समाप्त हुए वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	2 60 00 932.09	55 70 502.00
अनुदान / सहायता राशि	10	81 50 94 481.61	90 15 09 000.00
निवेश से आय	11	.00	.00
अर्जित ब्याज	12	56 63 941.00	54 95 762.00
अन्य आय	13	55 11 814.00	2 22 97 443.00
पूर्व अवधि की आय	14	1 84 10 560.00	.00
कुल (ए)		87 06 81 728.70	93 48 72 707.00
व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15बी	56 19 53 922.00	64 74 57 483.00
शैक्षणिक व्यय	16	3 77 55 210.00	3 85 94 957.00
प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय	17ए	5 78 62 113.00	3 47 70 105.35
यातायात व्यय	18	46 00 445.00	30 74 976.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	17 75 54 861.20	9 00 77 679.40
वित्त लागत	20	4 277.50	14 661.50
अवमूल्ययन	4	9 05 07 409.10	9 54 18 299.67
समाप्त की गई स्थाई परिसंपत्तियाँ	4	18 69 074.68	.00
अन्य व्यय	21	.00	67 89 226.00
पूर्व अवधि के खर्च	22	.00	.00
कुल (बी)		93 21 07 312.48	91 61 97 387.92
व्यय से अधिक आय का संतुलन (ए-बी)		.00	1 86 75 319.08
आय पर व्यय का अधिक होना (ए-बी)		- 6 14 25 583.78	.00
पूजिगत वित्त में स्थानान्तरण वित्त में कमी		- 6 14 25 583.78	1 86 75 319.08

**आय एवं व्यय लेखा
के भाग स्वरूप अनुसूचियाँ**

अनुसूची 9 - शैक्षणिक प्राप्तियाँ

	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
छात्रों से शुल्क		
शैक्षिक		
1. अध्यापन / अर्ध सत्र शुल्क	1 42 31 950.00	18 75 492.00
2. प्रवेश शुल्क	6 87 892.00	1 14 800.00
3. पाठ्यक्रम शुल्क	7 83 400.00	58 140.00
4. पंजीकरण शुल्क	10 59 803.00	२ ४० २ 280०.००
कुल (ए)	1 67 63 045.00	22 88 712.00
परीक्षा		
1. वार्षिक परीक्षा शुल्क	30 79 960.00	2 97 570.00
2. अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	16 01 370.00	73 850.00
कुल (बी)	46 81 330.00	3 71 420.00
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क	5 46 130.00	36 460.00
2. विविध शुल्क	2 82 541.09	34 170.00
3. चिकित्सा शुल्क	5 97 250.00	50 580.00 है
4. ग्रेड कार्ड शुल्क	15 10 045.00	3 34 350.00
5. पंजीयन कार्ड शुल्क	2 25 360.00	20 050.00
6. बिजली एवं पानी	20 45 860.00	3 36 580.00 है
7. अन्य पाठ्यतर गतिविधियाँ	21 67 500.00	1 87 610.00
8. प्रशिक्षण एवं नियोजन	14 88 800.00	1 80 050.00
9. शोध ग्रन्थ शुल्क	20 13 300.00	5 45 500.00
10. छात्रावास शुल्क	26 09 410.00	3 89 300.00
11. खानपान गृह स्थापना प्रभार	12 60 220.00	3 95 400.00
12. इंटरनेट शुल्क	14 84 100.00	4 00 320.00
13. चिकित्सा बीमा	7 56 400.00	0.00
कुल (सी)	1 69 86 916.09	29 10 370.00
प्रकाशनों की बिक्री		
1. प्रवेश परिपत्र सहित विवरणिका की बिक्री	59 80 201.00	0.00
कुल (डी)	59 80 201.00	0.00
कुल योग(ए + बी + सी + डी)	4 44 11 492.09	55 70 502.00
अनुसूची 14 (पूर्व अवधि की आय) में कम अंतरण	- 1 84 10 560.00	0.00
कुल योग	2 60 00 932.09	55 70 502.00

10 अनुसूची- अनुदान / सहायता (प्राप्त अपरिवर्तित अनुदान)

क्र.सं.	विवरण	योजना (ओएच-35)	गैर योजना (ओएच-36+ओएच-31)	कुल योग	अन्य	कुल योग वर्तमान वर्ष	कुल योग पिछला वर्ष
		मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार				
1	पूर्व लेखा शेष	-335,291.00	152,553,743.00	15 22 18 452.00	5 58 79 027.92	20 80 97 479.92	8 58 06 281.17
2	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	25 00 00 000.00	98 84 00 000.00	123 84 00 000.00	1706 99 852.89	14090 99 852.89	1 08 38 76 072.00
3	योग	24 96 64 709.00	114 09 53 743.00	139 06 18 452.00	2265 78 880.81	16171 97 332.81	11696 82 353.17
4	घटायें: मा.सं.वि.मं. को वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5	शेष राशि	24 96 64 709.00	114 09 53 743.00	139 06 18 452.00	2265 78 880.81	16171 97 332.81	11696 82 353.17
6	घटायें: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	17 97 31 775.68	0.00	17 97 31 775.68	0.00	17 97 31 775.68	17 07 68 329.00
7	शेष राशि	6 99 32 933.32	114 09 53 743.00	121 08 86 676.32	2265 78 880.81	14374 65 557.13	99 89 14 024.17
8	घटायें: राजस्व व्यय के लिए उपयोग राशि (बी)	0.00	81 50 94 481.61	81 50 94 481.61	0.00	81 50 94 481.61	78 22 13 812.25
9	लेखा शेष अग्रोसित	6 99 32 933.32	32 58 59 261.39	39 57 92 194.71	2265 78 880.81	62 23 71 075.52	21 67 00 211.92
10	घटायें: वर्ष के दौरान अन्य व्यय	0.00	0.00	0.00	9 09 09 065.87	9 09 09 065.87	86 02 732.00
11	दिनांक 31.03.2020 को समापन स्थिति	6 99 32 933.32	32 58 59 261.39	39 57 92 194.71	1356 69 814.94	53 14 62 009.65	20 80 97 479.92

ए- वर्ष के दौरान पूंजीगत वित्त एवं स्थाई परिसंपत्तियों में योगदान के रूप में दिखाई देता है।

बी- आय एवं व्यय लेखा में आय के रूप में प्रकट होता है।

सी- (I) तुलन पत्र में वर्तमान देनदारियों के तहत दिखाई देता है तथा अगले वर्ष में शुरुआती लेखा शेष बन जाएगा।

(II) बैंक की शेष राशि, संपत्ति पक्ष पर निवेश तथा अग्रिम द्वारा प्रस्तुत।

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

निर्गुली :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए शासकीय वित्त उपयोग विवरण

वित्त अनुसार विवरण

क्र.सं.	विवरण	योजना वित्त ओएच-35	योजना वित्त ओएच-36	योजना वित्त ओएच-31	कुल योग
1	वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त अनुदान				
	क. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	4 44 86 000.00	9 01 10 000.00	2 77 20 000.00	16 23 16 000.00
	ख. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	35 29 000.00	70 80 000.00	22 15 000.00	1 28 24 000.00
	ग. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	14 85 000.00	28 10 000.00	8 65 000.00	51 60 000.00
	घ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	5 66 18 000.00	4 50 55 000.00	1 38 60 000.00	11 55 33 000.00
	ङ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	18 90 000.00	35 40 000.00	11 07 000.00	65 37 000.00
	च. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	44 92 000.00	14 05 000.00	4 33 000.00	63 30 000.00
	छ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	3 40 26 000.00	9 01 10 000.00	59 21 000.00	13 00 57 000.00
	ज. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	28 49 000.00	70 80 000.00	1 37 46 000.00	2 36 75 000.00
	झ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	6 25 000.00	28 10 000.00	7 70 00 000.00	8 04 35 000.00
	ञ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	9 00 00 000.00	9 01 10 000.00	2 23 000.00	18 03 33 000.00
	ट. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	70 00 000.00	70 80 000.00	5 70 000.00	1 46 50 000.00
	ठ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	30 00 000.00	28 10 000.00	71 40 000.00	1 29 50 000.00
	ड. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	4 47 83 000.00	28 10 000.00	4 75 93 000.00
	ढ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	34 10 000.00	9 00 00 000.00	9 34 10 000.00
	ण. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	18 07 000.00	71 90 000.00	89 97 000.00
	त. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	4 47 84 000.00	65 24 000.00	5 13 08 000.00
	थ. एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	34 09 000.00	8 16 60 000.00	8 50 69 000.00

	द.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	18 07 000.00	25 50 000.00	43 57 000.00
	ध.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	4 47 84 000.00	1 06 88 000.00	5 54 72 000.00
	न.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	34 09 000.00	8 38 000.00	42 47 000.00
	प.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	18 07 000.00	1 40 000.00	19 47 000.00
	फ.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	8 63 75 000.00	8 63 75 000.00
	ब.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	2 15 000.00	2 15 000.00
	भ.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	1 53 40 000.00	1 53 40 000.00
	म.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	2 15 000.00	2 15 000.00
	य.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	1 53 40 000.00	1 53 40 000.00
	र.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	2 15 000.00	2 15 000.00
	ल.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	1 56 80 000.00	1 56 80 000.00
	व.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	12 85 000.00	12 85 000.00
	श.	एफ.नं.3-1 / 2019-टीएस.VII	0.00	0.00	5 35 000.00	5 35 000.00
2		कुल योग	25 00 00 000.00	50 00 00 000.00	48 84 00 000.00	123 84 00 000.00
3		वित्त का उपयोग				
	क)	पूँजीगत व्यय	17 97 31 775.68	0.00	0.00	17 97 31 775.68
	ख)	राजस्व व्यय	0.00	59 21 04 414.00	27 85 77 314.70	87 06 81 728.70
4		कुल याग 3 (ए + बी)	17 97 31 775.68	59 21 04 414.00	27 85 77 314.70	105 04 13 504.38
5		शेष राशि (2 - 4)	7 02 68 224.32	- 9 21 04 414.00	20 98 22 685.30	18 79 86 495.62
6		घटायें-राजस्व से व्यय	0.00	0.00	5 55 87 247.09	5 55 87 247.09
7		कुल व्यय (4 - 6)	17 97 31 775.68	59 21 04 414.00	22 29 90 067.61	99 48 26 257.29

टिप्पणी : 1. पूँजीगत व्यय (ओएच-35) = 17,97,31,775.68
2. राजस्व व्यय (ओएच-36 + ओएच-31) = 59,21,04,414.00 + 22,29,90,067.61
= 81,50,94,481.61

अनुसूची 12: अर्जित व्याज

विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1	अनुसूचित बैंकों के बचत खातों पर	42 34 717.00	44 94 745.00
2	ऋण पर		
	क. प्राधिकारी/कर्मचारी गण		
	(i) गृह ऋण अग्रिमों पर ब्याज	4 21 641.00	4 09 439.00
	(ii) सुविधाओं पर ब्याज	10 07 583.00	5 91 578.00
	ख. अन्य	0.00	0.00
3	देनदारियों तथा अन्य प्राप्त्य पर ब्याज	0.00	0.00
कुल योग		56 63 941.00	54 95 762.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 13: अन्य आय

क. भूमि और भवनों से आय		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. अतिथि गृह के कमरों के किराए से		17 94 100.00	25 83 000.00
2. भवन किराया		5 45 106.00	3 27 164.00
3. सभागार / खेल मैदान / सुविधा केन्द्र आदि के प्रभार		0.00	0.00
4. विद्युत शुल्क प्राप्त		22 28 203.00	22 18 949.00
5. जल शुल्क प्राप्त		0.00	0.00
योग		45 67 409.00	51 29 113.00
ख	अन्य		
1. परामर्श से आय		2 66 025.00	51 888.00
2. आरटीआई शुल्क		475.00	3 035.00
3. रॉयल्टी से आय		0.00	0.00
4. आवेदन पत्र की बिक्री (नियोजन)		30.00	9 000.00
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा प्रपत्र, बेकार कागज, आदि की बिक्री)			
क) निविदा प्रपत्र की बिक्री		2 24 000.00	52 81 680.00
ख) दण्ड		16 220.00	
ग) विविध प्राप्ति		1 30 356.00	
6. परिसम्पत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ			
क) स्वामित्व वाली संपत्ति		0.00	0.00
ख) मुफ्त में प्राप्त हुई संपत्ति		0.00	0.00
7. संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से अनुदान / दान		0.00	0.00
8 अन्य (निर्दिष्ट करें)			
क) बस किराया / शुल्क		73 587.00	1 30 843.00
ख) परियोजना शुल्क		2 33 712.00	1 16 91 884.00
योग		9 44 405.00	17168 330.00
कुल योग (क + ख)		55 11 814.00	22297 443.00

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

निर्जुली :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

प्राप्तियाँ				भुगतान			
विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	विवरण		वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. आरम्भिक लेखा शेष							
क) नकदी		0.27	0.27	1. क) स्थापना व्यय	15	59 21 04 414.00	642 255 914.00
ख) अति आवश्यक राशि		6 13 948.00	4 33 650.00	ख) शैक्षणिक व्यय	16	3 77 55 210.00	
ग) बैंक लेखा में राशि		20 74 43 531.65	8 53 32 630.90	ग) प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17	5 86 62 521.00	
घ) अक्षय निधि, संकाय विकास, उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव निधि		40 000.00	40 000.00	घ) परिवहन व्यय	18	46 00 445.00	
				इ) मरम्मत और रखरखाव व्यय	19	17 75 54 861.20	
				च) वित्त लागत	20	4 277.50	
				छ) निक्युप को वित्त हस्तान्तरण		.00	1733 21 605.25
				2. स्थाई परिसंपत्तियों पर व्यय एवं प्रगति पर पूंजीगत कार्यों पर व्यय	21	17 97 31 775.68	1707 68 329.00
				3. अन्य भुगतान	22ए	9 09 09 065.87	86 02 732.00
2. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदान				लेखा शेष			
ओएच - 36 (वेतन)		50 00 00 000.00	7631 09 000.00	क) नकदी		0.27	0.27
ओएच -31 (सामान्य)		48 84 00 000.00	1384 00 000.00	ख) अति आवश्यक राशि		6 48 705.00	6 13 948.00
ओएच -35 (पूँजीगत)		25 00 00 000.00	1708 00 000.00	ग) बैंक में राशि		530773304.38	207443 531.65
				घ) अक्षय निधि, संकाय विकास, उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव निधि		40 000.00	40 000.00
3. शैक्षणिक प्राप्तियां	9	2 60 00 932.09	5,570,502.00	बैंक लेखों का विवरण:			
4. एसबीआई / एक्सिस बैंक	12	56 63 941.00	54 95 762.00	1. एसबीआई बचत	48325 705.37		

और अन्य में अल्पावधि जमा				लेखा				
पर अर्जित ब्याज				2. एसबीआई करंट				
				लेखा	22173 964.63			निरन्तर.....
5. अन्य आय	13	55 11 814.00	2 22 97 443.00	3. एक्सिस बैंक	61 02 569.87			
				4. शैक्षणिक लेखा	40 02 03 620.99			
6. पूर्व अवधि की आय	14	1 84 10 560.00	0.00	5. एनईई लेखा	12 707.50			
				6. अनुसंधान परियोजना लेखा	5 16 63 478.80			
7. कोई अन्य आय	14A	17 06 99 852.89	1 15 67 072.00	7. छात्रवृत्ति लेखा	22 91 257.22			
				योग	53 07 73 304.38			
कुल योग		16727 84 579.90	1203046 060.17	कुल योग			16727 84 579.90	1203046 060.17



Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh



Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा के भाग स्वरूप अनुसूचियाँ

अनुसूची 14: पूर्व अवधि की आय

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1 शैक्षणिक प्राप्तियां	1 84 10 560.00	0.00
2 निवेश से आय	0.00	0.00
3 वर्ष के दौरान आय	0.00	0.00
4 अन्य आय	0.00	0.00
कुल योग	1 84 10 560.00	0.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli .. Arunachal Pradesh
 6.8.2020

अनुसूची 14ए: अन्य प्राप्तियाँ

धनराशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
		वर्तमान वर्ष	संपूर्ण	
1	छात्रों से घरोहर राशि			29 55 430.00
	क. प्रयोगशाला / कार्यशाला घरोहर राशि	18 31 250.00	1 12 81 875.00	
	ख. पुस्तकालय घरोहर राशि	55 93 105.00		
	ग. संस्थान पुस्तक बैंक घरोहर राशि	38 57 520.00		
2	छात्र कल्याण कोष	7 92 440.00		7 92 440.00
3	एल्युमिनी एसोसिएशन लेखा	9 59 240.00	9 59 240.00	2 38 610.00
3	जीएसटी पर टीडीएस	65 42 348.00	65 42 348.00	16 68 993.00
4	कर्मचारियों से प्राप्त अग्रिम			19 56 066.00
	क. गृह निर्माण	6 01 660.00	8 53 675.00	
	ख. वाहन	2 40 765.00		
	ग. कंप्यूटर ऋण	11 250.00		
5	सुरक्षा जमा राशि	1 93 69 692.00		1 93 69 692.00
6	बयाना राशि	40 000.00	40 000.00	1 88 588.00
8	परियोजना लेखा	25 51 720.00	25 51 720.00	18 00 975.00
9	आयकर लेखा	50 38 774.00	50 38 774.00	0.00
10	एनआईडीएम लेखा	11 27 550.00	11 27 550.00	0.00
11	छात्रवृत्ति लेखा	23 63 789.22	23 63 789.22	0.00
12	अनुसंधान परियोजना लेखा	11 97 78 749.67	11 97 78 749.67	0.00
कुल योग		17 06 99 852.89	17 06 99 852.89	1 15 67 072.00

अनुसूची 15: कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

धनराशि ₹ में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	कुल योग	गैर योजना	कुल योग
क) वेतन एवं मजदूरी				
i) शिक्षण	17 90 89 030.00		17 88 97 824.00	
ii) गैर-शिक्षण	21 43 74 644.00		21 92 07 763.00	
iii) आयकर (शिक्षण)	3 10 27 278.00		3 66 29 462.00	
iv) आयकर (अशिक्षण)	1 28 60 409.00		86 09 695.00	
v) ई.पी.एफ.	49 78 353.00	44 23 29 714.00	53 77 772.00	44 87 22 516.00
ख) भविष्य निधि में योगदान				
i) शिक्षण	1 52 90 403.00		1 87 92 354.00	
ii) अशिक्षण	2 78 49 030.00	4 31 39 433.00	3 23 57 369.00	5 11 49 723.00
ग) अन्य निधि (एनपीएस) में योगदान				
i) शिक्षण	2 61 66 227.00		2 09 17 990.00	
ii) अशिक्षण	42 75 649.00	3 04 41 876.00	33 90 990.00	2 43 08 980.00
घ) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ				
i) ग्रेच्युटी (शिक्षण)	0.00		67 61 968.00	
ii) ग्रेच्युटी (अशिक्षण)	1 66 95 633.00		1 73 22 636.00	
iii) छुट्टी नकदीकरण (शिक्षण)	3 22 760.00		13 17 932.00	
iv) छुट्टी नकदीकरण(अशिक्षण)	65 28 168.00	2 35 46 561.00	80 65 184.00	3 34 67 720.00

निरन्तर....

इ)	एलटीसी सुविधा				
	i) शिक्षण	49 028.00		21 35 731.00	
	ii) अशिक्षण	1 34 529.00	1 83 557.00	13 29 318.00	34 65 049.00
च)	स्वास्थ्य सुविधा				
	i) शिक्षण	0.00		51 48 650.00	
	ii) गैर-शिक्षण	5 23 409.00	5 23 409.00	83 10 790.00	1 34 59 440.00
छ)	बाल शिक्षा भत्ता	18 000.00	18 000.00	37 48 024.00	37 48 024.00
ज)	मानदेय	20 42 050.00	20 42 050.00	8 01 936.00	8 01 936.00
झ)	सीपीडीए	29 09 353.00	29 09 353.00	59 49 244.00	59 49 244.00
ञ)	औषधि	4 64 157.00	4 64 157.00	39 63 855.00	39 63 855.00
ञ)	केवी नेरिस्ट के वेतन एवं भत्ते	2 30 00 000.00	2 30 00 000.00	2 40 44 072.00	2 40 44 072.00
ट)	सीपीएफ (संस्थान का भाग)				
	i) शिक्षण	91 92 325.00		1 12 41 853.00	
	ii) अशिक्षण	1 43 13 979.00	2 35 06 304.00	1 79 33 502.00	2 91 75 355.00
	कुल योग	59 21 04 414.00	59 21 04 414.00	64 22 55 914.00	64 22 55 914.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 15 ए: प्राधिकारी सेवा निवृत्ति एवं सेवा समाप्ति लाभ

धनराशि ₹ में

	पेंशन	ग्रेच्युटी	छुट्टी नकदीकरण	कुल योग
दिनांक 01.04.2019 को लेखा शेष	0.00	1 58 93 074.00	91 41 640.00	2 50 34 714.00
परिवर्धन: अन्य संगठनों से प्राप्त अंशदानों का पूंजीगत मूल्य	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल (क)	0.00	1 58 93 074.00	91 41 640.00	2 50 34 714.00
घटायें: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	0.00	1 58 93 074.00	91 41 640.00	2 50 34 714.00
शेष राशि उपलब्ध 31.03.2020 (ग) (क-ख)	0.00	0.00	0.00	0.00
वर्ष 2019-20 की बकाया देनदारियां	0.00	13 00 982.00	64 705.00	13 65 687.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 15बी: आय एवं व्यय लेखा से कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

धनराशि ₹ में

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	कुल योग	गैर योजना	कुल योग
क) वेतन एवं मजदूरी				
i) शिक्षण	17 90 89 030.00		17 88 97 824.00	
ii) गैर-शिक्षण	21 43 74 644.00		21 92 07 763.00	
iii) आयकर (शिक्षण)	3 10 27 278.00		3 66 29 462.00	
iv) आयकर (अशिक्षण)	1 28 60 409.00		86 09 695.00	
v) ई.पी.एफ.	49 78 353.00	44 23 29 714.00	53 77 772.00	44 87 22 516.00
ख) भविष्य निधि में योगदान				
i) शिक्षण	1 52 90 403.00		1 87 92 354.00	
ii) अशिक्षण	2 78 49 030.00	4 31 39 433.00	3 23 57 369.00	5 11 49 723.00
ग) अन्य निधि (एनपीएस) में योगदान				
i) शिक्षण	2 61 66 227.00		2 09 17 990.00	
ii) अशिक्षण	42 75 649.00	3 04 41 876.00	33 90 990.00	2 43 08 980.00
घ) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ				
i) ग्रेच्युटी (शिक्षण)	0.00		67 61 968.00	
ii) ग्रेच्युटी (अशिक्षण)	1 66 95 633.00		1 73 22 636.00	
iii) छुट्टी नकदीकरण (शिक्षण)	3 22 760.00		13 17 932.00	
iv) छुट्टी नकदीकरण(अशिक्षण)	65 28 168.00	2 35 46 561.00	80 65 184.00	3 34 67 720.00

इ)	एलटीसी सुविधा				
	i) शिक्षण	49 028.00		21 35 731.00	
	ii) अशिक्षण	1 34 529.00	1 83 557.00	13 29 318.00	34 65 049.00
च)	स्वास्थ्य सुविधा				
	i) शिक्षण	0.00		51 48 650.00	
	ii) गैर-शिक्षण	5 23 409.00	5 23 409.00	83 10 790.00	1 34 59 440.00
छ)	बाल शिक्षा भत्ता	18 000.00	18 000.00	37 48 024.00	37 48 024.00
ज)	मानदेय	20 42 050.00	20 42 050.00	8 01 936.00	8 01 936.00
झ)	सीपीडीए	29 09 353.00	29 09 353.00	59 49 244.00	59 49 244.00
ञ)	औषधि	4 64 157.00	4 64 157.00	39 63 855.00	39 63 855.00
ञ)	केवी नेरिस्ट के वेतन एवं भत्ते	2 30 00 000.00	2 30 00 000.00	2 40 44 072.00	2 40 44 072.00
ट)	सीपीएफ (संस्थान का भाग)				
	i) शिक्षण	91 92 325.00		1 12 41 853.00	
	ii) अशिक्षण	1 43 13 979.00	2 35 06 304.00	1 79 33 502.00	2 91 75 355.00
	योग	59 21 04 414.00	59 21 04 414.00	64 22 55 914.00	64 22 55 914.00
	घटायें- पूर्ववृत्त वर्षों की देयताओं का भुगतान	3 15 16 179.00	3 15 16 179.00	0.00	0.00
	योग	56 05 88 235.00	56 05 88 235.00	64 22 55 914.00	64 22 55 914.00
	जोड़े-वर्ष 2019-20 की बकाया देनदारियाँ	13 65 687.00	13 65 687.00	0.00	0.00
	कुल योग	56 19 53 922.00	56 19 53 922.00	64 22 55 914.00	64 22 55 914.00

अनुसूची 16: शैक्षणिक व्यय

	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	संपूर्ण	गैर योजना	संपूर्ण
क) प्रयोगशाला व्यय				
i) उपभोज्य प्रौद्योगिकी	23 70 619.00		10 56 914.00	
ii) उपभोग्य विज्ञान	5 89 844.00		2 04 787.00	
iii) रासायन एवं ग्लास का सामान	7 17 331.00	36 77 794.00	22 06 373.00	34 68 074.00
ख) सदस्यता शुल्क	0.00	0.00	50 000.00	50 000.00
ग) संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	20 000.00	20 000.00	0.00	0.00
घ) आगन्तुक संकाय सदस्यों को भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00
इ) परीक्षा	3 48 851.00	3 48 851.00	3 09 579.00	3 09 579.00
च) छात्र कल्याण व्यय				
i) ईसीए	४३ ४५ ०१६.००		35 09 311.00	
ii) अध्ययन यात्रा	22 57 964.00	66 02 980.00	13 58 099.00	४१ ६ ४१०.००
छ) प्रवेश व्यय	3 08 400.00	3 08 400.00	3 80 080.00	3 80 080.00
ज) दीक्षांत समारोह व्यय	0.00	0.00	23 67 581.00	23 67 581.00
झ) प्रशिक्षण एवं नियोजन व्यय	7 22 258.00	7 22 258.00	0.00	0.00
ञ) वजीफा / साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति	2 43 53 474.00	2 43 53 474.00	2 56 93 562.00	2 56 93 562.00
ट) सदस्यता व्यय	57 150.00	57 150.00	25 000.00	25 000.00
ठ) एआईसीटीई	0.00	0.00	1 77 302.00	1 77 302.00
ड) एनबीए	12 98 000.00	12 98 000.00	९ १ ०००.००	९ १ ०००.००
ढ) एनसीसी	1 84 702.00	1 84 702.00	95 396.00	95 396.00
ण) एनएसएस	1 81 601.00	1 81 601.00	1 79 973.00	1 79 973.00
कुल योग	3 77 55 210.00	3 77 55 210.00	3 85 94 957.00	3 85 94 957.00

अनुसूची 17: प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

अ. ढाचागत		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
		गैर योजना	योग	गैर योजना	योग
क)	विद्युत व शक्ति	1 09 86 368.00	1 09 86 368.00	1 05 41 948.00	1 05 41 948.00
ख)	जल प्रभार	8 71 320.00	8 71 320.00	4 12 900.00	4 12 900.00
ग)	बीमा	0.00	0.00	0.00	0.00
घ)	किराया, दरें एवं कर (संपत्ति कर सहित)	0.00	0.00	0.00	0.00
आ. संचार					
इ)	डाक	1 16 460.00	1 16 460.00	50 000.00	50 000.00
च)	टेलीफोन, फैंक्स एवं इंटरनेट शुल्क				
	i) टेलीफोन	5 24 683.00	5 24 683.00	3 90 208.00	3 90 208.00
	ii) इंटरनेट शुल्क	0.00	0.00	15 95 242.00	15 95 242.00
इ. अन्य					
छ)	मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	27 90 157.00	27 90 157.00	22 08 644.00	22 08 644.00
ज)	यातायात एंड साधन व्यय	45 23 993.00	45 23 993.00	44 03 374.00	44 03 374.00
झ)	नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा	48 16 969.00	48 16 969.00	36 92 945.00	36 92 945.00
ञ)	लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक	84 025.00	84 025.00	0.00	0.00
ट)	पेशेवर प्रभार				
	i) परामर्स शुल्क	2 63 615.00		4 87 925.00	
	ii) पेशेवर शुल्क	58 03 558.00		0.00	
	ii) कानूनी शुल्क	16 80 200.00	77 47 373.00	12 30 000.00	17 17 925.00
ठ)	विज्ञापन तथा प्रचार	7 70 399.00	7 70 399.00	17 60 622.00	17 60 622.00
ड)	पत्रिकाएँ और जर्नल	36 003.00	36 003.00	30 005.00	30 005.00
ण)	अन्य व्यय		2 53 94		
	i) सभा व्यय	15 16 701.00	771.00	10 78 746.00	83 79 192.35

	ii) कार्यालय व्यय	47 98 060.00		42 68 056.35	
	iii) वस्त्र व वर्दी	15 80 010.00		8 25 390.00	
	iv) केवी उपरी शुल्क	0.00		0.00	
	v) हेफा (केनरा बैंक)	1 75 00 000.00		22 07 000.00	
	कुल योग	5 86 62 521.00	5 86 62 521.00	3 51 83 005.35	3 51 83 005.35

अनुसूची 17क: आय तथा व्यय लेखा से प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

अ. ढाचागत		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
		गैर योजना	योग	गैर योजना	योग
क)	विद्युत व शक्ति	1 09 86 368.00	1 09 86 368.00	1 05 41 948.00	1 05 41 948.00
ख)	जल प्रभार	8 71 320.00	8 71 320.00	4 12 900.00	4 12 900.00
ग)	बीमा	0.00	0.00	0.00	0.00
घ)	किराया, दरें एवं कर (संपत्ति कर सहित)	0.00	0.00	0.00	0.00
आ. संचार					
इ)	डाक	1 16 460.00	1 16 460.00	50 000.00	50 000.00
च)	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क				
	i) टेलीफोन	5 24 683.00	5 24 683.00	3 90 208.00	3 90 208.00
	ii) इंटरनेट शुल्क	0.00	0.00	15 95 242.00	15 95 242.00
इ. अन्य					
छ)	मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	27 90 157.00	27 90 157.00	22 08 644.00	22 08 644.00
ज)	यातायात एंड साधन व्यय	45 23 993.00	45 23 993.00	44 03 374.00	44 03 374.00
झ)	नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा	48 16 969.00	48 16 969.00	36 92 945.00	36 92 945.00
ञ)	लेखा परीक्षकों को पारिश्रमिक	84 025.00	84 025.00	0.00	0.00
ट)	पेशेवर प्रभार				
	i) परामर्स शुल्क	2 63 615.00	77 47 373.00	4 87 925.00	17 17 925.00

	ii) पेशेवर शुल्क	58 03 558.00		0.00	
	ii) कानूनी शुल्क	16 80 200.00		12 30 000.00	
ठ)	विज्ञापन तथा प्रचार	7 70 399.00	7 70 399.00	17 60 622.00	17 60 622.00
ड)	पत्रिकाएँ और जर्नल	36 003.00	36 003.00	30 005.00	30 005.00
ण)	अन्य व्यय				
	i) सभा व्यय	15 16 701.00		10 78 746.00	
	ii) कार्यालय व्यय	47 98 060.00		42 68 056.35	
	iii) वस्त्र व वर्दी	15 80 010.00		8 25 390.00	
	iv) केवी उपरी शुल्क	0.00	2 53 94	0.00	
	v) हेफा (केनरा बैंक)	1 75 00 000.00	771.00	22 07 000.00	83 79 192.35
	योग	5 86 62 521.00	586 62 521.00	351 83 005.35	351 83 005.35
	घटायें- पूर्व वर्षों की देनदारियों का भुगतान	8 00 408.00	8 00 408.00	0.00	0.00
	संपूर्ण योग	578 62 113.00	578 62 113.00	3 51 83 005.35	351 83 005.35


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 18: परिवहन व्यय

धनराशि ₹ में

विवरण	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	संपूर्ण	गैर योजना	संपूर्ण
1 वाहन (संस्था के स्वामित्व में)				
क) परिचालन व्यय	36 59 005.00	36 59 005.00	22 09 221.00	22 09 221.00
ख) मरम्मत एवं रख रखाव	5 26 905.00	5 26 905.00	5 18 258.00	5 18 258.00
ग) बीमा / सड़क कर व्यय	3 00 535.00	3 00 535.00	3 47 497.00	3 47 497.00
2 किराए / किराये पर लिए गए वाहन				
क) किराया / पट्टे का व्यय	1 14 000.00	1 14 000.00	0.00	0.00
संपूर्ण योग	46 00 445.00	46 00 445.00	30 74 976.00	30 74 976.00


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli, Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed to be University)
 Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुसूची 19: अनुरक्षण तथा रखरखाव

विवरण	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	योग	गैर योजना	योग
क) इमारतें				
i) सिविल रखरखाव	12 95 23 655.20		५ 5२ ३ 5 ६१२.००	
ii) विद्युत रखरखाव	52 70 843.00		0.00	
iii) भूमि / पट्टे का नवीनीकरण	42 69 585.00	1390 64 083.20	20 48 667.00	6 02 87 279.00
ख) साज सज्जा सामान व उपकरण	0.00	0.00	0.00	0.00
ग) संयंत्र व उपकरण	15 39 258.00	15 39 258.00	15 39 572.00	15 39 572.00
घ) कार्यालय उपकरण	1 31 317.00	1 31 317.00	6 27 235.00	6 27 235.00
ङ) कंप्यूटर	2 01 360.00	2 01 360.00	11 800.00	11 800.00
च) सॉफ्टवेयर रखरखाव	26 83 518.00	26 83 518.00	36 20 889.50	36 20 889.50
छ) प्रयोगशाला और वैज्ञानिक उपकरण	2 97 214.00	2 97 214.00	3 49 949.00	3 49 949.00
ज) श्रव्य दृश्य उपकरण	0.00	0.00	0.00	0.00
झ) सफाई सामग्री और सेवाएँ	12 67 215.00	12 67 215.00	15 72 043.00	15 72 043.00
ञ) लॉन / वॉन	1 18 58 779.00	1 18 58 779.00	45 86 681.00	45 86 681.00
ट) बागवानी	2 45 074.00	2 45 074.00	3 41 222.00	3 41 222.00
ठ) परिसर रखरखाव				
i) वीआईपी अतिथि गृह	5 11 554.00		0.00	
ii) अग्निशामक यंत्र	3 26 250.00	8 37 804.00	0.00	0.00
ड) परिसर सुरक्षा (बाह्य सेवा)	1 28 14 157.00	1 28 14 157.00	1 10 15 259.90	1 10 15 259.90
ढ) बाह्य सेवा मजदूरी	66 15 082.00	66 15 082.00	57 12 849.00	57 12 849.00
संपूर्ण योग	17 75 54 861.20	1775 54 861.20	8 96 64 779.40	8 96 64 779.40

अनुसूची 20: वित्त प्रभार

धनराशि ₹ में

विवरण	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	गैर योजना	योग	गैर योजना	योग
क) बैंक प्रभार	4 277.50	4 277.50	14 661.50	14 661.50
संपूर्ण योग	4 277.50	4 277.50	14 661.50	14 661.50


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed to be University)
 Nirjuli .. Arunachal Pradesh

अनुसूची 21: स्थाई परिसंम्पत्तियों तथा प्रगति पर कार्यो पर व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
	योजना	योग	योजना	योग
1 साज सज्जा	1 94 18 569.00	1 94 18 569.00	1 30 72 725.00	1 30 72 725.00
2. पुस्तकालय पुस्तकें / जर्नल				
क) पुस्तकें	11 64 508.00	13 23 693.68	2 21 539.00	2 21 539.00
ख) पत्रिकायें	1 59 185.68			
3 उपकरणों पर व्यय				
क) कार्यालय उपकरण	14 97 845.00	14 97 845.00	64 660.00	
ख) प्रयोगशाला उपकरण / अन्य				
i) कृषि अभियांत्रिकी	9 89 903.00			
ii) विद्युत	2 04 907.00			
iii) सिविल इंजीनियरिंग	4 94 680.00			
iv) यंत्रिक अभियांत्रिकी	11 800.00			
v) वानिकी	11 16 192.00			
vi) इलेक्ट्रानिकी एवं संचार	10 70 673.00			
vii) रसायन विज्ञान	7 66 357.00			
viii) भौतिकी	2 41 807.00	48 96 319.00	12 07 407.00	12 72 067.00
4. पूंजीगत कार्य प्रगति / पूर्णता				
क) स्थायी प्रशासनिक भवन	1 00 00 000.00			
ख) रजत जयंती सभागार - चरण- II	10 00 00 000.00			
ग) वीवीआईपी अतिथि गृह	13 99 206.00			
घ) सड़क निर्माण	3 42 86 337.00	14 56 85 543.00	15 65 18 773.00	15 65 18 773.00
5. कंप्यूटर उपस्कर	69 09 806.00	69 09 806.00	0.00	0.00
संपूर्ण योग	17 97 31 775.68	17 97 31 775.68	17 10 85 104.00	17 10 85 104.00

अनुसूची 22ए: अन्य व्यय

धनराशि ₹ में

विवरण	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) छात्रों की धरोहर राशि	28 88 437.00	25 77 125.00
ख) ऋण / अग्रिम	1 50 000.00	0.00
ग) परियोजना लेखा	26 45 720.00	17 25 975.00
घ) सुरक्षा जमा	47 44 741.00	38 02 343.00
ङ) आयकर	50 38 774.00	0.00
च) जीएसटी पर टीडीएस	67 75 003.00	3 18 189.00
छ) ईएमडी	78 588.00	1 79 100.00
ज) एनआईडीएम	4 00 000.00	0.00
झ) छात्रवृत्ति लेखा	72 532.00	0.00
ञ) अनुसंधान परियोजना	6 81 15 270.87	0.00
संपूर्ण योग	9 09 09 065.87	86 02 732.00


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh

निर्देश तथा लेखांकन सिद्धांत

विशिष्ट लेखा नीति (निदर्शी)

1. लेखाओं के निष्पादन का आधार

लेखाओं को ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि अन्यथा कहा न जाए। सामान्यतया लेखांकन हेतु क्रमिक विधि अपनाई जाती है।

2. लेखाओं का प्रारूप

वर्ष 2019-20 के लिए संस्थान के लेखाओं को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के लिए निर्धारित लेखांकन संशोधित प्रारूप के आधार पर तैयार किया गया है।

3. राजस्व मान्यता

3.1 यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। भारत सरकार तीन प्रमुख प्रमुखों मर्दों ओएच-31 (सामान्य), ओएच-35 (पूँजीगत) और ओएच -36 (वेतन) के तहत अनुदान प्रदान करती है। भारत सरकार से अनुदान को उसी वित्तीय वर्ष में लेखांकन किया जाता है, जिसके लिए भारत सरकार ने अनुमोदित किया है।

3.2 आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) के लिए प्रमुख स्रोत छात्रों से प्राप्त विभिन्न शुल्क (शैक्षणिक वर्ष के दौरान एकत्र), आवेदन पत्र तथा विवरणिका की बिक्री, निवेश पर अर्जित ब्याज और अन्य विविध आय हैं।

4. स्थाई परिसम्पत्तियाँ एवं अवमुल्यन

4.1 अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत, आवक माल ढुलाई, विविध करों, अधिग्रहण तथा स्थापना से संबंधित प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष व्यय सहित आंका जाता है।

4.2 उपहारित / दान मे प्राप्त संपत्तियां जहां उपलब्ध हैं, वहां घोषित मूल्य पर मूल्यांकित हैं। यदि मुल्य उपलब्ध नहीं है, तो परिसंपत्ति की भौतिक स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मूल्य का अनुमान लगाया जाता है। इन परिसंम्पत्तियों को संस्थान की स्थाई परिसंम्पत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित संपत्तियों का लागू दरों पर अवमूल्यन किया जाता है।

4.3 अचल संपत्तियों की कीमत कम संचित अवमूल्यन पर होती है। अचल संपत्तियों पर मूल्यहास निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त संपत्ति:

1. भूमि	0%
2. परिसर का विकास	0%
3. इमारतें	2%
4. सड़कें तथा पुल	2%
5. नलकूप तथा जलापूर्ति	2%
6. स्वच्छता तथा जलनिकास	2%
7. विद्युत स्थापना तथा उपकरण	5%
8. संयंत्र तथा मशीनरी	5%
9. वैज्ञानिक तथा प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10. कार्यालय उपकरण	7.5%
11. श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%
12. कंप्यूटर सह उपस्कर	20%
13. साज सज्जा, उपस्कर और फिटिंग	7.5%
14. वाहन	10%
15. पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

4.4. वर्ष के दौरान परिवर्धन के साथ पूरे वर्ष के लिए अवमूल्यन किया जाता है।

4.5. निर्धारित वित्त एवं प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से निर्मित परिसंपत्तियाँ, जहाँ ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व संस्थान में निहित है, उन्हें पूंजीगत वित्त के लिए समायोजित किया जाता है और संस्था के निश्चित आस्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित

संपत्तियों पर लागू दरों पर मूल्यह्रास भी किया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधियों से बनाई गई संपत्तियों का प्रायोजकों द्वारा स्वामित्व बरकरार रखा जाता है, लेकिन संस्थान द्वारा अलग-अलग लेखाओं में इन्हें समायोजित किया जाता है।

4.6. भूमि और प्रगति पर पूंजीगत कार्यों पर कोई अवमूल्यन नहीं है।

5. अक्षय निधि

अक्षय निधि विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों तथा अन्य संगठनों से प्राप्त की गई धनराशि है, जो पीठ की स्थापना के लिए या दानकर्ताओं द्वारा निर्दिष्ट किए गए पदक तथा पुरस्कारों के लिए निमित्त है। अक्षय निधि से निर्धारित निवेश होता है। इन निधियों हेतु एक बचत बैंक खाता है, क्योंकि उनमें उपयोग नहीं की गई धनराशि बहुत कम होती हैं।

प्रत्येक अक्षय निधि के निवेश से प्राप्त आय को निधि में जोड़ा जाता है। बचत लेखा पर अर्जित ब्याज प्रत्येक वित्त में वर्ष के अंत में शेष राशि के अनुपात में आवंटित किया जाता है। पदक तथा पुरस्कार पर खर्च संबंधित निधि के निवेश पर अर्जित ब्याज से प्राप्त होता है और शेष राशि को आगे बढ़ाया जाता है। हालांकि, इस संबंध में कोष का भी उपयोग किया जा सकता है।

लेखा शेष का निवेश आरबीआई बांड तथा सावधि जमा द्वारा किया जाता है। सभी अक्षय निधियों के लिए बचत लेखा में निवेश पर अर्जित ब्याज का समायोजन किया जाता है।

6. सरकारी अनुदान

5.1 पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की जाने वाली सीमा तक, (प्रोद्भवन आधार पर) सरकारी अनुदान पूंजीगत वित्त में स्थानांतरित किया जाता है।

5.2 राजस्व व्यय को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदान (उपार्जन के आधार पर) का उपयोग उस वर्ष की उस आय के रूप में किया जाता है, जिसमें वे साकार होते हैं।

5.3 उपयोग में नहीं लिये गये अनुदानों को अग्रसित जाता है और तुलन पत्र में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

7 प्रायोजित परियोजना

चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को "वर्तमान देयताएं और प्रावधान-वर्तमान देयताएं-अन्य देयताएं-चल रही प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त वित्त के रूप में लेखांकन किया है। इन परियोजनाओं से अग्रिम या भुगतान किया जाता है तो संबंधित परियोजना लेखा से आवंटित वित्त से नामें किया जाता है।

8

आयकर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23सी) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए कर का कोई प्रावधान लेखाओं में नहीं किया गया है।

9

अनुसूचियाँ

क) अनुसूची -1 से अनुसूची -8 तक से तुलन पत्र को संकलित किया गया है।

ख) आय एवं व्यय लेखा को अनुसूची -9, 12, 13, 15 से 20 द्वारा संकलित किया गया है।

ग) प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा को अनुसूची 9, 12 से 22 ए द्वारा संकलित किया गया है।

घ) उपयोग में ली गये और उपयोग में नहीं ली गये सरकार अनुदान को अनुसूची -10 में प्रतिबिंबित किया गया है।

ङ) रु. 6000000.00 (साठ लाख रुपए) को समग्र निधि, संकाय विकास वित्त लेखा, उपकरण अनुरक्षण लेखा तथा रखरखाव लेखा में (प्रत्येक रु. 1500000.00) स्थानांतरित किया गया है। प्रत्येक राशि प्राप्तियाँ व भुगतान तथा निर्धारित/अक्षय निधि (अनुसूची 2) में दर्शायी गई है।

10 बजट प्रावधान एवं व्यय

क) वर्ष 2019-20 के दौरान नेरिस्ट के प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा के अनुसार बजट प्रावधान एवं व्यय

(राशि रु. लाख में)

वर्ष	बजट प्रावधान	प्रारंभिक लेखा शेष	प्राप्त अनुदान	अन्य प्राप्तियाँ	संपूर्ण योग (3+4+5)	व्यय	अन्तिम लेखा शेष (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8
2019-20	43252.00	2080.98	12384.00	2262.87	16727.85	11413.22	5314.63


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची: 24

आकस्मिक देनदारियाँ एवं लेखा टिप्पणियाँ (निदर्शी)

1. स्थाई परिसम्पत्तियाँ:

- 1.1 वर्ष में दौरान स्थाई परिसम्पत्तियों (अनुसूची-4) में योजना वित्त से रु. 17,97,31,775.68 तथा अ-योजना वित्त से रु. 00 की बढ़ोतरी हुई थी। इन परिसम्पत्तियों को पूजीगत वित्त में स्थापित किया गया है।
- 1.2 दिनांक 31.03.2020 तथा पिछले पहले के वर्षों के तुलन पत्र के अनुसार, योजना वित्त से बनाई गई स्थाई परिसम्पत्तियों को अलग तरीके से प्रदर्शित किया गया था। वर्ष 2019-20 के दौरान, योजना निधि से उन परिवर्धन पर अवमुल्यन क्रमशः उप-अनुसूचियों में स्थाई परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) की मुख्य अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है।
- 1.3 अनुसूची 4 में निर्धारित परिसंपत्तियों में प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से खरीदी गई संपत्तियां शामिल नहीं हैं, जो संस्थान द्वारा उपयोग की जाती हैं, क्योंकि परियोजना अनुबंधों में यह शर्त शामिल है कि परियोजनाओं की निधियों से खरीदी गई ऐसी सभी संपत्तियां प्रायोजकों की संपत्ति रहेंगी।

2. विदेशी मुद्रा में व्यय:

क) यात्रा	शून्य
ख) रसायनों आदि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा	शून्य
ग) अन्य	शून्य

3. वर्तमान परिसंम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम तथा जमा राशि

प्रबंधन की राय में, वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम और जमाओं को सामान्यतया प्राप्त मूल्य है, जो तुलन पत्र में दिखाई गई कुल राशि के बराबर है।

4. बैंक में स्थित बचत बैंक खातों व चालू खातों में शेष राशि का विवरण को वर्तमान परिसंपत्तियों की अनुसूची (अनुसूची -7) के अनुलग्नक 'ए' के रूप में संलग्न किया गया है।
5. अनुसूचियां 1 से 24 तक 31 मार्च 2020 को तुलन पत्र का और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा एक अभिन्न अंग है।

6. सामान्य

(ए) 2018-19 के दौरान संस्थान के प्रमुख का नाम

क्रम संख्या	संस्थान के प्रमुख	से	तक
1	आचार्य एच. एस. यादव	01.04.2019	31.03.2020

(ख) वर्ष 2019-20 के दौरान संस्थान के डीडीओ का नाम

क्रम संख्या	डीडीओ का नाम	से	तक
1	श्री एम. कामदेर, प्रभारी कुल सचिव	01.04.2019	31.03.2020
2	आचार्य के. एन. देवांगन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	01.04.2019	31.03.2020

7. क) दिनांक 31.03.2020 को स्नातक छात्रों की संख्या - 1364
ख) दिनांक 31.03.2020 को स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या - 364
ग) दिनांक 31.03.2020 तक पीएच.डी. छात्रों की संख्या - 258
कुल योग 1986

8. क) दिनांक 31.3.2020 को शिक्षण कर्मचारियों की संख्या --- 130
ख) दिनांक 31.3.2020 को गैर- दिनांक 31.3.2020 को --- 370


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed to be University)
Nirjuli, Arunachal Pradesh